RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 203
लखनऊ, रविवार, 16 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

माधुरी दीक्षित ने दिलायी सरोज खान की याद
विविध-12

www.dailypioneer.com

प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू 24 तक फिर बढ़ा

गांवों में कोरोना रोकने को सरकार ने कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- 59 आईएएस अफसरों को बनाया 75 जिलों का नोडल अफसर
- पंजीकृत पटरी दुकानदारों को आर्थिक सहायता के रूप में 1000 रुपया तथा तीन महीने का राशन देने का भी निर्णय

कोविड संक्रमण से जंग में कोरोना कर्फ्यू का प्रभावी असर दिखने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे एक बार फिर बढ़ा दिया है। प्रदेश में अब 24 मई की सुबह सात बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा। कोरोना कर्फ्यू बढ़ाने का फैसला लेने से पहले सीएम ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक करके सभी की सहमति ली। इसके साथ ही सरकार ने सभी पंजीकृत पटरी दुकानदारों को आर्थिक सहायता के रूप में 1000 रुपया देने का भी निर्णय लिया गया। इन सभी को प्रदेश सरकार तीन महीने का राशन भी देगी।

दूसरी ओर यूपी के शहरों के बाद गांवों में कोरोना संक्रमण की दस्तक को देखते हुए योगी सरकार ने आज बड़ा फैसला लिया है। एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के 59 अफसरों को 75 जिलों का नोडल अधिकारी बनाया गया है। यह सभी अधिकारी सम्बंधित जिलों में एक सप्ताह तक रुकेंगे। यह अधिकारी कोरोना संक्रमण की रोकथाम और सीएचसी, पीएचसी में ऑक्सीजन के अलाव बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने का काम करेंगे। यह सभी जिला प्रशासन के कार्यों का निरीक्षण भी करेंगे। जिलों से वापस आकर शासन को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे। कोरोना की जंग में सीएम योगी के अचानक अपनी रणनीति को बदलने के पीछे कोरोना संक्रमण का गांवों की ओर प्रसार है। जिसे देखते हुए सीएम योगी ने अपनी रणनीति को बदला है। अब उनका फोकस गांवों में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश लगाने का है। योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को टीम-9 के साथ अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस संक्रमण पर समीक्षा बैठक के दौरान सभी को अब गांवों पर अधिक फोकस करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में 75 जिलों में 59 अफसरों को नोडल अफसर बनाया गया है। अपर मुख्य सचिव के साथ ही प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी गांवों में बढ़ रहे कोरोना वायरस संगिमण पर अंकुश लगाने के प्रयास में जिला प्रशासन के कार्य पर नजर रखेंगे। नोडल अधिकारी जिलाधिकारी तथा सेक्टर प्रभारी के रूप में तैनात जिला प्रशासन के अधिकारी से रोज रिपोर्ट लेंगे। योगी सरकार ने जिन 59 अफसरों को नोडल अफसर के रूप में तैनात किया है, वे सभी जिलों में एक सप्ताह तक प्रवास करेंगे। ये लोग कोरोना संक्रमण की रोकथाम के उपाय सुझाने के साथ सीएचसी व पीएचसी में ऑक्सिजन बेड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के जिला प्रशासन के कार्यों का निरीक्षण करेंगे। एक सप्ताह के निरीक्षण के बाद आकर यह सभी शासन को अपनी रिपोर्ट देंगे। कोविड प्रबंधन में निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए अब हर जनपद में सचिव अथवा उससे उच्च स्तर के एक अधिकारी को नामित किया गया है। इनके साथ ही न्याय पंचायत स्तर पर जिला स्तरीय अधिकारियों को सेक्टर प्रभारी के रूप में तैनात किया जाएगा। राज्य सरकार शहर में नए केस कम संख्या में मिलने के बाद भी कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। इस समय गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से व्यापक जांच अभियान भी चलाया जा रहा है।

कोरोना कर्फ्यू बढ़ाने का फैसला लेने से पहले सीएम ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक करके सभी की सहमति ली। वैक्सीनेशन, औद्योगिक गतिविधियों, मेडिकल संबंध कार्य व आवश्यक अनिवार्य सेवाएं जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर सम्पूर्ण मंत्रिमंडल की बैठक में कैबिनेट मंत्री के साथ राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा राज्य मंत्री भी शामिल थे। बैठक में कोरोना कर्फ्यू को 17 मई से आगे बढ़ाने पर मुहर लगी। अधिकांश मंत्रियों की राय कोरोना कर्फ्यू को 24 मई सुबह सात बजे तक आगे बढ़ाने की थी। बैठक में प्रदेश में कोरोना वायरस प्रबंधन पर योजना बनाने के साथ ही कोरोना कर्फ्यू को एक हफ्ते तक आगे बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों से राय ली। इस बैठक के बाद आने वाले निर्णय पर सर्वसम्मति से फैसला लिया गया।

ब्लैक फंगस से बचाव के इंतजाम शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड संक्रमण की धीमी होती रफ्तार के बीच पैर पसारते ब्लैक फंगस नाम की बीमारी से बचाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसजीपीजीआई, लखनऊ में ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार की दिशा तय करने के लिए 12 सदस्यीय वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम गठित कर दी गई है। (विस्तृत पेज 2)

कल से मंडल मुख्यालय वाले सभी जिलों में 18 से 44 आयु वर्ग का होगा टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार को कोरोना से बचाव के लिए टीका लगवाती एक युवती

योगी सरकार कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान को फिर नया विस्तार देने जा रही है। आगामी सोमवार से प्रदेश के मंडल मुख्यालय वाले सभी जिलों में भी 18 से 44 आयु वर्ग का टीकाकरण शुरू करने के शनिवार को सीएम योगी ने निर्देश दिए हैं। सरकार के इस कदम से बस्ती, विंध्याचल धाम, आजमगढ़, देवीपाटन और चित्रकूटधाम मंडल मुख्यालय के जिले को लोगों के वैक्सीनेशन का रास्ता साफ हो गया है। टीम-9 की बैठक में सीएम योगी ने कहा है कि वैक्सीनेशन के प्रथम दिवस लोगों के उत्साहवर्धन के लिए इन जिलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए।

वैक्सीन सेंटर तय करते समय यह ध्यान रखें कि स्थल पर प्रतीक्षालय के लिए खुला स्थान हो और कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन हो सके। सीएम योगी ने कहा कि सभी नागरिकों का वैक्सीनेशन निःशुल्क है। कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन हो, इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था लागू की गई है। निरक्षर, दिव्यांग, निराश्रित, श्रमिक अथवा अन्य जरूरतमंद लोगों का टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर टीकाकरण पंजीयन की सुविधा प्रदान करना सुविधाजनक होगा। इस संबंध में तत्काल आवश्यक व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही 45 साल से ज्यादा आयु के लोगों को द्वितीय डोज के लिए ऑन स्पॉट पंजीयन की सुविधा जारी रखने के निर्देश दिए गए है। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों के आंकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने पर जोर दिया और सभी जिला अस्पतालों में न्यूनतम 10-15 बेड और मेडिकल कॉलेज में 25-30 बेड की क्षमता वाले पीडियाट्रिक आईसीयू को तैयार कराया जाने के निर्देश दिए। मंडल मुख्यालय पर न्यूनतम 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू होना चाहिए। गोरखपुर व बस्ती मण्डल में इंसेफेलाइटिस के दृष्टिगत स्थापित 'पीकू' की तर्ज पर अन्य जिलों में व्यवस्था की जानी चाहिए। आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, मेडिसिन आदि की उपलब्धता करा ली जाए। गौरतलब है कि योगी सरकार ने एक मई से प्रदेश के अधिक संक्रमण वाले सात जिलों में 18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया था। पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और मेरठ में टीकाकरण शुरू किया गया था। दूसरे चरण में आगरा, झांसी, गाजियाबाद, मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, अयोध्या, फैजाबाद, शाहजहांपुर, मथुरा-वृन्दावन, फिरोजाबाद नगर निगम तथा गौतमबुद्ध नगर में टीकारण शुरू किया गया। सीएम योगी ने कहा कि अभियान को सोमवार से अच्छे ढंग से आगे बढ़ाया जाए। टीकाकरण में शामिल जनपदों के युवाओं को ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में 1,000 से कम रहे मामले

- कोरोना के 8,404 मरीज संक्रमण मुक्त, 12,547 नए मामले, 281 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 281 मरीजों की मौत हुई जबकि संक्रमण के 12,547 नए मामले सामने आए हैं। लंबे समय बाद शनिवार पहला ऐसा दिन रहा जब प्रदेश के सभी जिलों में संक्रमण के नए मामले 1,000 से कम रहे। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में संक्रमण की दर निरंतर कम हो रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में प्रदेश में 12,547 नए मामले सामने आए हैं जबकि 30 अप्रैल को 38 हजार नए मामले सामने आए थे। 30 अप्रैल को लगभग 3.10 लाख उपचाराधीन मामलों के सापेक्ष शनिवार को यह संख्या 1,77,643 हो गई है।

सहगल के मुताबिक राज्य में पिछले 24 घंटों में 281 मरीजों की मौत के बाद अब तक संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 17,238 हो गई है। 12,547 नए मामले आने के बाद राज्य में अभी तक संक्रमितों हुए लोगों की संख्या बढ़कर 16,09,140 हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में नए मामलों की अपेक्षा स्वस्थ होकर घर जाने वालों की संख्या बढ़ी है और शनिवार को 12,547 नए मरीजों के सापेक्ष 28,404 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में 14,14,259 मरीज कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए हैं। सहगल ने बताया कि राज्य में शुक्रवार को 2.56 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई और अब तक 4.44 करोड़ से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। आज जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार लंबे समय बाद शनिवार पहला ऐसा दिन रहा जब प्रदेश के सभी जिलों में संक्रमण के नए मामले 1,000 से कम रहे। (शेष पेज 9)

देश में 3.26 लाख नए केस, 3,890 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में एक दिन में 3,26,098 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कोविड-19 के मामले बढ़कर 2,43,72,907 हो गए हैं, जबकि 3,890 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,66,207 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या गिरकर 36,73,802 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.07 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सुधरकर 83.83 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 2,04,32,898 हो गई है जबकि संक्रमण से मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई है। देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख को पार कर गई थी। वहीं कोविड-19 मरीजों की संख्या 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गई थी। (शेष पेज 9)

सात साल पहले की फोटो ट्वीट करने पर पूर्व आईएएस के खिलाफ मामला दर्ज

उन्नाव (भाषा)। सात साल पहले की शवों की फोटो ट्वीट कर लोगो के मन में भ्रम फैलाने के आरोप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सूर्यप्रताप सिंह के खिलाफ यहां कोतवाली में एक मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्नाव कोतवाली के थाना प्रभारी दिनेशचंद्र मिश्र ने बताया कि सिंह के खिलाफ जिले के संभ्रात नागरिकों की शिकायत पर 13 मई को मामला दर्ज किया गया। मिश्र की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि शहर के कई संभ्रात नागरिकों द्वारा बताया गया कि सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश काडर के सेवानिवृत्त आईएएस सूर्यप्रताप सिंह ने एक ट्वीट किया है, जिसमें लिखा है कि 67 शवों को सरकार ने गंगा तट पर जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफन करा दिया है। इसमें राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार के कामकाज के तरीके पर भी प्रश्न उठाए गए थे। मिश्र ने प्राथमिकी में कहा है कि इस ट्वीट से जिले का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। (शेष पेज 9)

चित्रकूट जेल में वसीम काला सहित दो अपराधियों की हत्या

- एनकाउंटर में शार्प शूटर भी मारा गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल शुक्रवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठी। सीतापुर के शार्प शूटर अंशुल दीक्षित ने दो टॉप मोस्ट अपराधियों वसीम काला और मिराजुद्दीन को गोलियों से भून डाला। बाद में पुलिस ने मुठभेड़ में अंशुल उर्फ अंशू को भी मार गिराया। मिराजुद्दीन मुख्तार गैंग का शातिर अपराधी बताया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पुलिस के आला अधिकारियों से 6 घंटे में पूरी रिपोर्ट मांगी और रिपोर्ट आने के बाद ही देर शाम जेल अधीक्षक व जेलर समेत पांच कर्मियों को निलम्बित कर दिया गया। जेल सूत्रों के मुताबिक शातिर अपराधी अंशुल कई महीने से जेल में निरुद्ध है। वेस्ट यूपी के गैंगस्टर वसीम काला और पूर्वांचल के माफिया सरगना मुख्तार अंसारी गैंग के गुर्गे मिराजुद्दीन को भी काफी दिनों पहले चित्रकूट जेल में लाया गया था। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे सभी बंदी व कैदी अपनी-अपनी बैरकों से निकलकर नाश्ता करने के लिए मेस की तरफ जा रहे थे। इसी बीच सीतापुर का अंशू दीक्षित, वाराणसी के शार्प शूटर मेराज अली की बैरक के पास पहुंचा। दोनों बातें करने लगे। थोड़ी देर में ही पश्चिम यूपी का अपराधी मुकीम काला भी वहां आ गया। तीनों में किसी बात को लेकर नोकझोंक होने लगी। जिसे देखकर ए एक बंदी रक्षक दौड़कर पहुंचा लेकिन उससे पहले ही अंशू ने पिस्टल निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दीं। पहले मुकीम और फिर मेराज को मौत के घाट उतार दिया। गोली चलती देख बंदी रक्षक भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद जेल परिसर में में अफरातफरी मच गई। तमाम कैदी और बंदी भाग कर अपनी-अपनी बैरकों में घुस गए। मुकीम व मेराज को मारने के बाद अंशू भी एक बैरक में घुस गया। उसने पांच कैदियों को भी पिस्टल के निशाने पर लेकर बंधक बना लिया। करीब साढ़े नौ बजे जेल अधीक्षक ने एसपी अंकित मित्तल व डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल को फोन किया। जेल में गैंगवार की खबर पाकर अधिकारी पुलिस बल के साथ 10.15 बजे जेल पहुंचे। पुलिस ने उस बैरक को घेर लिया जिसमें अंशु कैदियों को बंधक बनाए था। उसे आत्मसमर्पण के लिए ललकारा गया लेकिन वह पुलिस पर गोली चलाने लगा। (शेष पेज 9)

जेल अधीक्षक, जेलर सहित पांच कर्मी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने तलब की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजी कारागार से चित्रकूट जेल में हिंसा पर छह घंटे के अंदर रिपोर्ट तलब की और फिर उनके शुक्रवार को देर शाम शासन ने जिला कारागार चित्रकूट के अधीक्षक एसपी त्रिपाठी और जेलर महेंद्र पाल को निलंबित कर दिया है। जेल अधीक्षक को पहली नजर में प्रशासनिक अक्षमता, दायित्वों के प्रति उदासीनता और कर्तव्यविमुखता का दोषी पाया गया है। निलंबन के साथ ही जेल अधीक्षक को डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ से संबद्ध किया गया है। दोनों अधिकारियों के खिलाफ उप्र सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली-1999 के नियम सात के तहत अनुशासनिक कार्यवाही भी शुरू की गई है। निलंबन का आदेश अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने जारी किया है। जेल अधीक्षक व कारापाल के निलंबन के बाद शासन ने जिला कारागार कासगंज के अधीक्षक अशोक कुमार सागर को जिला कारागार चित्रकूट के जेल अधीक्षक तथा जिला कारागार अयोध्या के कारापाल सीपी त्रिपाठी को जिला कारागार चित्रकूट में कारापाल के पद पर स्थानांतरित किया है। उप महानिरीक्षक कारागार लखनऊ परिक्षेत्र संजीव त्रिपाठी को उप महानिरीक्षक कारागार प्रयागराज के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इन्हें अयोध्या परिक्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

आधार कार्ड न होने पर आवश्यक सेवाएं देने से मना नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने कहा किकिसी भी व्यक्ति को टीका लगाने, दवा देने, अस्पताल में भर्ती करने या उपचार उपलब्ध कराने से सिर्फ इस वजह से इनकार नही किया जा सकता कि उसके पास आधार कार्ड नहीं है। इसने स्पष्ट किया कि कोई भी आवश्यक सेवा उपलब्ध कराने से इनकार करने के लिए आधार कार्ड का बहाना नहीं किया जाना चाहिए। देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच यूआईडीएआई का बयान का काफी मायने रखता है। यूआईडीएआई ने कहा कि आधार के मामले में भली-भांति स्थापित एक अपवाद है जिसका 12 अंकों के बायोमीट्रिक आईडी की अनुपस्थिति में सेवा और लाभ प्रदायगी सुनिश्चित करने केलिए पालन किया जाना चाहिए।

पांच राज्यों में विस चुनाव से टूटा कोरोना का कहर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रत्याशियों का प्रचार शुरू होते ही दिन प्रतिदिन खराब होते गए हालात

केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव से देश में कोरोना का कहर टूटा। राजनीतिक दलों के आक्रामक प्रचार अभियान और रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ कोविड-19 संक्रमण में तेजी से उछाल आया और दिन प्रति दिन बढ़ता गया। पायनियर टीम ने पांचों राज्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया, जिसकी रिपोर्ट दिल दहलाने वाली है।

केरलः सबसे पहले बात केरल की, जहां कोरोना बुरी तरह फैला। इसी साल 26 फरवरी को जब मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा बेफिक्र होकर राष्ट्रीय टेलीविजन पर पांचों राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा कर रहे थे, तो यह राज्य कोरोना की पहली लहर से उबर रहा था। ओणम और क्रिसमस जैसे त्योहारों के दौरान भी केस नहीं बढ़े थे। उस समय केरल में 3,671 कोविड के नए मामले आए थे और 14 लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण दर 5.41 फीसदी दर्ज की गई थी। इसके बाद 15 अप्रैल को यहां नए केस बढ़कर 8,126 हो गए और संक्रमण दर 13 फीसदी हो गई।

तमिलनाडुः तमिलनाडु में कोविड महामारी पिछले साल अपने चरम पर थी। उस समय 40,000 हजार केस आ रहे थे जो सख्त लॉकडाउन के बाद कम होकर फरवरी 2021 में 500 रह गए थे। चुनाव की घोषणा वाले दिन तमिलनाडु में 481 नए केस आए थे और पांच लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद हालात भयावह होते गए। 21 मार्च को 1,289, 28 मार्च को 2,194 और मतदान के दिन 6 अप्रैल को कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 3,645 हो गई। यह आंकड़ा बढ़ता गया और 20 अप्रैल को 10,986 केस और 48 मौतें दर्ज की गईं। 7 मई को राज्य में 26,465 नए मामले और 197 मौतों के साथ संक्रमण दर 18.21 फीसदी दर्ज की गई।

पुडुचेरीः चुनाव की घोषणा के दिन पुडुचेरी में सिर्फ 29 कोरोना मरीज मिले थे और कोई मौत नहीं हुई थी। उस समय तक राज्य में संक्रमितों की संख्या 39,669 थी और कुल 667 मरीजों की मौत हुई थी। सिर्फ साढ़े 10 सप्ताह में चुनाव के दौरान यहां तस्वीर बदल गई। पिछले सप्ताह औसतन हर दिन 1800 नए केस और 25 लोगों की मौत दर्ज की गई। चुनावी हलचल के दौरान पुडुचेरी में 60 गुना से अधिक केस बढ़े हैं।

असम : चुनाव से पहले तक असम कोरोना वायरस संक्रमण न के बराबर था। चुनावों की घोषणा वाले दिन 26 फरवरी को राज्य में कुल 34 केस और एक मौत हुई थी। इसके बाद 6 अप्रैल को मतदान के दिन यहां कुल संक्रमित मरीज 92 आए और हर गुजरते दिन के साथ संक्रमण बढ़ता गया। पिछले एक सप्ताह से राज्य में हर दिन 4000 से अधिक केस आ रहे हैं और 75 मौतें दर्ज हो रही हैं। देश के किसी दूसरे राज्य की तुलना में यह कम लगता है, लेकिन यहां हालात बहुत अच्छे नहीं कहे जा सकते।

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मार्च से लेकर मई तक चुनावी अभियान ने कोरोना संक्रमण को तेजी से बढ़ाने में खलनायक की भूमिका निभाई है। (शेष पेज 9)

गाजा पर इजराइली हमले में दस फलस्तीनियों की मौत

- अंतरराष्ट्रीय मीडिया के दफ्तरों वाली हाईराइज बिल्डिंग ध्वस्त

एपी। गाजा सिटी

गाजा में इजराइली हमले ध्वस्त अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्यालयों वाला भवन

गाजा सिटी में शनिवार तड़के इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे। गाजा के उग्रवादी हमास शासकों के साथ लड़ाई शुरू होने के बाद से इजराइल के एक हमले में मरने वाले लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है। पिछले महीने यरूशलम में तनाव से शुरू हुआ यह संघर्ष व्यापक पैमाने पर फैल गया है। वहीं इजराइली सेना के हवाई हमले में शनिवार को गाजा सिटी स्थित एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई, जिसमें स्थित एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइली सेना के इस हालिया कदम को चरमपंथी संगठन हमास के साथ जारी उसकी लड़ाई के संबंध में गाजा की जमीनी स्तर की सूचनाओं को सामने लाने से रोकने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। सेना द्वारा इमारत को खाली करने का आदेश दिए जाने के एक घंटे बाद ही यह हमला हुआ। इस इमारत में रिहायशी अपार्टमेंट होने के साथ ही एपी, अल-जजीरा समेत अन्य संस्थानों के दफ्तर थे। (शेष पेज 9)

हवन के सहारे

कोरोना संकट के निपटने के लिये सीएम योगी की रात-दिन की मेहनत के बीच भाजपा की एक महिला नेता ने लोगों को हवन करने की नसीहत दी है और कहा है कि इससे पूरे देश ही नहीं पूरी दुनियां को कोरोना से मुक्ति मिलेगी। इस महिला नेता ने पहला हवन कर भी डाला है। हवन के अगले कई चरण होने है। कुल कितने होगा इसका कुछ अता-पता नहीं है। फिलहाल जनता से कहा गया है कि बस हवन करते जाएं। सब कुछ ठीक होगा। हवन से कोरोना भागेगा या नहीं, यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाजपा की इस महिला नेता का संदेश भाजपा संगठन और सरकार में चर्चा का विषय बना है। लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं और कुछ तो इस महिला नेता के अतीत के हवनों की सफलता का तर्क देते घूम रहे हैं। इस महिला नेता ने कभी मिर्जापुर के विन्धयाचल मंदिर में भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के लिये हवन-अनुष्ठान कराया था। जिसमें वह अपने मकसद में सफल भी रहीं थीं। अब देखना यह होगा कि इस बार उनका हवन-अनुष्ठान सफल होगा या नहीं। वैसे कोरोना संक्रमण इस हवन से जाए या न जाए लेकिन सन्नाटे में दिन गुजार रही इस महिला नेता की चर्चा सत्ता के चौखट पर जरूर शुरू हो गई है।

बदले-बदले सरकार...

कहते है कि उड़ती चिड़ियां के पंख गिनने वाले लोग समय की नजाकत को जानकर मौके का फायदा उठाते हैं। उप्र में भी कुछ ऐसे वरिष्ठ अधिकारी हैं जिन्होंने 2022 को देखते हुए अभी से सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। कई बैठकों में जो अधिकारी बढ़-बढ़कर बोलते थे उन्होंने अब ऐसे मौकों पर चुप्पी साध ली है। ऐसे नौकरशाह यह नहीं चाहते हैं कि इनके ऊपर किसी पार्टी की मुहर लगे ताकि 2022 में उनका खेल न बिगड़े। यह बात बिल्कुल सही है कि नेता तो चुनाव आने पर पार्टी बदलते हैं लेकिन अधिकारी यह तैयारी साल भर से पहले ही करने लगते हैं। इसी का नतीजा होता है कि सरकार का गठन होते ही लोग मलाईदार पोस्ट पर काबिज हो जाते हैं। ऐसे ही कुछ अधिकारी हैं जिन्होंने अब चाय की चुस्की पर राजनीतिक बातों पर विराम दे दिया है। जो कल तक पूछते थे कि और क्या चल रहा है वह आज कहते हैं कि मुझे राजनीति से क्या मतलब है। सरकार जहां भेजेगी वहां काम करेंगे। अब साहब की इस बदली भाषा मतलब साफ है कि वह 2022 की नई पारी में मजबूती से खेलने के लिए अभी से फिल्डिंग में लग गए हैं।

खत का असर

जब पूरा शहर महामारी से संघर्ष कर रहा था तो उस समय अपने चिकित्सा संस्थान के मुखिया अवकाश पर चल रहे थे। कहने को तो कोरोना से ग्रसित थे पर इतना लंबा कोरोना खींच देगा इसका अंदाजा किसी को नहीं था। बीच में मुखिया आये भी और तुरंत निकल गए फिर अवकाश पर। ऐसे में रामभरोसे चल रहे संस्थान की चाभी सरकार को दूसरे को देनी पड़ गई। इस बीच महामारी के खिलाफ सरकारी तैयारियों की पोल खोलने वाले सांसद के फेर में मुखिया भी आ गए। सांसद ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुखिया पर लंबे चौड़े पत्र लिख कर ऊपर बढ़ा दिया। सांसद के पत्र की खबर की खबर जैसे ही बयार बन कर बहना शुरू हुई। उसके दो दिन बाद ही मुखिया ड्यूटी पर आ गए जबकि अभी उनकी कुछ छुट्टियां बाकी थी। आते ही बैठकों का दौर शुरू हो चला है। फिलहाल खत का असर मुखिया जी पर हुआ जरूर है।

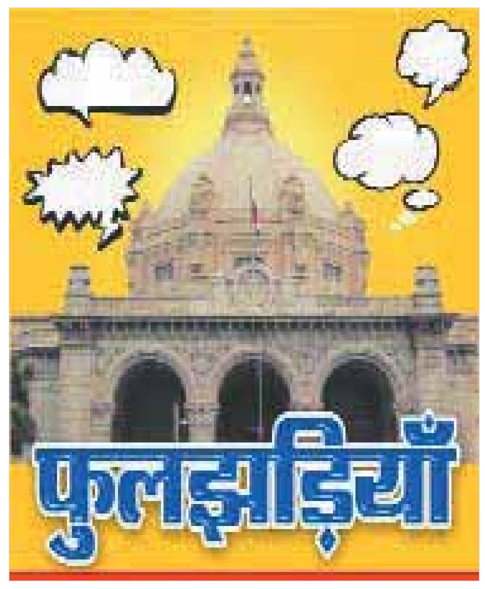

गौ-सेवक नंदन

गाय और श्याम का काफी पुराना नाता रहा है। देखा जाए तो गाय से श्याम का काफी लगाव भी रहा है लेकिन यह बात त्रेता युग की है। अब तो कल युग चल रहा है। बगैर फायदे के कोई कुछ नहीं करता। इस कलयुग में भी श्याम ने बहुत से वायदे किए कि मैं गो सेवा करूंगा। गाय माता की रक्षा करूंगा। उन्हें कोई कष्ट नहीं होने दूंगा। सारे आश्वासन देने के बाद बड़े महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर आखिरकार वे गो सेवा करने वाले मठाधीश बन ही गए। गो सेवा के नाम पर गाड़ी मिल गई। ऑफिस मिल गया। आवास मिल गया। लेकिन कभी गो सेवा की याद नहीं आई। श्याम ने पूरा वर्ष गो सेवा के नाम पर अपने कार्यालय में कुछ करने के बजाय करोना करोना कह कर बिता दिया। देखते ही देखते पूरा वर्ष भी समाप्त हो गया। अब श्याम जी को एक बार फिर गो सेवा की याद आईए और फिर उन्होंने बड़े महाराज की चरण वंदना शुरू कर दी। साथ ही आश्वासन भी दिया कि वह पूर्व की अपेक्षा गो सेवा और अधिक करेंगे। बड़े महाराज प्रसन्न हो गए और उन्हें फिर गो सेवा का मठाधीश बना दिया। श्याम एक बार फिर कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं अब देखना यह है कि श्याम अपने वायदे के मुताबिक गो सेवा करते हैं या फिर पूर्व की तरह करोना करोना का मंत्र जपते जपते समय बिता देंगे।

मचने लगी हलचल

खाकी महकमे में सुधार के लिए योजनाएं बनाने की अहम जिम्मेदारी संभाल रहे महकमे के पूर्व मुखिया एकाएक फिर सक्रिय हो गए हैं। उनकी सक्रियता यूं ही नहीं है। दरअसल महकमे के वर्तमान मुखिया का रिटायरमेंट नजदीक आ गया है। ऐसे में नए मुखिया की तलाश शुरू हो चुकी है। भगवा सरकार के महाराज पूर्व मुखिया पर काफी भरोसा रखते हैं। पिछली बार भी उन्हीं की सलाह से नए मुखिया का नाम तय किया था। माना जा रहा है कि इस बार भी उनकी ही चलेगी। खबर है कि मुखिया बनने की रेस में शामिल अफसरानों ने पूर्व मुखिया से तार जोड़ने भी शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उनके खास लोगों से अपनी पैरवी करवाई जा रही है। इसके साथ ही सत्ता शीर्ष पर बैठे ब्यूरोक्रेट्स व राजनेताओं की परिक्रमा भी इन अफसरों ने शुरू कर दी है। नियम के मुताबिक भगवा सरकार को अफसरों के नाम का पैनल यूपीएससी को भेजना होगा। यूपीएससी सभी नामों पर विचार करने के बाद उनमें से तीन नाम सरकार को वापस भेजेगा है। इन्हीं तीन में से किसी एक अफसर को नए मुखिया के रूप में तैनाती मिलेगी। वह भाग्यशाली अफसर कौन होगा जिसके सिर महकमे के मुखिया पद का ताज सजेगा। अब इसका खुलासा तो अगले महीने के आखिर में वर्तमान मुखिया के रिटायर होने के बाद ही होगा। तब तक इंतजार ही करना होगा।

कोरोना संक्रमण में कमी अच्छा संकेतः योगी

● अंतिम संस्कार के लिए शव को जल में प्रवाहित करना पर्यावरण के अनुकूल नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की दर में लगातार आ रही कमी और निरन्तर बेहतर हो रही रिकवरी दर नई उम्मीदों का संकेत है। इसके मद्देनजर उन्होंने ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट के लक्ष्य के अनुरूप कोविड-19 के खिलाफ जंग को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शनिवार को वर्चुअल बैठक के जरिए कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में टेस्टिंग कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पूरी सक्रियता से टेस्टिंग को जारी रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रयोगशालाओं की टेस्टिंग क्षमता में वृद्धि की कार्रवाई में तेजी लायी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से वर्तमान में वृहद जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा नीति आयोग ने भी प्रदेश सरकार के इस अभियान की सराहना की है। उन्होंने निर्देशित किया कि व्यापक जनमहत्व के इस अभियान को आंशिक कोरोना कर्फ्यू की पूरी अवधि में तत्परता के साथ संचालित किया जाए। प्रत्येक लक्षणयुक्त तथा संक्रमण की दृष्टि से संदिग्ध व्यक्ति की एंटीजन जांच की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निगरानी समितियां गांवों में घर-घर भ्रमण कर लोगों की स्क्रीनिंग का कार्य कर रही हैं। यह समितियां होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों तथा संदिग्ध लक्षणयुक्त लोगों को आवश्यकतानुसार मेडिकल किट वितरित करती हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल किट वितरण की व्यवस्था की निगरानी की जाए। निगरानी समितियां जिन्हें मेडिकल किट दे रही हैं, उनका नाम और फोन नम्बर इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को उपलब्ध कराएं। आईसीसीसी इसका सत्यापन करे। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के माध्यम से इस विवरण की एक प्रति स्थानीय सांसद तथा विधायक को उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड प्रबंधन में निगरानी समितियों की

महत्वपूर्ण भूमिका है। इन समितियों द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए बेहतर मॉनीटरिंग की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सभी जनपदों में कोविड बेड की संख्या बढ़ाने की कार्रवाई तेजी से की जाए। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा मंत्री से इस कार्य की दैनिक समीक्षा करने की अपेक्षा की। बैठक में अवगत कराया गया कि इस वर्ष मार्च से अब तक स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में 18000 और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 11226 बेड बढ़ाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लागू की गई ऑनलाइन ऑक्सीजन ट्रैकिंग प्रणाली की सराहना नीति आयोग द्वारा की गई है। सभी जनपदों में ऑक्सीजन की अनवरत उपलब्धता बनाए रखने के प्रभावी प्रयास जारी रखे जाएं। होम आइसोलेशन में उपचाराधीन मरीजों को ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। जिस भी मरीज को ऑक्सीजन की जरूरत हो उसे ऑक्सीजन जरूर उपलब्ध होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों को स्वच्छ और निर्मल रखना सभी का दायित्व है। केंद व राज्य सरकार नदियों को स्वच्छ रखने के लिए विशेष योजनाएं संचालित कर रही हैं। किसी भी मृतक के अंतिम संस्कार के लिए शव को जल में प्रवाहित करना पर्यावरण के अनुकूल नहीं है। इस संबंध में धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित करते हुए लोगों को जागरूक करने में उनका सहयोग प्राप्त किया जाए। एसडीआरएफ तथा पीएसी की जल पुलिस नाव से सभी नदियों में सतत पेट्रोलिंग करती रहे। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी दशा में शवों को जल में प्रवाहित न किया जाए क्योंकि नदी में शव प्रवाहित करने से वह प्रदूषित होती है। संबंधित ग्राम पंचायतों तथा शहरी निकायों के पदाधिकारियों द्वारा लोगों को जागरूक करते हुए बताया जाए कि वे किसी स्थानीय परंपरा के तहत शव का जल प्रवाह न करें। इस संबंध में गृह विभाग, नगर विकास विभाग, ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज विभाग मिलकर कार्ययोजना बनाकर ऐसी परंपराओं पर प्रभावी रोक लगाएं।

उप्र ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति को मंजूरी

● सीएचसी व पीएचसी स्तर तक स्थापित किए जाएंगे आक्सीजन प्लांट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र में कोविड महामारी के बीच जिस प्रकार से आक्सीजन की कमी का संकट प्रदेश की जनता ने झेला है उसे दूर करने के लिए योगी सरकार ने शनिवार को कोविड के नए स्ट्रेन को देखते हुए उप्र आक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 को मंजूरी प्रदान की है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इस नीति के जरिए प्रदेश में आक्सीजन प्लांट स्थापित किए जाएंगे ताकि सीएचसी और पीएचसी तक आक्सीजन का प्लांट खड़े हो सके।

सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में सम्पूर्ण देश कोविड-19 की दूसरी लहर से प्रभावित है। विशेष रूप से वायरस के नए 2021 स्ट्रेन के कारण जनमानस स्वास्थ्य संबंधी गम्भीर समस्याओं से ग्रस्त है तथा इस महामारी के दौरान स्वास्थ्य अवस्थापना सुविधाओं पर भी अत्यधिक दबाव पड़ा है। कोरोना महामारी से निपटने के लिए मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराना राज्य की शीर्ष प्राथमिकता है। प्रदेश में कोविड़ संक्रमण से निपटने के लिए विभिन्न मेडिकल कालेजों, चिकित्सालयों, रिफिलर्स तथा होम आइसोलेशन में उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों के लिए राज्य स्तर पर आंकलित मांग के अनुसार लगभग 1200 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की न्यूनतम आवश्यकता है। भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार द्वारा किए गए विभिन्न अन्य प्रयासों के साथ चिकित्सा प्रयोजनों के लिए औद्योगिक ऑक्सीजन के उपयोग से ऑक्सीजन की आपूर्ति पर दबाव कम हुआ है। यद्यपि मांग में वृद्धि की पूर्ति के लिए ऑक्सीजन उत्पादन के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश को चिकित्सा एवं औद्योगिक उद्देश्यों के लिए ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्म-निर्भर बनाने के उद्देश्य से उप्र ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति-2021 को मंजूरी प्रदान की गई है। इस नीति का मुख्य उददेश्य यह है कि प्रदेश में ऑक्सीजन के उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करने के लिए और कोविड -19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट के निदान के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, रोजगार के अवसर पैदा करते हुए प्रदेश में ऑक्सीजन उत्पादन में निवेश को प्रोत्साहित करना, ऑक्सीजन के उत्पादन में उत्तर प्रदेश को एक आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है। इस नीति के तहत इस सेक्टर में निवेश करने वाली कंपनियों को बुंदेलखंड, पूर्वाचल, पश्चिमांचल और मध्यांचल में भूमि क्रय करने के लिए सरकार स्टांप डयूटी में अलग-अलग छूट प्रदान करेगी।

कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन

लखनऊ। निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने मुख्यालय स्तर पर एक कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया है। उन्होने बताया कि संस्थाओं में स्टाफ एवं सवासियों को कोविड.19 उपयुक्त व्यवहार के बारे में उचित प्रशिक्षण दिये जाने बच्चों की शिक्षा के लिये विभिन्न माड्यूल तैयार किये जाने संवासियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने हेतु काऊन्सिलिंग की व्यस्था किये जाने व विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को प्रोत्साहित किये जाने से सहायता प्रदान करने हेतु मुख्यालय स्तर पर एक कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया गया है। कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप में आकांक्षा अग्रवाल मुख्य परिवीक्षा अधिकारी संयुक्त निदेशक पुनीत कुमार मिश्र, उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक मुख्यालय आशुतोष कुमार सिंह महाप्रबन्धक स्टेट रिसोर्स सेन्टर फॉर विमेन एण्ड चाइल्डए उप्र उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक मुख्यालय बीएस निरंजन उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी सदस्य हैं।

शहरों के बाद प्रदेश के गांवों में तेजी से फैलने लगा है कोरोना संक्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि शहरों के बाद प्रदेश के गांवो में कोरोना संक्रमण तेजी से फैलने लगा है। मौत का कहर बरपा रहे संक्रमण पर शासन-प्रशासन जानकर अनजान बन रहा है। भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री अपनी नाकामी छुपाने के लिए सफलता का झूठा ढिंढ़ोरा पीटने में लगे है। यह भाजपा सरकार जनता का सहारा बनने के बजाए उस पर बोझ बन गई है। गांवो में ताबड़तोड़ हो रही मौतों से दहशत व्याप्त है। मुख्यमंत्री के बनाए गए प्रभारी मंत्री लापता हैं और मेरठ के प्रभारी मंत्री तो पिछले दिनों दो घंटे सर्किट हाउस के एसी कमरे में बैठकर चले गए और उन्होंने जनता की न तो तकलीफें सुनीं और न ही अस्पतालों का निरीक्षण किया।

भाजपा सरकार और उनके मंत्रियो की संवेदनहीनता अमानवीय हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि गांवो में कोरोना संक्रमण बढ़ने का कारण यह है कि भाजपा सरकार दवाई, टेस्ट, डाक्टर तथा टीके को कोई इंतजाम नहीं कर पा रही है। गांवो में स्वास्थ्य का ढांचा भाजपा सरकार ने पहले से ही ध्वस्त कर दिया है। वे असहाय मूकदर्शक बन गए हैं। जिन पर लोगों के इलाज की जिम्मेदारी है वे हाथ पर हाथ धरे बैठे है। उन्होंने कहा कि खुद मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना कहर से हाहाकार मचा हुआ है। अधिकारी आंकड़ों पर पर्दा डालने के खेल में लग गए हैं। गोरखपुर की ग्राम पंचायतों में 46 हजार ग्रामीण खांसी, बुखार की चपेट में हैं। प्रशासन सिर्फ 764 की संख्या बताकर अपनी नाकामी छुपा रहा है। गोरखपुर-वाराणसी हाईवे पर बसे हाटा बुजुर्ग गांव में 15 मौतें होने की दर्दनाक खबर है। लोग खांसी, बुखार और सांस फूलने से परेशान हैं। अभी तक पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं गांवो तक नहीं पहुंच पा रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चारों ओर हाहाकार की चीखें भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के कानों तक नहीं पहुंच रही हैं।

बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ डालने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही हैं। यूपी विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने आरोप लगाया है कि पावर कार्पोरेशन और सरकार की शह पर बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं पर बड़ा बोझ डालने की तैयारी कर रही हैं। शुक्रवार देर रात बिजली कंपनियों ने उपभोक्ताओ पर रेगुलेटरी सरचार्ज लागू कराने के लिए नियामक आयोग में एक प्रस्ताव दाखिल किया है जबकि बिजली कम्पनियों का उपभोक्ताओं पर 49827 करोड़ रुपये निकल रहे हैं।

17 मई को नियामक आयोग बिजली कंपनियों की बिजली दर को लेकर सुनवाई करेगी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग में अपनी याचिका दाखिल कर मांग की है कि

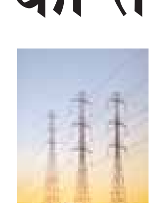

सभी पक्षों को सुनने के बाद वर्ष 2017-18 तक नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों पर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओ का उदय व ट्अप में रुपया 13337 करोड़ निकाला था जिसे आगे उपभोक्ताओ को लाभ देने की बात कही गई थी जो अब सब मिलाकर वर्ष 2020.21 तक लगभग 19537 करोड़ हो गया है जिसके एवज में एकमुश्त 25 प्रतिशत अथवा 3 वर्षों तक 8 प्रतिशत बिजली दरों में कमी करने अथवा रेगुलेटरी लाभ दे। उन्होंने कहा कि दुरूख की बात यह है कि बिजली कम्पनियों के इस चोर दरवाजे की साजिश में सरकार भी शामिल है जो बहुत ही निंदनीय है इस आपदा के दौर में अवसर तलाशना पूरी तरह असंवैधानिक है।

सहायक मेडिकल सामग्री के निर्माण के लिए मिलेगी 25 प्रतिशत सब्सिडी

लखनऊ(पीएनएस)। राज्य सरकार ने कोविड के दौरान मेडिकल सामग्री की कमी को देखते हुए यूपी में निर्माण करने वाली इकाईयों को 25 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करेगी। इसके लिए योगी सरकार ने शनिवार को मंत्रिमंडल की बैठक में उप्र कोविड इमरजेंसी वित्त पोषण योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। सूत्रों के अनुसार इस निर्णय के अनुसार महामारी की व्यापकता को देखते हुए तत्काल शार्ट टर्म उददेश्यों की पूर्ति के लिए प्रदेश में ही कोविड से संबंधित आवश्यक मेडिकल सामग्री के विनिर्माण की तत्काल आवश्यकता है। उक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उत्तरप्रदेश कोविड इमरजेंसी वित्त पोषण योजना लागू की जा रही है। योजना वर्तमान में कार्यरत औद्योगिक इकाइयों एवं नवीन स्थापित होने वाली ऐसी औद्योगिक इकाईयों के लिए प्रभावी होगी। योजना अधिसूचना लागू होने की तिथि से 1 वर्ष तक प्रभाव में रहेगी। योजना कोविड से सम्बन्धित आवश्यकता मेडिकल सामग्री के लिए अधिसूचित इकाईयों के लिए ही प्रभावी होगी। पात्रता के लिए में पूंजी निवेश की न्यूनतम सीमा 20 लाख होगी। पात्र इकाईयों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए रिवाल्विंग फंड बनाया जाएगा। पात्र इकाई को विभिन्न विभागों से सम्बंधित इकाई स्थापना एवं संचालन में आवश्यक समस्त प्रकार की स्वीकृतियां, अनापत्तियाँ के लिए एमएसएमई एवं मध्यम उद्यम स्थापना एवं संचालन सरलीकरण अधिनियम-2020 के अंतर्गत 72 घंटे की अवधि में प्रदान किये जा सकेंगे।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र संजय अग्रवाल पुत्र वधू सुनीता अग्रवाल को उनकी गैर जिम्मेदाराना आदतों वह बुरी संगति होने के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में इनसे कोई लेन देन रखता है तो मेरा वह मेरे परिवार का किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। सीताराम अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय पन्ना लाल अग्रवाल सेक्टर ई , C-19 अलीगंज लखनऊ।

सूचना

सूचना

मैं दुलारी कन्नौजिया, पत्नी स्व. श्री राजाराम कन्नौजिया, निवासी-538/ख184, कुम्हारनटोला, रूपपुर खदरा, सीतापुर रोड, लखनऊ-226020, सर्वसाधारण को सूचित करती हूँ कि मैंने अपने पुत्र सौरभ कन्नौजिया, पुत्रवधु नेहा कन्नौजिया एवं पौत्र अवि को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उनसे अपना किसी भी प्रकार का सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। उक्त लोगों द्वारा किसी भी प्रकार के नैतिक व अनैतिक कार्य अथवा किसी से कोई भी लेन देन किया जाता है तो मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्यों का कोई लेना देना नहीं रहेगा, उसका वह स्वंय जिम्मेदार होगें।

दस फीसदी अतिरिक्त गेहूं एमएसपी पर खरीदा जा चुका हैः राधा मोहन सिंह

● मोदी सरकार का ध्यान हर वर्ग पर केंद्रितः स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने पीएम मोदी द्वारा पीएम किसान योजना के अंतर्गत करीब 9.5 करोड़ किसानों के खातों में लगभग 19000 करोड़ से अधिक की 8वीं किस्त ट्रांसफर करने पर आभार व्यक्त किया है। राधा मोहन सिंह ने कहा कि किसान सम्मान निधि से हमारे परिश्रमी किसानों को आर्थिक संबल मिल रहा है जो कोरोना महामारी के समय किसानों के जीवन को सुगम करेगा। मोदी सरकार का प्रत्येक निर्णय किसान, गरीब मजदूर की बेहतरी के लिए है। संकल्प से सिद्धि के पथ पर बढ़ती मोदी सरकार का संकल्प किसान की आर्थिक उन्नति है जो अपने निर्णयों व योजनाओं से सरकार सिद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग 10 फीसदी अतिरिक्त गेहूं एमएसपी पर खरीदा जा चुका है और अभी तक का गेहूं खरीद का लगभग 58000 करोड़ रुपए किसानों के खातों में पहुंच चुका है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने केंद्र सरकार की प्राथमिकता गरीब, मजदूर तथा किसान हैं। यही कारण है कि अंत्योदय पथ पर चलते हुए मोदी सरकार की प्रत्येक योजना तथा निर्णय मे गांव, गरीब, मजदूर, किसान की आर्थिक व सामाजिक उन्नति निहित है। विगत वर्ष 8 माह तक निशुल्क राशन की व्यवस्था तथा लॉकडाउन अवधि के दौरान माताओं-बहनों के जनधन खाते में 500 रुपए प्रतिमाह पहुंचा कर कोरोना संक्रमण काल में गरीब की रसोई की पूरी व्यवस्था की गई।

प्रदेश के किसानों को मिली 5230 करोड़ की धनराशि

● वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उन्नाव के किसान से ली जैविक खेती की जानकारी, किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के किसानों को 20000 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की गई है। जिसमें से उत्तर प्रदेश के दो करोड़ 61 लाख 50 हजार किसानों को 5230 करोड़ की धनराशि दी गई है। पूरे देश में वितरित इस धनराशि में से 26 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश का है। उन्होंने यह भी बताया कि आज किसान सम्मान निधि का लाभ

किसान सम्मान निधि योजना

पाने वाले किसानों में पिछले वर्ष के छूटे हुए 29 लाख 50 हजार किसान भी सम्मिलित है। सरकार का यह प्रयास है कि योजना का लाभ प्रदेश के सभी पात्र किसानों को शीघ्रता से पहुंचे।

ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में इस योजना का सबसे तेज क्रियान्वयन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार भी दिया जा चुका है। वर्चुअल रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा नमामि गंगे योजना अंतर्गत जनपद उन्नाव के प्रगतिशील कृषक अरविंद निषाद द्वारा एफपीओ बनाकर की जा रही जैविक खेती की जानकारी ली गई और जैविक खेती कर आजीविका के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए कुछ सुझाव के साथ-साथ साधुवाद देते हुए प्रोत्साहन किया गया। नमामि गंगे कार्यक्रम की प्रदेश में सार्थकता और प्रगति से अवगत कराते हुए शाही ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेश के 27 जनपदों में 66000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में क्रियान्वित है। किसानों को कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक खेती ही नहीं बल्कि सरकार द्वारा उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग द्वारा मूल्य संवर्धन एवं विपणन के लिए भी सहायता दी जा रही है।

कार्यालय - नगर पालिका परिषद खलीलाबाद
जनपद- संतकबीरनगर।

पत्रांक- 1838/न0पा0 दिनांक- 15.05.2021

आवश्यक सूचना

नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के समस्त इच्छुक व्यक्तियों/ठेकेदारों/पूर्व में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद खलीलाबाद में ठेकेदारी हेतु अपना पंजीयन/नवीनीकरण पूर्व निर्धारित उपनियम के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु दिनांक 22.05.2021 तक अवश्य करा लेवें, अन्यथा समयोपरान्त प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर सक्षम स्तर से स्वीकृति के पश्चात किया जायेगा।

(बीना सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर

(श्याम सुन्दर वर्मा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

नहर में डूबने से तीन किशोरों की मौत

● ईद की छुट्टी मनाने के लिए बेहता नहर के किनारे गये थे

● काकोरी थाना क्षेत्र का मामला

संवाददाता। लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट के काकोरी थाना क्षेत्र में शनिवार दिल दहला देने वाले हादसे में कम उम्र के तीन दोस्तों की बेहता नहर में डूबने से मौत हो गई। नहर में डूबे तीन दोस्तों के अन्य दोस्त दोस्तों को डूबता देख मौके से भाग गए। गांव वालों की सूचना पर पहुंची काकोरी पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों शवों को नहर से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । बताया जा रहा है कि बेहता नहर में डूबे सभी तीन दोस्त अपने दोस्तों के साथ ईद की छुट्टी मनाने के लिए बेहता नहर के किनारे गए थे।

जानकारी के अनुसार लकड़मंडी कैम्पबेल रोड सहादतगंज के रहने वाले जकरिया का 15 वर्षीय पुत्र अब्दुल वहाब अपने दोस्त मुराद अली लेन हुसैनगंज के रहने वाले 15 वर्षीय मोहम्मद हुदा और उदयगंज हुसैनगंज के रहने वाले 15 वर्षीय मोहम्मद ताहा व अन्य दो दोस्तों के साथ शनिवार की दोपहर ईद की छुट्टी मनाने के लिए काकोरी थाना क्षेत्र में स्थित भोला खेड़ा के पास बेहता नहर के किनारे ईद के दूसरे दिन तफ्री करने के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि बेहता नहर की गहराई कहीं.कहीं पर 5 फीट और कहीं पर इससे ज्यादा है । ईद की छुट्टी मनाने गए सभी दोस्त नहर के किनारे बैठकर सेल्फी खींच रहे थे तभी अब्दुल वहाब मोहम्मद खुदा और मोहम्मद ताहा नहर के पानी में उतर कर सेल्फी खिंच रहे थे सेल्फी की मस्ती में चूर दोस्तो को नहर की गहराई का अंदाजा न होने की वजह से तीनों दोस्त गहरे पानी में डूब गए और उनके अन्य साथी मौके से फरार हो गए ।एसीपी सैयद अली अब्बास ने बताया कि बेहता नहर से अब्दुल वहाब मोहम्मद खुदा और मोहम्मद ताहा के शव को बरामद करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उनका कहना है कि यह तीनों दोस्त नहर के किनारे और पानी में उतर कर सेल्फी खींच रहे थे। तभी नहर की गहराई का इन्हें अंदाजा शायद नहीं लगा और तीनों दोस्त नहर के गहरे पानी में डूब गए । उन्होंने बताया कि नहर में डूबे सभी युवकों की उम्र 15 वर्ष है। उन्होंने बताया कि तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि नहर में डूब के मौत के मुंह में समाए सभी तीन दोस्त अपने अन्य दो.तीन दोस्तों के साथ ईद के दूसरे दिन तफ्री करने के लिए शहर से बाहर ग्रामीण क्षेत्र में गए थे। जहां इन्हें बेहता नहर के पास सेल्फी और फोटो खींचने की अच्छी लोकेशन दिखी जिसके बाद इन युवकों ने यहां रुक कर नहर के अंदर उतर कर खूब सेल्फी खिंचवाई थी। तभी अचानक पानी के अंदर उतरकर सेल्फी खिंचवाना इन 3 युवाओं को भारी पड़ गया और तीनों युवाओं की पानी में डूब कर मौत हो गई। नहर में डूब कर मौत के मुंह में समाए अब्दुल वहाब मोहम्मद खुदा और मोहम्मद ताहा के घरों में ईद की खुशियां मातम में तब्दील हो गई ।

संदिग्ध हालात में मिला अधेड़ का शव

सरोजनीनगर-लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शनिवार को पेट्रोल पंप के पास एक अज्ञात अधेड़ का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बंथरा के जुनाबगंज स्थित हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के पास मृत अवस्था में पड़ा मिला 50 वर्षीय अधेड़ मटमैले रंग की पैंट और शर्ट पहने हुए था। शनिवार सुबह जब अज्ञात अधेड़ के शव पर लोगों की नजर पड़ी, तो वहां पर हड़कंप मच गया। कुछ देर में ही कानपुर रोड के किनारे पेट्रोल पंप के पास पड़े शव को देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। बाद में पेट्रोल पंप के मैनेजर सुशील तिवारी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आसपास रहने वाले लोगों को बुलाकर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक अधेड़ भिखारी या पागल लग रहा है।

कोविड जांच शिविर में 72 लोगों ने कराई जांच

संवाददाता। लखनऊ

अक्षय तृतीया के अवसर पर शुक्रवार को जानकीपुरम द्वितीय वार्ड में पार्षद खुशबू राखी मिश्रा व भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष दीपक मिश्र के प्रयास से पार्षद कार्यालय पर कोविड जांच का नि:शुल्क कैंप आयोजित किया गया। अलीगंज सीएचसी से स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से आए परेश श्रीवास्तव ने बताया कि यहां लक्षण और बिना लक्षण वाले करीब 72 लोगों का सैंपल लिया गया है। इस दौरान पार्षद खुशबू व दीपक मिश्र ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लक्षण होने पर दिए जाने वाले उपचार व दवाइयों के बारे लोगों को जागरूक करते हुए पर्चे बांटे। साथ ही लोगों से अपील की कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। लोगों को आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर किसी तरह की समस्या के लिए वह हर समय मौजूद हैं। जानकीपुरम क्षेत्र से शिविर में आये लोगों में शामिल चन्द्रशेखर शुक्लाए दिलीप वर्माए पूर्णिमा सिंहएएके सिंहए अंकित पाण्डेए राजेश यादवए तेजस्वी सिंह समेत कुछ 72 लोगों की कोराना टेस्ट के लिए सैम्पल लिए गए। आयोजन में सनी दीक्षितए आकाश यादव समेत भाजपा कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

भाजयुमो उपाध्यक्ष दीपक मिश्र ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही उनके बाबा यानी दादा जी की कोराना से मृत्यु हो गई थी। क्षणविहीन संभावित संक्रमण की आशंका से हमारा पूरा परिवार आइसोलेट हो गया था। परिवार में शोक की लहर फैल गई। लेकिन मेरे प्रेरणा स्रोत व पिता राम भवन मिश्र ;सेवानिवृत्त निजी सचिव सचिवालय द्ध लगातार क्षेत्र के निवासियों के मदद के लिए मुझे कहते रहे। अपने संपर्कों से हम लोग लगातार लोगों को सुविधा मुहैय्या कराने का प्रयास कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया। लेकिन क्षेत्र में डर के कारण शिविर के आयोजन के लिए आगे नहीं आ रहा था। लिहाजा क्वारंटीन का समय पूरा होते ही शिविर का आयोजन स्वयं उपस्थित होकर काराया। पत्नी व पार्षद खुशबू ने लोगों से अपील की यदि उनके परिवार में किसी को भी कोराना के लक्षण होने की आशंका है तो वह जांच जरूर कराएं।

किसान के घर लाखों की चोरी

संवाददाता। लखनऊ

बंथरा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने शुक्रवार की रात एक किसान के घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के गहने और हजारों रुपए की नकदी पार कर दी। शनिवार सुबह जानकारी होने के बाद पीड़ित किसान ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस जांच पड़ताल करने के साथ ही चोरों का सुराग लगा रही है।

बंथरा के रौता पुर गांव निवासी किसान शिवबालक मौर्य के मुताबिक शुक्रवार को वह अपने भतीजे सुधीर मौर्य की बारात गए थे। जबकि घर पर शिवबालक की पत्नी और बेटी सो रही थी। इसी बीच शुक्रवार रात जीने के रास्ते घर में दाखिल हुए चोरों ने सभी कमरों के ताले तोड़ डाले और बाद में कमरों के अंदर रखें संदूक और अलमारी के भी ताले तोड़कर उन्हें आराम से खंगाला। शनिवार सुबह नींद खुलने पर घर के लोगों ने जब कमरों, अलमारी व संदूक के ताले टूटे देखे तो उनके होश उड़ गए। अलमारी व संदूक से करीब 5 लाख रुपये कीमत के गहने और 35 हजार रुपये की नगदी गायब मिली। साथ ही सारा सामान इधर उधर बिखरा पड़ा मिला। बाद में आनन-फानन घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घटनास्थल की जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। फिलहाल इस मामले में शिव बालक ने पुलिस को लिखित तहरीर दी है। पीड़ित किसान की तहरीर पर पुलिस चोरों का सुराग लगा रही है।

नकदी व गहने पार किए:

सरोजनीनगर- लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र बेखौफचोरों ने शुक्रवार रात एक किसान के घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के गहने और हजारों रुपए की नकदी पार कर दी। शनिवार सुबह जानकारी होने के बाद पीड़ित किसान ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच पड़ताल करने के साथ ही चोरों का सुराग लगा रही है।

क्विक न्यूज

युद्धस्तर पर ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चला रहा रेलवे

लखनऊ। कोरोना मरीजों के लिए जीवनदायी ऑक्सीजन गैस लखनऊ पहुंच सके, इसके लिए रेलवे युद्धस्तर पर ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चला रहा है। इसके लिए जहां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है तो वहीं ट्रेन चलाने के बावत अति शक्तिशाली इंजनों का प्रयोग भी हो रहा है। जिससे कम से कम समय में ये लखनऊ पहुंच सके। इसी के तहत शुक्रवार को 8 भरे कंटेनरों के साथ एक जीवनरक्षक एक्सप्रेस ट्रेन टाटानगर से लखनऊ पहुंची। इस ट्रेन से 64 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति कराई गई। के साथ लखनऊ आगमन हुआ। इसके साथ ही आज ही एक अन्य ऑक्सीजन एक्सप्रेस तीन भरे टैंकरों में 49064 मीट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर उतरेठियाएआलमनगर होते हुए बरेली की ओर रवाना किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना महामारी से निरंतर संघर्ष करते हुए मंडल द्वारा रोगियों के प्राणों की हर संभव रक्षा के लिए पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में बीए की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कानूनी कार्रवाई कर रही है। तालकटोरा आलमनगर निवासी राम सहाय के मुताबिक जनपद हरदोई की रहने वाली उसकी भतीजी शालिनी 18 वर्ष उसके परिवार के साथ रहकर पढाई कर रही थी। राम सहाय ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ 14 मई को 13 वीं में शामिल होने अपनी ससुराल ग्राम रसूलपुर हरदोई गया हुआ था। उसके घर पर उसकी भतीजी मौजूद थी। समय करीब एक बजे रात को जब वह सपरिवार अपने घर पर आये तो देखा कि उसकी भतीजी ने मकान के प्रथम तल पर स्थित कमरे को अन्दर से बन्द कर रोशनदान की लोहे के ग्रिल में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसआई मनोज कुमार ने बताया कि मृतका बीए की छात्रा थी। उसके पिता की पहले की मृत्यु हो चुकी है।

तीन साल से फरार चल रहा हत्यारोपी गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने गैरइरादतन हत्या के मामले में पिछले तीन साल से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीसीपी उत्तरी रईश अख्तर ने बताया कि शुक्रवार को इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज सिंह ने टीम से साथ मुखबिर की सूचना पर मथुरा तकिया, ललिया, बलरामपुर निवासी आरोपित विजय चौहान उर्फरगई को गिरफ्तार किया। आरोपित ने रैथा रोड छठामील, मड़ियांव पर स्थित ब्रिक फील्ड भट्टे पर ईंट की पथाई करने के दौरान 17 मई 2018 को अपने साथ काम करने वाले गांव के ही खेमराज उर्फ छेने की ईंट से मार कर हत्या कर दी थी और मौके से फरार हो गया था। आरोपित के खिलाफ पानदरीबा चारबाग निवासी ब्रिक फील्ड के मालिक राकेश आहूजा ने गैरइरादतन हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपित विजय चौहान उसी समय से मुम्बई, दिल्ली व अन्य महानगरो में रहकर फरारी काट रहा था।

डॉ. रोशन जैकब ने माल ब्लॉक के कई गांवों का किया दौरा

माल। कोविड प्रभारी अधिकारी डॉ. रोशन जैकब ने शनिवार को दौरा कर माल के कई गांवों में कोरोना पॉजिटिव मरीजों से मिली। लोगों को कोरोना से बचाने के मुद्दे पर हेल्थ डिपार्टमेंट और सीडीओ के साथ की चर्चा कर आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए। माल क्षेत्र में कोविड.19 महामारी की तबाही का जायजा लेने के लिये जिले की कोविड प्रभारी अधिकारी डॉ. रोशन जैकब मुख्य चिकित्साअधिकारी संजय भटनागर के साथ माल सीएचसी पहुंची। जहां कोविड जांचए दवा और रोगियों सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।सीएचसी अधीक्षक डॉ0 विवेक वर्मा को सतर्क रहने को कहा। इसके बाद वह आरआरटी चेतक कोविड सर्विलांस अभियान को देखने मसीढा हमीर गांव पहुँची। वहीं स्थित नन्हे सिंह स्मारक इंटर कालेज गयीं जहां वह क्वारेन्टीन किये गये दो लोगों से मिलीं। फिर वह नवीपनाह गांव में लगी बाजार में लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग और सेनेटाइजेशन संबंधी निर्देश दिये। साथ ही नव निर्वाचित ग्राम प्रधान से कहा कि सचिव के साथ मिलकर गांव की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

10 दिन बाद दर्ज हुआ चोरी का केस

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने 10 दिन बाद चोरी का मुकदमा दर्ज कर किया है। बताया जा रहा है कि मामला सोशल मीडिया व पुलिस अफसरों की फटकार के बाद दर्ज हुआ है।

ठाकुरगंज इंस्पेक्टर के मुताबिक चार मई रात करीब सात बजे हबीबपुर निवासी दूध बेचने बाजार गए हुए थे। वहीं उनकी पत्नी रीतू अपने बेटे के साथ दवा लेने क्लीनिक गई थी।

इसी दौरान घर के अंदर दाखिल हुए चोर ने 70 हजार की नकदी व सोने.चांदी के जेवरात चोरी कर लिया था। पीड़ित मामले में तहरीर दे रखी थी। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

लखनऊ में कला कोठी घाट पर अक्षय तृतीया के पर्व पर आयोजित महामृत्युंजय यज्ञ में भाग लेते कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक

चौबीस घंटों में 1010 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में आक्सीजन की सप्लाई बढ़ाए जाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गयी है। बीते 24 घंटे में 1010.50 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति प्रदेश भर मे की गयी है। सेल्फ प्रोडक्शन के तहत एयर सेपरेटर्स यूनिट्स के माध्यम से 64.30 मीट्रिक टन आक्सीजन आपूर्ति भी की गयी है। बीते 24 घंटे में रिफीलर्स की आक्सीजन मांग 754.99 के सापेक्ष 820.88 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गयी। होम आईसोलेशन के 3900 मरीजों को भी कुल 29.23 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति सिलेण्डरों के माध्यम से बीते 24 घंटों में की गयी। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते चैबीस घंटे में प्रदेश भर में हुई आक्सीजन की सप्लाई का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि 612.98 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही शासन के प्रयासों के फलस्वरूप 299.62 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 97.89 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। इस प्रकार 1010.50 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई बीते 24 घंटे में प्रदेश भर के सरकारी व निजी अस्पतालों में की गयी है।

बिजनौर में दो पक्ष भिड़े, जमकर चले ईंट-पत्थर, एक गंभीर

संवाददाता। लखनऊ

सरोजनीनगर इलाके में बीते शुक्रवार की शाम दो पक्षों के बीच हुए मामूली विवाद में एक पक्ष ने दूसरे के ऊपर जमकर ईंट पत्थर चलाए। जिससे एक युवक बुरी तरह घायल हो गया जबकि दूसरे पक्ष की स्कॉर्पियो गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की तरफ से रिपोर्ट दर्ज की है।

सरोजनीनगर के बिजनौर निवासी मोहम्मद अतीक के बेटे मोहम्मद आरिफके मुताबिक शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह अपने घर पर था। तभी आशियाना के सेक्टर एल कॉलोनी निवासी आर्यन ने फोन करके ईद मिलने के बहाने उसे घर के बाहर बुलाया। आरोप है कि मोहम्मद आरिफ जैसे ही घर के बाहर निकला, तभी वहां पहले से मौजूद आर्यन के अलावा फैजान, फहद, सौरभ व सोनू रावत आदि युवकों ने उसके ऊपर लोहे की रॉड से हमला करने के साथ लात घूसों से जमकर पिटाई कर दी। साथ ही उसके घर पर जमकर पत्थरबाजी की। आरोप है कि घटना के दौरान हाथों में अवैध असलहे व चाकू लिए सभी युवकों ने उसके गले में पड़ी सोने की चेन लूट ली और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। इस घटना में आरिफका सिर फटने के साथ ही उसके पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। उधर मोहम्मद मुजीब का आरोप है कि आरिफ का किसी बात को लेकर सुबह अरमान नामक एक लड़के से झगड़ा हुआ था। शाम को अरमान और उसके कुछ साथी घर पर ईद मिलने आए थे। वह वापसी में मुजीब की स्कॉर्पियो गाड़ी से वापस जा रहे थे, तभी अतीक व उनके बेटे आरिफ ने अरमान को गाड़ी से जबरदस्ती उतार लिया। जिसको लेकर दोनों पक्षों में बवाल हो गया। इस मारपीट के दौरान स्कार्पियो गाड़ी पर ईट पत्थर चलने से गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं सरोजनीनगर पुलिस का कहना है कि ईद के दिन शाम करीब 5 बजे आपस में साले-बहनोई अतीक और मुजीब के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

ट्रांसफार्मर में आग लगी

लखनऊ। बाजार खाला में ओवरलोडिंग के चलते बिजली विभाग का ट्रांसफार्मर धू-धू कर जला स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस विभाग को दी जानकारी मौके पर पहुंचे स्पेक्टर बाजार खाला धनंजय सिंह ने बिजली विभाग के आला अधिकारियों को सूचना दी देकर शटडाउन लेते हुए फायर ब्रिगेड के आने तक स्थानीय लोगों के साथ ट्रांसफार्मर की आग को बुझाने का प्रयास किया।

दादूपुर में सेनेटाइजेशन एवं कोरोना जांच के लिए चलाया गया अभियान

● 19 ग्रामीणों का लिया गया सैम्पल, कोरोना से बचाव के तरीके बताए

संवाददाता। लखनऊ

कोरोना संक्रमण को रोकने व पीड़ित ग्रामीणों को इलाज दिलाने के उद्देश्य से खंड विकास कार्यालय द्वारा सरोजनीनगर की दादूपुर ग्राम पंचायत का सेनेटाइजेशन कराने के साथ ही डेढ़ दर्जन ग्रामीणों में कोरोना बीमारी का पता लगाने के लिए सैम्पल लिए गए। जांच रिपोर्ट आने के बाद ग्रामीणों का उनके घर पर ही इलाज कराया जाएगा। सरोजनीनगर की दादूपुर ग्राम पंचायत के निर्वमान ग्राम प्रधान सुरेन्द्र सिंह चौहान व भाजपा खेलकूद प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान की मदद से गांव के सभी मोहल्लों में घर-घर जाकर सेनेटाइजेशन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को इस बीमारी से बचाव के तरीके भी बताए गए। गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा यहां के 19 ग्रामीणों के सैम्पल जांच के लिए एकत्र किए गए। ग्रामीणों को बताया कि एक-दूसरे के बीच छह फिट की दूरी रखें, बिना मास्क के बाहर न निकलें और बार-बार साबुन से हाथ धोएं। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बताया गया कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए शरीर में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं और खाली पेट बिलकुल न रहें। सेनेटाइजेशन के दौरान ग्राम प्रधान गया प्रसाद मौर्या, पंचायत सचिव रमेश कुमार वर्मा, लेखपाल विवेक शुक्ला, कानूनगो व तहसीलदार मौजूद रहे। उधर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) मनोज वर्मा ने बताया कि खंड विकास अधिकारी निशान्त राय के निर्देश पर नूरनगर-भदरसा, सरैया, खटोला, रतौली, मखदूपुर-कैथी, शाहपुर-मझिगवां व नीवां गांव में सफाई अभियान चलाया गया।

पिटाई से मजदूर की मौत, हत्या का मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सुशान्त गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के कुल्लीखेड़ा गांव में बीते शुक्रवार को मजदूर की साइकिल बुलट से टकराने ने बाद दबंग द्वारा मजदूर की पिटाई कर दी गई। पिटाई में जख्मी मजदूर की शनिवार को मौत हो गई। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी योगेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक राजकुमार (50) निवासी शंकरपुर थाना बिस्वा जनपद सीतापुर अपने भाई मोहन के सात सुशांत गोल्फ सिटी के कुल्ली खेड़ा गांव निवासी फूलचंद यादव के मकान में रहकर मजदूरी करता था। शुक्रवार की शाम करीब छह बजे वह मजदूरी करके अपनी साइकिल से वापस लौट रहा था तभी रास्ते मे सामने से बुलट मोटरसाइकिल से आ रहे चढ़ाई का पुरवा गांव निवासी योगेंद्र सिंह उर्फ योगी की बुलट से साइकिल टकरा गई। जिसके बाद योगेंद्र ने राजकुमार की लात घूसों से पिटाई कर दी।

गुड़म्बा थाना क्षेत्र के गौयती का पुरवा का मामला

मासूम को अगवा कर भाग रहे बाइक सवार को ग्रामीणों ने पकड़ा

संवाददाता। लखनऊ

गुडम्बा के गौयती का पुरवा (कपासी) में शनिवार दोपहर पांच वर्षीय मासूम को एक बाइक सवार लेकर भाग निकला। मासूम को सन्दिग्ध युवक के साथ जाता देख ग्रामीणों ने उसका पीछा किया। करीब एक किमी तक पीछा करने के बाद ग्रामीण ने घेराबंदी करके युवक को दबोच लिया। ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पेड़ से बांधकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरु कर दी है।

गुडम्बा के गौयती का पुरवा निवासी रमेश चन्द्र यादव किसान है। वह अपनी बहू सुमन व उनके चार बच्चों के साथ रहते हैं। सुमन भी खेती में सहयोग करती हैं। सुमन ने बताया कि उनका 5 वर्षीय बेटा यश

शनिवार दोपहर घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच एक बाइक सवार युवक उसके पास आया और टॉफी दिलाने के बहाने से अपने पास बुलाया। मासूम टॉफी के लालच में आकर युवक के पास चला गया। युवक यश को अपनी बाइक पर आगे बैठाकर भाग निकला। मासूम यश को एक अजनबी युवक के साथ उसकी बाइक पर जाता हुआ देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। उन्होंने युवक को आवाज देकर रोकना चाहा लेकिन युवक उन्हें अनसुना करके आगे बढ़ गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने बाइक सवार का पीछा किया। आगे के गांव रजौली में सूचना दी गई। करीब एक किमी तक पीछा करने के बाद रजौली पुलिया के पास घेराबंदी करके युवक

बाइक सवार दूध विक्रेता के सीने में धंसी सरिया, मौत

लखनऊ(सं.)। माल इलाके में तेज रफ्तार बाइक सवार दूध कारोबारी के सीने में लोहे की सरिया धंसने से मौके पर ही मौत हो गयी। शव रखकर ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर धरना प्रदर्शन खत्म कराकर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह दूध का कारोबार करने वाला सरथरा गांव निवासी जलील का 21 वर्षीय बेटा अकील घर से पतौना गांव को दूध लेने के लिये बाइक यूपी 32 के एल 5633 से निकला था। जो पतौना मोड़ पर पहुंचा ही था कि सामने से मोटी सरिया लेकर दो मजदूर पैदल आ रहे थे। तभी उधरसे निकल रहा अकील के सीने में सरिय धंस गयी और वह गम्भी ररूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया। देखते ही देखते उसकी मौत हो गई। मौके पर राहगीर और ग्रामीण एकत्र हो गये। दूधिया के घरवालों और पुलिस को सूचना दी। घरवालों के साथ ग्रामीणों ने शव रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर धरना प्रदर्शन शुरूकर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया। बताया जा रहा है कि जियो द्वारा पतौना चौराहे के पास में टावर निर्माण का कार्य बीते कई दिनों से चल रहा है। टावर के दो मजदूर पैदल मोटी सरिया कंधे पर लेकर कटवाने के लिये जा रहे थेए अचानक अकील की तेज रफ्तार बाइक के सामने आ जाने से सरिया अकील के सीने में धंस गयी।

नकली रबर ट्यूब व मोबिल आयल सप्लाई करने वाले चार जालसाज गिरफ्तार

● जालसाजों की निशांदेही पर लाखों का सामान बरामद

संवाददाता। लखनऊ

सरोजनीनगर पुलिस ने नामी कंपनियों के ट्रेडमार्क और रैपर लगाकर नकली रबर ट्यूब और मोबिल आयल की सप्लाई करने वाले चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से काफी मात्रा में नकली मोबिल आयल के अलावा स्कूटर व मोटरसाइकिल के ट्यूब और नामी कंपनियों के रैपर सहित करीब दो लाख रुपए कीमत का सामान बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने गिरफ्तार चारों जालसाजों को जेल भेज दिया है।

सरोजनीनगर पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार की दोपहर उसे मुखबिर से सूचना मिली की गिन्दनखेड़ा नहर पुलिया नादरगंज पर पैशन प्रो बाइक व एक स्कूटी पर नकली ट्यूब और कैस्ट्रॉल कंपनी के डुप्लीकेट मोबिल आयल के साथ चार जालसाज मौजूद हैं। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने चारों को वहां से धर दबोचा। पूछताछ में चारों ने अपना नाम बाजार खाला के मोती झील कॉलोनी ऐशबाग निवासी मो. राफे, कैसरबाग के मो. तौहीद, उन्नाव जिले के हसनगंज थानान्तर्गत ग्राम घूरा मऊ निवासी कृष्णपाल और सहादतगंज के मातादीन रोड निवासी शुभम बताया। पुलिस का कहना है कि चारों युवकों के पास से 95 पैकेट स्कूटर ट्यूब (एमआरएफ कंपनी), 241 पैकेट मोटरसाइकिल ट्यूब (एमआरएफ कंपनी), 17 डिब्बे कैस्ट्रोल एक्टिवा कंपनी मोबिल आयल, 13 खाली डिब्बे कैस्ट्रॉल कंपनी और 196 कैस्ट्रोल एक्टिवा कंपनी के रैपर बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में चारों युवकों ने बताया कि वह बाहर जनपदों से सादे ट्यूब मंगा कर मो. राफे की कैसरबाग कॉलोनी स्थित दुकान में एमआरएफ का ट्रेडमार्क लगाकर एमआरएफ की पॉलिथीन के पैकेट में पैक कर देते हैं और लखनऊ आसपास जिलों में सप्लाई करते हैं। जबकि कैस्ट्रोल एक्टिवा मोबिल आयल भी बाहर से ही मंगाया जाता है। इसके रैपर और खाली डिब्बे में भरकर नकली मोबिल आयल को असली में बदलकर उसे भी राजधानी व आसपास जिलों में बेच देते हैं।

ब्लैक फंगस से बचाव के इंतजाम शुरू

एसजीपीजीआई में 12 डॉक्टरों की टीम गठित, तय करेगी इलाज की दिशा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड संक्रमण की धीमी होती रफ्तार के बीच पैर पसारते ब्लैक फंगस नाम की बीमारी से बचाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसजीपीजीआई, लखनऊ में ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार की दिशा तय करने के लिए 12 सदस्यीय वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम गठित कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने टीम-9 की बैठक में प्रदेश में ब्लैक फंगस की स्थिति की जानकारी लेते हुए इस मामले में प्रो-एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि विशेषज्ञों के मुताबिक कोविड से उपचारित मरीजों खासकर अनियंत्रित मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगों में ब्लैक फंगस की समस्या देखने में आई है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार इसके

उपचार में उपयोगी दवाओं की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए आवश्यक गाइडलाइन जारी कर दी जाए। सभी जिलों के जिला अस्पतालों में इसके उपचार की सुविधा दी जाए।

इस बीच एसजीपीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन की अध्यक्षता में विशेष टीम ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों के डॉक्टरों को इलाज के बारे में प्रशिक्षण दिया। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला में डॉक्टरों को ब्लैक फंगस के रोगियों की पहचान, इलाज, सावधानियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। म्यूकर माइकोसिस अथवा ब्लैक फंगस, चेहरे, नाक, साइनस, आंख और दिमाग में फैलकर उसको नष्ट कर देती है। इससे आंख सहित चेहरे का बड़ा भाग नष्ट हो जाता है और जान जाने का भी खतरा रहता है। इसके लक्षण दिखते ही तत्काल उचित चिकित्सकीय परामर्श लेना बेहतर है। लापरवाही भारी पड़ सकती है।

इन मरीजों को बरतनी होगी खास सावधानी: कोविड इलाज के दौरान जिन मरीजों को स्टेरॉयड दवा जैसे डेक्सामिथाजोन, मिथाइल प्रेड्निसोलोन इत्यादि दी गई हो। कोविड मरीज को इलाज के दौरान ऑक्सीजन पर रखना पड़ा हो या आईसीयू में रखना पड़ा हो। डायबिटीज का अच्छा नियंत्रण न हो। कैंसर, किडनी ट्रांसप्लांट इत्यादि के लिए दवा चल रही हो।

यह लक्षण दिखें तो तुरंत लें डॉक्टरी सलाह: बुखार आ रहा हो, सिर दर्द हो रहा हो, खांसी हो, सांस फूल रही हो। नाक बंद हो। नाक में म्यूकस के साथ खून आ रहा हो। आंख में दर्द हो। आंख फूल जाए, एक वस्तु दो दिख रही हो या दिखना बंद हो जाए। चेहरे में एक तरफ दर्द हो, सूजन हो या सुन्न हो (छूने पर छूने का अहसास न हो)। दांत में दर्द हो, दांत हिलने लगें, चबाने में दर्द हो। उल्टी में या खांसने पर बलगम में खून आए।

क्या करें: कोई भी लक्षण होने पर तत्काल सरकारी अस्पताल में या किसी अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर से तत्काल परामर्श करें। नाक, कान, गले, आंख, मेडिसिन, चेस्ट या प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ से संपर्क कर तुरंत इलाज शुरू करें।

बरतें यह सावधानियां: स्वयं या किसी गैर विशेषज्ञ डॉक्टर के दोस्त मित्र या रिश्तेदार की सलाह पर स्टेरॉयड दवा कतई शुरू न करें। लक्षण के पहले 5 से 7 दिनों में स्टेरॉयड देने से दुष्परिणाम होते हैं। बीमारी शुरू होते ही स्टेरॉयड शुरू न करें। इससे बीमारी बढ़ जाती है। स्टेरॉयड का प्रयोग विशेषज्ञ डॉक्टर कुछ ही मरीजों को केवल 5-10 दिनों के लिए देते हैं, वह भी बीमारी शुरू होने के 5-7 दिनों बाद केवल गंभीर मरीजों को। इसके पहले बहुत सी जांच आवश्यक है। इलाज शुरू होने पर डॉक्टर से पूछें कि इन दवाओं में स्टेरॉयड तो नहीं है। अगर है, तो ये दवाएं मुझे क्यों दी जा रही हैं। स्टेरॉयड शुरू होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर के नियमित संपर्क में रहें। घर पर अगर ऑक्सीजन लगाया जा रहा है तो उसकी बोतल में उबाल कर ठंडा किया हुआ पानी डालें या नार्मल सलाइन डालें। बेहतर हो अस्पताल में भर्ती हों।

लखनऊ में महामारी लोक शिकायत समिति गठित

विधि संवाददाता। लखनऊ

लखनऊ। महामारी लोक शिकायत समिति का गठन कर दिया गया है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में गठित इस तीन सदस्यीय समिति में जिला जज द्वारा नामित विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कस्टम) सुनील कुमार, केजीएमयू के कुलपति द्वारा नामित डॉ. समीर मिश्रा व लखनऊ के जिलाधिकारी की ओर से नामित मुख्य विकास अधिकारी, प्रभारी इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर प्रभाष कुमार को नामित किया गया है। शनिवार को प्रभारी जिला जज ने इस आशय की जानकारी पत्र के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट के संयुक्त निबंधक (अनुपालन) को दी। बीते 11 मई को हाईकोर्ट ने एक आदेश जारी कर महामारी लोक शिकायत समिति का गठन करने का आदेश दिया था।

महामारी लोक शिकायत समिति के सदस्य विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कस्टम) सुनील कुमार का मोबाइल नंबर-6387462917, डॉ. समीर मिश्रा का मोबाइल नंबर-9839036117 व प्रभाष कुमार का मोबाइल नंबर-9415005002 है। शनिवार को भेजे गए पत्र में यह भी बताया गया है कि पूर्व में जिलाधिकारी ने एडीएम (प्रशासन) लखनऊ, अमर पाल सिंह को समिति का सदस्य नामित किया था। लेकिन पुनः 14 मई को संशोधित आदेश जारी करते हुए अपर मुख्य सचिव, गृह (गोपन) के निर्देश के क्रम में प्रभाष कुमार को नामित किया गया।

यात्रियों की संख्या में आई कमी, कई ट्रेनें रद

लखनऊ। कोरोना महामारी के चलते आमजन इन दिनों यात्रा करने से बच रहे हैं। लिहाजा ट्रेनों और बसों में यात्रियों की संख्या में कमी आ गई है। जिसके चलते कई ट्रेनों का संचालन रद कर दिया गया है। अब ट्रेन नंबर 05053 छपरा-लखनऊ जं, विशेष ट्रेन रविवार से तो ट्रेन नंबर 05054 लखनऊ जं, छपरा विशेष ट्रेन का संचालन शनिवार से ही रद कर दिया गया। इससे पहले लखनऊ-आगरा कैंट-लखनऊ विशेष ट्रेन, लखनऊ-गोरखपुर-लखनऊ एवं लखनऊ-जबलपुर-लखनऊ विशेष ट्रेन के साथ ही कई अन्य ट्रेनों का संचालन भी रद हो चुका है। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अधिकारियों ने बताया कि पर्याप्त यात्री संख्या और पारिचालनिक दिक्कतों के चलते अगले आदेशों तक ट्रेनों का संचालन रद रहेगा।

बंद की जाए यात्री लोड फैक्टर के नाम पर हो रही वेतन कटौती

लखनऊ। सेंट्रल रीजनल वर्कशाप कर्मचारी संघ उप्र की वर्चुअल बैठक शनिवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष त्रिलोकी व्यास ने की। बैठक में प्रदेश के सभी क्षेत्रों व बस डिपो से पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में कोविड महामारी को देखते हुए रोडवेज कर्मियों को होने वाली समस्याओं पर चर्चा हुई। इस दौरान कर्मियों की छह समस्याएं सामने आईं। कर्मचारी संघ के दुबग्गा डिपो के शाखा अध्यक्ष राजकमल सिंह ने मांग उठाई कि 50 प्रतिशत यात्री लोड फैक्टर के नाम पर जो की जा रही वेतन में कटौती बंद की जाए। कर्मचारियों को मास्क, सेनिटाइजर, ग्लब्स आदि ड्यूटी के समय उपलब्ध कराए जाएं। लखनऊ महानगर परिवहन सेवा में उत्कृष्ट चालन व परिचालन योजना में नियम विरुद्ध लगाई गई रोक को हटाया जाए। कर्मचारी हित की योजना को पूर्व की भांति ही प्रभावी रखा जाए। बकाया एरियर का भुगतान जल्द किया जाए। रोडवेज और सिटी बस कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने के लिए मांग पत्र तैयार किया गया।

विश्व खगोल विज्ञान दिवस मनाया

लखनऊ। विश्व खगोल विज्ञान दिवस के अवसर पर लवली शर्मा फाउंडेशन एस्ट्रोनोमी क्लब और इंडियन साइंस कम्यूनिकेशन सोसाइटी, लखनऊ ने आज एक दिवसीय कार्यक्रम एक्सप्लोरिंग ब्रह्माण्ड का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत खगोल प्रेमियों ने सभी गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वेब गोष्ठी से की गयी जिसमें मुख्य वक्ता भारत सिंह ने ब्रह्माण्ड के रोचक तथ्यों के बारे में जानकारी दी और प्रो. वी.पी. सिंह ने प्रतिभागियों को कोविड में विज्ञान के इस आयाम के प्रति जागरूकता की महत्वता बतायी। गोष्ठी का संचालन सोमांशु श्रीवास्तव ने किया। गोष्ठी में विद्यार्थियों, विज्ञान संचारकों, खगोल प्रेमियों, शिक्षकों, बैंक कर्मचारी, वालंटियरों और बच्चों ने प्रस्तुत रहे। इसके उपरांत ड्राइंग ऐक्टिविटी 'आओ ब्रह्माण्ड बनायें', फोटोग्राफी ऐक्टिविटी 'कैप्चरिंग सनसेट' और शाम के सत्र में संस्था की पूजा विरमानी के नेतृत्व में एस्ट्रोनोमिकल ऐक्टिविटी 'साइटिंग इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' का आयोजन हुआ जिसमें खगोल प्रेमियों ने अपने घरों की छतों पर जाकर नग्न आँखों से स्पेस स्टेशन को देखा। अंतिम रात्रि सत्र में 'स्टार/मून गेजिंग' का आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख लोक राज शर्मा ने सभी खगोल प्रेमियों की सराहना की।

75 जिलों में तैनात किये गये 59 नोडल अफसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी के शहरों के बाद गांवों में कोरोना संक्रमण की दस्तक को देखते हुए योगी सरकार ने आज बड़ा फैसला लिया है। एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के 59 अफसरों को 75 जिलों का नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिन जिलों में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है उनमें संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल को प्रयागराज, रणवीर प्रसाद सचिव राजस्व को फतेहपुर, सुधीर गर्ग प्रमुख सचिव वन पर्यावरण को प्रतापगढ़, सुधीर महादेव बोबडे सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद को कौशाम्बी, मुकेश कुमार को जौनपुर, दीपक अग्रवाल को वाराणसी, चन्दौली, समीर वर्मा को गाजीपुर, मोहम्मद मुस्तफा को सोनभद्र और विन्ध्याचल, योगेश्वर राम मिश्र को संत रविदास नगर, मिर्जापुर, भदोही, के रवीन्द्र नायक को आजमगढ़, विजय विश्वास पन्त को बलिया एवं मऊ, जयन्त नार्लिकर को गोरखपुर, वी हेकाली झिमोमी को देवरिया, पन्धारी यादव को कुशीनगर, राजन शुक्ल को महाराजगंज, मुकेश कुमार मेश्राम को बस्ती एवं संत कबीर, अनिल कुमार सागर को सिद्धार्थ नगर, अनुराग यादव को गोण्डा, एसवीएस रंगा राव को बलरामपुर एवं श्रावस्ती, डा हरिओम को बहराइच, टी वेंकटेश को अयोध्या, एमपी अग्रवाल को अंबेडकर नगर, अरविंद कुमार को बाराबंकी, अनिल कुमार-2 को सुलतानपुर, मोनिका एस गर्ग को अमेठी, डा रोशन जैकब को लखनऊ, एमवीएस रामी रेडडी को रायबरेली, डिंपल वर्मा को हरदोई, दीपक कुमार को उन्नाव, मिनिष्ती एस को सीतापुर, रंजन कुमार को खीरी, अजय चौहान को कन्नौज एवं फररुखाबाद, डा राज शेखर को कानपुर नगर एवं कानपुर देहात, हेमन्त राव को औरैया एवं इटावा को तैनात किया गया है।

किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए साबित हो रही है वरदानः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोना महामारी के दौरान भेजी गयी धनराशि से किसानों के हितों का संरक्षण होगा और ग्रामदेवता कहे जाने वाले अन्नदाता किसानों के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त होगा।

संकट के समय यह धनराशि आर्थिक संबल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एकिसानों के लिए वरदान साबित हुई है सरकार का संकल्प है कि कहीं कोई भूखा न सोने पाये। कहा कि हमारे देश की ताकत हमारे किसान हैं जिन्होंने करोना काल में भी अपनी खेती में मेहनत करके उत्पादन किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर कृषि के नए चक्र की शुरुआत का समय है। जब देश कोरोना के दौर से गुजर रहा है ऐसे समय में किसानों के खाते में धनराशि ट्रांसफर करके प्रधानमंत्री जी ने देश के किसानों और गरीबों का पूरा ख्याल रखा है।

सेक्टर अधिकारी रखेंगे निगरानी समितियों पर नजर

कोरोना से जंग

संवाददाता। मोहनलालगंज

निगरानी समितियों पर नजर रखने के लिए जिला प्रशासन ने न्याय पंचायतवार अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी है। नामित सेक्टर अधिकारी निगरानी समितियों के जांच अभियान से लेकर पंचायतों की सफाई-सेनीटाइजेशन और बीमार लोगों को दवा वितरण की समीक्षा कर सरकारी निर्देशों पर अमल कराएंगे। मोहनलालगंज ब्लाक समेत राजधानी की सभी न्याय पंचायतों में कोरोना के विरुद्ध जारी जंग में निगरानी समितियों की भूमिका अहम मानी जा रही है। लेकिन कुछ गांवों से निगरानी समितियों की निष्क्रियता और सफाई सेनीटाइजेशन में लापरवाही की शिकायतें भी आ रही हैं। लिहाजा जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने सभी न्याय पंचायतों में सरकारी निर्देशों पर अमल कराने के लिए सेक्टर अधिकारी नामित कर दिए हैं। बीडीओ अजीत कुमार सिंह ने बताया मोहनलालगंज की सभी 14 न्याय पंचायतों में एडीओ एबीटी और वीडीओ को सेक्टर अधिकारी बनाया गया है। सेक्टर अधिकारी न्याय पंचायत की सभी ग्राम पंचायतों में निगरानी समितियों को सक्रिय कर जांच और दवा वितरण अभियान को सफल बनाएंगे। इसके अतिरिक्त पंचायतों में सफाई और सेनीटाइजेशन का व्यापक अभियान भी चलवाएंगे।

सफाई और सेनीटाइजेशन का व्यापक अभियान चलवाएंगे

ड्यूटी के दौरान चालकों व परिचालकों को भी मिलेगी सहायता राशि

लखनऊ। कोरोना महामारी के समय ड्यूटी के दौरान मरने वाले चालकोंए परिचालकों के साथ ही अन्य कर्मियों को भी सहायता धनराशि मिलेगी। रोडवेज में कार्यरत कर्मियों में चाहे नियमित हो या संविदा के। उनकी मौत कोरोना संक्रमण से होने पर उनके आश्रितों को 50 लाख रुपये की एक मुश्त धनराशि दी जाएगी। इस संबंध परिवहन निगम मुख्यालय से आदेश जारी कर दिया है गया है। परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक डीबी सिंह ने बताया कि प्रदेश में अभी तक करीब 50 से ज्यादा कर्मियों की मौत की सूचना ड्यूटी के दौरान मिली है। इस संबंध में प्रदेश के जिलों से 25 मई तक पूरी जानकारी मांगी गई है। जिसमें कर्मिक का पूरा ब्यौरा एक सीट पर देना होगा। इसके लिए क्षेत्रीय अधिकारी मृतक कर्मी के परिजनों से मिलकर पूरी जानकारी एकत्र कर जरूरी दस्तावेजों को मुख्यालय भेजेंगे।

पचास फीसदी कम हुई वाहनों की बिक्री

लखनऊ। कोरोना काल के 50 दिनों में लखनऊ में 50 फीसदी कम वाहनों की बिक्री दर्ज की गई। अनुमान 25 दिनों में दस हजार नई गाड़ियों की बिक्री लखनऊ में होती थी। परन्तु इस बार डेढ़ महीने बीत गए अभी तक दस हजार नए वाहनों के नंबरों की सीरीज खत्म नहीं हो सकी। बता दें कि 26 मार्च को लखनऊ आरटीओ कार्यालय की ओर से नए वाहनों की सीरीज यूपी 32 एमए शुरू की गई थी। जोकि 15 मई तक खत्म नहीं हो सकी। ये सीरीज अब 17 मई को खत्म होगी। तब जाकर दस हजार नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन होगा। एआरटीओ प्रशासन ने बताया कि नए वाहनों में सबसे ज्यादा मोटरसाइकिल साढ़े छह हजार दो हजार चार पहिया बाकी डेढ़ हजार अन्य वाहनों पंजीकृत हुई है। जबकि होली और ईद के मौके पर वाहनों की बिक्री में 30 फीसदी ज्यादे वाहनों के रजिस्ट्रेशन होता रहा।

बीडीओ बीकेटी की अगुवाई में गांवो में हुई कोरोना जांच

बीकेटी। कोरोना महामारी को गांवो के द्वार पर पहुंचने के पहले ही उसका खात्मा करने के लिये बीकेटी तहसील प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जुट गया गया है। बीडीओ पूजा सिंह ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप कोरोना महामारी को गांवों में फैलने के पहले ही उसकी रोकथाम के लिये प्रशासन ने कमर कस ली है। जिसके लिये सेक्टर बनाया गया है। उसी के अनरूप शनिवार को ब्लाकीखपुर लोधौली सोनवा में निगरानी समिति व मेडिकल स्टाफके साथ मिलकर कोविड जांच दवाओं का वितरण कोविड के प्रति बरती जानी वाली सावधानियां के प्रति जागरूक करने के साथ दवाइयों का वितरण किया गया।

ग्रामीणों ने हंगामा कर बन्द कराया फोरलेन का कार्य

मोहनलालगंज। सिसेण्डी में फोरलेन रोड बना रही कम्पनी ने गांव की जलनिकासी के लिए मौजूद पुलिया ध्वस्त कर दी। जिससे हल्की सी बारिश के बाद ही गांव के एक मोहल्ले में जलभराव की नौबत आ गई। नाराज ग्रामीणों ने शनिवार को रोड का कार्य बन्द कराकर जलनिकासी दुरुस्त कराने का अल्टीमेटम दिया है। मोहनलालगंज के सिसेण्डी गांव में जलनिकासी के लिए मौरावां रोड में डाली गई पुलिया फोरलेन रोड बना रही कम्पनी ने ध्वस्त कर डाली। ग्रामीणों के विरोध पर कम्पनी ने पुलिया निर्माण कराने का भरोसा दिया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया। नाला निर्माण कराते समय भी कम्पनी ने अब तक पुलिया निर्माण को दरकिनार कर रखा है। लिहाजा दो दिन पहले हुई मामूली बारिश के बाद ही जलनिकासी की समस्या खड़ी हो गई। जिसे लेकर खफा ग्रामीण शनिवार को मौके पर पहुंच कर हंगामा करने लगे। आक्रोशित ग्रामीणों ने जेसीबी से हो रहे रोड निर्माण का कार्य रुकवा दिया। ग्रामीणों ने कम्पनी को पुलिया निर्माण कराए जाने तक रोड का कार्य बन्द कराए रखने की चेतावनी दी है।

फिनलैंड व नीदरलैंड के चार विश्वविद्यालयों में सीएमएस छात्र उच्चशिक्षा के लिए चयनित

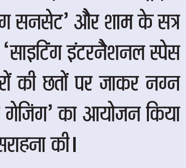

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) के मेधावी छात्र उत्पल शाक्य ने उच्चशिक्षा हेतु फिनलैंड एवं नीदरलैंड के चार विश्वविद्यालयों में चयनित होकर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। उत्पल को फिनलैंड के मेट्रोपोलिया यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, औलू यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, साउथ-ईस्टर्न फिनलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज एवं नीदरलैंड की रेडबड यूनिवर्सिटी द्वारा उच्चशिक्षा का आमन्त्रण प्राप्त हुआ है। इस प्रकार, सीएमएस के एक और प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा की बदौलत विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में चयनित होकर अपने मेधावल का परचम लहराया है। इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी सफलता का श्रेय सीएमएस के अपने शिक्षकों को दिया है।

अखिलेश ने मेदांता पहुंच कर लिया आजम खां का हाल-चाल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीते शुक्रवार को मेदांता अस्पताल पहुंचकर पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद आजम खां के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी हासिल की। अखिलेश यादव करीब 30 मिनट तक अस्पताल में रुके और आजम खां का इलाज करने वाले डाक्टरों से बातचीत की। हालांकि कोविड की वजह से अखिलेश को वार्ड में जाने की अनुमति नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बीते 12 मई को सपा नेता आजम खां और उनके पुत्र अब्दुल्ला को कोरोना से संक्रमित होने के बाद सीतापुर जेल से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस दौरान आजम खां की हालत काफी खराब थी। मेदांता अस्पताल में 3 दिन के उपचार के बाद आजम खां के स्वास्थ्य में काफी सुधार आया है।

यूपी में जेल की दीवारें पहले भी होती रही हैं खून से लाल

सुरक्षा पर फिर खड़े हुए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माफिया सरगना मुन्ना बजरंगी की बागपत जेल में हुई हत्या के बाद एक बार फिर शुक्रवार को चित्रकूट जिला कारागार में हुई घटना से जेलों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। उप्र की जेलों में पहले भी इस प्रकार की घटनाएं होती रही हैं और जेलों की सुरक्षा पर सवाल भी उठते रहे हैं। इसके पहले जुलाई 2018 में यूपी की बागपत जेल में प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ मुन्ना बजरंगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। करीब तीन साल बाद चित्रकूट जेल से इससे बड़ी वारदात की खबर आई तो लखनऊ तक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। विपक्ष भी सरकार की घेराबंदी में जुट गया है।

बाहुबली मुख्तार अंसारी के करीबी मुन्ना बजरंगी और मेराज की जेल में हत्या से पहले भी बनारस की जेलों में हत्याएं हो चुकी हैं। कोतवाली क्षेत्र के चर्चित अपराधी अनुराग उर्फ अन्नू त्रिपाठी और बंशी यादव की भी जेल में ही हत्या हो चुकी है। पूर्वांचल में सबसे पहले वाराणसी की जेलों में बंदूकें गरजी थीं। बंशी यादव को जिला जेल के मुख्य गेट पर अन्नू त्रिपाठी ने गोली मार दी थी। हत्या के करीब एक साल बाद ही अन्नू त्रिपाठी को केंद्रीय कारागार की बैरक में मार दिया गया था। मुन्ना बजरंगी के लिए रंगदारी वसूलने वाले शूटर अन्नू त्रिपाठी और बाबू यादव ने 13 मार्च 2004 को जिला जेल में पानदरीबा से पार्षद रहे बंशी यादव को गोली मार दी थी। पार्षद की हत्या के एक साल बाद दो मार्च 2005 को वाराणसी के सेंट्रल जेल में अन्नू त्रिपाठी को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में बनारस के शातिर अपराधी संतोष गुप्ता किट्टू का नाम आया था। बाद में किट्टू को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। चित्रकूट जेल में मेराज समेत दो बदमाशों की हत्या के बाद वाराणसी के जिला व केंद्रीय कारागार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दोनों जेल में हाई अलर्ट के साथ ही कारागार अधिकारियों ने औचक चेकिंग भी की। किसी भी तरह की गतिविधियों में संलिप्तता पर कार्रवाई की चेतावनी दी। खासतौर से मुख्तार गैंग से जुड़े बदमाशों की सुरक्षा को लेकर खास निगाह रखी जा रही है। चित्रकूट की हाई सिक्योरिटी जेल साल 2017 में खास तौर पर डकैतों और बड़े अपराधियों के लिए बनकर तैयार हो गई थी। चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में यहां माफिया, डकैत और उनके खास गुर्गे बंद हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर इतनी हाईटेक सुरक्षा वाली जेल में पिस्टल पहुंची तो पहुंची कैसे। इन अपराधियों को कौन पनाह दे रहा था। 817 बंदियों-कैदियों की क्षमता वाली इस जेल में करीब 640 अपराधी बंद हैं। डकैत ददुआ का दाहिना हाथ रहा राधे सजा काट रहा है। इसके साथ ही डकैत बबुली कोल, रागिया, ठोकिया, बलखड़िया, गौरी यादव के तमाम मददगार व गैंग के सदस्य जेल में बंद हैं। इस वजह से यहां खासी एहतियात बरती जाती है और पहरा काफी सख्त रहता है। जेल अत्याधुनिक संचार प्रणाली से लैस है। सीसीटीवी कैमरों के अलावा नाइट विजन बाइनाकुलर की व्यवस्था की गई है। यहां सुरक्षा जांच के लिए ह्यूमन बॉडी स्कैनर, ड्यूल स्कैनर बैगेज, ड्रोन कैमरा, उच्च क्षमता के हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर आदि की व्यवस्था है।

छात्र राजनीति के दौरान अंशु ने रखा था जरायम की दुनिया में कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल में मुठभेड़ में मारे गए शार्प शूटर अंशु दीक्षित उर्फ सुमित ने लखनऊ विश्वविद्यालय से जरायम की दुनिया में कदम रखा था। सीतापुर जिले के मानकपुर कुड़रा बनी निवासी अंशु दीक्षित लखनऊ विवि में छात्र राजनीति करता था। यहीं से उसका संपर्क अपराधियों से हुआ। उसने विवि के पूर्व महामंत्री विनोद त्रिपाठी की 11 दिसंबर 2006 को गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात की रात में जय सिंह, अंशुल दीक्षित उर्फ अंशु व सुधाकर पांडेय के बीच किसी बात पर विवाद हुआ। इसी दौरान अंशु ने विनोद त्रिपाठी व गौरव सिंह को गोली मार दी थी। वारदात के कुछ दिन बाद पुलिस ने जय सिंह को मुठभेड़ में मार गिराया था। अंशु को पुलिस ने 2008 में गोपालगंज, बिहार के भोरे में अवैध असलहों के साथ पकड़ा था। छह साल बाद ही वह पेशी से लौटते समय सीतापुर रेलवे स्टेशन पर सिपाहियों को जहरीला पदार्थ खिलाकर फरार हो गया था। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित हुआ था। बाद में एसटीएफ ने उसे पकड़ा था। अंशु का नाम लखनऊ के हजरतगंज इलाके में स्थित डीआरएम कार्यालय के बाहर गोरखपुर के तिवारीपुर से तत्कालीन सभासद फैजी की हत्या व सीएमओ हत्याकांड में भी आया था। अंशु ने छह माह तक भोपाल में भी फरारी काटी थी। उस पर भोपाल में भी 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी का खास व शार्प शूटर रहा था। 2014 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। सुल्तानपुर जेल में बंद था लेकिन चित्रकूट जेल में सुरक्षा व्यवस्था आधुनिक होने के कारण उसे आठ दिसंबर 2019 को यहां भेजा गया था। वह पूर्वांचल के माफियाओं के काफी करीब रहा है।

पूर्वांचल के अपराधियों के निशाने पर हैं मुख्तार के खास गुर्गे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल में शुक्रवार को हुई गैंगवार कई बातों की तरफ इशारा कर रही है। इसमें सबसे खास बात यह सामने आ रही है कि माफिया मुख्तार अंसारी के शार्प शूटर और उसके खास गुर्गे पूर्वांचल के अपराधियों के निशाने पर हैं। इनके सफाए के लिए पूर्वांचल के बाहुबलियों का गठजोड़ बन गया है। इसमें कई सफेदपोश माफिया या शामिल हैं। करीब छह साल पहले से मुख्तार के करीबियों पर हमले की शुरुआत हुई। अब तक इस गिरोह के प्रमुख लोगों में मुन्ना बजरंगी, पुष्पजीत सिंह, मो तारिक, लखनऊ में अजीत सिंह की हत्या हो चुकी है। वहीं शुक्रवार को मेराज व मुकीम काला की हत्या हो गई। इन दोनों की हत्या करने वाला अंशु दीक्षित कभी मुख्तार के लिए काम करता था लेकिन उसने समय के साथ ही अपना पाला बदल लिया था।

9 जुलाई 2018 को बागपत जेल में मुन्ना बजरंगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने वाला सुनील राठी उसी जेल में बंद था। पूर्वांचल के एक बाहुबली नेता के इशारे पर पश्चिम यूपी के माफिया सुनील राठी ने मुन्ना बजरंगी को मौत की नींद सुलाया था। मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद 6 जनवरी 2021 को मुख्तार के करीबी व मऊ के मुहम्मदाबाद गोहना के पूर्व उप प्रमुख अजीत सिंह की विभूतिखंड थाने में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने के लिए पूर्वांचल व पश्चिमी उप्र के छह शूटरों ने 50 राउंड से अधिक गोलियां चलाई थीं। इस हत्याकांड की साजिश रचने में पूर्वांचल के बाहुबली व पूर्व सांसद धनंजय सिंह का नाम सामने आया। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। वह इस मामले में फरार चल रहा है। अजीत सिंह की हत्या के पांच महीने के अंदर ही चित्रकूट जेल में बंद मुख्तार व मुन्ना बजरंगी के करीबी दो बदमाशों मेराज व मुकीम काला की गैंगवार में हत्या कर दी गई। दिल्ली पुलिस ने जब मुन्ना बजरंगी को मुंबई से गिरफ्तार किया था तो उससे कई दिनों की पूछताछ के बाद पोटा की भी कार्यवाही की गई थी। इसी दौरान पुलिस ने मुन्ना के करीबी कहे जाने वाले मेराज को भी दबोच लिया था। मुकीम की मुलाकात मुन्ना बजरंगी से बरेली, बागपत जेलों में हुई थी। दोनों जेल में एक साथ मिलकर गिरोह चलाने लगे।

बांदा जेल की सुरक्षा बढ़ाई गई
एके सिंह बांदा जेल के अधीक्षक बनाए गए

लखनऊ। चित्रकूट जिला कारागार में हुए गैंगवार के बाद बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। बांदा जिला कारागार की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही सरकार ने उन्नाव के जिला कारागार में तैनात जेल अधीक्षक एके सिंह को बांदा का नया जेल अधीक्षक बनाया गया है। एके सिंह तत्काल नई तैनाती ज्वाइन करने के लिए निर्देशित किया गया है। मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ से जेल से लाकर बांदा की जेल में बंद किया गया है। राज्य सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ा दिया है।

कैराना में मुकीम की करतूतों के चलते ही उठा था पलायन का मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वेस्ट यूपी के कैराना में पलायन का मुद्दा 2016 से पहले उठा था। इसके पीछे भी मुकीम काला की अपराधिक घटनाओं को ही जिम्मेदार माना गया था। चित्रकूट जेल में बदमाशों की गैंगवार में मारा गया कुख्यात बदमाश मुकीम काला शामली जिले के कैराना थाना क्षेत्र के ग्राम जहानपुरा का निवासी था। उस पर शामली जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हत्या, रंगदारी लूट आदि गंभीर अपराधों के 22 आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2016 में भाजपा विधानमंडल दल के नेता और तत्कालीन विधायक हुकुम सिंह ने कैराना से एक वर्ग के पलायन का जो मुद्दा उठाया था उसके पीछे मुकीम काला गिरोह के बदमाशों द्वारा की गई आपराधिक वारदात ही शामिल थी। मुकीम गिरफ्तारी के बाद कई बार कैराना कोर्ट में पेशी पर आया। जिससे पूरे कैराना क्षेत्र को पुलिस को छावनी में बदलना पड़ता था और भारी पुलिस बल की उपस्थिति में उसकी पेशी कराई जाती थी। अपने अपराधिक जीवन की शुरुआत में मुकीम काला ने मुजफ्फरनगर में भी बुढ़ाना क्षेत्र में लूट और जानसठ क्षेत्र में डकैती की वारदात की थी। 2012 में उसके खिलाफ पहां मामले दर्ज कराए गए थे। करीब सवा दो लाख रुपए के इनामी कुख्यात मुकीम काला को एसटीएफ ने 20 अक्टूबर 2015 में गिरफ्तार किया था। उस समय एसटीएफ ने मुकीम काला की निशांदेही पर कैराना क्षेत्र में ही एक मकान में छिपाकर रखी गई एके-47 और लगभग 100 कारतूस बरामद किए थे। वह भले ही अक्टूबर 2015 में जेल में पहुंच गया था लेकिन उसका गिरोह कैराना क्षेत्र में लगातार आपराधिक वारदात करते हुए आतंक फैला रहा था।

मुलाकात हाल भी अत्याधुनिक संचार प्रणाली से लैस है। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने 30 अप्रैल को जिला जेल का निरीक्षण किया था। उस दिन विभिन्न बैरक समेत हाई सिक्योरिटी बैरक का जायजा लिया था लेकिन कोई अनुचित वस्तु नहीं मिली थी। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि उसके बाद पिस्टल जेल में पहुंची है।

सहमा मुख्तार का परिवार

चित्रकूट जेल में गैंगवार के बाद मुख्तार अंसारी का परिवार भी सहम गया है। मुख्तार के बड़े भाई और सांसद अफ जाल अंसारी ने मीडिया से कहा कि जेल के भीतर गैंगवार पहली बार सुन रहा हूं। खेत में गलियों में और सड़कों पर गैंगवार सुनी है लेकिन जेल के भीतर इस तरह की बात पहली बार सुन रहा हूं। ऐसा कहा जाता है कि यूपी में जेल की व्यवस्थाएं चाक चौबंद हैं बावजूद इस तरह की घटनाएं होने से डर का माहौल पैदा हो जाता है। मुख्तार की सुरक्षा को लेकर अफ जाल ने कहा कि खुद मुख्तार हमेशा पेशी और वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान सुरक्षा की गुहार लगाते रहते हैं।

अब मरीजों को भटकने की जरूरत नहीं, अस्पतालों में हजारों बेड खाली

● कोरोना संक्रमण के 295 नए मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी में हर दिन मिलने वाले कोरोना मरीजों की संख्या कम होती जा रही है। वहीं, एक्टिव मरीज भी कम हो रहे हैं, जिससे कोविड अस्पतालों में खाली बेड की संख्या बढ़ती जा रही है।वाराणसी की कोविड अस्पतालों में हर दिन अब खाली होने वाले बेड की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। सरकारी.निजी मिलाकर कुल 60 कोविड अस्पतालों में 1046 बेड खाली हैं। अब जरूरत पड़ने पर मरीजों के परिजनों को भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। इसमें 8 सरकारी अस्पतालों के 1033 बेड में जहां 341 बेड खाली पड़े हैं। वहीं निजी अस्पतालों में भी 1421 बेड में से 705 बेड खाली हैं। राहत की बात यह है कि इसमे सबसे ज्यादा लेवल दो यानी ऑक्सीजन वाले 812 बेड और लेवल तीन यानी आईसीयू और वेंटिलेटर वाले 234 बेड शामिल हैं। इससे गंभीर मरीजों को भर्ती होने में राहत मिलेगी। उधर शनिवार सुबह 4686 सैंपल की रिपोर्ट में 295 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि भी हुई है। अब कुल 77332 मरीजों में 69741 के डिस्चार्ज 679 की मौत के बाद6912 एक्टिव मरीज हैं।

मेराज ने ही पूर्वांचल में पहली बार एके 47 मुन्ना बजरंगी को कराया था मुहैया

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मुख्तार अंसारी के करीबी मेराज का नाम आपराधिक मामलों में शामिल था। इसकी शुक्रवार को चित्रकूट जेल में गैंगवार में हत्या कर दी गई थी। साथ में मुकीम काला की भी हत्या हुई थी। पूर्वांचल के माफिया मुन्ना बजरंगी से भी अच्छे संबंध थे। दोनों ने साथ में कई वारदातों को अंजाम दिया था।पूर्वांचल के माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की सरपरस्ती में भी मेराज ने कई कारनामे किए थे। पुलिस रिकॉर्ड में ऐसे कारनामें दर्ज भी हैं। पूर्वांचल में पहली बार एके.47 मुन्ना बजरंगी को मुहैया कराने में मेराज का ही नाम सामने आया था। 19 दिसंबर 2002 को वाराणसी के मलदहिया चौराहे पर एके.47 से अंधाधुंध फायरिंग कर भाजपा नेता अनिल सिंह समेत चार की हत्या कर दी गई थी।

अनिल सिंह हत्याकांड में पहली बार मेराज का नाम मुन्ना बजरंगी के साथ जुड़ा था। सिगरा थाने में दर्ज मेराज के खिलाफ हत्याए हत्या के प्रयास मुकदमे के दौरान विवेचना में यह भी सामने आया था कि मुन्ना बजरंगी को असलहा मेराज ने ही मुहैया कराया था।असलहों का शौकीन मेराज के ऊपर दर्ज डेढ़ दर्जन मुकदमों में अधिकतर मुकदमें अवैध असलहा रखने के ही हैं। असलहों के बारे में मेराज को बहुत अच्छी जानकारी थी। मेराज को करीब से जानने वाले बताते थे कि मेराज कहीं भी जाता था तो अपनी लाइसेंसी पिस्टल लेकर चलता था। पिस्टल की चाहत में ही दूसरे पते पर लाइसेंस नवीनीकरण कराया और यही से मेराज के ऊपर कार्रवाई की तलवार लटकी तो फिर लटकती ही चली गई।जरायम जगत से जुड़े लोगों को शरण देनाए वसूली और मछली कारोबार से मेराज ने ठीक.ठाक साम्राज्य स्थापित कर लिया था। बसपा शासनकाल में मेराज की नजदीकियां कई मंत्रियों से भी रहीं। उस दौरान मेराज ने काफी धन अर्जित किया था। वाराणसीए गाजीपुरए चंदौलीए मऊ सहित अन्य जनपदों में मेराज की दखल रहती थी।

ईद की नमाज की गई अदा लोगों ने जमकर मनाई खुशियां

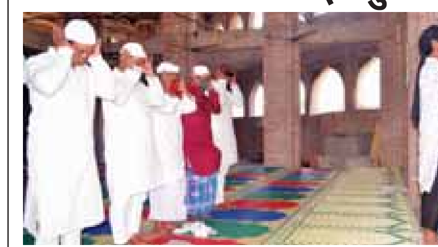

वाराणसी। ईद–उल–फित्र की नमाज को लेकर भले ही पाबंदिया लगाई गई थी, लेकिन महामारी के इस निराशा भरे दौर में भी त्यौहार की खुशी तनिक भी कम न थी। लोगों ने घरों में ही चाश्त की नमाज अदा की और फोन कर दोस्तों–रिश्तेदारों को ईद की मुबारकबाद दी। सभी ईदगाहों–मस्जिदों में इमाम सहित पांच–पांच नमाजियों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान कोरोना संक्रमण के खात्मे और अस्पतालों भर्ती मरीजों की जल्द स्वस्थ के लिए दुआएं की गई। खुशी मनाने के दरम्यान लोगों ने कोविड नियमों का भी ख्याल रखा। अल सुबह नहा–धोकर लोग तैयार हुए और फज्र की अजान होने के बाद नमाज अदा की। सुबह ईदगाह या मस्जिद की बजाय लोगों ने परिवार संग घर में ही नमाज–ए–चाश्त अदा की। कोरोना से निजात एवं देश की तरक्की व अमनों–अमान की दुआ मांगी। ईदगाहों में ईद–उल–फित्र की नमाज न अदा कर पाने का मलाल हर किसी के दिल में रहा।

बीएचयू में फंगस से पीड़ित महिला की मौत, बुधवार को हुआ था सफल आपरेशन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बीएचयू में ब्लैक फंगस से पीड़ित एक महिला की मौत हो गई। महिला ब्लैक फंगस के साथ ही कोरोना से भी पीड़ित थी। बीते बुधवार को ही उसका ब्लैक फंगस का सफल ऑपरेशन किया गया थाए जिसमें आंख और जबड़ा समेत उसका आधा चेहरा निकाल बाहर कर दिया गया था। कोविड से पीड़ित होने के बावजूद उसकी सर्जरी कर फंगस को पूरी तरह से हटाया गया था।

उसके बाद उसे बीएचयू में कोविड के आइसीयू वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। बताया जा रहा था कि कोरोना से रिकवरी के बाद ही उसे ब्लैक फंगस की दवाइयां दी जाएंगी। करीब छह माह के बाद जब वह पूरी तरह से रिकवर हो जाएगी उसके बाद ही उसे नकली जबड़ाए सिलिकॉन के गाल और पत्थर की आंख लगाई जाएगी। मगर अफसोस की वह अब इस दुनिया में नहीं रही। बीएचयू में मौत होने के बाद उसके परिजनों ने महिला का हरिश्चंद्र घाट पर अंत्येष्टि कर दीए जहां मुखाग्नि उनके पति ने दी।54 वर्षीय इस महिला का नाम तनिमा मित्रा थाए जो कि मूलतरू बिहार की रहने वाली थी। बीएचयू में रेफर होकर वह बीते सोमवार को भर्ती हुई और तब तक आधे से ज्यादा चेहरा फंगस इंफेक्शन से काला पड़ गया था।

कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी इमरजेंसी में जान बचाने के लिए बीएचयू ईएनटी के डॉण् सुशील कुमार अग्रवाल और उनकी टीम ने महिला का जटिल ऑपरेशन किया। इसके अलावा बीएचयू में शनिवार को ब्लैक फंगस के कुल छह गंभीर मरीज आएए जिनमें प्रथम दृष्टतया फंगस का संक्रमण पाया गया है। उनकी कोविड रिपोर्ट आते ही इलाज शुरू कर दिया जाएगा।

कोरोना की लड़ाई में पीएम के आदर्श गांव को युवा कर रहे हैं सैनिटाइज

● ग्राम नागेपुर के युवाओं ने उठाया गांव को कोरोना मुक्त रखने का बीड़ा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

प्रधानमंत्री आदर्श गांव के युवाओं ने गांव को कोरोना मुक्त रखने का बीड़ा उठा लिया है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए एक ओर लोग जहां घरों में रहकर लॉक डाउन का पालन कर रहे हैं। वहीं ये युवा अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए प्रशासन के साथ मिलकर गांव और शहरों को सैनिटाइज करते दिखाई दिए। अलग.अलग टीमें बनाकर गांव की गलियोंए बस स्टैंडए बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों को सैनिटाइज कर रहे हैं ताकि कोरोना वायरस से लोगों को बचाया जा सके। युवाओं ने पिछले दो दिन से गांव को सैनिटाइज किया और ग्रामीण की थर्मल स्क्रीनिंग भी की। फिर अपने गांव को सेनेटाइज करने के बाद गांव के युवाओं ने शनिवार को बेनीपुरए मुबारकपुर गांव में सैनिटाइजेशन कार्य किया। गांव के प्रत्येक घर को सैनिटाइज करने के साथ ही गांव के आम रास्तों पर भी सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया। युवाओं ने हर रोज एक गांव को सेनेटाइज करने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण सेवादल में अरविन्द, अनीश, आलोक, मनीष, शिवकुमार, बिहारी, वर्षा, पंचमुखी, श्यामसुंदर, सुनील शामिल हैं। इन युवाओं को प्रेरित करने वाले लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि उनके साथ गांव के ही रहने वाले कई युवा साथी हैं जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में लोगों के साथ खड़े होने का निर्णय लिया। ये साथी हर रोज रोज तीन से चार घंटे इलाके में जाकर हर गली मोहल्ले को सैनिटाइज करने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि अभी प्रशासन की तरफ से सैनिटाइजर का छिड़काव करने का काम कुछ इलाकों में चल रहा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में अभी तक नहीं किया गया।

कानपुर पहुंची पांचवी ऑक्सीजन एक्सप्रेस

प्रयागराज। भारतीय रेल ने कोविड के विरुद्ध चल रही लड़ाई को तेज करने और कानपुर में ऑक्सीजन की त्वरित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक और ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा टाटानगर से लोड किए गए दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में चालीस एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन एलएमओ वाली ट्रेन शनिवार को सवा तीन बजे कानपुर यार्ड पहुंची। इसे तुरंत इनलैंड कंटेनर डिपो लाया गया। सीनियर पीआरओ डा अमित मालवीय ने बताया कि जहां स्थानीय रेल एवं कोनकोर अधिकारियों पर्यवेक्षकों ने तत्काल ऑफलोडिंग सुनिश्चित की। डिकैंटिंग पूरा होने के बाद साइडिंग अधिकारियों द्वारा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को गुलाब चंद्र तहसीलदार घाटमपुर को सौंपा गया। इसके बाद सुबह समय 06.45 बजे ही मात्र 03.20 घंटे में ही वापस टाटानगर में अगली लोडिंग के लिए कानपुर से खाली कंटेनर लेकर ट्रेन रवाना कर दी गई।

क्विक न्यूज

भाई के परिछन के दौरान तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आई बालिका, मौत

चन्दौली। चकिया कोतवाली क्षेत्र के गांधीनगर गांव के पास अपने चचेरे भाई के परिछन में शामिल दस वर्षीय बालिका ज्योति की तेज रफ्तार बोलेरो के चपेट में आने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद खुशी का माहौल एक पल में गम में बदल गया। क्षेत्र के जनकपुर गांव निवासी लालजी अपने परिवार व बच्चों के साथ भतीजे की शादी में आए हुए थे। बृहस्पतिवार की सुबह बरात जाने की तैयारी हो रही थी। पास ही के गांधीनगर गांव स्थित इलिया मार्ग के किनारे घर के पास दूल्हे का परिछन का रस्म हो रहा था। कार्यक्रम में शामिल परिजनों के साथ दस वर्षीय बालिका ज्योति भी मौजूद थी। इसी दौरान इलिया की ओर से आ रही बोलेरो ने ज्योति को जोरदार धक्का मार दिया तथा तेज गति से चालक वाहन लेकर फरार हो गया। आनन फानन में परिजनों ने बालिका को लेकर चकिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां चिकित्साधिकारी डॉण् सुजीत सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। मार्मिक घटना से परिजनों में दुख का पहाड़ टूट पड़ा। वही खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया। बालिका के शव को परिजन घर को लेकर चल दिए और दाह संस्कार में जुट गए। कोतवाल नागेंद्र प्रताप सिंह में बताया कि घटना संज्ञान में है। जांच पड़ताल की जा रही है।

नन्हे समाजवादी ने मांगी आजम खान के लिए दुआ

धानापुर/चन्दौली । वैश्विक महामारी कोरोना ने ईद के त्यौहार का रंग फीका कर दिया। कोरोना की वजह से शुक्रवार को धानापुर कस्बा में लोग ईद की नमाज़ अपने घरों पर अदा किया। इस दौरान लोगों ने मुल्क से कोरोना बीमारी के खात्मे व अमन.चैन की दुआ माँगी। कस्बा स्थित पठानटोली में घर पर ईद की नमाज अदा करने के बाद नन्हें समाजवादी उमैर पठान ने सपा सांसद आजम खान की सेहत के लिए दुआ मांगा। विदित हो कि सीतापुर जेल में बंद सपा के संस्थापक सदस्य व रामपुर से सांसद आज़म खान कोरोना से ग्रसित हैंए जिन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया। लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। इस नन्हें समाजवादी उमैर पठान ने भी आज़म खान के जल्द स्वस्थ होने की खातिर ईद की नमाज के बाद दुआ मांगा।

जरूरतमंदों को वितरित किए गए मास्क

सोनभद्र। सेवा ही संगठन के सिद्धांत पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोनभद्र नगर के मेन चौक शीतला मंदिर के पास आने जाने वाले राहगीरों व सब्जी विक्रेताओं से कोरोना संकटकाल में सभी लोगों से मास्क लगाकर सुरक्षित व सुव्यवस्थित रहने का आग्रह किया। जिससे सुरक्षित जीवन जिया जा सके। आने जाने वाले सभी जरूरतमंदों को मास्क वितरण किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग लगातार मास्क व काढ़ा वितरण के साथ ही जरूरतमंदों को सेनीटाइजर भोजन का वितरण कर रहे है। जिससे आम जन मानस को राहत मिल सके। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता जिला कार्यसमिति सदस्य नरसिंह पटेल रविंद्र केसरी नगर अध्यक्ष बलराम सोनी नगर महामंत्री विजय केसरी नगर मंत्री विजय विश्वकर्मा अविनाश शुक्ला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर तरफ डर, संशय और निराशा का अंधकार पसरा

प्रयागराज। कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन से देश में हर तरफ़ डर संशय और निराशा का अंधकार पसरा है। ऐसे में शेमारू टीवी का शो सिया के राम लोगों के मन में आस्था और विश्वास की लौ जगाने में यक़ीनन कामयाब होगा। मनोरंजन जगत में चमचमाते सितारे की तरह उभरने वाले शेमारू टीवी ने हाल ही में सफलतापूर्वक एक साल पूरा किया है। इस एक साल में करोड़ों दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बनकर शोज़ और उपहारों के ज़रिए कइयों के सपनों को पंख दिए हैं तो बहुतों की मनचाही मुराद पूरी की है। ऐसे में एक बार फिर अपने दर्शकों के लिए भक्ति रस से भरपूर और बेहद अनूठा शो सिया के राम। यह शो शेमारू टीवी पर 14 मई से हर रात साढ़े सात बजे प्रसारित होगा। शो में देखेंगे कि कैसे रामायण को सीता के नज़रिए से दिखाया गया है। देश का बच्चा बच्चा रामायण की जिस कहानी से रूबरू है। उसी रामायण को बिल्कुल नज़रिए से देखना और कुछ नए तथ्यों का उजागर होना यक़ीनन दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और अनूठा होगा।

बीमारी से छुटकारा पाने के लिए लोगों ने अपनाया सुमन का फार्मूल

मिर्जापुर। कोरोना से बचने के लिए हाथ की स्वच्छता अपनाना बेहद जरूरी है। साथ ही कोविड के लिए दी गयी गाइड लाइन का पालन करना भी जरूरी हैए इस समय यदि हाथों की स्वच्छता ठीक तरीके से न की जाए तो कोविड की जद में आने का खतरा बना रहता है। इसके लिए हम सुमन.के फार्मूला अपना सकते है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जमालपुर में तैनात डा0 राजन ने बताते है कि सुमन.के फार्मूला से ऐसे धुलना है हाथए एसण् सीधा हाथए यूण् उल्टा हाथ. एमण् मुट्ठीए एण् अंगूठाए एनण् नाखूनए केण् कलाई। असुरक्षित स्पर्श से कोविड प्रसार का खतरा बना रहता हैए इसलिए विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। अगर कोविड वायरस किसी व्यक्तिए वस्तु या सतह पर मौजूद हैए तो उसे स्पर्श करने से वायरस छूने वाले के हाथों में भी आ जाता है। ऐसे में वायरस से बीमार होने से बचने के दो उपाय हैं।

सादगी के साथ मनाई गई ईद

● जीत पर पूर्व सांसद रामकिसुन ने माला पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता। मुगलसराय/चन्दौली

ईद–उल–फितर का पर्व शुक्रवार को कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए सादगीए अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता शमीम सिद्दीकी ने भी अपने चौरहट स्थित आवास पर ईद का त्योहार सादगी से साथ मनाया । जहां पहुंचे पूर्व सांसद रामकिशुन यादव ने ईद की बधाई देने के साथ ही उन्हें जिला पंचायत जीत की बधाई भी माला पहनाकर देते हुए कहा कि जिस तरह चुनाव लड़कर जीत दर्ज की है इससे प्रत्येक कार्यकर्ता को सीख लेनी चाहिए । उनके कई साल का संघर्ष व धैर्य का नतीजा है जो आज उन्हें यह मुकाम मिला है। इस तरह उनके आवास पर हर छोटे बड़े नेता बधाई देने आते रहे । सभी मिलने वालों को शमीम नेता ने सोसल डिस्टेंसिंग के साथ मिलकर उनको घर पर ही रहकर फोन के द्वारा बधाई देने की अपील की । साथ मे कहा कि जो लोग आपके परिचित है और कोरोना के चपेट में आ गए है उनको आपलोग बराबर हाल लेते रहें और इस बीमारी से उबरने व जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें । इस कोरोना महामारी में आपलोग भी घरों से बाहर न निकले स्वस्थ व सुरक्षित घर पर ही रहें । अधिकांश लोगों ने घरों में ही ईद की नमाज अदा की। मजिस्दों में शारीरिक दूरी के नियमों का अनुपालन करते हुए मात्र पांच लोगों को ही नमाज अदा करने की छूट रही। ईद की नमाज में मुल्क व दुनिया की सलामती व कोरोना महामारी से निजात के लिए दुआ मांगी गई। हालांकि ईद पर बाजार बंदी के कारण कुछ समस्याएं जरूरी रही। लेकिन हर दिल में अलग तरह का उत्साह रहा। नमाज के बाद एक.दूसरे के सामने पड़ते ही सलामती के हाथ और ईद मुबारक के स्वर सुनाई पड़े।

कल से शुरू होगा18 वर्ष से अधिक उम्रवालों का टीकाकरण

मिर्जापुर। कोरोना महामारी से इस वक्त जनपद व प्रदेश दिन रात लड़ रहा है। इसके लिए अब 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का टीकाकरण करने के लिए जिले को प्रदेश स्तर से बीस हजार कोविडशील्ड वैक्सीन शनिवार को मिली। जो सीएमओ कार्यालय स्थित कोल्डचेन में रखा गया है। रविवार को शाम तक इसको जिले के टीकाकरण सेन्टर पर सुरक्षित पहुंचा दिया जायेगा। टीकाकरण के लिये जिले में 15 सेन्टर बनाये गये है। टीकाकरण की शुरूआत सोमवार को मण्डलीय चिकित्सालय से मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पीडी गुप्ता टीकाकरण कर कार्यक्रम की शुरूआत करेगे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने शनिवार को पत्र जारी कर इसके बारे में सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को अवगत कराया । 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले जनपद में 11 लाख से अधिक संख्या है इसमें अभी तक मात्र 42830 लोगों ने रजिस्टेऊशन कराया है। बिना रजिस्टेऊशन किसी का टीकाकरण नहीं किया जायेगा। रविवार को टीकाकरण का काम बन्द रहेगा। मण्डलीय चिकित्सालयए महिला चिकित्सालय व 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा 3 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी टीकाकरण किया जायेगा। कोरोनाा के बढ़ते हुए आंकड़ों को देखते हुए अब विभाग ने 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का टीकाकरण करने का कार्य करेगा। इसके लिए विभागीय स्तर से सारी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। मण्डलीय स्तर के वैक्सीन संचालक चन्दशेखर मिश्र ने बताया कि प्रदेश सरकार का आदेश मिलते ही मण्डल के तीनों जनपदों में मीरजापुर को वैक्सीन 18 वर्ष के उपर वाले उम्र के लोगों का टीकाकरण करने के लिए मिला है जो बनारस से जनपद को शनिवार दोपहर तक प्राप्त हो चुका है।

काबीना मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भगवतपुर असरावल में किया टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

निरीक्षण करते कैबिनेट मंत्री

कोविड महामारी से बचाव के लिए जीवन को बचाने में सहायक वैक्सीन टीकाकरण ही कारगर है। यह बातें कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शनिवार को असरावल और भगवतपुर में वैक्सीन टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण के दौरान वैक्सीन टीकाकरण लगवाने आये युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से कहीं।उन्होंने कहा कि भगवतपुर असरावल में युवाओं के अंदर वैक्सीन लगवाने का काफी उत्साह देखने को मिला। डॉक्टर लैब टेक्नीशियन तथा नर्सों से मिलकर टीकाकरण की जानकारी मंत्री ने ली। इसके बाद वैक्सीन लगवाने के लिए प्रतीक्षारत नागरिकों महिलाओं एवं युवाओं से संवाद किया। कहा प्रदेश में पर्याप्त टीकाकरण वैक्सीन उपलब्ध है। सभी लोगों से अपील किया कि कोरोना दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रदेश में तीसरी लहर न आने पाए। यह तभी हो सकता है जब हम सब सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर मास्क पहनकर घर से जरूरी कार्य हो तभी निकलें। साथ ही किसी को सर्दी जुखाम बुखार आदि आ रहा है तो तुरंत कोविड जांच अवश्य कराएं। शुरुआत में कोविड जानकारी मिलने पर समय से डॉक्टरों की सलाह पर दवाइयां लेकर ठीक हो जाएंगे। युवाओं को टीकाकरण के लिए तेजी से आगे बढ़कर टीका लगवाने का संकल्प लेना होगा।

मंत्री ने वितरित की राशन की किट

प्रयागराज। विधानसभा शहर पश्चिमी में निर्बल असहाय परिवार जो कोरोना संक्रमित होने के बाद ठीक होकर घरों में लौटे उन परिवार को मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह की ओर से राशन का किट गठित समिति एवं मंडल अध्यक्ष के माध्यम से आज से वितरण प्रारंभ हुआ।

बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो न करें नजरंदाजः डॉ. पियाली

● बाल गृहों के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने पर मंथन

मीरजापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 180 बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने को लेकर शनिवार को विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार.विमर्श किया । बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी । बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त.दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया । सभी का यही कहना था कि बाल गृहों में साफ़सफ़ाईए बच्चों के खानपान और उनकी खास देखभाल की इस वक्त अधिक जरूरत है। वेबिनार में उपस्थित एसजीपीजीआईए लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डॉण् पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं है । बच्चों में डायरियाए उल्टी.दश्तए सर्दीए जुकामए बुखारए खांसीए आँखें लाल होना या सिर व शरीर में दर्द होनाए साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं । इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें किन्तु बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें । बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया और कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहेंए उसमें बुखारए पल्स रेट, आदि का जिक्र हैए जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है।

विषम परिस्थितियों में नहीं मानना चाहिए हारः रवि

● प्रमुख उप समादेष्टा के स्थानांतरण पर दी गयी भावभीनी विदाई

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

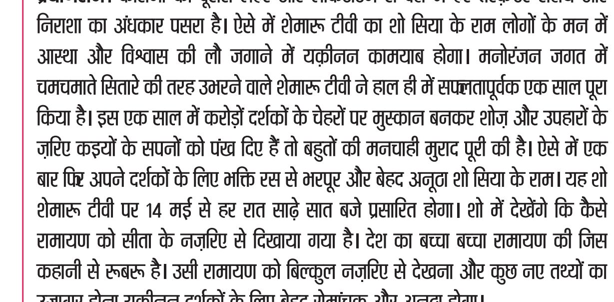

एनटीपीसी रिहंद स्टेशन की सुरक्षा में तैनात केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के इकाई प्रमुख उप समादेष्टा रवि कुमार शर्मा का समादेष्टा कमांडेंट के पद पर पदोन्नति के साथ उड़ीसा प्रान्त में स्थानांतरण होने पर शुक्रवार की सायं उप समादेष्टा कार्यालय परिसर में बल के अधिकारियों व जवानों द्वारा उन्हें कोविड–19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित उप समादेष्टा व कमांडेंट के पद पर पदोन्नति पाने वाले श्री शर्मा ने अपने संबोधन में बल के जवानों को सीख देते हुए कहा कि उन्हें कभी भी विषम से विषम परिस्थितियों में हार नहीं मानना चाहिए क्योंकि असफलता ही सफलता का द्वार खोलती है। उन्होंने रिहंद इकाई में बिताए हुए अपने तीन साल के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि रिहंद स्टेशन के समीपवर्ती ग्रामों के ग्रामीण निश्चित तौर पर बड़े ही भोले भाले हैं उन्हें हम और आप जैसे जवानों के मदद की अति आवश्यक है। उन्होंने जवानों व अधिकारियों से आग्रह किया कि वे समय समय पर ग्रामीणों की आवश्यकतानुसार मदद अवश्य करते रहें। आगे उन्होंने कहा कि नि:स्वार्थ भाव से किए गए कार्य से काफी पुण्य व सुख की अनुभूति होती है। श्री शर्मा ने जवानों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के संदर्भ अन्य कई विशेष ट्रिप्स भी दिए। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुरूआती दौर में बल के सहायक समादेष्टा देवचंद ने श्री शर्मा को पुष्पगुच्छ व माला पहनाकर उनका स्वागत किया। स्वागत के अगली कड़ी में बल के अधिकारियों जवानों व मीडिया कर्मियों ने उन्हें माल्यार्पण करके उसका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सहायक समादेष्टा देवचंद ने अपने संबोधन के दौरान श्री शर्मा के द्वारा रिहंद इकाई में किये गए कार्यो की भूरि भूरि प्रशसा की। उन्होंने लोगों के समक्ष श्री शर्मा द्वारा प्राप्त अनेक उपलब्धियों का भी बखान किया। इस दौरान बल के अधिकारियों, जवानों व पत्रकार डी एस त्रिपाठी आदि ने अपने अपने वक्तव्य के जरिए कमांडेंट के पद पर पदोन्नति पाने वाले श्री शर्मा के ईमानदारी कार्यनिष्ठा लगन अनुशासन प्रियता एवं जवानों के प्रति अगाध प्रेम आदि का बखान किया।

अब बच्चों पर वक्र-दृष्टि!

जबकि कोविड-19 की दूसरी लहर का कहर जारी है, डॉक्टर और विशेषज्ञ तीसरी लहर की शुरुआत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक है। 'मुश्बा हाशमी' बताती हैं कि बाल चिकित्सा टीके के अभाव में बच्चों की सुरक्षा कैसे की जा सकती है। लेकिन उसके लिए एक मजबूत बाल चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली का होना महत्वपूर्ण है।

हम ठीक उसी के बीच में फंस गए हैं जो कोविड-19 की एक बहुत ही घातक दूसरी लहर प्रतीत होती है। प्रति दिन 3.5 लाख से कम मामलों के साथ, वक्र जल्द ही किसी भी समय समतल होता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, खौफ यहीं खत्म नहीं होता है। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कोविड-19 की तीसरी लहर की भविष्यवाणी करना शुरू कर दी है जिसके और अधिक कहर बरपाने की आशंका है। इससे भी ज्यादा, क्योंकि यह बच्चों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह चिंता का एक प्रमुख कारण है, लेकिन यहां सवाल यह है कि हम आगामी तीसरी लहर से निपटने के लिए कितने तैयार हैं? इसका उत्तर शायद वह नहीं है जो हम सुनना चाहते हैं।

''वायरस अतिसंवेदनशील आबादी का शिकार करते हैं। वर्तमान में स्कूल बंद होने के कारण, शैक्षणिक संस्थान फिर से खुलने के बाद बच्चे वह समूह होंगे। यह तीसरी लहर लाएगा जो बच्चों को बड़े समय तक प्रभावित करेगी'', यह कहना है एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), अमेरिकन बोर्ड ऑफ द पीडियाट्रिक्स के डिप्लोमेट, फेलोशिप- संक्रामक रोग और मुख्य सलाहकार-वरिष्ठ सलाहकार, बाल रोग, इंद्रधनुष बच्चों के अस्पताल, डॉ अरविंद तनेजा का।

बच्चों के लिए एक प्रभावी टीके के अभाव में, वे सबसे अतिसंवेदनशील समूह बन जाते हैं और मास्क लगाना और साफ-सफाई रखना ही एकमात्र रास्ता है।

वो आगे बताते हैं, ''जब 70 से 85 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण किया जाता है, तो लोगों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए 'झुंड प्रतिरक्षा' शुरू हो जाती है। तब तक मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग बच्चों के लिए भी आदर्श है''। उनका कहना है कि जरूरत बच्चों में टीके के परीक्षण में तेजी लाने की है। यदि टीकाकरण वाले वयस्क सुरक्षित हैं तो बच्चों को भी होना चाहिए। हमने पोलियो, खसरा, कण्ठमाला, रूबेला लाइव वायरल टीकों के साथ 60 साल तक और वायरल इन्फ्लूएंजा के साथ 40 साल तक कुछ महीनों के शिशुओं में इसका अनुभव किया है। तनेजा कहते हैं और आपको बताते हैं कि टीकों का बाल चिकित्सा परीक्षण अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

उनका कहना है कि तीसरी लहर कब आएगी यह कहना मुश्किल है।

निराशाजनक तथ्य यह है कि हमने बाल चिकित्सा देखभाल पर पर्याप्त जोर नहीं दिया और परिणामस्वरूप हम इसमें पिछड़े हुए हैं।

वो बताते हैं, ''कोविड-19 बाल चिकित्सा के लिए भारत की तैयारी बहुत ही अपर्याप्त है। हमारे पास देश में बहुत कम बाल चिकित्सा अस्पताल हैं, बहुत कम बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ और बाल चिकित्सा प्रशिक्षित नर्स हैं। तीसरी लहर के लिए तैयार रहने के लिए, भारत के प्रत्येक बड़े और मध्यम आकार के शहर में इस नाजुक आबादी की देखभाल के लिए कम से कम एक समर्पित बच्चों का अस्पताल होना चाहिए ताकि हम कोविड-19 जैसी आपदा आने पर तैयार रहें। यह तीसरी लहर में होने की उम्मीद है।''

हालांकि, उम्मीद की बात यह है कि डॉक्टरों के अनुसार मई के अंत तक हम मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं।

''एक अध्ययन के अनुसार, हम ज्यादातर राज्यों में मई के अंत तक मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं। कोरोनावायरस के मामलों की एक या दो और चोटियां हो सकती हैं लेकिन वे मौजूदा लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती हैं। अलग-अलग राज्य अलग-अलग समय पर चोटियों को देख सकते हैं। भविष्यवाणी है कि भारत में इस सप्ताह के अंत तक हम सभी को एक साथ गिरावट का रुझान देखने को मिल सकता है। लेकिन अगर हमें एक राष्ट्र के रूप में जांचना है, तो सभी संचयी आंकड़ों के साथ, हम या तो अपने चरम पर हैं या इसके बहुत करीब हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्षेपवक्र होंगे।'' यह कहना है क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और इमरजेंसी मेडिसिन, रीजेंसी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, डॉ यश जावेरी का।

उनका कहना है कि तीसरी लहर अगले दो-तीन महीनों में कुछ राज्यों में दस्तक दे सकती है।

डॉ आर्य बताते हैं, ''अगर हम सख्त उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं।''

वह कहते हैं कि अगर लोग आने वाले महीनों में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हैं जिसमें डबल मास्किंग, हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना और अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचना शामिल है, तो हम शायद संकट को चरम तक पहुंचने से रोक सकते हैं।

''अगर हम बहुसंख्यक आबादी का टीकाकरण करने में सक्षम हैं तो तीसरी लहर की भयावहता कम हो जाएगी।''

हालांकि, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ अनिमेष आर्य का मानना है कि गिरावट की प्रवृत्ति का अनुमान लगाना मुश्किल है।

> अगर हम सत उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं

उनका कहना है कि, ''इस बात का कोई निश्चित जवाब नहीं है कि हम कब मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन महामारी विज्ञानियों को लगता है कि सभी चोटियों के साथ दो से तीन महीने के बाद गिरावट आएगी, इसलिए जून में गिरावट की उम्मीद है। लेकिन हम पहले की तरह अपनी भविष्यवाणियों से दूर हो सकते हैं।''कई वैज्ञानिक, संक्रामक रोग विशेषज्ञ और अर्थशास्त्र और मॉडलिंग पृष्ठभूमि के लोग तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जो गंभीर महामारी विशेष रूप से स्पेनिश फ्लू के पिछले प्रकोप पर आधारित है, प्रेस में सभी उम्मीदें हैं और सितंबर-अक्टूबर में हो सकता है।

आर्य बताते हैं कि, ''यह भी माना जा रहा है कि 12-15 आयु वर्ग के बच्चे तीसरी लहर में बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि वे अनुभवहीन हैं और नया उत्परिवर्ती तनाव बहुत शक्तिशाली है और यह उन लोगों की प्रतिरक्षा को चुनौती देता है जो टीकाकरण द्वारा, प्राकृतिक रूप से संरक्षित या आंशिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बीमार रोगियों के इलाज और मृत्यु दर को रोकने के लिए तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का निर्माण आवश्यक है, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रारंभिक पहचान, सभी स्तरों के संपर्कों का व्यापक परीक्षण, उन्हें अलग करना और उनका इलाज करना प्राथमिक उद्देश्य है। समय से पहले गंभीर जटिलताओं से बचाना और उपचार करके मृत्यु से रक्षा करना ही कारगर उपाय है।

कहा जा रहा है कि, ऐसे कई डॉक्टर हैं जो मानते हैं कि बच्चों पर उतना बुरा असर नहीं पड़ेगा जितना कि अनुमान लगाया जा रहा है, क्योंकि ये सभी भविष्यवाणियां आंकड़ों पर आधारित हैं। इसलिए माता-पिता को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम आवश्यक सावधानियां कम कर दें। वैक्सीन की उपस्थिति या अनुपस्थिति दोनों में सभी सावधानियां बरतनी होंगी।

चाइल्ड एक्सपर्ट अनिल बाजवा बताते हैं, ''इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तीसरी लहर बच्चों पर चोट करेगी, ऐसा हो सकता है, लेकिन ये केवल भविष्यवाणियां हैं। हालाँकि, बच्चों में लक्षण आमतौर पर आज तक हल्के होते हैं, लेकिन यह उनके लिए टीकाकरण के महत्व को प्रभावित नहीं करता है। हम अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि तीसरी लहर में लक्षण गंभीर होंगे या नहीं। हालांकि, बाल चिकित्सा टीके की अनुपस्थिति में सावधानी बरतने का एकमात्र तरीका है। प्रतिरक्षा एक और महत्वपूर्ण चीज है। बच्चों को उनके आहार में ढेर सारी हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों सहित पौष्टिक आहार देना चाहिए। उन्हें हाइड्रेट रखें। नारियल पानी दिन में दो बार काम कर सकता है। जंक से हर कीमत पर बचें, और अंत में, यह भी कि उनको विटामिन सी सेवन बढ़ाएं।''

हालांकि महाराष्ट्र जैसी कई राज्य सरकारों ने बाल चिकित्सा केंद्र स्थापित करके तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन आवश्यकता कम मृत्यु और अधिक वसूली के साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए बाल चिकित्सा अस्पतालों, आईसीयू बेड और देखभाल केंद्रों की संख्या बढ़ाने की है।

बाजवा कहते हैं, ''तीसरी लहर के प्रभाव को रोकने के लिए, बच्चों के लिए आईसीयू बेड और अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करना, बोर्ड पर अधिक बाल चिकित्सा नर्सों को लाना और यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चों की देखभाल के लिए पर्याप्त डॉक्टर हों। हमारे स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में मूल रूप से सुधार की जरूरत है, जो निश्चित रूप से इस समय संभव नहीं है। इसलिए, अब एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो उचित कर्मचारियों से सुसज्जित हो ताकि डॉक्टरों और नर्सों को थकान से जूझना न पड़े।''

बच्चों को संक्रमित होने के जोखिम से बचाने के कई तरीकों में से एक है माता-पिता को जल्दी से टीका लगवाना।

''यह बच्चे नहीं हैं जो वायरस ले जाते हैं, यह उनके माता-पिता या परिवार हैं जो वायरस से गुजरते हैं। इस तथ्य का समर्थन करने के लिए कोई रिपोर्ट नहीं है, लेकिन यह एक अवलोकन है जो पहली और दूसरी लहर के दौरान किया जाता है। इसलिए, बच्चों को संक्रमण की चपेट में आने से रोकने के लिए, बड़ों को दोनों खुराकों के साथ जल्दी से टीका लगवाने की जरूरत है। टीके की कमी के साथ, यह एक कठिन कार्य लग सकता है, हालांकि संभावित तीसरी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए यह एकमात्र संभव विकल्प है।''

और बाकी उपायों के अलावा, हमें व्यस्त अस्पतालों का समर्थन करने के लिए, कोविड लहर के आधार पर एक शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए स्टैंडबाय पर युवा नर्सों और डॉक्टरों की एक सेना तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें उन्हें बड़े पैमाने पर प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अकेले पैसा, युवाओं को कोविड आईसीयू वार्डों में अपनी जान जोखिम में डालने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

और अंत में, हल्के लक्षण वाले रोगियों को तुरंत अलग किया जाना चाहिए, ताकि उनमें संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सके।

आर्य बताते हैं, ''वक्र को समतल करने के लिए और झुंड प्रतिरक्षा या निष्क्रिय प्रतिरक्षा की कमी के कारण उच्च जोखिम वाले बच्चों की कमजोर आबादी के जोखिम को कम करने के लिए, हल्के रोगसूचक रोगियों को संक्रमण मुक्त होने तक अलगाव की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि संक्रमण दर इस समय अधिक है।''

वैक्सीन पासपोर्ट

अब जब ज्यादा से ज्यादा लोग टीकाकरण करवा रहे हैं तो कुछ सरकारें समाज को लॉकडाउन से बाहर लाने के लिए वैक्सीन पासपोर्ट पर भरोसा कर रही हैं। ये पासपोर्ट एक ऐसा आवश्यक प्रमाणपत्र है जो यह दर्शाता है कि धारक कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा कवच हासिल कर चुका हैं। ब्रिटिश सरकार ने भी वैक्सीन पासपोर्ट योजना लागू करने का प्रयास किया था लेकिन कुछ जगहों पर इन प्रस्तावों के खिलाफ भारी विरोध का सामना करने के बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। संभवतः इसमें कोई चौंकाने वाली बात नहीं है- वैक्सीन पासपोर्ट योजनाएं विवादास्पद हैं क्योंकि कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि इससे असमानता पैदा होगी। समाज के सदस्य होने के नाते, यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम अपने समुदाय में हर किसी की सुरक्षा के लिए अपना टीकाकरण कराएं। टीकाकरण पासपोर्ट से इतने सारे लाभों के साथ ही जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ेगी और जब हम सामान्य जीवन में लौटेंगे तो हम एक बेहतर समय का आनंद उठा सकेंगे।

DOC टॉक

डॉ. आशु रस्तोगी
सहायक प्रोफेसर, एंडोक्रायनोलाजी
पीजीआई चंडीगढ़

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

कई अध्ययनों में अब विटामिन डी के स्तर और कोविड-19 की गंभीरता और मृत्यु दर के बीच उच्च संबंध पाया गया है। इस तरह के अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 वाले रोगियों में विटामिन डी का स्तर काफी कम था। इसके अलावा, उन रोगियों में बुखार काफी अधिक था जिनके पास पर्याप्त स्तर वाले रोगियों की तुलना में विटामिन डी का स्तर कम था। इसके अतिरिक्त, यह पाया गया है कि विटामिन डी की कमी और कोविड-19 के साथ पुराने वयस्कों में उन लोगों की तुलना में बदतर रुग्णता के परिणाम थे जिनकी कमी नहीं थी।

विटामिन डी एक वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर में कई महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोषक तत्व विशेष रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। चूंकि, यह वसा में घुलनशील यौगिकों का एक समूह है जो कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण के लिए जिम्मेदार है, और अतिरिक्त जैविक प्रभावों की एक किस्म के लिए; विटामिन डी का निम्न स्तर कई तीव्र और पुरानी बीमारियों के विकास की संभावना को बढ़ा सकता है। एक कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली का अर्थ है संक्रमण और बीमारी के खिलाफ शरीर की कमजोर रक्षा।

> **एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है।**

एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है। आजकल बाजार में विटामिन डी सप्लीमेंट के कई ब्रांड उपलब्ध हैं जैसे डी-3 मास्ट, कैल्डीकाइंड, कैल्शिन, आदि।

यह देखा गया है कि विटामिन डी सप्लीमेंट लेने वालों को श्वसन तंत्र में संक्रमण कम होता है।

बीएमजे द्वारा प्रकाशित और डॉ रस्तोगी और उनकी टीम के नेतृत्व में किए गए शेड अध्ययन के अनुसार, सार्स सीओवी-2 संक्रमण वाले विटामिन डी की कमी वाले व्यक्तियों का अधिक अनुपात सार्स सीओवी-2 आरएनए नकारात्मक हो गया और कोसीफेरोल सप्लीमेंट की उच्च खुराक से फाइब्रिनोजेन में उल्लेखनीय कमी आई।

हमने देखा है कि विटामिन डी3 (60000 आईयू) सप्लीमेंट की सात दिनों की उच्च खुराक कोरोनावायरस निकासी में मदद करती है।

प्रतिरक्षा कार्य को संशोधित करने में विटामिन डी की भूमिका का समर्थन करने वाले सबूतों को देखते हुए, और विटामिन डी की कमी वाले रोगियों पर कोविड-19 के साथ विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को देखते हुए, व्यावहारिक सिफारिशों को निम्नानुसार संश्लेषित किया जाना चाहिए :

– विटामिन डी की स्थिति को इष्टतम करने के लिए वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का हमेशा पालन किया जाना चाहिए

कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों में बेसलाइन सीरम 25 ओएच-डी सांद्रता मापी जानी चाहिए और एक स्तर 30एनजी/एमएल (40-60एनजी/एमएल) तक पूरक होनी चाहिए, खासकर जब बेसलाइन स्तर 10एनजी/एमएल से कम हो।

25 (ओएच) डी से कम सीरम सांद्रता वाले कोविड-19 रोगियों में कमी को ठीक करने के लिए अनुशंसित खुराक 6-8 सप्ताह के लिए 6000-7000 आईयू प्रतिदिन है। रखरखाव के लिए, खुराक 2000 से 3000 मौखिक आईयू प्रतिदिन दिन के बीच भिन्न होता है जो व्यक्ति की उम्र और नैदानिक स्थिति के आधार पर इष्टतम सांद्रता तक पहुंचता है।

जब यह कोविड-19 रोगियों में बेसलाइन 25 (ओएच)डी सांद्रता को मापने के लिए संभव नहीं है, तो यह सुझाव दिया जाता है कि प्रति दिन 2000-3000 आईयू के साथ प्रतिदिन सुझाए गए इष्टतम सीरम सांद्रता (40-60एनजी/ एमएल) का पूरक हो।

हालांकि भारत एक उपोष्णकटिबंधीय देश है जहां पर्याप्त धूप है, विटामिन डी की कमी प्रचलित है। सूरज की रोशनी सतहों पर सार्स सीओवी-2 को तेजी से निष्क्रिय कर देती है, यह सुझाव देती है कि सूर्य के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप विटामिन डी से जुड़ा एक पर्यावरणीय लाभ हो सकता है। लोगों को विटामिन डी के महत्व को समझना आवश्यक है ताकि वे प्रासंगिक दवाएं ले सकें।

म्यूकोरमाइकोसिस
एक खतरनाक फंगल इन्फेक्शन

कोविड 19 संक्रमित मरीजों में नजर आने वाले विचित्र किंतु घातक फंगल इन्फेशन के बारे में डॉ. राहुल भार्गव से जानकारी ली मुस्बा हाशमी ने :

जैसे कि कोविड-19 की दूसरी लहर आपको डर से कांपने के लिए पर्याप्त नहीं थी, देश एक फंगल संक्रमण से जुड़े मामलों दो-चार हो रहा है। म्यूकोरमाइकोसिस (कभी-कभी जाइगोमाइकोसिस कहा जाता है) एक गंभीर लेकिन दुर्लभ फंगल संक्रमण है जो म्यूकोर्मिसेट्स नामक मोल्डों के समूह के कारण होता है। ये मोल्ड्स पूरे वातावरण में रहते हैं। जब कोई इन बीजाणुओं में सांस लेता है, तो साइनस या फेफड़ों में संक्रमण हो सकता है।

एक कट, खरोंच या अन्य प्रकार के त्वचा आघात के माध्यम से त्वचा में प्रवेश करने के बाद त्वचा पर म्यूकोरमाइकोसिस भी विकसित हो सकता है। म्यूकोरमाइकोसिस मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करता है जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं या वे दवाएं लेते हैं जो जीवाणुओं और बीमारी से लड़ने की शरीर की क्षमता को कम करती हैं।

डॉ राहुल भार्गव बताते हैं कि, "बीमारी से जुड़े लक्षणों में एकतरफा चेहरे की सूजन, सिरदर्द, नाक या साइनस में कंजेशन, आंखों में दृष्टि या दर्द, गाल और आंखों में सूजन, बुखार और नाक में काली पपड़ी शामिल हैं। यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का अनुमान है कि 54 प्रतिशत की समग्र मृत्यु दर के साथ यह बीमारी चिंताजनक है।"

स्टेरॉयड के लंबे समय तक लिए जाने और बाद में प्रतिरक्षात्मक स्थिति कमजोर हो जाने के कारण म्यूकोरमाइकोसिस कोविड रोगियों को अधिक प्रभावित कर रहा है।

"कोविड-19 से प्रभावित होने पर मधुमेह के रोगियों को म्यूकोरमाइकोसिस का बहुत अधिक खतरा होता है क्योंकि कोविड -19 उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को और खराब कर देता है और दूसरा, उन्हें उनके इलाज के लिए कॉर्टिकोस्टेरॉइड दिया जाता है। इससे उनके रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि होती है जिससे म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मधुमेह और कोविड-19 का यह संयोजन प्रबंधन के लिए एक खतरनाक और घातक चुनौती बन जाता है। डॉ भार्गव बताते हैं, 'म्यूकोरमाइकोसिस के कुछ मामले स्पर्शोन्मुख कोविड -19 संक्रमण वाले रोगियों में भी देखे गए हैं, जो अपने निदान के बारे में भी नहीं जानते थे, जो पिछले एक सप्ताह में अनके रोगियों में आए हैं जो कोविड-19 से उबरने के बाद इस संक्रमण की चपेट में आए हैं।'

चिंता का एक कारण यह है कि वर्तमान में, म्यूकोरमाइकोसिस को रोकने के लिए कोई व्यवहार्य उपाय नहीं हैं, हालांकि, शुरुआती पहचान अभी के लिए सबसे अच्छा समाधान है।

कुछ चीजें जो इसे रोकने के लिए की जा सकती हैं, वे हैं नाक की सफाई और बीटाडीन समाधान के साथ गरारे करना, मधुमेह का उचित नियंत्रण और केवल एक चिकित्सक द्वारा नुस्खे पर स्टेरॉयड का उपयोग करना। हल्दी में कर्क्यूमिन होता है जो फंगल-संक्रमण के लिए भी अच्छा होता है।

भार्गव आपको बताते हैं कि यह एक गंभीर संक्रमण है और इसका इलाज डॉक्टर के पर्चे की एंटीफंगल दवा, आमतौर पर पॉसकोनाजोल, एम्फ़ोटेरिसिन बी या इसावुकोनजोल से किया जाना चाहिए।

"ये दवाएं एक नस (एम्फोटेरिसिन बी, पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनज़ोल) या मुंह से (पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनाज़ोल) के माध्यम से दी जाती हैं। वोरिकोनाज़ोल, फ्लुकोनाज़ोल और इचिनोकाडिन सहित अन्य दवाएं, कवक के खिलाफ काम नहीं करती हैं जो श्लेष्मकला का कारण बनती हैं। अक्सर, श्लेष्मा रोग के लिए संक्रमित ऊतक को काटने के लिए सर्जरी की आवश्यकता होती है।"

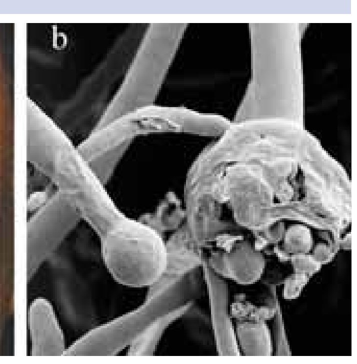

कोविड-19 और म्यूकोरमाइकोसिस के बीच संबंध के बारे में, भार्गव कहते हैं, कि बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं है। "चूंकि म्यूकोर्मिकोसिस के लिए प्रमुख जोखिम कारक अनियंत्रित मधुमेह मेलिटस है जो कोविड-19 के लिए एक उच्च जोखिम वाला कारक भी है। दूसरे, स्टेरॉयड - जो प्रतिरक्षा को दबाने के लिए जाने जाते हैं - केवल उपचार के समान हैं, जैसे कि मैंने पहले उल्लेख किया है, जिसने कोविड-19 मृत्यु दर को कम करने के लिए दिखाया है। इसलिए, यह कोविड-19 का संयोजन है, जिसमें प्रतिरक्षा कम हो गई है और स्टेरॉयड जो शायद एक मरीज को म्यूकोरमाइकोसिस के लिए प्रेरित करते हैं।

चूंकि घातक वायरस और म्यूकोर्मिकोसिस के बीच संबंध रोगियों में कमजोर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की स्थिति है, यह रोगी से रोगी पर निर्भर करता है कि कोई इस संक्रमण को कब विकसित कर सकता है। कोविड संक्रमण से ठीक होने के बाद फंगस से संक्रमित होने में कई दिन अथवा सप्ताह भी लग सकते हैं।

कोविडकेयर

लहसुन

क्योंकि हम में से कई लोग लहसुन की गंध पसंद नहीं करते हैं, और इसलिए इसे खाने से परहेज करते हैं, लेकिन यह जड़ी बूटी अत्यधिक पौष्टिक है। यह कैलोरी में कम और विटामिन सी, विटामिन बी 6 और मैंगनीज में समृद्ध है। इसमें विभिन्न अन्य पोषक तत्वों की मात्रा भी होती है। इसलिए, यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद कर सकता है जो निस्संदेह समय की आवश्यकता है।

लहसुन की खुराक फ्लू और आम सर्दी जैसी सामान्य बीमारियों की गंभीरता को रोकने और कम करने में मदद करती है। उल्लेख नहीं करने के लिए, लहसुन की उच्च खुराक उन लोगों के लिए उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) के साथ रक्तचाप में सुधार करती दिखाई देती है। कुछ मामलों में, पूरक नियमित दवाओं की तरह प्रभावी हो सकते हैं।

यह कुल और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता है, खासकर उन लोगों में जिनके शरीर में उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या है।

दादी का कहना

लंबे और रेशमी बाल कई लोगों का सपना होता है। लेकिन, हम में से कई लोग इसके बाद बालों के झड़ने के कारण इसे छोटा कर देते हैं। रोशनी देवी बता रही हैं ऐसे कुछ उपचार जो मददगार साबित हो सकते हैं।

हम नियमित रूप से लंबे बालों में तेल लगाने के महत्व पर पर्याप्त जोर नहीं दे सकते। कोई नारियल, बादाम, सरसों या जैतून का तेल भी इस्तेमाल कर सकता है। इससे स्कैल्प पर मसाज करें और रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह किसी माइल्ड शैम्पू से धो लें। लेकिन अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो बालों में तेल लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। तेल के बेहतर अवशोषण में मदद करने के लिए सिर के चारों ओर एक गर्म तौलिया 10 मिनट के लिए लपेटा जा सकता है।

यदि एक कारण है कि आप लंबे बालों को स्पोर्ट नहीं करना चाहते हैं क्योंकि वे गिरते हैं, तो एलोवेरा का उपयोग करें। यह यह बालों की कंडीशनिंग करता है। यह रूसी को कम करता है और बालों के रोम छिद्रों को खोलता है जो अतिरिक्त तेल से अवरुद्ध हो सकते हैं। आप सप्ताह में कुछ बार शुद्ध एलोवेरा जेल को अपने स्कैल्प और बालों पर लगा सकते हैं।

अंडे से बना मुखौटा लागू करें; यह प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है, जो आपके बालों को लंबा करने में मदद करता है। बस दो अंडों को फोड़ें, जर्दो को मलें और अपने बालों पर अंडे के सफेद भाग का उपयोग करें। इसे 20 मिनट तक रहने दें और धो लें।

स्वास्थ्य ही संपदा है!

एक स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत हैं इस संबंध में बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव दीपक कुमार सिंह के कुछ सुझाव।

मृत्यु से कोई नहीं बच सकता है, लेकिन निश्चित रूप से बुढ़ापे को रोक सकता है। एक स्वस्थ, तनावमुक्त, सुखी और तनाव मुक्त जीवन का मूल सिद्धांत यह है कि व्यक्ति को एक स्व-निर्धारित दिनचर्या का पालन करना चाहिए - दैनिक दिनचर्या में आत्म-अनुशासन। मेरे सीखने के आधार पर यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं :

एक, सुबह उठने के पल को दिन का सबसे खुशी का पल बनाने की कोशिश करें। जब आप अपनी आंखें खोलते हैं या यहां तक?? कि जोर से हंसते हैं तो दुनिया में मुस्कुराएं। यह पूरे दिन के लिए आपकी भावनाओं का आधार बनता है।

दो, पानी का शासन। हर दिन कम से कम चार लीटर पानी पिएं। इसके अलावा, सुबह कम से कम तीन गिलास गर्म पानी पिएं। ठंडा पानी पीने से बचें। यह कम से कम कमरे के तापमान पर होना चाहिए।

तीन, एक अच्छे खाद्य शासन का पालन करें। तीन भोजन लें और बीच में कुछ भी नहीं, जब तक कि आपको चिकित्सकीय रूप से पांच भोजन या अधिक लेने की सलाह न दी गई हो। नाश्ता आदर्श रूप से जागने के चार घंटे के भीतर होना चाहिए और सबसे भारी होना चाहिए। दिन के पहले पहर में ही फलों का सेवन करना चाहिए। दोपहर के बाद फलों से परहेज करें। दही को नाश्ते के साथ लेना चाहिए, जब तक कि डॉक्टर द्वारा मना न किया जाए। दोपहर के भोजन के साथ मथा। और रात के खाने में कोई दही वाली चीज नहीं। भोजन की मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर जोर देना चाहिए। उन खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जो कम मात्रा में अधिक ऊर्जा और पोषक तत्व देते हैं।

चार, कार्य स्थान शासन। यदि आपके पास लंबे समय तक बैठने का काम है- सीधी पीठ की कुर्सी का उपयोग करें, अपनी पीठ को सीधा रखें, कुर्सी के साथ पीछे हटें, हर 45 मिनट के बाद उठें और पांच मिनट के लिए टहलें और अपनी गर्दन को पीछे की ओर खींचे जब भी आपको याद हो।

सावधानी : जब भी आप अपनी गर्दन को पीछे की ओर फैलाएं तो अपनी आंखें बंद रखें।

पांच, रात के खाने के बाद शासन। रात 8 बजे से पहले डिनर आदर्श रूप से लिया जाना चाहिए। रात के खाने और सोने के बीच लगभग चार घंटे का अंतर होना चाहिए। भोजन करने के बाद अपने दांतों को ब्रश करें। कम से कम 20 मिनट तक टहलें। गर्म पानी में नमक और हल्दी मिलाकर भाप लें और गार्निश करें। बिस्तर पर जाने से कम से कम आधे घंटे पहले अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दें, जब तक कि आपका पेशा इसे 24 घंटे चालू रखने की मांग न करे।

छह, रात को सोने के बाद दो बूंद सरसों के तेल की नाभि में डालें और अपनी उंगलियों से इसे 40 बार दक्षिणावर्त और 40 बार वामावर्त रगड़ें। प्रत्येक नथुने में दो बूंद सरसों का तेल डालें। एक बार बिस्तर पर, अपनी आंखें बंद करें और सुबह से हुई हर घटना को याद करें। उस दिन जो किसी भी तरह से आपको नुकसान पहुंचा है, उन्हें क्षमा करें। उन लोगों से माफी मांगें, जिन्हें आपने किसी भी तरह से चोट पहुंचाई है। इससे आपके दिमाग को आराम मिलेगा और आपको सकारात्मक सोच के साथ अच्छी नींद आएगी और अगली सुबह आप मुस्कुराते हुए उठेंगे। रात में कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। बिस्तर पर जल्दी उठने के लिए और जल्दी उठने के लिए उम्र के पुराने फासले का पालन करने की कोशिश करें।

और अंतिम लेकिन कम से कम नहीं, शासन के बाहर एक अच्छे काम का पालन करें। सुबह में कम से कम एक घंटा और शाम को आधा घंटा अपनी व्यक्तिगत व्यायाम व्यवस्था पर बिताएं। याद रखें कि पैदल चलना, टहलना और सांस लेने के व्यायाम आपके व्यायाम का एक हिस्सा होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने चक्रवात तौकते से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा

आईएमडी ने बताया 18 मई को पोरबंदर व नलिया के बीच पहुंच सकता है तूफान

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात तौकते से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शनिवार को राज्यों, केंद्रीय मंत्रालयों और एजेंसियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और संबंधित अधिकारियों को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी जरूरी सेवाओं का प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने चक्रवात से जिन स्थानों के प्रभावित होने की संभावना है वहां के अस्पतालों में कोविड प्रबंधन, टीकाकरण, बिजली की कमी न हो, इसके उपाय और आवश्यक दवाओं के भंडारण के लिए विशेष तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, संचार, पोत परिवहन मंत्रालयों के सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के शीर्ष अधिकारी, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री कार्यालय तथा गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री ने नियंत्रण कक्षों को चौबीसों घंटे कार्यरत रखने का निर्देश दिया। उन्होंने जामनगर से होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति पर कम से कम प्रभाव पड़ना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने समय रहते बचाव व राहत अभियान में स्थानीय लोगों को शामिल करने के बारे में भी बात की।

बयान के मुताबिक भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि तौकते चक्रवात 18 मई को दोपहर या शाम को पोरबंदर और नलिया के बीच गुजरात तट पर पहुंच सकता है और इस दौरान हवाओं की रफ्तार बीच-बीच में 175 किलोमीटर प्रति घंटा भी हो सकती है।

इस वजह से गुजरात के तटीय जिलों जूनागढ़, गिर सोमनाथ में अत्यंत भीषण बारिश हो सकती है जबकि जूनागढ़, पोरबंदर, द्वारका, अमरेली, राजकोट और जामनगर सहित कुछ अन्य स्थानों पर बहुत भारी से भारी बारिश की संभावना है।

तूफान को तौकते नाम म्यांमा ने दिया है जिसका मतलब छिपकली होता है। इस साल भारतीय तट पर यह पहला चक्रवाती तूफान होगा।

बैठक में चर्चा हुई कि केबिनेट सचिव सभी तटीय राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ ही एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहेंगे और केंद्रीय गृह मंत्रालय चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पीएमओ के बयान के मुताबिक गृह मंत्रालय ने सभी तटीय राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) की पहली किस्त पहले ही जारी कर दी है। एनडीआरएफ ने छह राज्यों में नावों, पेड़ काटने वाले और दूरसंचार उपकरणों से लैस 42 टीमों को पहले से तैनात किया है और 26 टीमों को तैयार रखा गया है।

बयान में कहा गया कि भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने राहत, खोज और बचाव कार्यों के लिए जहाज और हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं जबकि थल सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स इकाइयाँ, नावों और बचाव उपकरणों के साथ तैनाती के लिए तैयार हैं। इसके अलावा मानवीय सहायता और आपदा राहत इकाइयों के साथ सात जहाज पश्चिमी तट पर तैयार हैं। निगरानी विमान और हेलीकॉप्टर पश्चिमी तट पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। आपदा राहत दल और चिकित्सा दल त्रिवेंद्रम, कन्नूर और पश्चिमी तट के साथ अन्य स्थानों पर तैनात हैं। बैठक में संबंधित मंत्रालयों को भी आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए।

बयान के मुताबिक विद्युत मंत्रालय ने बिजली की तत्काल बहाली के लिए ट्रांसफार्मर, डीजी सेट और उपकरणों को तैयार रखा है जबकि दूरसंचार मंत्रालय सभी दूरसंचार टॉवरों और केन्द्रों पर लगातार नजर रखे है। इसी प्रकार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रभावित क्षेत्रों में कोविड महामारी पर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों और प्रतिक्रिया के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह जारी की है।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि अरब सागर के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान तौकते में तब्दील हो गया है और इसके 18 मई के आसपास पोरबंदर तथा नलिया के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है। इस दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के तटों के पास बेहद तेज बारिश के साथ ही 175 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी ने कहा कि तौकते 16 से 18 मई के बीच अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में रहेगा।

तिरुवंतपुरम में अरब सागर में चक्रवात के कारण खराब होता मौसम

कोविड-19 रोगी महिला के उत्पीड़न के मामले में एंबुलेंस कर्मी गिरफ्तार

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम में कोविड-19 से पीड़ित 38 वर्षीय महिला के कथित यौन उत्पीड़न के लिए एक एंबुलेंस कर्मी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रोगी को 27 अप्रैल को एंबुलेंस में नजदीकी पेरिन्थलमन्ना के एक स्कैनिंग सेंटर ले जाते समय उसका उत्पीड़न किया गया। राजकीय वंडूर अस्पताल में निमोनिया का इलाज करा रही महिला ने डॉक्टरों को इस बारे में बताया, जिन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले साल सितंबर में पथनमथिट्टा में एंबुलेंस चालक द्वारा 19 वर्षीय कोविड-19 रोगी का बलात्कार करने का मामला सामने आया था।

फडणवीस ने महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा सोनिया गांधी को पत्र, महाराष्ट्र में उच्च मृत्यु दर का हवाला देकर सरकार को बताया विफल

भाषा। मुंबई

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में कोविड-19 महामारी की स्थिति को लेकर शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें उन राज्यों को, जहां उनकी पार्टी सत्ता में है यह सलाह देनी चाहिए कि कैसे कोविड-19 से निपटा जाए। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार के अहंकार और आत्मसंतोष की वजह से मौजूदा संकट पैदा हुआ। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने पत्र में राज्य में उच्च मृत्युदर को रेखांकित करते हुए आरोप लगाया कि शिवसेना-कांग्रेस- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सरकार कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र को नजरअंदाज कर रही है। फडणवीस का पत्र सोनिया गांधी के कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र के बाद आया है जिसमें उन्होंने केंद्र पर महामारी से निपटने में लचर रुख अपनाने का आरोप लगाया था। फडणवीस ने कहा कि केंद्र की आलोचना करने के बजाय गांधी को कांग्रेस शासित राज्यों को भी सलाह देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में देश के 22 प्रतिशत संक्रमण के मामले हैं, 31 प्रतिशत मौतें और मौजूदा समय में 14 प्रतिशत उपचाराधीन मरीज हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अगर महाराष्ट्र सरकार मिलकर काम करे तो कुल मिलाकर देश की स्थिति सुधरेगी। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र को केंद्र से अधिकतम मदद मिली जिनमें 1.80 करोड़ टीके की खुराक, आठ लाख रेमडेसिविर की खुराक, 1750 मीट्रिक टन ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, बाईपैप और ऑक्सीजन सांद्रक शामिल हैं। फडणवीस ने महामारी से निपटने के लिए मुंबई मॉडल के बारे में कहा कि यह अधिक रैपिड एंटीजन (आरटी-पीसीआर जांच के बजाय) के बारे में है जबकि कुल मिलाकर जांच की संख्या घटा दी गई। गौरतलब है कि मुंबई मॉडल की प्रशंसा अदालत और केंद्र ने भी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि महानगर में कोविड-19 से होने वाली मौतों को 40 प्रतिशत कम दिखाया गया और मौतों को अन्य श्रेणियों में दर्ज किया गया। फडणवीस ने कहा, रोजाना देश में करीब 4000 मौतें दर्ज की जा रही हैं जिनमें से 850 मौतें अकेले महाराष्ट्र में हो रही है....विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसा लगता है कि उनको उनकी किस्मत पर छोड़ दिया गया है। फडणवीस के आरोपों पर जवाब देते हुए कांग्रेस ने कहा कि यह केंद्र की असफलता को ढंकने की कोशिश है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मोदी सरकार ने देश को श्मशान भूमि बना दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा, फडणवीस में प्रधानमंत्री को लिखने की हिम्मत होनी चाहिए। पटोले ने कहा, केंद्र सरकार का अहंकार और आत्मसंतोष इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जब अन्य देश अपने नागरिकों के टीकाकरण में तेजी ला रहे थे, तब मोदी चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। पटोले ने कहा कि मुश्किलों के बावजूद महाराष्ट्र ने 1.15 करोड़ का टीकाकरण किया, जो देश में सबसे अधिक है।

कोरोना संक्रमण से दो डॉक्टरों की मौत

फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)। फिरोजाबाद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात दो चिकित्सकों की कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मौत हो गई। अधिकारिक जानकारी के अनुसार एक चिकित्सक की लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में जबकि दूसरे की आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान शनिवार की शाम मौत हुई। फिरोजाबाद के जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने शनिवार की देर शाम चिकित्सकों के मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि मैनपुरी जिले के डॉ वीरेंद्र कुमार दीदामई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात थे और उनके 21 अप्रैल को संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। परिजन उन्हें केजीएमयू लखनऊ ले गए जहां शाम उनकी मौत हो गई। दूसरे चिकित्सक डॉ प्रदीप कुमार आगरा निवासी थे और लगभग 25 दिन पहले संक्रमित हुए थे बाद में उन्हें आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज स्थानांतरित किया गया था। अ

चुनाव बाद अत्याचारों का सामना करने वाले बेघर परिवारों की स्थिति से स्तब्ध हूं: धनखड़

भाषा। नंदीग्राम (प.बंगाल)

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि वह उन कई परिवारों के हालात को देखकर स्तब्ध हैं जिन्होंने कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अत्याचारों का सामना किया और उन्हें बेघर होना पड़ा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव नतीजों के आने के बाद भड़की हिंसा पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

धनखड़ ने आश्चर्य व्यक्त कि क्या मुख्यमंत्री ने चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा से प्रभावित और पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम इलाके के शरणार्थी शिविरों में रह रही महिलाओं और बच्चों का क्रंदन सुना है।

उन्होंने हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की जिन्होंने केंदेमारी, बंकिम मोड़, चिलाग्राम, नंदीग्राम बाजार और टाउन क्लब इलाकों में शरण ली है। राज्यपाल ने कहा कि तृणमूल प्रमुख कूचबिहार के सीतलकुची में केंद्रीय बलों की गोली से चार लोगों की मौत को जनसंहार करार देती हैं, लेकिन नंदीग्राम की स्थिति पर चुप हैं। धनखड़ ने कहा, आप सीतलकुची की घटना को सुनियोजित हत्या और जनसंहार कहती हैं। क्या आपने नंदीग्राम की महिलाओं और बच्चों के रोने की आवाज सुनी, जहां पर लाखों लोग बेघर हुए हैं?

उन्होंने कहा, हमें पश्चिम बंगाल के हालात को देखकर दुख होता है। भारत ने ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी थी। राज्य एक तरह से ज्वालामुखी पर बैठा है। शिविरों में रहने वाले लोगों ने दावा किया कि वे दो मई को चुनाव नतीजे आने के बाद नंदीग्राम स्थित अपने घरों से भागने को मजबूर हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने उनके घरों में लूटपाट की। राज्यपाल ने कहा, मुख्यमंत्री को लोगों का दर्द समझना चाहिए। उन्हें यहां और अन्य स्थानों पर चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा पर ध्यान देना चाहिए। गौरतलब है कि धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कूचबिहार के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और कथित तौर पर चुनाव बाद हुई हिंसा के प्रभावितों से मुलाकात की।

राज्यपाल को सीतलकुची में काले झंडे दिखाए गए और दिनहाटा इलाके में वापस जाओ के नारे लगाए गए। धनखड़ ने शुक्रवार को असम के रणपल्ली स्थित शिविर का भी दौरा किया, जहां पर कई परिवारों ने शरण ली है। भाजपा समर्थक होने का दावा करने वाले इन लोगों को चुनाव के बाद अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

पीएम केयर फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर का ऑडिट कराने का फैसला सही: गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने के निर्णय को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया।गहलोत ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री द्वारा पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस बात की पूरी जांच होनी चाहिए कि किस प्रकार राज्यों को खराब वेंटिलेटर की आपूर्ति की गई। मुख्यमंत्री के अनुसार मीडिया रिपोर्ट से पता लगा है कि भारत सरकार की कम्पनी एचएलएल लाईफ केयर लिमिटेड के माध्यम से लगभग 10 कम्पनियों से 59,000 वेंटिलेटर खरीदे गए। उसमें कई ऐसी कम्पनियां भी हैं जिन्हें वेंटिलेटर बनाने का किसी प्रकार का अनुभव नहीं था। इसलिए कई राज्यों को खराब वेंटिलेटर वितरित हो गए। इस कारण डॉक्टरों द्वारा मरीजों के जीवन के जोखिम की कीमत पर अधिकांश जगह इन वेंटिलेटर का उपयोग नहीं किया गया। गहलोत ने लिखा है, मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार निष्पक्ष जांच करवाकर इस प्रकार के डिफेक्टिव वेंटिलेटर सप्लाई करने वाली कम्पनियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्वाई करेगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने कुछ दिन पहले मांग की थी कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय प्रधानमंत्री केयर फंड से उपलब्ध कराए गए खराब वेंटिलेटर की खरीद की जांच करवाए।

ब्लैक फंगस के इलाज के लिए दवाएं उपलब्ध करवाए सरकार : राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को राजस्थान सरकार से राज्य में फैल रही ब्लैक फंगस नामक नई बीमारी के इलाज के लिए लोगों दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की। राजे ने एक बयान में कहा कि राज्य में एक नई बीमारी ब्लैक फंगस फैल रही है। उन्होंने कहा, सरकार से अनुरोध है - जल्द से जल्द यह दवाइयाँ उपलब्ध कराएं ताकि लोगों को इन्हें काले बाजार में अत्यधिक कीमतों पर ना खरीदना पड़े। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक होने वाले मधुमेह पीड़ित लोगों में इस ब्लैक फंगस बीमारी के मामले सामने आए हैं।

राजौरी में बेअदबी के मामले में चार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बेअदबी के मामले में शनिवार को चार लोग गिरफ्तार किए गए। राजौरी पुलिस ने एक बयान में बताया कि खवास इलाके में बेअदबी की घटना के बाद बृहस्पतिवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर ठेस पहुंचाना और दुर्भावनापूर्ण कृत्य करना) और 429 (मवेशियों को मारना या घायल करना, आदि) के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने बताया कि गवाहों के बयानों और जांच के दौरान मिले तकनीकी सबूतों के आधार पर चार मुख्य आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा, कई पुलिस दलों ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और अंततः सभी मुख्य चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सभी लोगों से शांति बनाए रखने और कानूनी प्रक्रिया में भरोसा रखने का अनुरोध किया।

असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ग्रेनेट विस्फोट में जान गंवाने वाले सुरजीत तालुकदार के घर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे

कोलकाता में संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा के साथ ही प्रवासी श्रमिकों का पलायन शुरू

गोवा सरकार का फैसला

निजी अस्पतालों में भर्ती का अधिकार सरकार के पास

21 प्राइवेट हॉस्पिटलों की कमान कल से सरका के हाथ में

भाषा। पणजी

गोवा सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमितों का इलाज कर रहे सभी 21 निजी अस्पतालों में मरीजों की भर्ती का अधिकार 17 मई से अपने हाथों में लेने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम विभिन्न नियमों के उल्लंघन के मद्देनजर उठाया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि इस कदम से गोवा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) जैसे अस्पतालों पर बोझ कम होगा। उल्लेखनीय है कि गत चार दिनों में जीएमसीएच में इलाज करा रहे 75 संक्रमितों की मौत हुई जिसने प्रशासन के लिए चेतावनी की घंटी बजा दी है। राज्य सरकार के फैसले की वजह बताते हुए सावंत ने कहा कि निजी अस्पताल उनके यहां उपलब्ध कुल बिस्तरों में से 50 प्रतिशत बिस्तर कोविड-19 मरीजों के लिए आरक्षित नहीं कर रहे थे। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारे सामने कई घटनाएं आई जब निजी अस्पतालों ने डीडीएसएसवाई योजना (राज्य सरकार की चिकित्सा बीमा योजना) के तहत कोविड-19 मरीजों को इलाज नहीं मुहैया कराया। सावंत ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामने आई जिनमें निजी अस्पतालों को मरीजों से अधिक शुल्क वसूलते पाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार केवल इन अस्पतालों से मरीजों की भर्ती का अधिकार लेगी जबकि उनका प्रबंधन उनके पास ही रहेगा।

रेमडेसिविर की जमाखोरी पर लगेगा गुंडा एक्ट : स्टालिन

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में कोविड-19 के मरीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर की जमाखोरी करने वालों और ज्यादा कीमत पर ऑक्सीजन सिलेंडर बेचने वालों के खिलाफ सख्त गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को मुख्यमंत्री की तरफ से यह निर्देश कुछ लोगों द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशियों को कथित तौर पर ज्यादा कीमत पर बेचने की खबरों और उनकी गिरफ्तारियों के बाद आया है। एक बयान में स्टालिन ने कहा कि प्रतिबंधों के कारण आजीविका पर असर पड़ने के बावजूद जनता ने लॉकडाउन की कड़वी गोली को स्वीकार किया है और जीवन बचाने में सहयोग दिया है, वहीं ऐसे समय में कुछ असामाजिक तत्व दवाओं की जमाखोरी कर उसकी कालाबाजारी कर रहे हैं। कुछ जगहों पर ऑक्सीजन सिलेंडर ज्यादा कीमतों पर बेचे जा रहे हैं।

अमृतसर से छह बार सांसद रहे रघुनंदन लाल भाटिया का निधन

भाषा। अमृतसर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अमृतसर से छह बार सांसद रहे रघुनंदन लाल भाटिया का बीमारी के कारण निधन हो गया है। वह 100 वर्ष के थे। भाटिया के परिवार के सदस्यों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात को यहां एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में बेटा रमेश भाटिया, बेटी सरोज मुंजाल और छोटे भाई जे एल भाटिया हैं। रघुनंदन अमृतसर संसदीय सीट से सबसे पहले 1972 में लोकसभा सांसद बने थे और इसके बाद इसी सीट से 1980, 1985, 1992, 1996 और 1999 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते। रघुनंदन भाटिया 2004 से 2008 तक केरल के राज्यपाल भी रहे। वह 2008 से 2009 तक बिहार के राज्यपाल भी रहे। उन्होंने 1992 में विदेश राज्यमंत्री के तौर पर भी काम किया। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य के तौर पर वह पार्टी में पंजाब इकाई के अध्यक्ष तथा महासचिव समेत विभिन्न पदों पर रहे।पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रघुनंदन भाटिया के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री सिंह ने ट्वीट किया, रघुनंदन भाटिया जी के निधन से दुखी हूं। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। पंजाब कांग्रेस के नेता और विधायक राज कुमार वेरका ने शोक जताते हुए कहा कि भाटिया भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह थे। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी रघुनंदन भाटिया के निधन पर शोक जताया है। खान ने शोक जताते हुए कहा कि भाटिया जी के आचरण और उनकी कुशलता ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में सबका रोल मॉडल बना दिया। विजयन ने केरल में भाटिया के राज्यपाल के कार्यकाल को याद किया और कहा कि वह बेहतरीन सांसद थे।

सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाएं: मोदी

● पीएम ने कोविड-19 की ताजा स्थिति की गहन समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में देश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति और टीकाकरण अभियान की समीक्षा की तथा सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोकथाम की रणनीति पर काम करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करने और वहां स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सभी आवश्यक संसाधनों से लैस करने और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मोदी लगातार बैठकें कर रहे हैं और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कोरोना वायरस महामारी अब देश के ग्रामीण इलाकों में तेजी से पांव पसार रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और उचित दूरी का पालन करने सहित बचाव के उपायों का अनुसरण करने का आग्रह किया था। कोविड-19 महामारी को एक अदृश्य दुश्मन करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि सरकार इस महामारी की दूसरी लहर से मुकाबले के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया था कि देश इस लड़ाई में विजय हासिल करेगा। पीएमओ ने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री को देश में कोरोना की ताजा स्थिति से अवगत कराया गया और उन्हें यह भी बताया

गया कि अभी प्रत्एक सप्ताह 1.3 करोड़ लोगों की जांच हो रही है जबकि पिछले साल मार्च में प्रत्एक सप्ताह जांच का आंकड़ा 50 लाख था। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री को बताया कि लोगों के ठीक होने की दर के साथ ही संक्रमण दर में भी कमी दर्ज की गई है। बैठक में यह चर्चा हुई कि पिछले कुछ सप्ताह में जहां संक्रमण के मामले रोजाना चार लाख के ऊपर जा रहे थे, वहीं अब केंद्र व राज्य सरकारों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों से यह मामले कम होने लगे हैं। अधिकारियों ने बैठक में प्रधानमंत्री के समक्ष राज्य और जिलावार कोविड-19 की स्थिति, जांच, ऑक्सीजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य ढांचे और टीकाकरण की रूपरेखा के बारे में प्रस्तुति दी गई। बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा, जिन राज्यों के जिन जिलों में संक्रमण के मामले अधिक हैं, वहां स्थानीय निषिद्ध क्षेत्र रणनीति समय की मांग है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच तेज करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आंकड़े अधिक आएं लेकिन राज्यों को बगैर किसी दबाव के पारदर्शिता से आंकड़े जारी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया ताकि घर-घर जाकर जांच की जा सके और निगरानी रखी जा सके। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पृथकवास की स्थिति में उपचार संबंधी दिशा निर्देशों को आसान भाषा में उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक वितरण योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ऑक्सीजन संबंधी उपकरणों के संचालन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल ना हो पाने संबंधी खबरों को गंभीरता से लिया और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए वेंटिलेटर्स के हिसाब की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई वैज्ञानिक और विशेषज्ञों की राय पर आधारित है, जो आगे भी जारी रहेगी। बैठक के दौरान टीकाकरण अभियान का राज्यवार ब्योरा प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया और इसकी योजना पर भी चर्चा की गई। उन्होंने टीकाकरण की गति बढ़ाने के लिए अधिकारियों को राज्यों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो कि शनिवार को देश में एक दिन में 3,26,098 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कोविड-19 के मामले बढ़कर 2,43,72,907 हो गए हैं, जबकि 3,890 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,66,207 हो गई है।

बैशाख शुक्ल की तृतीया के पावन अवसर पर गंगोत्री धाम विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ खुल गया, इस दौरान कोरोना काल में यहां प्रोटोकॉल के साथ पूजा-अर्चना जारी रहेगी

बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी सराहा यूपी मॉडल को

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● यूपी के बड़े शहरों में बच्चों के लिए बनाए जा रहे पीडियाट्रिक बेड

● बच्चों के इलाज को लेकर यूपी सरकार की यह पहल बॉम्बे हाईकोर्ट को अच्छी लगी

● डब्लूएचओ और नीति आयोग भी कर चुका है सीएम के यूपी मॉडल की तारीफ

उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण से लोगों तथा बच्चों को बचाने और कोरोना महामारी पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश की सरकार ने जो मॉडल अपनाया है उसका अब बॉम्बे हाईकोर्ट भी कायल हो गया हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और देश का नीति आयोग कोविड प्रबंधन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के (यूपी मॉडल) की तारीफ कर चुका है। आयोग ने यूपी के इस मॉडल को अन्य राज्यों के लिए न ़ीर बताया है। वही बॉम्बे हाईकोर्ट ने यूपी मॉडल के तहत बच्चों को कोरोना से बचाने के लिए किए गए प्रबंधों का जिक्र करते हुए वहां की सरकार से यह पूछा है कि महाराष्ट्र सरकार यहां ऐसा करने पर विचार क्यों नहीं करती? यूपी सरकार ने कोरोना संक्रमण से बच्चों का बचाव करने के लिये सूबे के हर बड़ शहर में 50 से 100 बेड के पीडियाट्रिक बेड (पीआईसीयू) बनाने का फैसला किया है। यूपी सरकार के इस फैसले को डॉक्टर बच्चों के लिये वरदान बता रहे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को बीमारी से बचाने को लेकर हमेशा ही बेहद गंभीर रहे हैं। इंसेफेलाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए उन्होंने इस बीमारी के खात्मे को लेकर जो अभियान चलाया उससे समूचा पूर्वांचल वाकिफ हैं। इसी क्रम में जब मुख्यमंत्री कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए ट्रिपल टी यानि ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट की रणनीति तैयार करा रहे थे, तब ही उन्होंने कोरोना संक्रमण से बच्चों को बचाने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों को अलग से एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। जिसके तहत ही चिकित्सा विशेषज्ञों ने उन्हें बताया कि कोरोना संक्रमण से बच्चों बचाने और उनका इलाज करने के लिए हर जिले में आईसीयू की तर्ज पर सभी संसाधनों से युक्त पीडियाट्रिक बेड की व्यवस्था अस्पताल में की जाए। चिकित्सा विशेषज्ञों की इस सलाह पर मुख्यमंत्री ने सूबे के सभी बड़े शहरों में 50 से 100 बेड के पीडियाट्रिक बेड (पीआईसीयू) बनाने के निर्देश दिये हैं। यह बेड विशेषकर एक महीने से ऊपर के बच्चों के लिए होंगे। इनका साइज छोटा होगा और साइडों में रेलिंग लगी होगी। गंभीर संक्रमित बच्चों को इसी पर इलाज और ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सूबे में बच्चों के इलाज में कोई कमी न आए इसके लिए सभी जिलों को अलर्ट मोड पर रहने के लिये कहा गया है। इसके तहत ही मुख्यमंत्री अधिकारियों को बच्चों के इन अस्पतालों के लिए मैन पावर बढ़ाने के भी आदेश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि जरूरत पड़े तो इसके लिए एक्स सर्विसमैन, रिटायर लोगों की सेवाएं ली जाएं। मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को ट्रेनिंग देकर उनसे फोन की सेवाएं ले सकते हैं। लखनऊ में डफरिन अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से तत्काल सभी बड़े शहरों में 50 से 100 पीडियाट्रिक बेड बनाने के निर्णय को बच्चों के इलाज में कारगर बताया है।

कुआं सफाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो लोगों की मौत, एक को बचा लिया गया

भाषा। शहडोल (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में एक पुराने कुएं की सफाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो लोगों की मलबे में दब कर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को करीब 10 घंटे के बचाव अभियान के बाद जीवित बाहर निकालने में कामयाबी मिली। घटना शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के पपरेडी गांव में शुक्रवार की है। ब्यौहारी थाना प्रभारी अनिल कुमार पटेल ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र के ग्राम पपरेडी में रमेश सेन (45) अपने मकान के पिछले हिस्से में बने पुराने कुएं की गांव के ही मोतीलाल कोल (60) एवं राजेश गोंड (25) को बुलाकर शुक्रवार सुबह सफाई करा रहे थे। तभी अचानक कुएं की मिट्टी धंसने लगी और देखते ही देखते दोनों कुएं में मिट्टी के नीचे दब गए। उन्होंने कहा कि दोनों को बचाने के लिए रमेश सेन भी कुएं में उतर गए और वह भी मलबे में दब गए। पटेल ने बताया कि इस बात की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची ब्यौहारी पुलिस ने बचाव अभियान चलाया और जेसीबी मशीन सहित अन्य उपकरणों की मदद से तीनों को शुक्रवार की रात आठ बजे तक बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि बाहर निकाले जाने तक राजेश गोंड़ एवं मोतीलाल कोल की मौत हो चुकी थी, जबकि रमेश सेन की सांस चल रही थी। पटेल ने बताया कि सेन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल शहडोल जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान लगभग 10 घंटे तक चला। शहडोल के कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह ने दोनों मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6 (4) के तहत स्वीकृत की है। साथ ही संकटापन्न मद से 10-10 हजार रुपए एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता मद से 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

क्विक न्यूज

बेअदबी मामला : सुखबीर बादल ने कांग्रेस नेताओं से सबूत साझा करने को कहा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को कहा कि 2015 में फरीदकोट में पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के मामले में कथित साजिश को लेकर अगर कांग्रेस नेताओं के पास कोई सबूत है तो उसे साझा करना चाहिए। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष ने एक बयान में कहा, कांग्रेस नेताओं और उनके प्रकट और गुप्त सहयोगियों का दावा है कि गुरु ग्रंथ साहिब के खिलाफ बेअदबी की साजिश रची गई और इसे अंजाम दिया गया। उन्होने कहा, अगर ऐसे सबूत है तो खालसा पंथ, अदालत, एसआईटी और आम लोगो के सामने इसे रखना चाहिए। पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री बादल ने कहा कि अगर ए नेता सबूत का खुलासा करने से मना करते है तो यह अक्षम्य होगा क्योंकि उन्होंने इस बारे में लगातार दावे किए थे। बादल ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख सुनील जाखड़, मंत्री सुखजिंदर रंधावा, आप के सांसद भगवंत मान से सिख समुदाय, न्यायपालिका और जांच टीम से सबूत साझा करने को कहा।

महाराष्ट्र में प्रवेश करने वाले ट्रक चालकों को आरटी-पीसीआर जांच से मिल गई छूट

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ट्रांसपोर्टरो को राहत देते हुए उस नियम को वापस ले लिया है जिसके तहत राज्य में प्रवेश करने वाले ट्रक चालकों को आरटी-पीसीआर जांच करवाना अनिवार्य था। ट्रांसपोर्टरो के संगठन अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। एआईएमटीसी देश मे ट्रांसपोर्टरो की शीर्ष संस्था है और उसने राज्य सरकार से ऐसी शर्तो को हटाने की मांग की थी। राज्य सरकार द्वारा शनिवार को जारी संशोधित दिशानिर्देश मे कहा गया कि ट्रक चालक राज्य मे केवल तापमान और अन्य लक्षणो की जांच और आरोग्य सेतु पर स्थिति के आधार पर प्रवेश कर सकते है। एआईएमटीसी की कोर समिति के अध्यक्ष बाल मलकित सिंह ने कहा, उच्चतम स्तर पर लगातार संपर्क के बाद हम ट्रक चालकों के लिए महाराष्ट्र में आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट के संबंध में संशोधित दिशानिर्देश प्राप्त करने मे सफल हुए है। उन्होने कहा कि इससे पहले मुख्य सचिव कार्यालय से एआईएमटीसी को निर्देश मिले थे जिसमे क्षेत्र मे तैनात अधिकारियो से वाहनों को तत्काल जाने देने को कहा गया था।

उल्हासनगर में इमारत का छज्जा ढहने से चार लोगों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के उल्हासनगर में शनिवार को एक इमारत का छज्जा ढह जाने से चार लोगो की मौत हो गई। अधिकारियो ने बताया कि इस घटना मे 11 लोगो को सुरक्षित बचा लिया गया। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख संतोष कदम ने कहा कि इमारत मे रहने वाली एक महिला लापता है, जिसकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि यह घटना अपराह्न करीब 1:40 बजे कैंप नंबर-1 मे स्थित पांच मंजिला मनोरमा इमारत में हुई। कदम ने कहा कि चौथी मंजिल का छज्जा टूटा, जिससे बाकी मंजिलो के छज्जे भी छतिग्रस्त हुए और मलबा जमीन पर गिरा। इसकी चपेट मे कई लोग आ गए। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम मौके पर बचाव कार्य मे जुट गई है। अधिकारी ने कहा कि अग्निशमन दल की स्थानीय टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और 11 निवासियो को निकाला गया। इन सभी को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होने कहा कि ठाणे आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम भी मलबा हटाने और इसमे फंसे पांच लोगो को निकालने के अभियान में अग्निशमन दल के कर्मचारियों की मदद कर रही है।

शपथ ग्रहण समारोह में कुछेक लोग शामिल होंगे: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि 20 मई को होने वाले वाम मोर्चे की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह मे चुनिंदा लोग शामिल हो, यह सुनिश्चि करने के प्रयास किए जा रहे है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की केरल इकाई ने शनिवार को सुझाव किया था कि कोविड-19 मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि के मद्देनजर नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह डिजिटल माध्यम से आयोजित किया जाना चाहिए। विजयन की दैनिक ब्रीफिंग के दौरान जब पत्रकारो ने इस बारे मे पूछा तो उन्होंने कहा कि यह डिजिटल समारोह होगा। विजयन से जब पत्रकारो ने समारोह मे शामिल होने वालो की संख्या के बारे मे पूछा तो उन्होने कहा, बड़ी संख्या मे लोग समारोह मे शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना हमारा मकसद है। बेहद कम लोग शपथ ग्रहण समारोह मे शामिल होंगे। हम आपको इस बारे मे जानकारी देंगे।

फेसबुक पर लाइव होने के बाद सिपाही ने की आत्महत्या

पीलीभीत (उत्तर प्रदेश)। पीलीभीत के बिलसंडा थाने में पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) 112 सेवा में तैनात सिपाही जितेंद्र कुमार ने शनिवार अपरान्ह कथित रूप से आत्महत्या कर ली। यह कदम उठाने से पहले सिपाही कुछ देर के लिए फेसबुक पर लाइव हुआ था। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक किरीट कुमार ने पत्रकारों से कहा कि वह पूरे मामले की जानकारी जुटा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार मुख्यालय से वापस लौटते समय अज्ञात कारणों से सिपाही ने अपने सिर में गोली मार ली और जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सिपाही की मौत की सूचना आई। वीडियो में रोते हुए विभाग से परेशान होकर उसने आत्महत्या करने की बात कही है।

कोरोना की पहली लहर के बाद सरकार, प्रशासन, लोग सभी गफलत में आ गए थे: भागवत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सरसंघचालक ने लोगों से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुट और सकारात्मक बने रहने की अपील की

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने लोगों से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुट और सकारात्मक बने रहने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस की पहली लहर के बाद सरकार, प्रशासन और जनता की गफलत के कारण वर्तमान स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पोजिटिविटी अनलिमिटेड व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में एक दूसरे पर अंगुली उठाने की बजाए हमें एकजुट रहना होगा और एक टीम की तरह कार्य करना होगा। उन्होंने कहा, हम इस परिस्थिति का सामना कर रहे हैं क्योंकि सरकार, प्रशासन और जनता, सभी कोविड की पहली लहर के बाद गफलत में आ गए थे, जबकि डाक्टरों द्वारा संकेत दिए जा रहे थे। सरसंघचालक ने कहा कि अब तीसरी लहर की बात हो रही है। लेकिन हमें डरना नहीं है। हम चट्टान की तरह एकजुट रहेंगे। भागवत ने कहा कि सभी को सकारात्मक रहना होगा और मौजूदा परिस्थिति में स्वयं को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने के लिए सावधानियां बरतनी होंगी। उन्होंने कहा कि यह एक दूसरे पर अंगुली उठाने का उपयुक्त समय नहीं है और वर्तमान परिस्थितियों में तर्कहीन बयान देने से बचना चाहिए। भागवत ने कोरोना वायरस संक्रमण के संदर्भ में कहा, जब विपत्ति आती है तो भारत के लोग जानते हैं कि सामने जो संकट है, उसे चुनौती मानकर संकल्प के साथ लड़ना है। उन्होंने कहा, लोग जानते हैं कि यह (संकट) हमें डरा नहीं सकता। हमें जीतना है।

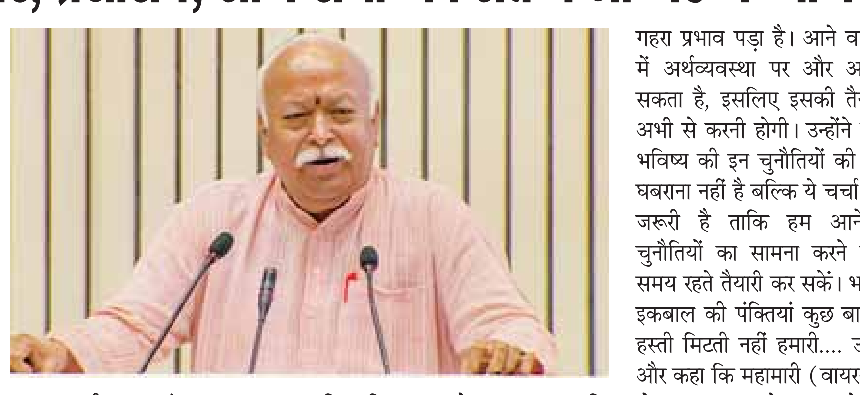

जब तक जीत न जाएं तब तक लड़ना है। उन्होंने कहा, थोड़ा सी गफलत हुई। शासन-प्रशासन और लोग..सभी गफलत में आ गए, इसलिए यह (संकट) आया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सब लोग परस्पर एक टीम बन कर काम करेंगे तो सामूहिकता के बल पर हम अपनी और समाज की गति बढ़ा सकते हैं। इस समय अपने सारे मतभेद भुलाकर हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा।

मोहन भागवत ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय इंग्लैंड की स्थिति का जिक्र किया, जब ऐसा लग रहा था कि सब कुछ उसके वितरीत जा रहा है। भागवत ने तब के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल को उद्धृत किया जिसमें उन्होंने कहा था कि इस कार्यालय में कोई निराशावादी नहीं है, हमें हार की संभावना में कोई रुचि नहीं है, इसका कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसे ही इस परिस्थिति में हमें साहस नहीं छोड़ना है। हमें संकल्पबद्ध रहना है। सरसंघचालक ने कहा कि कोरोना वायरस की स्थिति के कारण अर्थव्यवस्था, रोजगार, शिक्षा आदि पर गहरा प्रभाव पड़ा है। आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था पर और असर पड़ सकता है, इसलिए इसकी तैयारी हमें अभी से करनी होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य की इन चुनौतियों की चर्चा से घबराना नहीं है बल्कि ये चर्चा इसलिए जरूरी है ताकि हम आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समय रहते तैयारी कर सकें। भागवत ने इकबाल की पंक्तियां कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी.... उद्धृत की और कहा कि महामारी (वायरस) छुपा होगा, रूप बदलने वाला होगा...फिर हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि मन अगर थक गया, तो दिक्कत होगी। जैसे सांप के सामने चूहा अपने बचाव के लिए कुछ नहीं करता। ऐसा नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि यह हमारे धैर्य की परीक्षा है। भागवत ने कहा कि यश-अपयश का खेल चलता है और सफलता अंतिम नहीं है। उन्होंने कहा कि आघातों को पचाकर धैर्य की प्राप्ति तक सतत प्रयास के साथ, संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो हम जीतेंगे और यह निश्चित है।

पेज 1 का शेष

प्रदेश के सभी ...

पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक मेरठ में 879, गोरखपुर में 801, लखनऊ में 617, गाजियाबाद में 527, गौतमबुद्धनगर में 480 और वाराणसी में 476 नए मरीज मिले जबकि इसी अवधि में सर्वाधिक 19 मरीजों की मौत मेरठ जिले में हुई। चंदौली में 15, कानपुर नगर में 14, लखनऊ और औरैया में 12- 12 तथा गौतम बुद्ध नगर व झांसी में 10-10 और मरीजों की मौत हो गई।

देश में 3.26 लाख...

इसके बाद, 28 सितंबर को कोविड-19 के मामले 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख, 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार हो गए थे। भारत ने चार मई को गंभीर स्थिति में पहुंचते हुए दो करोड़ मामलों का आंकड़ा पार कर लिया था। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक, 14 मई तक 31,30,17,193 नमूनों की जांच की गई है जिनमें से 6,93,093 नमूनों की शुक्रवार को जांच की गई। पिछले 24 घंटे में जिन 3,890 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 695, कर्नाटक में 373, उत्तर प्रदेश में 311, दिल्ली में 289, तमिलनाडु में 288, उत्तराखंड में 181, पंजाब में 180, छत्तीसगढ़ में 172, हरियाणा में 164, राजस्थान में 155, पश्चिम बंगाल में 136 और गुजरात में 104 लोगों की मौत हुई है।

सात साल पहले...

इसमें कहा गया कि जांच में ट्विट भ्रामक भी निकला है तथा पूर्व आईएसएस द्वारा पुरानी फोटो को बलिया जिले में हाल में पाएं गए शवों की खबर के साथ जोड़ा गया है। इंस्पेक्टर मिश्र ने बताया कि सूचना मिलने पर सोशल मीडिया प्रकोष्ठ, उन्नाव से संपर्क किया गया। मीडिया प्रकोष्ठ ने बताया कि सोशल मीडिया में चल रहे सूर्यप्रताप सिंह के ट्वीट तथा उनसे सम्बन्धित फोटोग्राफ को 13 जनवरी 2014 के हैं, जिसमें 100 शव गंगा नदी में बहते हुए दिखाए गए थे। उन्होने बताया कि प्राप्त अभिलेखीय सूचना के अनुसार सूर्यप्रताप सिंह ने जनमानस में भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से सात वर्ष पुराने फोटो को कूटरचना के द्वारा बलिया जिले की खबर के साथ जोड़कर तैयार किया है। इससे जनपद उन्नाव के विभिन्न समुदायों के बीच तनाव तथा वैमनस्यता में वृद्धि हो रही है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी के बीच एक सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी द्वारा इस प्रकार जानबूझकर सोशल मीडिया में ट्वीट करके अफवाह फैलाने के कारण कोरोना मरीजों में भय व दहशत का माहौल व्याप्त हुआ है तथा विभिन्न समुदायों के बीच ईर्ष्या, दुर्भावना तथा कलुषित भाव फैला है। मिश्रा ने बताया कि सूर्यप्रताप सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा उप्र लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग निवारण अध्यादेश 2020 की धारा 21, आपदा प्रबंधन कानून की धारा 54 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपने खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बाद सूर्यप्रताप सिंह ने प्रतिक्रिया स्वरूप ट्वीट किया क्या उन्नाव में कोई लाशें नहीं तैर रही ? क्या मेरे विरूद्ध मामला दर्ज कर देने से सच बदल जाएगा ?

चित्रकूट जेल में ...

पुलिस उलटे पैर भागी। दोबारा कुछ देर बार फि र पोजीशन लेकर पुलिस ने उसकी गोलीबारी का जवाब देना शुरू कर दिया। जेल सूत्रों के अनुसार करीब दो घंटे तक रुक-रुक कर गोलियां चलती रहीं। इस दौरान पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। आखिर में करीब 11. 30 बजे पुलिस ने अंशु का काम तमाम कर दिया। उसके मारे जाने के बाद जेल में गोलियों की आवाज शांत हुई तो अन्य कैदियों ने राहत की सांस ली। थोड़ी देर में आइजी और मंडलायुक्त जेल पहुंच गए। गेट पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हर नजर जेल गेट पर थी। मारा गया बदमाश मुकीम सहारनपुर जेल से ट्रांसफ र होकर आया था जबकि मुख्तार का गुर्गा मेराजुद्दीन बनारस से चित्रकूट जेल ट्रांसफर किया गया था। बताया जा रहा है कि अंशु दीक्षित ने मुकीम, मेराजुद्दीन के अलावा तीन अन्य कैदियों पर भी हमला किया था। सीतापुर जिले के मानकपुर कुड़रा बनी का मूल निवासी अंशुल उर्फ अंशू दीक्षित लखनऊ लविवि में छात्र के रूप दाखिला लेने के बाद अपराधियों के संपर्क में आया। वर्ष 2008 में वह गोपालगंज बिहार के भोरे में अवैध असलहों के साथ पकड़ा गया था। अंशुल को 2019 में दिसंबर में सुल्तानपुर जेल में वीडियो वायरल होने के बाद चित्रकूट जेल भेजा गया था।

पांच राज्यों में..

प्रदेश के स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार मार्च के दूसरे सप्ताह में कोरोना संक्रमण दर 3 से 4 फीसदी थी, जो मई के पहले सप्ताह में बढ़कर 31 फीसदी के करीब हो गई। पहले चरण के मतदान के दिन 27 मार्च को राज्य में कोरोना के 812 नए केस आए थे और सिर्फ दो लोगों की मौत हुई थी, लेकिन 4 अप्रैल को नए मरीजों की संख्या बढ़कर 2000 और एक सप्ताह बाद 11 अप्रैल को दोगुनी 4000 हो गई। इससे अगले एक सप्ताह में यह 15,000 तक पहुंच गई। वहीं मई के पहले सप्ताह में राज्यभर में कोरोना के 17,000 मरीज आए और बीते शुक्रवार को संक्रमित नए मरीजों की संख्या 21,000 को पार कर गई। प्रदेश में शुक्रवार को 136 लोगों की मौत के साथ यहां जान गंवाने वालों की संख्या अब तक 12,993 पहुंच गई है। राज्य में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने ही आक्रामक प्रचार अभियान चलाया था और रैलियों में भारी भीड़ जुटाई गई थी। चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने कहा कि हमने महामारी को देखते हुए आयोग से 8 के बजाय तीन या चार चरणों में चुनाव कराने की मांग की थी, लेकिन हमारी नहीं सुनी गई।

गाजा पर इजराइली...

इस हमले से 12 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई और चारों तरफ धूल का गुबार छा गया। इस बारे में तत्काल कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया कि इस इमारत को निशाना क्यों बनाया गया? मीडिया संस्थानों के कार्यालय जिस इमारत में थे उस पर दोपहर को हुए हमले से पहले इजराइली सेना ने इमारत के मलिक को फोन कर इसे निशाना बनाए जाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद एपी के कर्मचारी एवं अन्य लोगों ने तत्काल इमारत को खाली किया। कतर सरकार द्वारा वित्तपोषित अल-जजीरा न्यूज नेटवर्क ने इमारत पर हुए हमले और इसके जमींदोज होने का सीधा प्रसारण किया। अरब और यहूदियों की मिश्रित आबादी वाले इजराइली शहरों में रोज हिंसा देखी जा रही है। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में भी फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। इस दौरान इजराइली सेना की कार्रवाई में कम से कम 11 लोग मारे गए। यह हिंसा ऐसे वक्त में हो रही है जब फलस्तीन शनिवार को नकबा दिवस मना रहे हैं जब वे 1948 के युद्ध में इजराइल द्वारा मारे गए हजारों फलस्तीनियों को याद करता है। इससे संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल-फलस्तीन मामलों के लिए अमेरिका के उप सहायक विदेश मंत्री हादी आम्र संघर्ष को कम करने की कोशिश के तौर पर शुक्रवार को इजराइल पहुंचे। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के रविवार को बैठक करने की संभावना है। हालांकि, मिस्र के एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि इजराइल ने एक साल के संघर्ष विराम के उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसे हमास ने स्वीकार कर लिया था। सोमवार की रात से लेकर अब तक हमास ने इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे हैं। गाजा में कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई है जिनमें 31 बच्चे और 20 महिलाएं शामिल हैं। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई है जिनमें छह साल का बच्चा और एक सैनिक शामिल है।

सभी अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश

जयपुर। अरब सागर में उठे चक्रवाती तूफान तौकते के असर से राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी के बीच राज्य सरकार ने शनिवार को जिला कलेक्टरों से कहा कि वे अस्पतालों व चिकित्सा संस्थानों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा अखिल अरोरा ने शनिवार को इस बारे में सभी जिला कलेक्टरों को आदेश जारी किया।

आदेश में कहा गया है कि ऐसी आशंका है कि इस चक्रवाती तूफान का राज्यों के जिलों पर अधिक असर हो सकता है। इसमें कहा गया है कि इस समय राज्य के विभिन्न राजकीय व निजी चिकित्सा संस्थानों में कोविड-19 मरीजों का उपचार चल रहा है और कतिपय मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर भी हैं। इन हालात को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि वे सभी चिकित्सकीय संस्थानों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। उनसे बिजली आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था भी करने को कहा गया है।

डोप टेस्ट चूकने के कारण ओलंपिक से बाहर अमेरिकी त्रिकूद खिलाड़ी

जिनेवा। अमेरिका के त्रिकूद खिलाड़ी उमर क्राडोक को डोप टेस्ट चूकने के कारण 20 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया जिससे वह तोक्यो ओलंपिक और 2022 विश्व चैम्पियनशिप नही खेल सकेंगे। ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने आरोप लगाया कि 2019 पैन अमेरिका खेलों के चैम्पियन क्राडोक ने नियम तोड़े है और बारह महीने में तीन बार ठिकाने की जानकारी संबंधी नियम का उल्लंघन किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे और श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट श्रृंखला में उनके सहायक जिम्मा संभालेंगे। श्रीलंका और भारत दौरे पर इंग्लैंड टीम के साथ रहे सिल्वरवुड ने कहा कि वह अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा रहना चाहते है और इसीलिए ब्रेक ले रहे है।

दूसरे गेंदबाजों को भी गेंद से छेड़खानी का इल्म था : बेनक्रोफ्ट

लंदन। गेंद से छेड़खानी मामले में शामिल रहे कैमरन बेनक्रोफ्ट का कहना है कि स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और उनके अलावा आस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों को भी न्यूलैंड्स टेस्ट के दौरान की गई इस गलती की जानकारी थी। बेनक्रोफ्ट को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 मे तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद पर रेगमाल रगड़ते हुए कैमरे मे कैद कर लिया गया था। उस घटना ने आस्ट्रेलिया और विश्व क्रिकेट को झकझोर दिया था।

मिजोरम में गश्त लगा रहे हैं फुटबॉलर लालपेखलुआ

नई दिल्ली। फुटबॉल के मैदान से दूर भारतीय टीम के जेजे लालपेखलुआ अपने राज्य मिजोरम में तुइचांग नदी के आसपास गश्त लगा रहे है जिससे कि बेहद अधिक संख्या मे मछली पकड़ने से लोगो को रोका जा सके और स्थानीय मछुआरो की जीविका मे मदद हो सके। हाल मे बहुत अधिक संख्या मे मछली पकड़ने के मामलों के कारण तुइचांग नदी चर्चा में आई थी जिसके बाद स्थानीय लोगो को नदी पर लगातार नजर रखने के लिए बाध्य होना पड़ा।

भारोत्तोलक जेरेमी और अचिंता 18 को ताशकंद रवाना होंगे

नई दिल्ली। युवा ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक जेरेमी लालरिनुंगा सहित दो सदस्ईय भारतीय टीम ताशकंद में 23 से 31 मई तक होने वाली विश्व जूनियर चैंपियनशिप में हिस्सा लेने मंगलवार को रवाना होगी। पुष्टि की कि उसने दो भारोत्तोलको जेरेमी (67 किग्रा) और स्युली (73 किग्रा) की यात्रा का इंतजाम किया है।

बीसीसीआई के रवैये पर बिफरीं लिसा

● ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान ने वेदा कृष्णमूर्ति मामले में की आलोचना

भाषा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा स्टालेकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने परिवार के दो सदस्यों के निधन के बाद भी वेदा कृष्णमूर्ति से ना तो कोई संपर्क किया ना यह बताना सही समझा कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए इस शोकाकुल खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है। इस महीने की शुरूआत में मध्यक्रम की इस बल्लेबाज की बहन वत्सला शिवकुमार का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया था। इससे दो सप्ताह पहले इस खतरनाक वायरस के चपेट में आने से उनकी मां का भी निधन हो गया था। अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय महिला टीम में वेदा को जगह नहीं दी गई है। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल स्टालेकर इस मामले से निपटने के तरीके पर बीसीसीआई के रवैए से खुश नहीं है। स्टालेकर ने ट्विटर पर लिखा, आगामी श्रृंखला के लिए वेदा का चयन नहीं करना उनके दृष्टिकोण से उचित हो सकता है, मुझे सबसे ज्यादा निराशा इस बात की है कि एक अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में उन से बीसीसीआई ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। बीसीसीआई ने यह भी पता नहीं किया कि वह मौजूदा स्थिति का सामना कैसे कर रही है। एक अच्छे संघ को खिलाड़ियों का बेहतर तरीके से ध्यान रखना चाहिए। उसे सिर्फ किसी भी कीमत पर मैच करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह काफी निराशाजनक है। भारतीय अंडर-19 टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी में भी स्टालेकर की बातों का समर्थन किया। बेंगलुरु की 28 साल की वेदा ने दो सप्ताह के अंदर मां और बहन को खोने के बाद भावुक श्रद्धांजलि दी थी। भारत के लिए 48 एकदिवसीय और 76 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली वेदा सोशल मीडिया के जारिए कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद कर रही है। वनडे में 1000 रन और 100 विकेट चटकाने वाली पहली महिला खिलाड़ी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय महिला टीम के लिए भी खिलाड़ियों का एक संघ (प्लेयर्स एसोसिएशन) बने। इस 41 साल की पूर्व दिग्गज ने कहा, एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर एसीए (ऑस्ट्रेलियाई किकेटर्स संघ) के हर दिन हम से संपर्क कर हमारे बारे में पूछता है। भारत में अगर खिलाड़ियों के संघ की जरूरत है तो उसका सही समय यही है। भारत में राज्य क्रिकेट संघ खिलाड़ियों की चिंता नहीं करता है। उन्होंने ट्वीट किया, मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट संघ अपने खिलाड़ियों की परवाह करते हैं। खिलाडि़यों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके भविष्य को लेकर संवाद करने की बात उनके दिमाग में भी नहीं आती है, मैं घरेलू क्रिकेट के लिए यह कह सकता हूं।

रमन ने उनके खिलाफ अभियान चलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच पद से हटाए गए डब्ल्यू वी रमन ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ और गांगुली को भेजे पत्र में रमन ने लिखा कि बतौर कोच उनके नाकाबिल होने के अलावा किसी और कारणों से उनकी दावेदारी खारिज की गई है तो यह काफी चिंताजनक है। एक हैरानी भरे फैसले मे क्रिकेट सलाहकार समिति ने रमन की बजाय रमेश पोवार को महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच चुना। रमन के मार्गदर्शन मे भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। रमन ने पत्र में लिखा , मेरा मानना है कि मेरे काम करने के तौर तरीकों को लेकर आपको अलग अलग राय दी गई होगी। उनका मेरी दावेदारी पर कितना असर पड़ा , यह बात करना अब बेमानी है। महत्वपूर्ण यह है कि कलंकित करने वाले इस अभियान ने कुछ बीसीसीआई अधिकारियों का अवांछित ध्यान खीचा है जिस पर स्थाई रोक लगाए जाने की जरूरत है। अगर आपको या किसी पदाधिकारी को सफाई देने की जरूरत है तो मै इसके लिए तैयार हूं। अगर बतौर कोच मेरे नाकाबिल रहने के अलावा किसी और कारण से मेरी दावेदारी खारिज की गई तो उस फैसले पर कोई बहस नही हो सकती। लेकिन चिंताजनक यह है कि मेरी दावेदारी अन्य कारणों से खारिज की गई। खास तौर पर उन लोगो के आरोपों की वजह से जिनका फोकस भारतीय महिला टीम के कल्याण और देश के गौरव की बजाय अपने निजी लक्ष्य हासिल करने पर था। रमन ने अपने पत्र मे किसी का नाम नही लिखा लेकिन समझा जा रहा है कि वह टीम में स्टार संस्कृति के बारे मे लिख रहे थे।उनका मानना हैकि इससे भलाई की बजाय बुरा अधिक हुआ है। अपने 20 साल के कोचिंग कैरियर मे मैने हमेशा ऐसी टीम संस्कृति तैयार की है जिसमें टीम पहले आती है और कोई खिलाड़ी टीम या खेल से बड़ा नही है। अब समय आ गया है कि आप जैसे दो लीजैंड महिला क्रिकेट को बचाएं क्योंकि ऐसा नही करने पर चीजें गलत दिशा मे चली जाएंगी।

विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए 19 मई को कतर रवाना होगी फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम 19 मई को कतर के लिए रवाना होगी क्योंकि इस देश ने भारतीय टीम को राहत देते हुए अगले महीने होने वाले 2022 विश्व कप क्वालीफायर से पहले खिलाडियों की वहां ट्रेनिंग का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इतना ही नहीं कतर ने भारतीय दल के वहां पहुंचने के लिए 10 दिन के अनिवार्य पृथकवास से छूट देने का एआईएफएफ का आग्रह भी मान लिया है। भारतीय टीम तीन जून को पहले मुकाबले पूर्व जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लगभग दो हफ्ते के तैयारी शिविर में हिस्सा लेगी। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, हम 19 मई की शाम को टीम को भेजने की योजना बना रहे हैं। पृथकवास से नहीं गुजरना होगा और वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। दास ने कहा कि खिलाड़ी नई दिल्ली में जुटेंगे और कतर के लिए रवाना होने से पहले उनका कोविड-19 परीक्षण होगा। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन इन संयुक्त क्वालीफायर में अब भी 2023 एशियाई कप में जगह बनाने की दौड़ में है। एशियाई कप क्वालीफिकेशन में भारत को अभी कतर (तीन जून), बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ तीन मुकाबले खेलने हैं।

ओलंपिक जाने वाले पहलवानों का शिविर रद्द, अभ्यास व प्रतिस्पर्धा के लिए जाएंगे यूरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके आठ भारतीय पहलवानों के लिए सोनीपत में प्रस्तावित शिविर को कड़े पृथकवास नियमों के कारण रद्द कर दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय महासंघ ने खिलाड़ियों के लिए यूरोप के शहरों में प्रशिक्षण का इंतजाम किया है जहां वे अपने पंसद के जोड़ीदार के साथ अभ्यास करेंगे। पुरूष और महिला पहलवानों को मंगलवार को बहलगढ़ स्थिल साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में इकट्ठा होना था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा तैयार की गई नई योजना के मुताबिक ए सभी मई के आखिरी सप्ताह में वारसॉ (पोलैंड) रवाना होंगे। पोलैंड की राजधानी में आठ से 13 जून तक तोक्यो खेलों से पहले रैंकिंग श्रृंखला की आखिरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पहलवानों के पास कुछ अहम रैंकिंग अंक अर्जित करने का मौका होगा, जिससे उन्हें ओलंपिक में बेहतर ड्रा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, हमने बहलगढ़ में एक शिविर की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें पृथकवास के दौरान 14 दिनों तक प्रशिक्षण की अनुमति नहीं थी। इसलिए हमने सोचा कि बेहतर होगा कि वे अपने-अपने अखाड़ों में अभ्यास करे और फिर पोलैंड की यात्रा करें। हम सभी पहलवानों को अभ्यास के लिए उनकी पसंद के एक साथी के साथ यात्रा करने की अनुमति भी दे रहे हैं। विनेश फोगट, बजरंग पुनिया, रवि दहिया और दीपक पुनिया जैसे कुछ लोगों के साथ उनके निजी कोच भी होंगे।

ओलंपिक के आयोजन से दमदार संदेश जाएगा कि हम कोविड से आगे निकल चुके हैं : बत्रा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक के आयोजन का विरोध होगा लेकिन तोक्यो में खेलों के आयोजन से मजबूत संदेश जाएगा कि हम इस भयावह हालात से आगे निकल चुके हैं। तोक्यो ओलंपिक पिछले साल कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए थे। आईओए अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बत्रा ने उम्मीद जताई कि खेल 23 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगे।

तोक्यो में इतिहास रच सकती है महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारत की पूर्व गोलकीपर हेलन मेरी का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करके तोक्यो ओलंपिक में शीर्ष तीन में स्थान हासिल कर सकती है। पिछले तीन से चार साल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। हेलन ने हॉकी इंडिया के पॉडकास्ट हॉकी ते चर्चा में कहा , अर्जेंटीना और जर्मनी में प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि हमारी टीम 90 प्रतिशत तैयार है और आने वाले कुछ समय में अपने खेल को और बेहतर कर सकते है। मुझे यकीन है कि वे तोक्यो में इतिहास रच सकते हैं। तोक्यो में तिरंगे का परचम लहराएगा। अर्जेंटीना में जिस तरह से भारतीय टीम खेली, हालांकि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम को नहीं हरा सकी लेकिन आत्मविश्वास देखने लायक था। मैने भारतीय टीम को किसी टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर ऐसे खेलते नहीं देखा।

इंग्लैंड के आईपीएल खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम में जगह मिलना मुश्किल : रिपोर्ट

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के आईपीएल क्रिकेटरों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि बोर्ड अभ्यास के बिना उन्हें पृथकवास से सीधे टेस्ट खेलने नहीं उतारना चाहता। इसके मायने हैं कि जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स , सैम कुरेन और मोईन अली जैसे खिलाड़ी दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। उनका पृथकवास इस सप्ताह के आखिर में खत्म होगा जबकि लार्डस पर पहला टेस्ट शुरू होने में दो सप्ताह ही बचे हैं। बीबीसी स्पोटर्स की रिपोर्ट के अनुसार , आईपीएल खिलाड़ियों के लिए समय बहुत कम बचा है। इसके मायने हैं कि ओली रॉबिनसन, क्रेग ओवरटन और जेम्स ब्रासे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार , टेस्ट क्रिकेट का अभ्यास नहीं मिल पाना चिंता का सबब है। वहीं दूसरे खिलाड़ी कई सप्ताह से काउंटी चैम्पियनशिप खेल रहे हैं। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड मंगलवार को चयन समिति की बैठक बुलाएंगे।

भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी डालकर अभ्यास कर रहे हैं कोंवे

आकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कोंवे अगले महीने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी (किटी लिटर) डालकर अभ्यास कर रहे है। 29 वर्ष के कोंवे को दो जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए न्यूजीलैंड की 20 सदस्ईय टीम में रखा गया है। साउथम्पटन में 18 जून से होने वाले फाइनल से पहले 15 सदस्ईय टीम का ऐलान किया जाएगा। वह गेंदबाज के पैरों के निशान से कठोर हो जाने वाली पिच पर पड़ने वाली स्पिन गेंदबाजी के अभ्यास के लिए विकेटों पर दानेदार मिट्टी डाल रहे है। यह कठोर होता है लेकिन अच्छा अभ्यास मिल रहा है। स्पिनरों का सामना करने के लिए रणनीति बनाना जरूरी था और उसी तरीके से अभ्यास भी।

रोम में नडाल ने ज्वेरेव को हराया

● इटालियन ओपन

भाषा। रोम

रफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ते हुए उसे इटालियन ओपन टेनिस क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6 -4 से हराया। ज्वेरेव ने एक सप्ताह पहले ही नडाल को मैड्रिड ओपन में सीधे सेटों में हराया था। नडाल ने जीत के बाद कहा , मैं मैड्रिड ओपन की तुलना में बेहतर खेला। हालात भी अलग थे। अब उनका सामना अमेरिका के रीली ओपेलका से होगा जिसने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडरिको डेलबोनिस को 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार मास्टर्स सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोवाक जोकोविच और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण स्थगित करना पड़ा उस समय सिटसिपास 6-4, 2-1 से आगे थे। एक अन्य क्वार्टर फाइनल आंद्रेइ रूबलेव और लोरेंजो सोनेगो के बीच होगा। महिला वर्गमें शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी को कोको गॉ के खिलाफ मैच में 6-4, 2-1 से आगे रहने के बावजूद दाहिने हाथ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ना पड़ा। गॉ का सामना सेमीफाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन इगा स्वियातेक या दो बार की रोम चैम्पियन एलिना स्वितोलिना से होगा। 2019 की चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा ने 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको को 4-6, 7-5, 7- 6 से हराया।अब उनका सामना पेट्रा मार्टिच से होगा।

सितसिपास को हराकर जोकोविच सेमीफाइनल में

रोम। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बारिश के कारण स्थगित किए गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे शनिवार को स्टेफानोस सितसिपास को हराया। अंतिम दोनों सेटों में अपनी सर्विस गंवाकर वापसी करने वाले जोकोविच ने 4-6, 7-5, 7-5 की जीत के साथ लगातार आठवी बार इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गत चैंपियन जोकोविच यहां पांच बार खिताब जीत चुके है। जोकोविच को आराम का अधिक समय नही मिलेगा और फाइनल मे जगह बनाने के लिए वह शनिवार को ही स्थानीय दावेदार लॉरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे। सोनेगो ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जोकोविच और सोनेगो दोनो के क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुक्रवार को नही हो पाए थे। महिला टूर्नामेंट मे फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने रोम मे दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना को 6-2, 7-5 से हराया। वह सेमीफाइनल में 17 साल की अमेरिकी कोको गॉफ से भिड़ेगी। दूसरे सेमीफाइनल मे कैरोलिन प्लिसकोवा का सामना पेत्रा मार्टिच से होगा।

एच-1 बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को काम की मंजूरी दिलाने से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है गूगल

वाशिंगटन। गूगल एच। बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को अमेरिका में काम करने की मंजूरी दिलाने से संबंधित एक कार्यक्रम में मदद के लिए शीर्ष अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रयासों का नेतृत्व कर रही है। एच।बी वीजा की भारतीय आईटी पेशेवरों में काफी मांग है। गूगल एच-4 ईएडी (रोजगार मंजूरी दस्तावेज) कार्यक्रम की मदद करने के लिए 30 दूसरी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) एच- ।बी वीजा धारकों के परिवार के लोगों (पतिपत्नी और 21 साल से कम उम्र के बच्चों) को एच-4 वीजा जारी करती है। एच। बी वीजा एक गैर-अप्रवासी वीजा है जिसकी मदद से अमेरिकी कंपनियां सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत वाले विशिष्ट पेशों में विदेशी कर्मियों को नौकरियों पर रखती हैं। प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों लोगों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर करती है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ट्विटर पर लिखा,गूगल हमारे देश के अप्रवासियों की मदद करने को लेकर गर्व महसूस करती है। हम एच-4 ईएडी कार्यक्रम को बचाने के लिए 30 और कंपनियों के साथ जुड़ चुके हैं। यह कार्यक्रम नवोन्मेष को बढ़ावा देता है, रोजगार एवं अवसरों का सृजन करता है और परिवारों की मदद करता है।

राइट्स शेयरों के बकाया भुगतान में निवेशकों की मदद के लिए रिलाइंस ने चैटबॉट शुरू किया

नई दिल्ली। रिलाइंस इंडस्ट्रीज ने अपने 53,125 करोड़ के राइट्स शेयरों के बकाए का भुगतान करने की कंपनी की ओर से पहली मांग (कॉल) के बारे में निवेशकों के सवालों का जवाब देने के लिए कृत्रिम मेधा से चलने वाला एक व्हाट्सऐप चैटबॉक्स दोबारा शुरू किया है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसने पिछले साल मई में आंशिक रूप से भुगतान पर 42.26 करोड़ शेयर जारी और आवंटित किए थे। प्रत्एक 10 रुपए के अंकित मूल्य के राइट्स शेयर की कीमत।,257 रुपए थी। कंपनी ने कहा इस निर्गम में भाग लेने वाले शेयरधारकों ने आवेदन के साथ 314.25 रुपए प्रति राइट्स इक्विटी शेयर (2.50 रुपए अंकित मूल्य के लिए और 311.75 रुपए प्रतिभूति पर प्रीमियम) का भुगतान किया गया था और उन्हें कंपनी को बाकी पैसे बाद में दो बार अलग अलग समय पर मांग किए जाने पर चुकाने थे। सोमवार, 17 मई, 2021 से सोमवार 31 मई, 2011 के बीच प्रति राइट्स शेयर 314.25 रुपए का भुगतान किया जा सकेगा। शेयरधारक बाकी 628.50 रुपए प्रति राइट्स शेयर अंतिम कॉल पर 15 नवंबर से 29 नवंबर, 2021 के बीच भुगतान कर सकेंगे।

एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के लिए कोविड सहायता पहल शुरू की

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों के लिए कोविड सहायता से जुड़ी एक नई पहल शुरू की हैं। इसके साथ ही भारती एयरटेल उन कंपनियों की बढ़ती फेहरिस्त में शामिल हो गई जिन्होंने महामारी की दूसरी लहर के बीच लोगों की मदद के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग तरह की सुविधाएं शुरू की हैं। दूरसंचार कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने आसान पहुंच वाले कोविड सहायता संसाधनों और संबंधित सूचना को एयरटेल थैंक्स ऐप के एक्सप्लोर खंड में एकीकृत किया है।

कोविड उपचार से जुड़े कर दरों पर होगी चर्चा

● जीएसटी परिषद की बैठक 28 मई को

भाषा। नई दिल्ली

माल एवं सेवा-कर (जीएसटी) परिषद की सात महीने से ज्यादा समय से बैठक न बुलाए जाने को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच वित्त मंत्रालय परिषद की बैठक 28 मई को बुलाई है। इसमें कोविड19 संक्रमण के उपचार से जुड़ी औषधियों, आक्सीजन और उपकरणों पर कर की दरों के मुद्दे के साथ-साथ राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति के विषय में भी चर्चा होने की संभावना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। उनके कार्यालय ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। बैठक वीडिया-कांफ्रेंस के जरिए होगी। यह अप्रैल 2021 से प्रारंभ हुए चालू वित्त वर्ष में जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। वित्त मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया श्रीमती निर्मला सीतारमण 28 मई, 2021 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। बैठक में राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों के वित्त मंत्रियों और केंद्र तथा राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर भी शामिल होंगे। इससे पहले इसी महीने पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा और पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने जीएसटी परिषद की बैठक बुलाने की मांग की थी। इसमें कोविड-19 संक्रमण के उपचार से जुड़ी औषधियों, आक्सीजन और उपकरणों पर कर की दरों के मुद्दे के साथ साथ राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति के विषय में भी चर्चा होने की संभावना है। यह अप्रैल 2021 से प्रारंभ हुए चालू वित्त वर्ष में जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। इसमें हर तिमाही में परिषद की कम से कम एक बैठक का प्रावधान है।

सिलेंडर के आयात को जल्द मंजूरी देने के नियमों में ढील

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चिकित्सकीय उपयोग के ऑक्सीजन सिलेंडर और दाब वाले टैंक के आयात को जल्द मंजूरी देने के उद्देश्य से नियमो मे ढील देने का निर्णय किया है। कोविड-19 के बढ़ते मामलो को ध्यान मे रखते हुए यह निर्णय गैस सिलेंडर नियम, 2016 कानून के तहत लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार यह निर्णय अगले छह महीने या उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के अगले आदेश तक जारी रहेगा। सरकार द्वारा यह निर्णय लेने के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर और कंटेनरों की खेप आयात करने से पहले पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) का प्रमाणन अनिवार्य नही होगा। हालांकि, ऑक्सीजन सिलिंडरों के इस्तेमाल से पहले पीईएसओ का प्रमाण पत्र लेने की जरूरत होगी, जिसमे वजन और हाइड्रो परीक्षण शामिल होता है। वही भारतीय दूतावासो को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऑक्सीजन सिलिंडरों मे लदान से पहले भारतीय या अंर्तष्ट्रीय मानदंडो का पालन होना चाहिए। भरे हुए सिलिंडरों के मामले में, भारत को निर्यात करने वाली एजेंसी को यह प्रमाणित करना होगा कि सिलिंडर मे भरी ऑक्सीजन इतनी शुद्ध है और उसका संकेंद्रण उतना है कि वह चिकित्सा उपयोग के लिए ठीक है।

गेहूं की खरीद 30 प्रतिशत बढ़कर 366.61 लाख टन हुई

मुंबई। देश में चालू रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कुल 366.61 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई जो पिछले साल के इसी सीजन के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। यह खरीद 37.15 लाख किसानों से की गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में एमएसपी के तहत 282.69 लाख टन गेहूं खरीदी गई थी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा, खरीफ विपणन सीजन 2020-21 और रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हरियाणा, उप्र, मप्र, राजस्थान, हिमाचल,दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी है।

उसने कहा, चालू रबी विपणन सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 72,406.11 करोड़ रुपए की खरीद से लगभग 37.15 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। कुल 742.41 लाख मीट्रिक टन (खरीफ फसल 705.52 लाख मीट्रिक टन और रबी फसल 36.89 लाख मीट्रिक टन) से अधिक धान की खरीद के साथ खरीफ के चालू सीजन 2020-21 में खरीद करने वाले राज्यों में धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। चालू खरीफ विपणन सीजन के खरीद अभियान के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर।,40,165.72 करोड़ रुपए की खरीद से लगभग 1.11 करोड़ लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।

एनटीपीसी ने कोविड देखभाल केंद्रों में 500 ऑक्सीजन बेड जोड़े

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लि (एनटीपीसी) ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अपना भरपूर योगदान देते हुए देशभर के विभिन्न कोविड देखभाल केंद्रों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थित बेड और।,100 आइसोलेशन बेड जोड़े हैं। एनटीपीसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने बदरपुर, नोएडा और दादरी के कोविड देखभाल केंद्रों में 200 ऑक्सीजन समर्थित और 140 आइसोलेशन बेड लगाए हैं। ओडिशा के सुंदरगढ़ में 500 बेड की क्षमता और बीस वेंटिलेटर के साथ कोविड देखभाल केंद्र तैयार किया गया है। एनटीपीसी ने महत्वपूर्ण कोविड देखभाल केंद्रों में सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थन बेड और।,100 से अधिक आइसोलेशन बेड जोड़े है। उसने बताया कि दादरी, कोरबा, कनिहा, रामागुंडम, विंध्याचल और बदरपुर के साथ अब उत्तरी करनपुरा, बोंगाईगांव और सोलापुर के कोविड देखभाल केन्द्रों में भी अतिरिक्त सुविधाएं स्थापित की जाएगी। इस बीच एनटीपीसी ने अपने परिचालन में अबतक 70,000 से अधिक कर्मचारियों और सहयोगियों को टीका लगा दिया है। संयंत्र स्थानों पर बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान जारी है। उसने 18 से 44 वर्ष के कर्मचारियों को भी कोरोना का टीका लगाना शुरू कर दिया है।

केयर्न ने विदेशों में भारत की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की शुरू

● 1.7 अरब डॉलर की वसूली का मामला

भाषा। नई दिल्ली

ब्रिटेन की पेट्रोलियम कंपनी केयर्न एनर्जी ने भारत सरकार के खिलाफ 1.7 अरब डॉलर की वसूली के सिलसिले में अमेरिका में एक मुकदमा दायर किया है। इसके तहत कंपनी एयर इंडिया जैसी भारत सरकार की कंपनियों की विदेशों में स्थित संपत्तियों को जब्त करा सकती है। यह मामला आयकर कानून में पिछली तिथि से प्रभावी एक संशोधन के तहत कंपनी पर लगाए गए कर से जुड़ा है। केयर्न ने इसे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता पंचाट में चुनौती दी थी और पंचाट का फैसला उसके पक्ष में आया है। केयर्न ने 14 मई को न्यूयार्क के दक्षिण जिले की अदालत में मुकदमा दर्ज कर भारत सरकार के स्वामित्व वाली विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया को भारत की सरकार का ही अभिन्न रूप माने जाने की अपील की है। इसके आधार पर वह विदेशों में स्थित भारत सरकार की संपत्तियां जब्त कर अपने पैसे वसूलना चाहती है। उसका कहना है कि एयर इंडिया और भारत सरकार एक ही हैं। पीटीआई ने 28 मार्च की अपनी एक रपट में कहा था कि कंपनी इस तरह की कार्वाई के लिए भारत के सरकारी उपक्रमों और भारत सरकार के बीच भेद न किए जाने का मामला दायर कर सकती है। न्यूयार्क की अदालत में केयर्न ने इस मामले में एयरइंडिया को उसका देनदार घोषित किए जाने का आग्रह किया है।

चीन ने अपने रोवर को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर उतारा

भाषा। बीजिंग

चीन ने शनिवार को अपने पहले रोवर को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर उतार दिया और इसके साथ ही वह इस तरह की सफलता अर्जित करनेवाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है।

यात्रा के दौरान नौ मिनट तक भय उत्पन्न करनेवाली स्थिति के बाद चीनी रोवर सफलतापूर्वक लाल ग्रह पर उतर गया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रोवर झुरोंग का नाम चीन की पौराणिक कथा में वर्णित अग्नि के देवता के नाम पर रखा गया है। यह रोवर मंगल ग्रह पर यूटोपिया प्लैनिशिया में पहले से निर्धारित क्षेत्र में उतरा। मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है और इसमें छह पहिए तथा चार सौर पैनल लगे हैं। यह प्रति घंटे 200 मीटर तक घूम सकता है। इसमें कैमरा, रडार और मौसम संबंधी मापक यंत्र जैसे वैज्ञानिक उपकरण लगे हैं। बाद में, इसे लैंडर की मदद से मंगल पर जीवन के साक्ष्यों की तलाश में तीन महीने के मिशन पर लगाया जाएगा।

पिछले साल 23 जुलाई 2020 को रवाना हुआ चीन का अंतरिक्ष यान तियानवेन-। अपने साथ एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गया था। सौर मंडल में और अधिक अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान रोवर नौ मिनट की भय उत्पन्न करनेवाली स्थिति के बाद शनिवार को मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतर गया। रोवर को लेकर लैंडर चीन के स्थानीय समयानुसार सुबह 7:18 बजे मंगल के उत्तरी गोलार्ध में विशाल समतल मैदान, यूटोपिया प्लैनिशिया के पूर्व निधार्ति दक्षिणी क्षेत्र में उतरा।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ द्वारा जारी किया गया रोवर का डिजाइन

सीएनएस के प्रमुख झांग केजियान ने कहा, मंगल पर उतरने के साथ ही तियानवेन-। मिशन को पूर्ण सफलता मिल गई है। मंगल ग्रह पर उतरने में अब तक अमेरिका को ही महारत हासिल थी, लेकिन अब चीन भी मंगल ग्रह पर रोवर के साथ पहुंचने वाला दूसरा देश बन गया है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का परसीवरेंस रोवर करीब सात महीने की यात्रा के बाद 18 फरवरी को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। इससे पहले अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ तथा भारत को मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान भेजने में कामयाबी मिल चुकी है।चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगल ग्रह पर चीन का पहला रोवर सफलतापूर्वक उतारने के लिए सीएनएसए को बधाई दी।

इस अंतरिक्ष यान ने करीब सात महीने की यात्रा के बाद फरवरी में मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था और ग्रह पर उतरने के लिए संभावित स्थानों की पहचान करने में दो महीने से ज्यादा वक्त बिताया। शिन्हुआ ने बताया कि शनिवार तड़के अंतरिक्ष यान ने अपनी निर्धारित कक्षा से नीचे उतरना शुरू किया और लैंडर तथा रोवर ऑर्बिटर से अलग हो गए। करीब तीन घंटे की यात्रा के बाद एंट्री कैप्सूल ने 125 किलोमीटर की ऊंचाई पर मंगल ग्रह के वातावरण में प्रवेश किया। मंगल ग्रह की सतह से करीब 100 मीटर की ऊंचाई पर उसे बाधाओं का सामना करना पड़ा लेकिन उसने बाधाओं से बचते हुए एक सतही इलाके को चुना और धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा। सीएनएसए के लूनर एक्स्प्लोरेशन एंड स्पेस प्रोग्रास सेंटर के अधिकारी गेंग यान ने कहा, हर कदम पर केवल एक मौका था और अगर कोई भी खामी आती तो लैंडिंग विफल हो जाती।

मंगल मिशन पर शिन्हुआ ने एक टिप्पणी में कहा कि चीन का उद्देश्य अंतरिक्ष में नेतृत्व प्रतिस्पर्धा का नहीं है। नासा में विज्ञान मिशन निदेशालय के सह-प्रशासक थॉमस जुरबुचेन ने चीन को इस उपलब्धि पर बधाई दी। मंगल पर अन्वेषण के लिए 1960 के दशक से 40 से अधिक मिशन भेजे जा चुके हैं लेकिन सफलता लगभग आधे अभियानों में ही मिल पाई है।

भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन व्हाइट हाउस की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त

भाषा। वॉशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है। टंडन ने इससे दो महीने पहले ही रिपब्लिनक सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के निदेशक के पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। टंडन (50) सोमवार से व्हाइट हाउस में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगी। टंडन इस समय सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस (कैप) की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।कैप के संस्थापक एवं निदेशक पोडेस्टा ने कहा, नीरा की बुद्धिमत्ता, दृढ़ता और राजनीतिक समझ बाइडन प्रशासन के लिए एक पूंजी साबित होगी। टंडन पहले अमेरिका स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय में स्वास्थ्य सुधारों की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अफोर्डेबल केयर एक्ट के कुछ विशेष प्रावधानों पर कांग्रेस और हितधारकों के साथ मिलकर काम किया था।इससे पहले, वह ओबामा-बाइडन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की घरेलू नीति की निदेशक थीं, जहां उन्होंने सभी घरेलू नीति प्रस्तावों का प्रबंधन किया। उन्होंने देश की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की नीति निदेशक के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में घरेलू नीति की सहायक निदेशक और प्रथम महिला की वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था।टंडन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से बीएससी और एल लॉ स्कूल से कानून की डिग्री हासिल की है।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान : नहर में वाहन के गिरने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक वाहन के नहर में गिर जाने से सात बच्चों समेत एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।बचाव अधिकारियों के मुताबिक यह घटना लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले मे शुक्रवार को उस वक्त हुई जब किला दीदार सिंह से आ रहा वाहन सड़क से फिसलकर नहर में गिर गया। यह वाहन खानकाह डोगरान की ओर जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और नहर से शव निकाले गए। बचाव अधिकारी मुहम्मद फारूक ने बताया, मृतकों में सात बच्चे, दो महिलाएं और दो पुरूष थे। सभी लोग एक ही परिवार के थे। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने सारे शव निकाल लिए है और उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। बचाव अधिकारियों का मानना है कि तेज रफ्तार के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया होगा और यह नहर में जा गिरा। पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बज्दर ने घटना पर शोक जताया और दिवंगत लोगों की आत्मा के लिए प्रार्थना की। पाकिस्तान में आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं और इस तरह की घटनाओं मे हर साल हजारों लोगों की जान जाती है।

चीन में दो बवंडरों से 12 लोगों की मौत, 300 से अधिक घायल

बीजिंग। चीन के वुहान और सुझोउ शहरों के शुक्रवार रात को उठे शक्तिशाली बवंडरों की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 300 लोग घायल हुए हैं। इन बवंडरों की वजह से कई घरों और कारखानों को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ के मुताबिक वुहान के कैडियन जिले में शुक्रवार रात को 23.9 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से उठे बवंडर की चपेट में आने से आठ लोगों की मौत हो गई और करीब 230 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान कई निर्माण स्थलों पर बने शेड उड़ गए और बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए। शिन्हुआ ने बताया कि बवंडर की वजह से 27 घर ध्वस्त हो गए जबकि 130 मकानों को नुकसान हुआ है। वहीं दो टॉवर क्रेन और 8000 वर्ग मीटर के निर्माण स्थल पर लगे शेड भी क्षतिग्रस्त हो गए। बवंडर की वजह से बिजली के तारों को भी नुकसान हुआ जिससे वुहान के 26,600 घरों की बिजली गुल हो गई। स्थानीय ऊर्जा ग्रिड के कर्मियों को मरम्मत के लिए भेजा गया है और मरम्मत कार्य अब भी जारी है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी चीन के जियांग्सु प्रांत के सुझोउ शहर से भी शुक्रवार रात को बवंडर गुजरा जिसकी चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हुए है। उन्होने बताया कि सुझोउ में आए बवंडर से 84 मकानों और 17 कंपनियों को भी नुकसान हुआ है व बिजली बाधित हुई है। गौरतलब है कि इन इलाकों में बवंडर दुर्लभ घटना है।

यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर भारत से लौटा पहला विमान

मेलबर्न। भारत मे कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण लगाया गया दो सप्ताह का यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद पहला विमान भारत में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचा।प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दी। क्वांटास विमान स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से थोड़ा पहले रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के एयरबेस पर पहुंचा। इसके जरिए 150 यात्रियों को लाया जाना था, लेकिन अंततः केवल 80 नागरिक स्वदेश लौटे।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन कराया

दुबई। ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी ने शनिवार को देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन कराया। कट्टरपंथी मौलाना रईसी 1988 मे हजारों कैदियों को सामूहिक फांसी से संबंधित एक समिति का हिस्सा थे। रईसी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई (82) के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर खुद का नामांकन कराया है। हालांकि कुछ प्रमुख लोगों का कहना है कि वह इस दौड़ में आगे नही बढ़ पाएंगे। वहीं, उनके नामांकन से पता चलता है कि 2017 में भी उन्होंने इस पद को लेकर रुचि दिखाई थी, लेकिन असफल रहे थे। खामनेई से उनकी करीबी और भ्रष्टाचार रोधी मुहिम में हिस्सा लेने पर हासिल हुई लोकप्रियता चुनाव मे उन्हे फायदा पहुंचा सकती है। विशेषज्ञो पहले ही कह चुके है कि कट्टरपंथियो को चुनाव में थोड़ा लाभ मिलता है। नामांकन से पहले एक बयान में रईसी ने राष्ट्रपति बनने पर गरीबी, भ्रष्टाचार और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ने का वादा किया।

ऑनलाइन हिंसक चरमपंथ को रोकने के खिलाफ वैश्विक पहल का हिस्सा बना अमेरिका

वेलिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों और दुनियाभर में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों और सरकारों के अन्य नेताओं समेत पहली बार अमेरिका शनिवार को वर्चुअल रूप से एकत्रित हुआ जिससे चरमपंथी हिंसा के ऑनलाइन प्रसार को रोकने के बेहतर तरीके तलाश किए जा सकें। न्यूजीलैंड में श्वेत वर्चस्व की विचारधारा रखने वाले एक व्यक्ति द्वारा 51 मुस्लिम श्रद्धालुओं की हत्या को फेसबुक पर लाइव स्ट्रीमिंग करने के दो साल बाद मैक्रों ने कहा कि आतंकवादी नफरत फैलाने के हथियार के तौर पर लगातार इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। अपने-अपने देशों में जानलेवा हमलों के बाद मैक्रों और न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने इस वैश्विक पहल की शुरुआत की।

क्राइस्टचर्च कॉल नाम की इस पहल में इस साल पहली बार अमेरिकी सरकार और चार अन्य देश शामिल हुए। इसमें गूगल, फेसबुक, ट्विटर और अमेजन समेत 50 से अधिक देशों की प्रौद्योगिकी कंपनियां शामिल हैं और इसका नाम न्यूजीलैंड के एक शहर के नाम पर रखा गया है जहां दो मस्जिदों में लोगों की बेरहमी से हत्याएं की गई थीं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक वीडियो में कहा कि अकेले उनके देश में इंटरनेट से पिछले एक दशक में 300,000 से अधिक आतंकवादी सामग्री हटाई गई जिसे उन्होंने नफरत की सुनामी बताया।अर्डर्न ने कहा कि इस पहल की शुरुआत के बाद से सरकारों और प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हिंसक चरमपंथी सामग्री ऑनलाइन चिन्हित करने के कुछ मामलों में सहयोग किया है। उन्होंने कहा, हालांकि अमेरिका इस साल क्राइस्टचर्च कॉल में केवल आधिकारिक रूप से शामिल हुआ है लेकिन वह इस प्रयास में लगातार योगदान दे रहा है। मैक्रों ने कहा कि अमेरिका, वियना, जर्मनी और अन्य जगहों पर हाल ही में हुए हमलों में इंटरनेट का एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

अमेरिका में बिना मास्क लगाए नजर आए नेता

एपी। वाशिंगटन

● सदन में मास्क पहनने पर सांसदों ने जताई आपत्ति

अमेरिका में कोविड-19 रोधी टीकों की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म होने के बाद कई नेता बिना मास्क लगाए नजर आए।अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा कि आखिरकार बिना मास्क लगाए रहना ऐसा लगता है जैसे हम आगे बढ़ रहे हो।

वहीं, एक रिपब्लिकन सिनेटर ने कहा कि मास्क न लगाने से निश्चित रूप से अच्छी तरह बातचीत करने में मदद मिलती है। बहरहाल, सदन में शुक्रवार को सांसदों ने सभी 435 सदस्यों के कोविड-19 रोधी टीके लगवाने तक मास्क पहनने की आवश्यकता पर आपत्ति जताई। सरकार वाशिंगटन में नए संघीय दिशा निर्देश जारी करने पर काम कर रही है कि जिसमें उन नियमों में ढील दी जाए कि कम मास्क पहनना चाहिए। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिन लोगों ने टीके की दोनों खुराक ले ली है उन्हें मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। हालांकि कैपिटोल हिल (अमेरिकी संसद) में डॉ. ब्रायन मोनहैन के ज्ञापन के अनुसार सांसदों को सदन में मास्क पहनना होगा। हाल ही में एक सर्वेक्षण से पता चला कि सदन में करीब हर चार में से एक सांसद को दोनों टीके नहीं लगे हैं। सांसद सदन में भाषण देते वक्त अपने मास्क उतार सकते हैं लेकिन इसके बाद उन्हें मास्क पहनना होगा। पत्रकारों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को भी बिना मास्क के देखा। यह पूछने पर कि क्या वह मास्क लगाए बिना अपने कामकाज के पहले दिन का आनंद उठा रहे हैं, तो इस पर उन्होंने कहा, हां। करीब एक साल बाद पहली बार पत्रकार व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी के नियमित संवाददाता सम्मेलन में बिना मास्क लगाए गए। पेंटागन ने शुक्रवार को एलान किया कि टीकों की दोनों खुराक ले चुके रक्षा विभाग के कर्मचारियों को अदंर या बाहर मास्क पहनने की जरूरत नहीं है।

इजराइली सेना पर मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को जाल में फंसाने का आरोप

एपी। यरूशलम

इजराइली पत्रकारों ने कहा कि इजराइल की सेना ने मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को अपने जाल में बिछाया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। दरअसल इजराइली सेना ने मीडिया के लिए बयान जारी किया कि इजराइली वायु एवं थल सेना गाजा पट्टी पर हमला कर रहे हैं। इस संक्षिप्त बयान ने इन अटकलों को हवा दी कि इजराइल ने गाजा पर जमीनी हमला कर दिया है। कुछ संवाददाताओं ने यह तक कह दिया कि हमला शुरू हो गया है। इसके कुछ ही घंटों बाद सेना ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि गाजा के भीतर कोई इजराइली सेना नहीं है, लेकिन तब तक कई बड़े मीडिया संस्थान यह जानकारी दे चुके थे कि जमीनी हमला शुरू हो गया है। इस बीच, हमास के लड़ाके मेट्रो के रूप में जानी जाने वाली सुरंगों के भूमिगत नेटवर्क में रक्षात्मक स्थलों पर चले गए। सेना ने बताया कि इजराइल ने 160 युद्धक विमान बुलाए और 40 मिनट तक सुरंगों पर बमबारी की। इजराइल के चैनल 13 टीवी के पत्रकार ओर हेलर ने कहा कि उनका मानना है कि इस दौरान सैकड़ों चरमपंथी मारे गए।हालांकि सेना ने इसे गलतफहमी के चलते की गई रिपोर्टिंग करार दिया, लेकिन इजराइली पत्रकारों ने कहा कि हमास के आतंकवादियों को घातक जाल में फंसाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। हेलर ने कहा, उन्होंने झूठ नहीं बोला। उन्होंने छल किया। उन्होंने चतुराई की और यह सफल रहा।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने इजराइल, हमास से तनाव कम करने की अपील की

एपी। बर्लिन

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने शनिवार को इजराइल और गाजा के चरमपंथी संगठन हमास से तनाव कम करने और हिंसक कार्वाई को रोकने की अपील की। जिनेवा में शनिवार को जारी एक बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेत ने कहा, दोनों पक्षों के नेताओं की ओर से जारी भड़काऊ बयानबाजी तनाव को शांत करने के बजाय इसे बढ़ावा देने जैसी जान पड़ती है। इजराइल के हवाई हमले में गाजा स्थित एक बहुमंजिला इमारत को गिराए जाने के कुछ ही देर पहले शनिवार को बाचेलेत का यह बयान सामने आया। इजराइल द्वारा निशाना बनाई गई इमारत में एसोसिएटेड प्रेस समेत अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी थे। बयान में बाचेलेत ने चेताया कि फलीस्तीनी सशस्त्र समूहों द्वारा घनी आबादी वाले इलाकों समेत इजराइल में अंधाधुंध रॉकेट दागे जाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का स्पष्ट उल्लंघन है जोकि युद्ध अपराध के समान है। उन्होंने इजराइली सेना द्वारा गाजा के नागरिक ठिकानों पर किए गए हमलों की भी निंदा की।

सऊदी अरब मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन करेगा

दुबई, एपी। सऊदी अरब ने रविवार को इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में फलस्तीन के खिलाफ इजराइल के आक्रामक अभियान के विषय पर चर्चा होगी। सऊदी अरब 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन का डिजिटल तरीके से आयोजन करेगा। ओआईसी ने शनिवार को बताया कि इस बैठक में फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइल की हिंसक कार्रवाई और खासकर यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ इजराइल पुलिस के बल प्रयोग के विषय पर चर्चा होगी। ओआईसी का मुख्यालय सऊदी अरब में है। इस संगठन में ईरान, तुर्की, इंडोनेशिया और मुस्लिम बहुल राष्ट्र शामिल हैं। पूर्वी यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद पर यहूदी उग्रवादियों के हमले के जवाब में 51 साल पहले ओआईसी का गठन हुआ था।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी शनिवार को देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन करने के दौरान

लॉकडाउन के बाद सूरज की किरणें हो सकती हैं खतरनाक

भाषा। लंदन

सर्दियों का मौसम लॉकडाउन में बिताने के बाद और पूरे ब्रिटेन में कोरोनावायरस प्रतिबंधों को हटाने की शुरूआत होने के साथ, कई लोग इस गर्मी में अच्छे मौसम की उम्मीद कर रहे होंगे। विदेश यात्रा पर प्रतिबंध का मतलब है कि पहले से कहीं अधिक लोग अपनी गर्मी की छुट्टियों के लिए ब्रिटेन में रहने की योजना बना रहे हैं। इस बदलाव के साथ अब हमारा सामाजिक जीवन अधिकतर समय घर से बाहर व्यतीत होगा। ऐसे में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन में लोग महीनों बाद घरों से बाहर निकलने पर सूर्य की किरणों से पैदा होने वाले जोखिमों को कम न समझें।

सूरज की वजह से त्वचा को होने वाला नुकसान, त्वचा कैंसर और त्वचा पर उम्र से पहले झुर्रियां पड़ने से जुड़ा है। दोनों मामलों में अपराधी पराबैंगनी विकिरण (यूवी) है। यूवी मानव आंखों के लिए अदृश्य है, हालांकि इसे कई जानवर देख सकते हैं, जिसमें बारहसिंगा भी शामिल है। पराबैंगनी विकिरण, दृश्य प्रकाश के स्पेक्ट्रम के आखिरी जामुनी सिरे के पीछे स्थित होता है। इसके इतना हानिकारक होने का एक कारण यह है कि इसकी ऊर्जा को हमारी कोशिकाओं के डीएनए द्वारा अवशोषित किया जा सकता है, जिससे ए कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यदि कोशिका इस डीएनए क्षति की मरम्मत करने में सक्षम नहीं है, तो इससे आनुवांशिक परिवर्तन या उत्परिवर्तन हो सकते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। शरीर की सतह पर होने के कारण, त्वचा कोशिकाओं को यूवी से ज्यादा नुकसान होता है।

इन हानिकारक प्रभावों से सुरक्षा के लिए शरीर का अपना एक सुरक्षा तंत्र है। हमारी कोशिकाओं के भीतर आणविक तंत्र उत्परिवर्तन का कारण बनने से पहले डीएनए क्षति का पता लगाने और उसकी मरम्मत करने में सक्षम हैं। जब त्वचा कोशिकाएं डीएनए क्षति का पता लगाती हैं, तो वे अलार्म संकेतों को सक्रिय करती हैं जो वर्णक-उत्पादक कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं ताकि उन्हें और अधिक नुकसान से बचाने में मदद करने के लिए अधिक वर्णक का उत्पादन शुरू करने के लिए कहा जा सके। यह इस वर्णक, मेलेनिन का उत्पादन है, जो त्वचा के झुलसने का कारण बनता है।

इसलिए त्वचा का झुलसना इस बात का संकेत है कि आपकी त्वचा क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा लगभग 4 एसपीएफ़ के बराबर होने का अनुमान लगाया गया है। इसका मतलब यह है कि हालांकि ऐसा करने में धूप में चार गुना अधिक समय लगेगा, फिर भी आपकी त्वचा झुलस सकती है।यदि आप बहुत सारी परा बैंगनी किरणों के संपर्क में हैं, तो डीएनए क्षति की मात्रा कोशिकाओं की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है,क्योंकि एक क्षतिग्रस्त कोशिका में एक अंतिम रक्षा पंक्ति होती है जहां यह डेथ प्रोग्राम को सक्रिय कर समाप्त होने की प्रक्रिया का चुनाव कर सकती है, जिसे एपोप्टोसिस कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कोशिकाएं, जो आगे चलकर कैंसर बन सकती हैं, शरीर को नुकसान पहुंचाने से पहले ही समाप्त कर दी जाती हैं। जिस किसी को भी कभी सनबर्न हुआ है, उसने इस प्रक्रिया को अनुभव किया है। भारी मात्रा में कोशिकाओं के मरने से त्वचा में सूजन हो जाती है, जिससे त्वचा एकदम लाल हो जाती है और उसमें दर्द होता है।लेकिन कभी-कभी ए बचाव पर्याप्त नहीं होते हैं, और यूवी के कारण त्वचा को होने वाले नुकसान से त्वचा का कैंसर हो सकता है। ब्रिटेन में त्वचा कैंसर की दर पिछले दशकों में बढ़ी है क्योंकि विदेश यात्राएं अधिक आम हो गई है और टैनिंग के प्रति दृष्टिकोण बदल गया है। आश्चर्यजनक रूप से, हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि त्वचा कैंसर 1980 के दशक की तुलना में आज आठ गुना अधिक आम है। अब हमें क्या करना चाहिए क्योंकि हम सब गर्मी का मौसम शानदार रहने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हालांकि, यह सच है कि परा बैंगनी किरणों की तीव्रता ब्रिटेन में उतनी अधिक नहीं है जितनी भूमध्यसागरीय या अन्य कम अक्षांश वाले पर्यटक स्थलों पर है। देश अब उन महीनों में प्रवेश करने वाला है जहां यूवी तीव्रता अपने चरम पर होती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन में घरों के बाहर और आसपास यूवी के हानिकारक प्रभाव के संपर्क में आना अभी भी संभव है, विशेष रूप से बच्चों या गोरे लोगों के लिए जिनकी त्वचा आसानी से झुलस जाती है या उस पर झाइयां पड़ जाती हैं।

हो सकता है कि महीनों के लॉकडाउन के बाद, बहुत से लोग धूप में निकलने के लिए बेताब हों, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि ज्यादा देर धूप में न रहें। इसका पता लगाना काफी कठिन हो सकता है कि आप कितनी तीव्रता की यूवी के संपर्क में आ रहे हैं, क्योंकि यूवी का स्तर उन दिनों में भी काफी अधिक हो सकता है जब आसमान में बादल छाए हुए हों। यूवी सूचकांक की जानकारी रख कर भी आप अपने आप को बचा सकते हैं। यूवी सूचकांक इस बात की माप है कि हर दिन यूवी किरणें कितनी तेज होती हैं। इससे आपको यह जानने में मदद मिलेगी कि आपको धूप से सुरक्षा के लिए टोपी, कपड़े और एसपीएफ़ 20 या उससे अधिक की व्यापक सुरक्षा वाली सनस्क्रीन का उपयोग करने की आवश्यकता है या नहीं। यह सुरक्षा कवच इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने समय के लिए बाहर रहेंगे।

जातिसूचक टिप्पणी को लेकर मुनमुन दत्ता के विरुद्ध प्राथमिकी

हिसार। हरियाणा पुलिस ने एक वीडियो में अनुसूचित जाति के लोगों के विरूद्ध कथित रूप से जातिवादी टिप्पणी करने को लेकर टी वी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री मुनमुन दत्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वैसे इस मामला के दर्ज होने से पहले ही अभिनेत्री ने माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वह हर उस व्यक्ति से माफी मांगती हैं जो गलत शब्द के इस्तेमाल की वजह अनजाने में उनसे आहत हुए हैं। दत्ता ने दावा किया कि भाषा संबंधी अड़चन के कारण उन्होंने गलत शब्द का इस्तेमाल किया और वाकई उन्हें उसके अर्थ की गलत जानकारी दी गई थी। हरियाणा के हांसी शहर में नेशनल एलायंस फॉर दलित ह्यमून राइट्स के संयोजक रजत कालसन की शिकायत पर दत्ता के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। हांसी पुलिस ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

मैंने अपने करियर में अधिक हास्य किरदार नहीं निभाए: जैकी श्रॉफ

नई दिल्ली। जानेमाने अभिनेता जैकी श्रॉफ का कहना है कि वह अब फिल्मों में अधिक हास्य भूमिकाएं कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि उन्होंने अभी तक पर्दे पर अपने व्यक्तित्व के इस हिस्से को अच्छी तरह से पेश नहीं किया है। यही कारण है कि जब उनके करीबी मित्र एवं बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई में अभयंकर का किरदार निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो 64 वर्षीय अभिनेता इसके लिए सहज ही तैयार हो गए। श्रॉफ ने पीटीआई–भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, जैसा हमेशा होता है, सलमान ने मुझे फोन किया और कहा कि उनके परिवार द्वारा एक फिल्म बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह एक हास्य किरदार है और मुझे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभानी है। तो मैंने कहा ठीक है। मैं इस फिल्म में जो कर रहा है वह हास्य है, और किसी को इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि काफी लंबे समय के बाद उन्हें हास्य फिल्मों के लिए अधिक प्रस्ताव मिलने शुरू हुए हैं।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मैंने अपने करियर में अधिक हास्य अभिनय नहीं किया है। हास्य फिल्म करना आसान नहीं है ... काफी समय बाद मुझे हास्य भूमिकाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने हाल में हैलो चार्ली में काम किया और राधे के बाद, मुझे फोन भूत में काम करना है, जो एक बार फिर एक अच्छी पटकथा है।

शेमारू टीवी पर जगाने आस्था और विश्वास आ रहे हैं

सिया के राम

मनोरंजन जगत में चमचमाते सितारे की तरह उभरनेवाले शेमारू टीवी ने हाल ही में सफलतापूर्वक एक साल पूरा किया है। इस एक साल में करोड़ों दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बनकर शेमारू टीवी ने शोज़ और उपहारों के ज़रिए कइयों के सपनों को पंख दिए हैं, तो बहुतों की मनचाही मुराद पूरी की है। ऐसे में एक बार फिर अपने प्रिय दर्शकों के लिए शेमारू टीवी लेकर आ रहे हैं भक्ति रस से भरपूर एक नया और बेहद अनूठा शो सिया के राम इस शो में पहली बार आप देखेंगे कि कैसे रामायण को सीता जी के नज़रिए से दिखाया गया है। देश का बच्चा–बच्चा रामायण की जिस कहानी से रूबरू है, उसी रामायण को बिल्कुल नए नज़रिए से देखना और कुछ नए तथ्यों का उजागर होना यक़ीनन दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और अनूठा होगा। कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन से देश में हर तरफ़ डर, संशय और निराशा का अंधकार पसरा है, ऐसे में शेमारू टीवी का शो सिया के राम लोगों के मन में आस्था और विश्वास की लौ जगाने में यक़ीनन कामयाब होगा।

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है, जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है। शो के सभी दृश्यों को बेहद आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है, जिन्हें देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। शो में सिया और राम के किरदार मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा ने निभाए हैं। देवी सीता के सशक्त किरदार को मदिराक्षी ने अपने बेहतरीन अभिनय से एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। रामायण के दूसरों शोज़ में सीता को ज़्यादातर शांत दिखाया गया है, जबकि सिया के राम की सीता कर्तव्य पालन के साथ–साथ विचारों की स्वतंत्रता को भी प्राथमिकता देती हैं और समय–समय पर अपने पिता और पति के समक्ष अपने विचार खुलकर रखती हैं। आपको बता दें कि जहां प्रभु श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, वहीं माता सीता को सर्वोत्तम आदर्श माना गया है। एक आदर्श पुत्री, आदर्श पत्नी, आदर्श मां के साथ ही वो एक आदर्श स्त्री हैं, जो आज की आधुनिक नारी के लिए प्रेरणाश्रोत हैं।

रामायण की महत्वपूर्ण पात्र होने के बावजूद रामायण के अन्य शोज़ में माता सीता के किरदार, उनके चरित्र और बलिदान को उतनी प्रधानता नहीं दी गई है, जिसकी वो हक़दार हैं, जबकि सिया के राम में त्याग की मूर्ति देवी सीता के चरित्र और बलिदान को बेहद ख़ूबसूरत ढंग से दर्शाया गया है। लक्ष्मण की भूमिका निभानेवाले करण सूचक ने अपनी ख़ुशी बयां करते हुए

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है।

कहा, मैं बेहद खुश हूं की मेरे दर्शक मुझे एक बार फ्रि से लक्ष्मण के रूप में देख पाएंगे। सिया के राम मेरे दिल के बहुत करीब रहा है और में शेमारू टीवी का तहे दिल से सुक्रिया अदा करना चाहता हु की उन्होंने ना सिर्फमेरे दर्शको को पर मुझे भी सिया के राम देखने का दोबारा मौका दिया और उन लम्हो को वापिस से जीने का अवसर दिया । मेरा विश्वास है की कोविद के दर के सौरन हमारा यह शो सब के मन में आस्था की एक किरण जरूर जगायेगा और हम जल्द ही पुराने दिनों के तरह ज़िन्दगी जी पाएंगे।

सिया के राम शो में मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा के अलावा लक्ष्मण और उर्मिला का किरदार निभानेवाले करण सूचक और युक्ति कपूर मुख्य भूमिका में हैं। यह शो शेमारू टीवी पर 14 मई से हर रात 7.30 बजे प्रसारित हो रहा है।

पाकिस्तान: सर गंगाराम का समाधि स्थल 10 साल बाद फिर जनता के लिए खुलेगा

लाहौर। प्रख्यात हिंदू समाजसेवी और शीर्ष वास्तुकार सर गंगाराम के लाहौर स्थित समाधि स्थल को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। 10 साल पहले कुछ लोगों ने इस स्थल पर अवैध कब्जा कर लिया था। प्रशासन ने इस स्थल को कब्जा मुक्त कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पंजाब प्रांत के लाहौर में टक्साली गेट के पास सर गंगाराम की समाधि है। लोगों के एक समूह द्वारा इस पर अवैध कब्जा कर लेने की वजह से पिछले एक दशक से इस स्थल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया था। इवैक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के उपनिदेशक फराज अब्बास ने कहा, हमने कुछ लोगों के समूह के कब्जे से इस जमीन को वापस ले लिया है और सर गंगाराम समाधि के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया है। जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के बाद समाधि को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महान वास्तुकार के कार्यों को प्रदर्शित करते हुए यहां एक कलावीथिका (आर्ट गैलरी) भी खोली जाएगी। उन्होंने कहा, जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन समारोह में स्थानीय हिंदुओं को आमंत्रित किया जाएगा। लाहौर से करीब 65 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के पास मंगतवाला में 1851 में जन्मे राय बहादुर गंगाराम पेशे से एक सिविल इंजीनियर और वास्तुकार थे। उन्होंने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर की शहरी संरचना में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लाहौर उच्च न्यायालय, एटचिसन कॉलेज, हेली कॉलेज ऑफ कॉमर्स, लाहौर म्यूजियम, मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स आदि के भवनों का डिजायन तैयार किया था। सर गंगाराम ने लाहौर में अस्पताल के निर्माण के लिएजमीन दान में दी। लाहौर के मौजांग क्षेत्र में 1921 में सर गंगाराम अस्पताल की स्थापना हुई। लंदन में वर्ष 1927 में 76 वर्ष की उम्र में सर गंगाराम का निधन हुआ।

डांस दीवाने में माधुरी दीक्षित के प्यारे अंदाज ने दिलायी सरोज खान की याद

माधुरी दीक्षित ने हमेशा ही अपने नृत्य कौशल से सबको मंत्र.मुग्ध किया है और ऐसा होना तो लाजिमी है क्योंकि वह इस क्षेत्र की बेहतरीन, महान डांसर सरोज खान को अपना आदर्श मानती हैं। इन दोनों ने बॉलीवुड के अब तक के सबसे यादगार और पसंद किये गये डांस परफार्मेंस दिये हैं।

इस बार कलर्स के डांस दीवाने में सिज़ा और पल्लवी की डांस परफार्मेंस को देखकर माधुरी को अपनी मास्टरजी सरोज खान की याद आ गयी। उनकी यह परफॉर्मेंस माधुरी के लिये थी। तबाह हो गए् पर उनकी ज़बर्दस्त परफार्मेंस को देखकर माधुरी और बाकी सारे जज हैरान रह गये।

उनकी परफार्मेंस देखकर माधुरी दीक्षित भावुक हो गयीं और उन्होंने कहा पल्लवी और सिज़ा अपने डांस मूव्स में इतनी कमाल की थीं कि उन्हें सरोज खान की याद आ गयी। माधुरी दीक्षित कहती हैं शानदार परफार्मेंस। आपका डांस देखकर ऐसा लगा कि साक्षात सरोज जी मेरे सामने खड़ी हैं। ष्तबाह हो गएष् सरोज जी के साथ मेरा आखिरी गाना था। वो यादें जब उन्होंने मुझे डांस सिखाया था आज फ्रि से ताज़ा हो गयीं। मुझे आज भी याद है अच्छी परफार्मेंस के लिए वो 101 रूपये का ईनाम देती थीं। आज उनकी ओर से मैं आप दोनों को 101 रुपये का पुरस्कार देना चाहती हूं। माधुरी दीक्षित इतनी भावुक हो गईं कि उनकी आंखों में आंसू आ गये थे। खैर, इसे कहते हैं डांस की ताकत!

करण वोहरा ने कलर्स के शो पिंजरा खूबसूरती का में एक दबंग एसीपी राघव शास्त्री के रूप में की एंट्री

कलर्स के लोकप्रिय शो पिंजरा खूबसूरती का ने अपनी जबर्दस्त कहानी से दर्शकों को सम्मोहित कर रखा है। कहानी को और दिलचस्प बनाने के लिए कुछ मज़ेदार किरदार को पहली बार शो में शामिल किया जायेगा। इस शो की प्रमुख किरदार मयूरा रिया शर्मा अभिनीत ने बहुत सारी चुनौतियों का सामना करते हुए जिन्दगी में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। ओमकार साहिल उप्पल अभिनीत ने भी हालातों से सबक लेते हुए अपने आप को बदल लिया है । मयूरा के प्रति उसका नजरिया बदल गया है, वह उसे एक अलग नजर से देखने लगा है। शो के मौजूदा ट्रैक में दिखाया जा रहा है कि ओमकार, विशाखा की एक पहेली सुलझाता है और तारा को बचाने के लिए हवेली की तरफ भागता है। बाद में विशाखा मयूरा को हवेली की तरफ आकर्षित करती है ताकि ओमकार और मयूरा के बीच गलतफहमी पैदा हो जाये। विशाखा के झांसे में आकर मयूरा मान लेती है कि तारा को ओमकार ने वहाँ रखा है। पूरे वक्त अंधा बने रहने का नाटक करने पर मयूरा ओमकार से काफी नाराज़ हो जाती है। वह ओमकार को बहुत फटकारती है और तारा को लेकर हॉस्पिटल की तरफ भागती है।

उपेक्षा का दंश झेल रहा प्राचीन वाणेश्वर बनीपारा महादेव मंदिर

रविकान्त दुबे, कानपुर देहात

महाभारतकालीन प्राचीन वाणेश्वर महादेव मॅंदिर उपेक्षा का दॅंश झेल रहा है। धार्मिक पर्यटन की अपार सॅंभावनायें समेटे जिनई बनीपारा के विशाल शिवलिंग वाले मॅंदिर की स्थापना दैत्यराज वाणासुर ने की थी।

आज भी सबसे पहले शिवलिंग का पूजन करती है ऊषा

कानपुर देहात। मान्यता है कि आज भी जब गृभगृह के दरवाजे खोले जाते है तो शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ बेलपत्री, धतूरा चढा मिलता है मॅंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा शिवलिंग पर प्रथम जलाभिषेक व पूजन अर्चन करती है।

जनपद के प्रमुख कस्बे रूरा से रूरा मिण्डाकुॅंआ मार्ग पर 7 किमी की दूरी पर स्थित वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के विषय में विभिन्न प्रकार की मान्यतायें हैं। रूरा बनीपारा सहित क्षेत्रीय बुर्जग ग्रामीण बताते है कि दैत्यराज वाणासुर ने भगवान शिव की घोर तपस्या की थी वाणासुर ने महादेव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर अपने महल में रहने का वरदान मॉंगा। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वाणासुर की पुत्री ऊषा ने भगवान शिव को अपनी तपस्या से प्रसन्न किया था जिसके फ्लस्वरूप भगवान शिव ने उसको वरदान स्वरूप अपने राज्य में स्थापित होने को बाध्य होना पडा। भगवान शिव ने अपने वरदान के परिणाम पर चिन्तन शुरू किया तो अनिष्ट की आशॅंका के चलते दैत्यों द्वारा अपने स्वरूप के दुरूपयोग पर शिवलिंग को रास्ते में कहीं भी जमीन पर न रखने की शर्त रख दी। वरदान के बाद भगवान शिव के विशाल शिवलिंग को लेकर वाणासुर अपने महल की ओर चला रास्ते में उसे जोर की लघुशॅंका लगी तभी उसे एक चरवाहा दिखा चरवाहा को वाणासुर शिवलिंग सौंप कर लघुशॅंका का निवारण करने लगा। इसी बीच चरवाहा शिवलिंग का भारी भार बर्दाश्त नहीं कर पाया और शिवलिंग को जमीन पर रख दिया।

वाणासुर जब वापस लौटकर आया तो शिवलिंग को जमीन पर रक्खा देखकर बहुत नाराज हुआ और चरवाहा को बुला भला कहा। उसके बाद वाणासुर ने विशाल शिवलिंग को धरती से उठाने का भरसक प्रयास किया परन्तु शिवलिंग टस से मस न हुआ मजबूरी में वाणासुर को वहीं शिवलिंग की स्थापना करनी पडी। यही मॅंदिर वाणेश्वर महाराज जिनई बनीपारा के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

श्रावण के सोमवार व महाशिवरात्रि का है विशेष महत्व

कनपुर देहात। सावन के सोमवारो व महाशिवरात्रि को शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से भक्तों के सभी मनवॉंछित फ्ल प्राप्त हो जाते है। शिवरात्रि से होली तक जिनई बनीपारा में विशाल मेला लगता है। जिसमें हजारों की सॅंख्या में क्षेत्रवासी वर्षो से आकर सिंघाडदाना, स्वादिष्ट मीठे बेर सहित अन्य खाद्य व घरेलू उपयोगी पदार्थों की खरीददारी करते है।

5 बिस्वा काशी के पुण्यफल की मान्यता है यहां

कानपुर देहात। पूर्व प्रधान बनीपारा रामहित सिंह ने बताया कि बनीपारा के देवकीपुरवा के पास काशीतालाब करीब 5 बिस्वा के क्षेत्रफ्ल के आकार का पूर्व में स्थापित था, जो आज सिमटकर अपने असतित्व की बॉट जोहता नजर आता है। इस 5 बिस्वा जमीन के विषय में अर्से से मान्यता है कि देवाधिदेव महादेव की नगर की काशी के पुण्यफ्ल का 5 बिस्वा हिस्सा यहॉं स्थित रहा है।

श्रोणितपुर (केशीपुर) पाताल मार्ग से होकर करते थे पूजा

- केशीपुर में खुले में रखा शिवलिंग का आकार वाणेश्वर के बराबर
- महाभारतकालीन सात बहनों की मूर्तियॉं भी नजदीक में हैं स्थापित

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा रूरा स्थित वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के पास स्थित अपने महल से करीब 5 किमी की दूर पर महाभारत कालीन श्रोणितपुर(अब केशीपुर) में दैत्यराज वाणासुर व उसकी पुत्री ऊषा पाताल मार्ग से भगवान शिव के विशाल शिव लिंग की अराधना करने आते थे। यहॉं महाभारतकालीन ही भगवान शिव की परमभक्त रही सातबहनों का मॅंदिर भी स्थित था, आज भी यहॉं खुले आसमान के नीचे जमीन पर रक्खा विशाल शिवलिंग व सात बहनों की मूर्तिया इतिहास की सच्चाई बयान करते नजर आती है।

वाणासुर व भगवान कृष्ण के मध्य युद्ध में धवस्त हो गया था महल

कानपुर देहात। दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा को भगवान कृष्ण के पौत्र अनिरूद्ध से प्रेम हो गया। इस बात से नाराज हो वाणासुर ने अनिरूद्ध को कैद कर लिया। भगवान कृष्ण को जब अपने पौत्र की कैद के सम्बन्ध में जानकारी हुयी तो उन्हों दैत्य राज की नगरी में धावा बोल उसके महल का विध्वॅंस कर अनिरूद्ध को कैद से मुक्ति दिलायी।

ऊषा बुर्ज व ऐतिहासिक रानी तालाब का असतित्व सॅंकट में

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा के वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के पास स्थित रानी तालाब देख रेख के अभाव में अपने असतित्व के सॅंकट से जूझता नजर आ रहा है। ऊषा बुर्ज के सम्बन्ध में कई किदवॅंतियॉं प्रचलित है अलग–अलग लोग ऊषा बुर्ज के स्थान पर भिन्न राय रखते नजर आ रहे है।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 203
लखनऊ, रविवार, 16 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

माधुरी दीक्षित ने दिलायी सरोज खान की याद
विविध-12

प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू 24 तक फिर बढ़ा

गांवों में कोरोना रोकने को सरकार ने कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- 59 आईएएस अफसरों को बनाया 75 जिलों का नोडल अफसर
- पंजीकृत पटरी दुकानदारों को आर्थिक सहायता के रूप में 1000 रुपया तथा तीन महीने का राशन देने का भी निर्णय

कोविड संक्रमण से जंग में कोरोना कर्फ्यू का प्रभावी असर दिखने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे एक बार फिर बढ़ा दिया है। प्रदेश में अब 24 मई की सुबह सात बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा। कोरोना कर्फ्यू बढ़ाने का फैसला लेने से पहले सीएम ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक करके सभी की सहमति ली। इसके साथ ही सरकार ने सभी पंजीकृत पटरी दुकानदारों को आर्थिक सहायता के रूप में 1000 रुपया देने का भी निर्णय लिया गया। इन सभी को प्रदेश सरकार तीन महीने का राशन भी देगी।

दूसरी ओर यूपी के शहरों के बाद गांवों में कोरोना संक्रमण की दस्तक को देखते हुए योगी सरकार ने आज बड़ा फैसला लिया है। एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के 59 अफसरों को 75 जिलों का नोडल अधिकारी बनाया गया है। यह सभी अधिकारी सम्बंधित जिलों में एक सप्ताह तक रुकेंगे। यह अधिकारी कोरोना संक्रमण की रोकथाम और सीएचसी, पीएचसी में ऑक्सीजन के अलाव बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने का काम करेंगे। यह सभी जिला प्रशासन के कार्यों का निरीक्षण भी करेंगे। जिलों से वापस आकर शासन को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे। कोरोना की जंग में सीएम योगी के अचानक अपनी रणनीति को बदलने के पीछे कोरोना संक्रमण का गांवों की ओर प्रसार है। जिसे देखते हुए सीएम योगी ने अपनी रणनीति को बदला है। अब उनका फोकस गांवों में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के संक्रमण पर अंकुश लगाने का है। योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को टीम-9 के साथ अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस संक्रमण पर समीक्षा बैठक के दौरान सभी को अब गांवों पर अधिक फोकस करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में 75 जिलों में 59 अफसरों को नोडल अफसर बनाया गया है। अपर मुख्य सचिव के साथ ही प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी गांवों में बढ़ रहे कोरोना वायरस संगिमण पर अंकुश लगाने के प्रयास में जिला प्रशासन के कार्य पर नजर रखेंगे। नोडल अधिकारी जिलाधिकारी तथा सेक्टर प्रभारी के रूप में तैनात जिला प्रशासन के अधिकारी से रोज रिपोर्ट लेंगे। योगी सरकार ने जिन 59 अफसरों को नोडल अफसर के रूप में तैनात किया है, वे सभी जिलों में एक सप्ताह तक प्रवास करेंगे। ये लोग कोरोना संक्रमण की रोकथाम के उपाय सुझाने के साथ सीएचसी व पीएचसी में ऑक्सिजन बेड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के जिला प्रशासन के कार्यों का निरीक्षण करेंगे। एक सप्ताह के निरीक्षण के बाद आकर यह सभी शासन को अपनी रिपोर्ट देंगे। कोविड प्रबंधन में निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए अब हर जनपद में सचिव अथवा उससे उच्च स्तर के एक अधिकारी को नामित किया गया है।

ब्लैक फंगस से बचाव के इंतजाम शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड संक्रमण की धीमी होती रफ्तार के बीच पैर पसारते ब्लैक फंगस नाम की बीमारी से बचाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसजीपीजीआई, लखनऊ में ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार की दिशा तय करने के लिए 12 सदस्यीय वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम गठित कर दी गई है। (विस्तृत पेज 2)

चौबीस घंटे में 1010 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में आक्सीजन की सप्लाई बढ़ाए जाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गयी है। बीते 24 घंटे में 1010.50 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति प्रदेश भर मे की गयी है। सेल्फ प्रोडक्शन के तहत एयर सेपरेटर्स यूनिट्स के माध्यम से 64.30 मीट्रिक टन आक्सीजन आपूर्ति भी की गयी है। बीते 24 घंटे में रिफीलर्स की आक्सीजन मांग 754.99 के सापेक्ष 820.88 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गयी। होम आईसोलेशन के 3900 मरीजों को भी कुल 29.23 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति सिलेण्डरों के माध्यम से बीते 24 घंटों में की गयी। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते चैबीस घंटे में प्रदेश भर में हुई आक्सीजन की सप्लाई का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि 612.98 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है।

कल से मंडल मुख्यालय वाले सभी जिलों में 18 से 44 आयु वर्ग का होगा टीकाकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार को कोरोना से बचाव के लिए टीका लगवाती एक युवती

योगी सरकार कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान को फिर नया विस्तार देने जा रही है। आगामी सोमवार से प्रदेश के मंडल मुख्यालय वाले सभी जिलों में भी 18 से 44 आयु वर्ग का टीकाकरण शुरू करने के शनिवार को सीएम योगी ने निर्देश दिए हैं। सरकार के इस कदम से बस्ती, विंध्याचल धाम, आजमगढ़, देवीपाटन और चित्रकूटधाम मंडल मुख्यालय के जिले को लोगों के वैक्सीनेशन का रास्ता साफ हो गया है। टीम-9 की बैठक में सीएम योगी ने कहा है कि वैक्सीनेशन के प्रथम दिवस लोगों के उत्साहवर्धन के लिए इन जिलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए।

वैक्सीन सेंटर तय करते समय यह ध्यान रखें कि स्थल पर प्रतीक्षालय के लिए खुला स्थान हो और कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन हो सके। सीएम योगी ने कहा कि सभी नागरिकों का वैक्सीनेशन नि:शुल्क है। कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन हो, इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था लागू की गई है। निरक्षर, दिव्यांग, निराश्रित, श्रमिक अथवा अन्य जरूरतमंद लोगों का टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर टीकाकरण पंजीयन की सुविधा प्रदान करना सुविधाजनक होगा। इस संबंध में तत्काल आवश्यक व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही 45 साल से ज्यादा आयु के लोगों को द्वितीय डोज के लिए ऑन स्पॉट पंजीयन की सुविधा जारी रखने के निर्देश दिए गए है। मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञों के आंकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने पर जोर दिया और सभी जिला अस्पतालों में न्यूनतम 10-15 बेड और मेडिकल कॉलेज में 25-30 बेड की क्षमता वाले पीडियाट्रिक आईसीयू को तैयार कराया जाने के निर्देश दिए। मंडल मुख्यालय पर न्यूनतम 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू होना चाहिए। गोरखपुर व बस्ती मण्डल में इंसेफेलाइटिस के दृष्टिगत स्थापित 'पीकू' की तर्ज पर अन्य जिलों में व्यवस्था की जानी चाहिए। आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, मेडिसिन आदि की उपलब्धता करा ली जाए। गौरतलब है कि योगी सरकार ने एक मई से प्रदेश के अधिक संक्रमण वाले सात जिलों में 18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया था। पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और मेरठ में टीकाकरण शुरू किया गया था। दूसरे चरण में आगरा, झांसी, गाजियाबाद, मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, अयोध्या, फैजाबाद, शाहजहांपुर, मथुरा-वृन्दावन, फिरोजाबाद नगर निगम तथा गौतमबुद्ध नगर में टीकारण शुरू किया गया। सीएम योगी ने कहा कि अभियान को सोमवार से अच्छे ढंग से आगे बढ़ाया जाए। टीकाकरण में शामिल जनपदों के युवाओं को ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में 1,000 से कम रहे मामले

- कोरोना के 8,404 मरीज संक्रमण मुक्त, 12,547 नए मामले, 281 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 281 मरीजों की मौत हुई जबकि संक्रमण के 12,547 नए मामले सामने आए हैं। लंबे समय बाद शनिवार पहला ऐसा दिन रहा जब प्रदेश के सभी जिलों में संक्रमण के नए मामले 1,000 से कम रहे। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में संक्रमण की दर निरंतर कम हो रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में प्रदेश में 12,547 नए मामले सामने आए हैं जबकि 30 अप्रैल को 38 हजार नए मामले सामने आए थे। 30 अप्रैल को लगभग 3.10 लाख उपचाराधीन मामलों के सापेक्ष शनिवार को यह संख्या 1,77,643 हो गई है।

सहगल के मुताबिक राज्य में पिछले 24 घंटों में 281 मरीजों की मौत के बाद अब तक संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 17,238 हो गई है। 12,547 नए मामले आने के बाद राज्य में अभी तक संक्रमितों हुए लोगों की संख्या बढ़कर 16,09, 140 हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में नए मामलों की अपेक्षा स्वस्थ होकर घर जाने वालों की संख्या बढ़ी है और शनिवार को 12,547 नए मरीजों के सापेक्ष 28,404 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में 14,14,259 मरीज कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए हैं। सहगल ने बताया कि राज्य में शुक्रवार को 2.56 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई और अब तक 4.44 करोड़ से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। आज जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार लंबे समय बाद शनिवार पहला ऐसा दिन रहा जब प्रदेश के सभी जिलों में संक्रमण के नए मामले 1,000 से कम रहे।

देश में 3.26 लाख नए केस, 3,890 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में एक दिन में 3,26,098 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कोविड-19 के मामले बढ़कर 2,43,72,907 हो गए हैं, जबकि 3,890 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,66,207 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या गिरकर 36,73,802 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.07 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सुधरकर 83.83 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 2,04,32,898 हो गई है जबकि संक्रमण से मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई है। देश में कोविड-19 के मरीजों की संख्या पिछले साल सात अगस्त को 20 लाख को पार कर गई थी। वहीं कोविड-19 मरीजों की संख्या 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गई थी।

सात साल पहले की फोटो ट्वीट करने पर पूर्व आईएएस के खिलाफ मामला दर्ज

उन्नाव (भाषा)। सात साल पहले की शवों की फोटो ट्वीट कर लोगो के मन में भ्रम फैलाने के आरोप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सूर्यप्रताप सिंह के खिलाफ यहां कोतवाली में एक मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्नाव कोतवाली के थाना प्रभारी दिनेशचंद्र मिश्र ने बताया कि सिंह के खिलाफ जिले के संभ्रात नागरिकों की शिकायत पर 13 मई को मामला दर्ज किया गया। मिश्र की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि शहर के कई संभ्रात नागरिकों द्वारा बताया गया कि सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश काडर के सेवानिवृत्त आईएएस सूर्यप्रताप सिंह ने एक ट्वीट किया है, जिसमें लिखा है कि 67 शवों को सरकार ने गंगा तट पर जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफन करा दिया है। इसमें राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार के कामकाज के तरीके पर भी प्रश्न उठाए गए थे। मिश्र ने प्राथमिकी में कहा है कि इस ट्वीट से जिले का माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

चित्रकूट जेल में वसीम काला सहित दो अपराधियों की हत्या

- एनकाउंटर में शार्प शूटर भी मारा गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चित्रकूट जेल शुक्रवार को गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठी। सीतापुर के शार्प शूटर अंशुल दीक्षित ने दो टॉप मोस्ट अपराधियों वसीम काला और मिराजुद्दीन को गोलियों से भून डाला। बाद में पुलिस ने मुठभेड़ में अंशुल उर्फ अंशू को भी मार गिराया। मिराजुद्दीन मुख्तार गैंग का शातिर अपराधी बताया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पुलिस के आला अधिकारियों से 6 घंटे में पूरी रिपोर्ट मांगी और रिपोर्ट आने के बाद ही देर शाम जेल अधीक्षक व जेलर समेत पांच कर्मियों को निलम्बित कर दिया गया। जेल सूत्रों के मुताबिक शातिर अपराधी अंशुल कई महीने से जेल में निरुद्ध है। वेस्ट यूपी के गैंगस्टर वसीम काला और पूर्वांचल के माफिया सरगना मुख्तार अंसारी गैंग के गुर्गे मिराजुद्दीन को भी काफी दिनों पहले चित्रकूट जेल में लाया गया था। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे सभी बंदी व कैदी अपनी-अपनी बैरकों से निकलकर नाश्ता करने के लिए मेस की तरफ जा रहे थे। इसी बीच सीतापुर का अंशू दीक्षित, वाराणसी के शार्प शूटर मेराज अली की बैरक के पास पहुंचा। दोनों बातें करने लगे। थोड़ी देर में ही पश्चिम यूपी का अपराधी मुकीम काला भी वहां आ गया। तीनों में किसी बात को लेकर नोकझोंक होने लगी। जिसे देखकर ए एक बंदी रक्षक दौड़कर पहुंचा लेकिन उससे पहले ही अंशू ने पिस्टल निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दीं। पहले मुकीम और फिर मेराज को मौत के घाट उतार दिया। गोली चलती देख बंदी रक्षक भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद जेल परिसर में में अफरातफरी मच गई। तमाम कैदी और बंदी भाग कर अपनी-अपनी बैरकों में घुस गए। मुकीम व मेराज को मारने के बाद अंशू भी एक बैरक में घुस गया। उसने पांच कैदियों को भी पिस्टल के निशाने पर लेकर बंधक बना लिया। करीब साढ़े नौ बजे जेल अधीक्षक ने एसपी अंकित मित्तल व डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल को फोन किया। जेल में गैंगवार की खबर पाकर अधिकारी पुलिस बल के साथ 10.15 बजे जेल पहुंचे। पुलिस ने उस बैरक को घेर लिया जिसमें अंशु कैदियों को बंधक बनाए था। उसे आत्मसमर्पण के लिए ललकारा गया लेकिन वह पुलिस पर गोली चलाने लगा। पुलिस उलटे पैर भागी।

जेल अधीक्षक व जेलर सहित पांच कर्मी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने तलब की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजी कारागार से चित्रकूट जेल में हिंसा पर छह घंटे के अंदर रिपोर्ट तलब की और फिर उनके शुक्रवार को देर शाम शासन ने जिला कारागार चित्रकूट के अधीक्षक एसपी त्रिपाठी और जेलर महेंद्र पाल को निलंबित कर दिया है। जेल अधीक्षक को पहली नजर में प्रशासनिक अक्षमता, दायित्वों के प्रति उदासीनता और कर्तव्यविमुखता का दोषी पाया गया है। निलंबन के साथ ही जेल अधीक्षक को डॉ. संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ से संबद्ध किया गया है। दोनों अधिकारियों के खिलाफ उप्र सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली-1999 के नियम सात के तहत अनुशासनिक कार्यवाही भी शुरू की गई है। निलंबन का आदेश अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने जारी किया है। जेल अधीक्षक व कारापाल के निलंबन के बाद शासन ने जिला कारागार कासगंज के अधीक्षक अशोक कुमार सागर को जिला कारागार चित्रकूट के जेल अधीक्षक तथा जिला कारागार अयोध्या के कारापाल सीपी त्रिपाठी को जिला कारागार चित्रकूट में कारापाल के पद पर स्थानांतरित किया है। उप महानिरीक्षक कारागार लखनऊ परिक्षेत्र संजीव त्रिपाठी को उप महानिरीक्षक कारागार प्रयागराज के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इन्हें अयोध्या परिक्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

पिता ने पुत्री व उसके प्रेमी को कुल्हाड़ी से काट डाला

घाटमपुर। कोतवाली की पुलिस चौकी पतारा क्षेत्र के गांव बिरहिनपुर मजरा बलाहापारा में अवैध संवंन्धों को लेकर पिता ने पुत्री व उसके प्रेमी को कुल्हाड़ी से काट डाला। सरे आम इस लोमहर्षक वारदात के समय मुहल्ले के तमाम लोग मौजूद थे लेकिन हत्यारे का रौद्र रूप देख किसी की रोकने की हिम्मत नहीं पड़ी। सूचना पर पंहुची कोतवाली पुलिस हत्यारे को मय कुल्हाड़ी के हिरासत में लेकर कोतवाली ले आयी। बताया जाता है कि गांव निवासी रामआसरे पत्नी के साथ शादी में गया था, घर में पुत्री सपना (18) व छोटा भाई थे। तभी रात में मौका पाकर पड़ोसी बैजनाथ का पुत्र कल्लू उर्फ शालू घर में घुस गया। चर्चा है कि तभी मुहल्ले वालों ने बाहर से कुंडी बंद कर घटना की जानकारी मोबाइल से रामआसरे को दी।

कोरोना की पहली लहर के बाद सरकार, प्रशासन लोग सभी लापरवाह हो गए थे : भागवत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- सरसंघचालक ने लोगों से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुट और सकारात्मक बने रहने की अपील की
- कहा, यह एक दूसरे पर अंगुली उठाने का उपयुक्त समय नहीं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने लोगों से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुट और सकारात्मक बने रहने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस की पहली लहर के बाद सरकार, प्रशासन और जनता के लापरवाह होने के कारण वर्तमान स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पॉजिटिविटी: अनलिमिटेड व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में एक दूसरे पर अंगुली उठाने की बजाए हमें एकजुट रहना होगा और एक टीम की तरह कार्य करना होगा। उन्होंने कहा, हम इस परिस्थिति का सामना कर रहे हैं क्योंकि सरकार, प्रशासन और जनता, सभी कोविड की पहली लहर के बाद लापरवाह हो गए जबकि डाक्टरों द्वारा संकेत दिए जा रहे थे।

सरसंघचालक ने कहा कि अब तीसरी लहर की बात हो रही है। लेकिन हमें डरना नहीं है। हम चट्टान की तरह एकजुट रहेंगे। भागवत ने कहा कि सभी को सकारात्मक रहना होगा और मौजूदा परिस्थिति में स्वयं को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने (नेगेटिव) के लिए सावधानियां बरतनी होंगी। उन्होंने कहा कि यह एक दूसरे पर अंगुली उठाने का उपयुक्त समय नहीं है और वर्तमान परिस्थितियों में तर्कहीन बयान देने से बचना चाहिए। भागवत ने कोरोना वायरस संक्रमण के संदर्भ में कहा, जब विपत्ति आती है तो भारत के लोग जानते हैं कि सामने जो संकट है, उसे चुनौती मानकर संकल्प के साथ लड़ना है। उन्होंने कहा, लोग जानते हैं कि यह हमें डरा नहीं सकती। हमें जीतना है। जब तक जीत न जाएं तब तक लड़ना है। उन्होंने कहा, थोड़ा सी गफलत हुई। शासन-प्रशासन और लोग..सभी गफलत में आ गए, इसलिए यह आया। मोहन भागवत ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय इंग्लैंड की स्थिति का जिक्र किया, जब ऐस लग रहा था कि सब कुछ उसके वितरीत जा रहा हो। भागवत ने तब के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल को उद्धृत किया जिसमें उन्होंने कहा था कि इस कार्यालय में कोई निराशावादी नहीं है, हमें हार की संभावना में कोई रूचि नहीं है, इसका कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसे ही इस परिस्थिति में हमें साहस नहीं छोड़ना है। हमें संकल्पबद्ध रहना है।

प्रधानमंत्री ने कोविड-19 की ताजा स्थिति की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करने और वहां स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में देश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति और टीकाकरण अभियान की समीक्षा की तथा सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोकथाम की रणनीति पर काम करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करने और वहां स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सभी आवश्यक संसाधनों से लैस करने और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बैठक में प्रधानमंत्री के समक्ष राज्य और जिलावार कोविड-19 की स्थिति, जांच, ऑक्सीजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य ढांचे और टीकाकरण की रूपरेखा के बारे में प्रस्तुति दी गई। बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा, जिन राज्यों के जिन जिलों में संक्रमण के मामले अधिक हैं, वहां स्थानीय निषिद्ध क्षेत्र रणनीति समय की मांग है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच तेज करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आंकड़े अधिक आएं लेकिन राज्यों को बगैर किसी दबाव के पारदर्शिता से आंकड़े जारी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया ताकि घर-घर जाकर जांच की जा सके और निगरानी रखी जा सके। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पृथकवास की स्थिति में उपचार संबंधी दिशा निर्देशों को आसान भाषा में उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक वितरण योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ऑक्सीजन संबंधी उपकरणों के संचालन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल ना हो पाने संबंधी खबरों को गंभीरता से लिया और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए वेंटिलेटर्स के हिसाब की जांच करने का निर्देश दिया।

हवन के सहारे

कोरोना संकट के निपटने के लिये सीएम योगी की रात-दिन की मेहनत के बीच भाजपा की एक महिला नेता ने लोगों को हवन करने की नसीहत दी है और कहा है कि इससे पूरे देश ही नहीं पूरी दुनियां को कोरोना से मुक्ति मिलेगी। इस महिला नेता ने पहला हवन कर भी डाला है। हवन के अगले कई चरण होने है। कुल कितने होगा इसका कुछ अता-पता नहीं है। फिलहाल जनता से कहा गया है कि बस हवन करते जाएं। सब कुछ ठीक होगा। हवन से कोरोना भागेगा या नहीं, यह तो वक्त ही बतायेगा लेकिन भाजपा की इस महिला नेता का संदेश भाजपा संगठन और सरकार में चर्चा का विषय बना है। लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं और कुछ तो इस महिला नेता के अतीत के हवनों की सफलता का तर्क देते घूम रहे हैं। इस महिला नेता ने कभी मिर्जापुर के विन्ध्याचल मंदिर में भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के लिये हवन-अनुष्ठान कराया था। जिसमें वह अपने मकसद में सफल भी रहीं थीं। अब देखना यह होगा कि इस बार उनका हवन-अनुष्ठान सफल होगा या नहीं। वैसे कोरोना संक्रमण इस हवन से जाए या न जाऐ लेकिन सन्नाटे में दिन गुजार रही इस महिला नेता की चर्चा सत्ता के चौखट पर जरूर शुरू हो गई है।

बदले-बदले सरकार...

कहते है कि उड़ती चिड़ियां के पंख गिनने वाले लोग समय की नजाकत को जानकर मौके का फायदा उठाते हैं। उप्र में भी कुछ ऐसे वरिष्ठ अधिकारी हैं जिन्होंने 2022 को देखते हुए अभी से सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। कई बैठकों में जो अधिकारी बढ़-बढ़कर बोलते थे उन्होंने अब ऐसे मौकों पर चुप्पी साध ली है। ऐसे नौकरशाह यह नहीं चाहते हैं कि इनके ऊपर किसी पार्टी की मुहर लगे ताकि 2022 में उनका खेल न बिगड़े। यह बात बिल्कुल सही है कि नेता तो चुनाव आने पर पार्टी बदलते हैं लेकिन अधिकारी यह तैयारी साल भर से पहले ही करने लगते हैं। इसी का नतीजा होता है कि सरकार का गठन होते ही लोग मलाईदार पोस्ट पर काबिज हो जाते हैं। ऐसे ही कुछ अधिकारी हैं जिन्होंने अब चाय की चुस्की पर राजनीतिक बातों पर विराम दे दिया है। जो कल तक पूछते थे कि और क्या चल रहा है वह आज कहते हैं कि मुझे राजनीति से क्या मतलब है। सरकार जहां भेजेगी वहां काम करेंगे। अब साहब की इस बदली भाषा मतलब साफ है कि वह 2022 की नई पारी में मजबूती से खेलने के लिए अभी से फिल्डिंग में लग गए हैं।

खत का असर

जब पूरा शहर महामारी से संघर्ष कर रहा था तो उस समय अपने चिकित्सा संस्थान के मुखिया अवकाश पर चल रहे थे। कहने को तो कोरोना से ग्रसित थे पर इतना लंबा कोरोना खींच देगा इसका अंदाजा किसी को नहीं था। बीच में मुखिया आये भी और तुरंत निकल गए फिर अवकाश पर। ऐसे में रामभरोसे चल रहे संस्थान की चाभी सरकार को दूसरे को देनी पड़ गई। इस बीच महामारी के खिलाफ सरकारी तैयारियों की पोल खोलने वाले सांसद के फेर में मुखिया भी आ गए। सांसद ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुखिया पर लंबे चौड़े पत्र लिख कर ऊपर बढ़ा दिया। सांसद के पत्र की खबर की खबर जैसे ही बयार बन कर बहना शुरू हुई। उसके दो दिन बाद ही मुखिया ड्यूटी पर आ गए जबकि अभी उनकी कुछ छुट्टियां बाकी थी। आते ही बैठकों का दौर शुरू हो चला है। फिलहाल खत का असर मुखिया जी पर हुआ जरूर है।

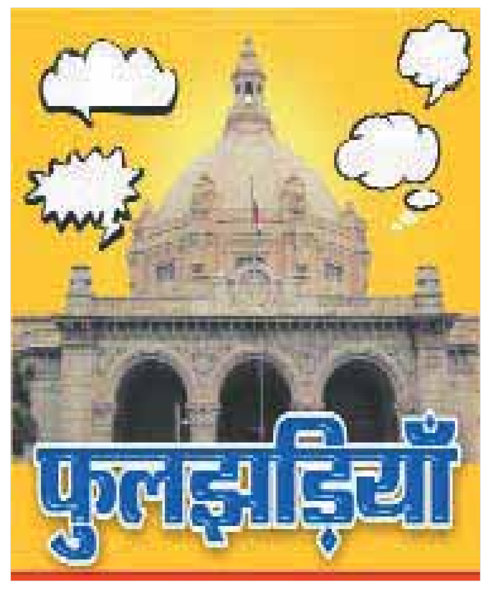

गौ-सेवक नंदन

गाय और श्याम का काफी पुराना नाता रहा है। देखा जाए तो गाय से श्याम का काफी लगाव भी रहा है लेकिन यह बात त्रेता युग की है। अब तो कल युग चल रहा है। बगैर फायदे के कोई कुछ नहीं करता। इस कलयुग में भी श्याम ने बहुत से वायदे किए कि मैं गो सेवा करूंगा। गाय माता की रक्षा करूंगा। उन्हें कोई कष्ट नहीं होने दूंगा। सारे आश्वासन देने के बाद बड़े महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर आखिरकार वे गो सेवा करने वाले मठाधीश बन ही गए। गो सेवा के नाम पर गाड़ी मिल गई। ऑफिस मिल गया। आवास मिल गया। लेकिन कभी गो सेवा की याद नहीं आई। श्याम ने पूरा वर्ष गो सेवा के नाम पर अपने कार्यालय में कुछ करने के बजाय करोना करोना कह कर बिता दिया। देखते ही देखते पूरा वर्ष भी समाप्त हो गया। अब श्याम जी को एक बार फिर गो सेवा की याद आईए और फिर उन्होंने बड़े महाराज की चरण वंदना शुरू कर दी। साथ ही आश्वासन भी दिया कि वह पूर्व की अपेक्षा गो सेवा और अधिक करेंगे। बड़े महाराज प्रसन्न हो गए और उन्हें फिर गो सेवा का मठाधीश बना दिया। श्याम एक बार फिर कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं अब देखना यह है कि श्याम अपने वायदे के मुताबिक गो सेवा करते हैं या फिर पूर्व की तरह करोना करोना का मंत्र जपते जपते समय बिता देंगे।

मचने लगी हलचल

खा की महकमे में सुधार के लिए योजनाएं बनाने की अहम जिम्मेदारी संभाल रहे महकमे के पूर्व मुखिया एकाएक फिर सक्रिय हो गए हैं। उनकी सक्रियता यूं ही नहीं है। दरअसल महकमे के वर्तमान मुखिया का रिटायरमेंट नजदीक आ गया है। ऐसे में नए मुखिया की तलाश शुरू हो चुकी है। भगवा सरकार के महाराज पूर्व मुखिया पर काफी भरोसा रखते हैं। पिछली बार भी उन्हीं की सलाह से नए मुखिया का नाम तय किया था। माना जा रहा है कि इस बार भी उनकी ही चलेगी। खबर है कि मुखिया बनने की रेस में शामिल अफसरानों ने पूर्व मुखिया से तार जोड़ने भी शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उनके खास लोगों से अपनी पैरवी करवाई जा रही है। इसके साथ ही सत्ता शीर्ष पर बैठे ब्यूरोक्रेट्स व राजनेताओं की परिक्रमा भी इन अफसरों ने शुरू कर दी है। नियम के मुताबिक भगवा सरकार को अफसरों के नाम का पैनल यूपीएससी को भेजना होगा। यूपीएससी सभी नामों पर विचार करने के बाद उनमें से तीन नाम सरकार को वापस भेजेगा है। इन्हीं तीन में से किसी एक अफसर को नए मुखिया के रूप में तैनाती मिलेगी। वह भाग्यशाली अफसर कौन होगा जिसके सिर महकमे के मुखिया पद का ताज सजेगा। अब इसका खुलासा तो अगले महीने के आखिर में वर्तमान मुखिया के रिटायर होने के बाद ही होगा। तब तक इंतजार ही करना होगा।

ब्लैक फंगस से बचाव के इंतजाम शुरू

एसजीपीजीआई में 12 डॉक्टरों की टीम गठित, तय करेगी इलाज की दिशा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड संक्रमण की धीमी होती रफ्तार के बीच पैर पसारते ब्लैक फंगस नाम की बीमारी से बचाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसजीपीजीआई, लखनऊ में ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार की दिशा तय करने के लिए 12 सदस्यीय वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम गठित कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने टीम-9 की बैठक में प्रदेश में ब्लैक फंगस की स्थिति की जानकारी लेते हुए इस मामले में प्रो-एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि विशेषज्ञों के मुताबिक कोविड से उपचारित मरीजों खासकर अनियंत्रित मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगों में ब्लैक फंगस की समस्या देखने में आई है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार इसके उपचार में उपयोगी दवाओं की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा है कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए आवश्यक गाइडलाइन जारी कर दी जाए। सभी जिलों के जिला अस्पतालों में इसके उपचार की सुविधा दी जाए।

इस बीच एसजीपीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन की अध्यक्षता में विशेष टीम ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों के डॉक्टरों को इलाज के बारे में प्रशिक्षण दिया। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला में डॉक्टरों को ब्लैक फंगस के रोगियों की पहचान, इलाज, सावधानियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। म्यूकर माइकोसिस अथवा ब्लैक फंगस, चेहरे, नाक, साइनस, आंख और दिमाग में फैलकर उसको नष्ट कर देती है। इससे आंख सहित चेहरे का बड़ा भाग नष्ट हो जाता है और जान जाने का भी खतरा रहता है। इसके लक्षण दिखते ही तत्काल उचित चिकित्सकीय परामर्श लेना बेहतर है। लापरवाही भारी पड़ सकती है।

इन मरीजों को बरतनी होगी खास सावधानी: कोविड इलाज के दौरान जिन मरीजों को स्टेरॉयड दवा जैसे डेक्सामिथाजोन, मिथाइल प्रेड्निसोलोन इत्यादि दी गई हो। कोविड मरीज को इलाज के दौरान ऑक्सीजन पर रखना पड़ा हो या आईसीयू में रखना पड़ा हो। डायबिटीज का अच्छा नियंत्रण न हो। कैंसर, किडनी ट्रांसप्लांट इत्यादि के लिए दवा चल रही हो।

यह लक्षण दिखें तो तुरंत लें डॉक्टरी सलाह: बुखार आ रहा हो, सिर दर्द हो रहा हो, खांसी हो, सांस फूल रही हो। नाक बंद हो। नाक में म्यूकस के साथ खून आ रहा हो। आंख में दर्द हो। आंख फूल जाए, एक वस्तु दो दिख रही हो या दिखना बंद हो जाए। चेहरे में एक तरफ दर्द हो, सूजन हो या सुन्न हो (छूने पर छूने का अहसास न हो)। दांत में दर्द हो, दांत हिलने लगें, चबाने में दर्द हो। उल्टी में या खांसने पर बलगम में खून आए।

क्या करें: कोई भी लक्षण होने पर तत्काल सरकारी अस्पताल में या किसी अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर से तत्काल परामर्श करें। नाक, कान, गले, आंख, मेडिसिन, चेस्ट या प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ से संपर्क कर तुरंत इलाज शुरू करें।

बरतें यह सावधानियां: स्वयं या किसी गैर विशेषज्ञ डॉक्टर के दोस्त मित्र या रिश्तेदार की सलाह पर स्टेरॉयड दवा कतई शुरू न करें। लक्षण के पहले 5 से 7 दिनों में स्टेरॉयड देने से दुष्परिणाम होते हैं। बीमारी शुरू होते ही स्टेरॉयड शुरू न करें। इससे बीमारी बढ़ जाती है। स्टेरॉयड का प्रयोग विशेषज्ञ डॉक्टर कुछ ही मरीजों को केवल 5-10 दिनों के लिए देते हैं, वह भी बीमारी शुरू होने के 5-7 दिनों बाद केवल गंभीर मरीजों को। इसके पहले बहुत सी जांच आवश्यक है। इलाज शुरू होने पर डॉक्टर से पूछें कि इन दवाओं में स्टेरॉयड तो नहीं है। अगर है, तो ये दवाएं मुझे क्यों दी जा रही हैं। स्टेरॉयड शुरू होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर के नियमित संपर्क में रहें। घर पर अगर ऑक्सीजन लगाया जा रहा है तो उसकी बोतल में उबाल कर ठंडा किया हुआ पानी डालें या नार्मल सलाइन डालें। बेहतर हो अस्पताल में भर्ती हों।

प्रदेश के किसानों को मिली 5230 करोड़ की धनराशि

● वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उन्नाव के किसान से ली जैविक खेती की जानकारी, किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के किसानों को 20000 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की गई है। जिसमें से उत्तर प्रदेश के दो करोड़ 61 लाख 50 हजार किसानों को 5230 करोड़ की धनराशि दी गई है । पूरे देश में वितरित इस धनराशि में से 26 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश का है । उन्होंने यह भी बताया कि आज किसान सम्मान निधि का लाभ पाने वाले किसानों में पिछले वर्ष के छूटे हुए 29 लाख 50 हजार किसान भी सम्मिलित है। सरकार का यह प्रयास है कि योजना का लाभ प्रदेश के सभी पात्र किसानों को शीघ्रता से पहुंचे।

ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में इस योजना का सबसे तेज क्रियान्वयन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार भी दिया जा चुका है। वर्चुअल रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा नमामि गंगे योजना अंतर्गत जनपद उन्नाव के प्रगतिशील कृषक अरविंद निषाद द्वारा एफपीओ बनाकर की जा रही जैविक खेती की जानकारी ली गई और जैविक खेती कर आजीविका के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए कुछ सुझाव के साथ-साथ साधुवाद देते हुए प्रोत्साहन किया

किसान सम्मान निधि योजना

गया। नमामि गंगे कार्यक्रम की प्रदेश में सार्थकता और प्रगति से अवगत कराते हुए शाही ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेश के 27 जनपदों में 66000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में क्रियान्वित है। किसानों को कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक खेती ही नहीं बल्कि सरकार द्वारा उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग द्वारा मूल्य संवर्धन एवं विपणन के लिए भी सहायता दी जा रही है। योजना में 55 करोड़ से अधिक धनराशि व्यय करके 82 हजार से अधिक कृषकों को पीजीएस इंडिया पोर्टल पर पंजीकृत किया जा चुका है, जो जैविक उत्पादन से लागत कम करके उत्पाद का 15 से 20 प्रतिशत अधिक मूल्य प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में नरेंद्र तोमर केंद्रीय कृषि मंत्री, संजय अग्रवाल, सचिव कृषि भारत सरकार के साथ-साथ देश के अन्य प्रगतिशील कृषकों और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने वर्चुअल रूप से प्रतिभाग किया।

शहीद जवान के परिवार को 50 लाख की मदद और नौकरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरुणाचल प्रदेश में कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए सम्भल निवासी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवान प्रदीप कुमार के शौर्य और वीरता को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद प्रदीप कुमार के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद के नाम पर करने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। प्रदेश सरकार द्वारा शहीद के परिवार को हर सम्भव मदद प्रदान की जाएगी।

कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन

लखनऊ। निदेशक महिला कल्याण मनोज कुमार राय ने मुख्यालय स्तर पर एक कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया है। उन्होने बताया कि संस्थाओं में स्टाफ एवं सवासियों को कोविड.19 उपयुक्त व्यवहार के बारे में उचित प्रशिक्षण दिये जाने बच्चों की शिक्षा के लिये विभिन्न माड्यूल तैयार किये जाने संवासियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने हेतु काउन्सिलिंग की व्यस्था किये जाने व विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को प्रोत्साहित किये जाने से सहायता प्रदान करने हेतु मुख्यालय स्तर पर एक कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप का गठन किया गया है। कोविड वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप में आकांक्षा अग्रवाल मुख्य परिवीक्षा अधिकारी संयुक्त निदेशक पुनीत कुमार मिश्र, उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक मुख्यालय आशुतोष कुमार सिंह महाप्रबन्धक स्टेट रिसोर्स सेन्टर फॉर विमेन एण्ड चाइल्डए उप्र उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक मुख्यालय बीएस निरंजन उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक मुख्यालय प्रवीण कुमार त्रिपाठी उपमुख्य परिवीक्षा अधिकारी उपनिदेशक वाराणसी मण्डल नीरज मिश्र यूनीसेफ कन्सलटेन्ट प्रीतेश तिवारी यूनीसेफ कन्सलटेन्ट तथा मो जावेद अंसारी यूनीसेफकन्सलटेन्ट सदस्य है।

लखनऊ में कला कोठी घाट पर अक्षय तृतीया के पर्व पर आयोजित महामृत्युंजय यज्ञ में भाग लेते कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक

बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ डालने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही हैं। यूपी विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने आरोप लगाया है कि पावर कार्पोरेशन और सरकार की शह पर बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं पर बड़ा बोझ डालने की तैयारी कर रही हैं। शुक्रवार देर रात बिजली कंपनियों ने उपभोक्ताओ पर रेगुलेटरी सरचार्ज लागू कराने के लिए नियामक आयोग में एक प्रस्ताव दाखिल किया है जबकि बिजली कम्पनियों का उपभोक्ताओं पर 49827 करोड़ रुपये निकल रहे हैं।

17 मई को नियामक आयोग बिजली कंपनियों की बिजली दर को लेकर सुनवाई करेगी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग में अपनी याचिका दाखिल कर मांग की है कि

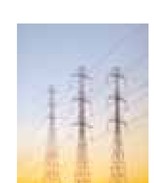

सभी पक्षों को सुनने के बाद वर्ष 2017-18 तक नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों पर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओ का उदय व ट्अप में रुपया 13337 करोड़ निकाला था जिसे आगे उपभोक्ताओ को लाभ देने की बात कही गई थी जो अब सब मिलाकर वर्ष 2020.21 तक लगभग 19537 करोड़ हो गया है जिसके एवज में एकमुश्त 25 प्रतिशत अथवा 3 वर्षों तक 8 प्रतिशत बिजली दरों में कमी करने अथवा रेगुलेटरी लाभ दे। उन्होंने कहा कि दुरूख की बात यह है कि बिजली कम्पनियों के इस चोर दरवाजे की साजिश में सरकार भी शामिल है जो बहुत ही निंदनीय है इस आपदा के दौर में अवसर तलाशना पूरी तरह असंवैधानिक है।

इस साल दस फीसदी अतिरिक्त गेहूं एमएसपी पर खरीदा जा चुका है: राधा मोहन सिंह

● अंत्योदय पथ पर चलते हुए मोदी सरकार का ध्यान हर वर्ग पर केंद्रित: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने पीएम मोदी द्वारा पीएम किसान योजना के अंतर्गत करीब 9.5 करोड़ किसानों के खातों में लगभग 19000 करोड़ से अधिक की 8वीं किस्त ट्रांसफर करने पर आभार व्यक्त किया है। राधा मोहन सिंह ने कहा कि किसान सम्मान निधि से हमारे परिश्रमी किसानों को आर्थिक संबल मिल रहा है जो कोरोना महामारी के समय किसानों के जीवन को सुगम करेगा।

मोदी सरकार का प्रत्येक निर्णय किसान, गरीब मजदूर की बेहतरी के लिए है। संकल्प से सिद्धि के पथ पर बढ़ती मोदी सरकार का संकल्प किसान की आर्थिक उन्नति है जो अपने निर्णयों व योजनाओं से सरकार सिद्ध कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग 10 फीसदी अतिरिक्त गेहूं एमएसपी पर खरीदा जा चुका है और अभी तक का गेहूं खरीद का लगभग 58000 करोड़ रुपए किसानों के खातों में पहुंच चुका है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने केंद्र सरकार की प्राथमिकता गरीब, मजदूर तथा किसान हैं। यही कारण है कि अंत्योदय पथ पर चलते हुए मोदी सरकार की प्रत्येक योजना तथा निर्णय मे गांव, गरीब, मजदूर, किसान की आर्थिक व सामाजिक उन्नति निहित है। विगत वर्ष 8 माह तक निशुल्क राशन की व्यवस्था तथा लॉकडाउन अवधि के दौरान माताओं-बहनों के जनधन खाते में 500 रुपए प्रतिमाह पहुंचा कर कोरोना संक्रमण काल में गरीब की रसोई की पूरी व्यवस्था की गई। इसके साथ ही समय पर किसान सम्मान निधि किसानों के खाते में पहुंचाकर किसानों की खुशहाली की प्रतिबद्धता के साथ सरकार आगे बढ़ी है।

शहरों के बाद प्रदेश के गांवों में तेजी से फैलने लगा है कोरोना संक्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि शहरों के बाद प्रदेश के गांवो में कोरोना संक्रमण तेजी से फैलने लगा है। मौत का कहर बरपा रहे संक्रमण पर शासन-प्रशासन जानकर अनजान बन रहा है। भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री अपनी नाकामी छुपाने के लिए सफलता का झूठा ढिंढ़ोरा पीटने में लगे है। यह भाजपा सरकार जनता का सहारा बनने के बजाए उस पर बोझ बन गई है। गांवो में ताबड़तोड़ हो रही मौतों से दहशत व्याप्त है। मुख्यमंत्री के बनाए गए प्रभारी मंत्री लापता हैं और मेरठ के प्रभारी मंत्री तो पिछले दिनों दो घंटे सर्किट हाउस के एसी कमरे में बैठकर चले गए और उन्होंने जनता की न तो तकलीफें सुनीं और न ही अस्पतालों का निरीक्षण किया। भाजपा सरकार और उनके मंत्रियो की संवेदनहीनता अमानवीय हो गई

है। अखिलेश यादव ने कहा कि गांवो में कोरोना संक्रमण बढ़ने का कारण यह है कि भाजपा सरकार दवाई, टेस्ट, डाक्टर तथा टीके को कोई इंतजाम नहीं कर पा रही है। गांवो में स्वास्थ्य का ढांचा भाजपा सरकार ने पहले से ही ध्वस्त कर दिया है। वे असहाय मूकदर्शक बन गए हैं। जिन पर लोगों के इलाज की जिम्मेदारी है वे हाथ पर हाथ धरे बैठे है। उन्होंने कहा कि खुद मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना कहर से हाहाकार मचा हुआ है। अधिकारी आंकड़ों पर पर्दा डालने के खेल में लग गए हैं। गोरखपुर की ग्राम पंचायतों में 46 हजार ग्रामीण खांसी, बुखार की चपेट में हैं। प्रशासन सिर्फ 764 की संख्या बताकर अपनी नाकामी छुपा रहा है। गोरखपुर-वाराणसी हाईवे पर बसे हाटा बुजुर्ग गांव में 15 मौतें होने की दर्दनाक खबर है। लोग खांसी,

बुखार और सांस फूलने से परेशान हैं। अभी तक पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं गांवो तक नहीं पहुंच पा रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चारों ओर हाहाकार की चीखें भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के कानों तक नहीं पहुंच रही हैं। वह अपनी सभी मानवीय संवेदनाएं खो चुके हैं। गंदी राजनीति और झूठे प्रचार से ही वह अपने को सफल मान रहे हैं। जनता उनको किस निगाह से देख रही है, इसका अंदाजा उन्हें सन् 2022 के चुनावों में ही लगेगा।

किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए साबित हो रही है वरदान: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोना महामारी के दौरान भेजी गयी धनराशि से किसानों के हितों का संरक्षण होगा और ग्रामदेवता कहे जाने वाले अन्नदाता किसानों के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त होगा।

संकट के समय यह धनराशि आर्थिक संभल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एकिसानों के लिए वरदान साबित हुई है ।सरकार का संकल्प है कि कहीं कोई भूखा न सोने पाये। कहा कि हमारे देश की

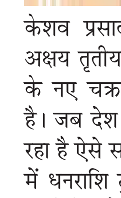

ताकत हमारे किसान हैं जिन्होंने करोना काल में भी अपनी खेती में मेहनत करके उत्पादन किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर कृषि के नए चक्र की शुरुआत का समय है। जब देश कोरोना के दौर से गुजर रहा है ऐसे समय में किसानों के खातो में धनराशि ट्रांसफर करके प्रधानमंत्री जी ने देश के किसानों और गरीबों का पूरा ख्याल रखा है। यह योजना खासकर छोटे किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है।

कार्यालय - नगर पालिका परिषद खलीलाबाद जनपद- संतकबीरनगर।

पत्रांक- 1838/न0पा0 दिनांक- 15.05.2021

आवश्यक सूचना

नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के समस्त इच्छुक व्यक्तियों/ठेकेदारों/पूर्व में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद खलीलाबाद में ठेकेदारी हेतु अपना पंजीयन/नवीनीकरण पूर्व निर्धारित उपनियम के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु दिनांक 22.05.2021 तक अवश्य करा लेवें, अन्यथा समयोपरान्त प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर सक्षम स्तर से स्वीकृति के पश्चात किया जायेगा।

(बीना सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर

(श्याम सुन्दर वर्मा)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर।

अब मरीजों को भटकने की जरूरत नहीं, अस्पतालों में हजारों बेड खॉली

● कोरोना संक्रमण के 295 नए मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वाराणसी में हर दिन मिलने वाले कोरोना मरीजों की संख्या कम होती जा रही है। वहीं, एक्टिव मरीज भी कम हो रहे हैं, जिससे कोविड अस्पतालों में खाली बेड की संख्या बढ़ती जा रही है।वाराणसी की कोविड अस्पतालो में हर दिन अब खाली होने वाले बेड की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। सरकारी.निजी मिलाकर कुल 60 कोविड अस्पतालों में 1046 बेड खाली हैं। अब जरूरत पड़ने पर मरीजों के परिजनों को भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। इसमें 8 सरकारी अस्पतालों के 1033 बेड में जहां 341 बेड खाली पड़े हैं। वहीं निजी अस्पतालों में भी 1421 बेड में से 705 बेड खाली हैं। राहत की बात यह है कि इसमे सबसे ज्यादा लेवल दो यानी ऑक्सीजन वाले 812 बेड और लेवल तीन यानी आईसीयू और वेंटिलेटर वाले 234 बेड शामिल हैं। इससे गंभीर मरीजों को भर्ती होने में राहत मिलेगी। उधर शनिवार सुबह 4686 सैंपल की रिपोर्ट में 295 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि भी हुई है। अब कुल 77332 मरीजों में 69741 के डिस्चार्जए 679 की मौत के बाद6912 एक्टिव मरीज हैं।

मेराज ने ही पूर्वांचल में पहली बार एके 47 मुन्ना बजरंगी को कराया था मुहैया

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मुख्तार अंसारी के करीबी मेराज का नाम आपराधिक मामलों में शामिल था। इसकी शुक्रवार को चित्रकूट जेल में गैंगवार में हत्या कर दी गई थी। साथ में मुकीम काला की भी हत्या हुई थी। पूर्वांचल के माफिया मुन्ना बजरंगी से भी अच्छे संबंध थे। दोनों ने साथ में कई वारदातों को अंजाम दिया था।पूर्वांचल के माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की सरपरस्ती में भी मेराज ने कई कारनामे किए थे। पुलिस रिकॉर्ड में ऐसे कारनामें दर्ज भी हैं। पूर्वांचल में पहली बार एके.47 मुन्ना बजरंगी को मुहैया कराने में मेराज का ही नाम सामने आया था। 19 दिसंबर 2002 को वाराणसी के मलदहिया चौराहे पर एके.47 से अंधाधुंध फायरिंग कर भाजपा नेता अनिल सिंह समेत चार की हत्या कर दी गई थी।

अनिल सिंह हत्याकांड में पहली बार मेराज का नाम मुन्ना बजरंगी के साथ जुड़ा था। सिगरा थाने में दर्ज मेराज के खिलाफ हत्याए हत्या के प्रयास मुकदमे के दौरान विवेचना में यह भी सामने आया था कि मुन्ना बजरंगी को असलहा मेराज ने ही मुहैया कराया था।असलहों का शौकीन मेराज के ऊपर दर्ज डेढ़ दर्जन मुकदमों में अधिकतर मुकदमें अवैध असलहा रखने के ही हैं। असलहों के बारे में मेराज को बहुत अच्छी जानकारी थी। मेराज को करीब से जानने वाले बताते थे कि मेराज कहीं भी जाता था तो अपनी लाइसेंसी पिस्टल लेकर चलता था। पिस्टल की चाहत में ही दूसरे पते पर लाइसेंस नवीनीकरण कराया और यही से मेराज के ऊपर कार्रवाई की तलवार लटकी तो फिर लटकती ही चली गई।जरायम जगत से जुड़े लोगों को शरण देनाए वसूली और मछली कारोबार से मेराज ने ठीक.ठाक साम्राज्य स्थापित कर लिया था। बसपा शासनकाल में मेराज की नजदीकियां कई मंत्रियों से भी रहीं। उस दौरान मेराज ने काफी धन अर्जित किया था। वाराणसीए गाजीपुरए चंदौलीए मऊ सहित अन्य जनपदों में मेराज की दखल रहती थी।

ईद की नमाज की गई अदा लोगों ने जमकर मनाई खुशियां

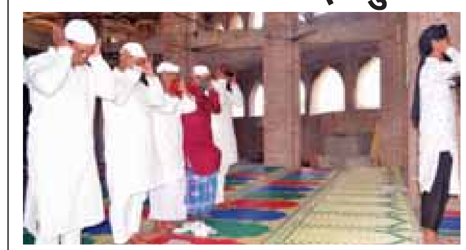

वाराणसी। ईद-उल-फित्र की नमाज को लेकर भले ही पाबंदिया लगाई गई थी, लेकिन महामारी के इस निराशा भरे दौर में भी त्यौहार की खुशी तनिक भी कम न थी। लोगों ने घरों में ही चाश्त की नमाज अदा की और फोन कर दोस्तों-रिश्तेदारों को ईद की मुबारकबाद दी। सभी ईदगाहों -मस्जिदों में इमाम सहित पांच-पांच नमाजियों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान कोरोना संक्रमण के खात्मे और अस्पतालों भर्ती मरीजों की जल्द स्वस्थ के लिए दुआएं की गई। खुशी मनाने के दरम्यान लोगों ने कोविड नियमों का भी ख्याल रखा। अल सुबह नहा-धोकर लोग तैयार हुए और फज्र की अजान होने के बाद नमाज अदा की। सुबह ईदगाह या मस्जिद की बजाय लोगों ने परिवार संग घर में ही नमाज-ए-चाश्त अदा की। कोरोना से निजात एवं देश की तरक्की व अमनों-अमान की दुआ मांगी। ईदगाहों में ईद-उल-फित्र की नमाज न अदा कर पाने का मलाल हर किसी के दिल में रहा।

बीएचयू में फंगस से पीड़ित महिला की मौत, बुधवार को हुआ था सफल आपरेशन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बीएचयू में ब्लैक फंगस से पीड़ित एक महिला की मौत हो गई। महिला ब्लैक फंगस के साथ ही कोरोना से भी पीड़ित थी। बीते बुधवार को ही उसका ब्लैक फंगस का सफल ऑपरेशन किया गया थाए जिसमें आंख और जबड़ा समेत उसका आधा चेहरा निकाल बाहर कर दिया गया था। कोविड से पीड़ित होने के बावजूद उसकी सर्जरी कर फंगस को पूरी तरह से हटाया गया था।

उसके बाद उसे बीएचयू में कोविड के आइसीयू वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। बताया जा रहा था कि कोरोना से रिकवरी के बाद ही उसे ब्लैक फंगस की दवाइयां दी जाएंगी। करीब छह माह के बाद जब वह पूरी तरह से रिकवर हो जाएगी उसके बाद ही उसे नकली जबड़ाए सिलिकॉन के गाल और पत्थर की आंख लगाई जाएगी। मगर अफसोस की वह अब इस दुनिया में नहीं रही। बीएचयू में मौत होने के बाद उसके परिजनों ने महिला का हरिश्चंद्र घाट पर अंत्येष्टि कर दीए जहां मुखाग्नि उनके पति ने दी।54 वर्षीय इस महिला का नाम तनिमा मित्रा थाए जो कि मूलतरू बिहार की रहने वाली थी। बीएचयू में रेफर होकर वह बीते सोमवार को भर्ती हुई और तब तक आधे से ज्यादा चेहरा फंगस इंफेक्शन से काला पड़ गया था।

कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भी इमरजेंसी में जान बचाने के लिए बीएचयू ईएनटी के डॉण् सुशील कुमार अग्रवाल और उनकी टीम ने महिला का जटिल ऑपरेशन किया। इसके अलावा बीएचयू में शनिवार को ब्लैक फंगस के कुल छह गंभीर मरीज आएए जिनमें प्रथम दृष्टतया फंगस का संक्रमण पाया गया है। उनकी कोविड रिपोर्ट आते ही इलाज शुरू कर दिया जाएगा।

कोरोना की लड़ाई में पीएम के आदर्श गांव को युवा कर रहे हैं सैनिटाइज

● ग्राम नागेपुर के युवाओं ने उठाया गांव को कोरोना मुक्त रखने का बीड़ा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

प्रधानमंत्री आदर्श गांव के युवाओं ने गांव को कोरोना मुक्त रखने का बीड़ा उठा लिया है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए एक ओर लोग जहां घरों में रहकर लॉक डाउन का पालन कर रहे हैं। वहीं ये युवा अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए प्रशासन के साथ मिलकर गांव और शहरों को सैनिटाइज करते दिखाई दिए। अलग.अलग टीमें बनाकर गांव की गलियोंए बस स्टैंडए बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों को सैनिटाइज कर रहे हैं ताकि कोरोना वायरस से लोगों को बचाया जा सके। युवाओं ने पिछले दो दिन से गांव को सैनिटाइज किया और ग्रामीण की थर्मल स्क्रीनिंग भी की। फिर अपने गांव को सेनेटाइज करने के बाद गांव के युवाओं ने शनिवार को बेनीपुरए मुबारकपुर गांव में सैनिटाइजेशन कार्य किया। गांव के प्रत्येक घर को सैनिटाइज करने के साथ ही गांव के आम रास्तों पर भी सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया। युवाओं ने हर रोज एक गांव को सेनेटाइज करने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण सेवादल में अरविन्द, अनीश, आलोक, मनीष, शिवकुमार, बिहारी, वर्षा, पंचमुखी, श्यामसुंदर, सुनील शामिल हैं। इन युवाओं को प्रेरित करने वाले लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि उनके साथ गांव के ही रहने वाले कई युवा साथी हैं जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में लोगों के साथ खड़े होने का निर्णय लिया। ये साथी हर रोज रोज तीन से चार घंटे इलाके में जाकर हर गली मोहल्ले को सैनिटाइज करने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि अभी प्रशासन की तरफसे सैनिटाइजर का छिड़काव करने का काम कुछ इलाकों में चल रहा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में अभी तक नहीं किया गया।

कानपुर पहुंची पांचवी ऑक्सीजन एक्सप्रेस

प्रयागराज। भारतीय रेल ने कोविड के विरुद्ध चल रही लड़ाई को तेज करने और कानपुर में ऑक्सीजन की त्वरित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक और ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा टाटानगर से लोड किए गए दो क्रायोजेनिक कंटेनरों में चालीस एमटी लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन एलएमओ वाली ट्रेन शनिवार को सवा तीन बजे कानपुर यार्ड पहुंची। इसे तुरंत इनलैंड कंटेनर डिपो लाया गया। सीनियर पीआरओ डा अमित मालवीय ने बताया कि जहां स्थानीय रेल एवं कोनकोर अधिकारियों पर्यवेक्षकों ने तत्काल ऑफ्लोडिंग सुनिश्चित की। डिकैंटिंग पूरा होने के बाद साइडिंग अधिकारियों द्वारा लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को गुलाब चंद्र तहसीलदार घाटमपुर को सौंपा गया। इसके बाद सुबह समय 06.45 बजे ही मात्र 03.20 घंटे में ही वापस टाटानगर में अगली लोडिंग के लिए कानपुर से खाली कंटेनर लेकर ट्रेन रवाना कर दी गई।

क्विक न्यूज

भाई के परिछन के दौरान तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आई बालिका, मौत

चन्दौली। चकिया कोतवाली क्षेत्र के गांधीनगर गांव के पास अपने चचेरे भाई के परिछन में शामिल दस वर्षीय बालिका ज्योति की तेज रफ्तार बोलेरो के चपेट में आने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद खुशी का माहौल एक पल में गम में बदल गया। क्षेत्र के जनकपुर गांव निवासी लालजी अपने परिवार व बच्चों के साथ भतीजे की शादी में आए हुए थे। बृहस्पतिवार की सुबह बरात जाने की तैयारी हो रही थी। पास ही के गांधीनगर गांव स्थित इलिया मार्ग के किनारे घर के पास दूल्हे का परिछन का रस्म हो रहा था। कार्यक्रम में शामिल परिजनों के साथ दस वर्षीय बालिका ज्योति भी मौजूद थी। इसी दौरान इलिया की ओर से आ रही बोलेरो ने ज्योति को जोरदार धक्का मार दिया तथा तेज गति से चालक वाहन लेकर फरार हो गया। आनन फानन में परिजनों ने बालिका को लेकर चकिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां चिकित्साधिकारी डॉण् सुजीत सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। मार्मिक घटना से परिजनों में दुख का पहाड़ टूट पड़ा। वही खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया। बालिका के शव को परिजन घर को लेकर चल दिए और दाह संस्कार में जुट गए। कोतवाल नागेंद्र प्रताप सिंह में बताया कि घटना संज्ञान में है। जांच पड़ताल की जा रही है।

नन्हे समाजवादी ने मांगी आजम खान के लिए दुआ

धानापुर/चन्दौली । वैश्विक महामारी कोरोना ने ईद के त्यौहार का रंग फीका कर दिया। कोरोना की वजह से शुक्रवार को धानापुर कस्बा में लोग ईद की नमाज़ अपने घरों पर अदा किया। इस दौरान लोगों ने मुल्क से कोरोना बीमारी के खात्मे व अमन.चैन की दुआ माँगी। कस्बा स्थित पठानटोली में घर पर ईद की नमाज अदा करने के बाद नन्हें समाजवादी उमैर पठान ने सपा सांसद आजम खान की सेहत के लिए दुआ मांगा। विदित हो कि सीतापुर जेल में बंद सपा के संस्थापक सदस्य व रामपुर से सांसद आज़म खान कोरोना से ग्रसित हैंए जिन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया। लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। इस नन्हें समाजवादी उमैर पठान ने भी आज़म खान के जल्द स्वस्थ होने की खातिर ईद की नमाज के बाद दुआ मांगा।

जरूरतमंदों को वितरित किए गए मास्क

सोनभद्र। सेवा ही संगठन के सिद्धांत पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत चौबे के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोनभद्र नगर के मेन चौक शीतला मंदिर के पास आने जाने वाले राहगीरों व सब्जी विक्रेताओं से कोरोना संकटकाल में सभी लोगों से मास्क लगाकर सुरक्षित व सुव्यवस्थित रहने का आग्रह किया। जिससे सुरक्षित जीवन जिया जा सके। आने जाने वाले सभी जरूरतमंदों को मास्क वितरण किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग लगातार मास्क व काढ़ा वितरण के साथ ही जरूरतमंदों को सेनीटाइजर भोजन का वितरण कर रहे है। जिससे आम जन मानस को राहत मिल सके। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता जिला कार्यसमिति सदस्य नरसिंह पटेल रविंद्र केसरी नगर अध्यक्ष बलराम सोनी नगर महामंत्री विजय केसरी नगर मंत्री विजय विश्वकर्मा अविनाश शुक्ला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर तरफ डर, संशय और निराशा का अंधकार पसरा

प्रयागराज। कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन से देश में हर तरफ़ डर संशय और निराशा का अंधकार पसरा है। ऐसे में शेमारू टीवी का शो सिया के राम लोगों के मन में आस्था और विश्वास की लौ जगाने में यक़ीनन कामयाब होगा। मनोरंजन जगत में चमचमाते सितारे की तरह उभरने वाले शेमारू टीवी ने हाल ही में सफलतापूर्वक एक साल पूरा किया है। इस एक साल में करोड़ों दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बनकर शोज़ और उपहारों के ज़रिए कइयों के सपनों को पंख दिए हैं तो बहुतों की मनचाही मुराद पूरी की है। ऐसे में एक बार फिर अपने दर्शकों के लिए भक्ति रस से भरपूर और बेहद अनूठा शो सिया के राम। यह शो शेमारू टीवी पर 14 मई से हर रात साढ़े सात बजे प्रसारित होगा। शो में देखेंगे कि कैसे रामायण को सीता के नज़रिए से दिखाया गया है। देश का बच्चा बच्चा रामायण की जिस कहानी से रूबरू है। उसी रामायण को बिल्कुल नज़रिए से देखना और कुछ नए तथ्यों का उजागर होना यक़ीनन दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और अनूठा होगा।

बीमारी से छुटकारा पाने के लिए लोगों ने अपनाया सुमन का फार्मूल

मिर्जापुर। कोरोना से बचने के लिए हाथ की स्वच्छता अपनाना बेहद जरूरी है। साथ ही कोविड के लिए दी गयी गाइड लाइन का पालन करना भी जरूरी हैए इस समय यदि हाथों की स्वच्छता ठीक तरीके से न की जाए तो कोविड की जद में आने का खतरा बना रहता है। इसके लिए हम सुमन.के फार्मूला अपना सकते है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जमालपुर में तैनात डा0 राजन ने बताते है कि सुमन.के फार्मूला से ऐसे धुलना है हाथए एसण् सीधा हाथए यूण् उल्टा हाथ. एमण् मुट्ठीए एण् अंगूठाए एनण् नाखूनए केण् कलाई। असुरक्षित स्पर्श से कोविड प्रसार का खतरा बना रहता हैए इसलिए विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। अगर कोविड वायरस किसी व्यक्तिए वस्तु या सतह पर मौजूद हैए तो उसे स्पर्श करने से वायरस छूने वाले के हाथों में भी आ जाता है। ऐसे में वायरस से बीमार होने से बचने के दो उपाय हैं।

सादगी के साथ मनाई गई ईद

● जीत पर पूर्व सांसद रामकिसुन ने माला पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता। मुगलसराय/चन्दौली

ईद-उल-फितर का पर्व शुक्रवार को कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए सादगीए अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता शमीम सिद्दीकी ने भी अपने चौरहट स्थित आवास पर ईद का त्योहार सादगी से साथ मनाया । जहां पहुंचे पूर्व सांसद रामकिशुन यादव ने ईद की बधाई देने के साथ ही उन्हें जिला पंचायत जीत की बधाई भी माला पहनाकर देते हुए कहा कि जिस तरह चुनाव लड़कर जीत दर्ज की है इससे प्रत्येक कार्यकर्ता को सीख लेनी चाहिए । उनके कई साल का संघर्ष व धैर्य का नतीजा है जो आज उन्हें यह मुकाम मिला है। इस तरह उनके आवास पर हर छोटे बड़े नेता बधाई देने आते रहे । सभी मिलने वालों को शमीम नेता ने सोसल डिस्टेंसिंग के साथ मिलकर उनको घर पर ही रहकर फोन के द्वारा बधाई देने की अपील की । साथ मे कहा कि जो लोग आपके परिचित है और कोरोना के चपेट में आ गए है उनको आपलोग बराबर हाल लेते रहें और इस बीमारी से उबरने व जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें । इस कोरोना महामारी में आपलोग भी घरों से बाहर न निकले स्वस्थ व सुरक्षित घर पर ही रहें । अधिकांश लोगों ने घरों में ही ईद की नमाज अदा की। मजिस्दों में शारीरिक दूरी के नियमों का अनुपालन करते हुए मात्र पांच लोगों को ही नमाज अदा करने की छूट रही। ईद की नमाज में मुल्क व दुनिया की सलामती व कोरोना महामारी से निजात के लिए दुआ मांगी गई। हालांकि ईद पर बाजार बंदी के कारण कुछ समस्याएं जरूरी रही। लेकिन हर दिल में अलग तरह का उत्साह रहा। नमाज के बाद एक.दूसरे के सामने पड़ते ही सलामती के हाथ और ईद मुबारक के स्वर सुनाई पड़े।

कल से शुरू होगा18 वर्ष से अधिक उम्रवालों का टीकाकरण

मिर्जापुर। कोरोना महामारी से इस वक्त जनपद व प्रदेश दिन रात लड़ रहा है। इसके लिए अब 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का टीकाकरण करने के लिए जिले को प्रदेश स्तर से बीस हजार कोविडशील्ड वैक्सीन शनिवार को मिली। जो सीएमओ कार्यालय स्थित कोल्डचेन में रखा गया है। रविवार को शाम तक इसको जिले के टीकाकरण सेन्टर पर सुरक्षित पहुंचा दिया जायेगा। टीकाकरण के लिये जिले में 15 सेन्टर बनाये गये है। टीकाकरण की शुरूआत सोमवार को मण्डलीय चिकित्सालय से मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पीडी गुप्ता टीकाकरण कर कार्यक्रम की शुरूआत करेगे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने शनिवार को पत्र जारी कर इसके बारे में सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को अवगत कराया । 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले जनपद में 11 लाख से अधिक संख्या है इसमें अभी तक मात्र 42830 लोगों ने रजिस्टेऊशन कराया है। बिना रजिस्टेऊशन किसी का टीकाकरण नहीं किया जायेगा। रविवार को टीकाकरण का काम बन्द रहेगा। मण्डलीय चिकित्सालयए महिला चिकित्सालय व 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा 3 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी टीकाकरण किया जायेगा। कोरोनाा के बढ़ते हुए आंकड़ों को देखते हुए अब विभाग ने 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का टीकाकरण करने का कार्य करेगा। इसके लिए विभागीय स्तर से सारी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। मण्डलीय स्तर के वैक्सीन संचालक चन्दशेखर मिश्र ने बताया कि प्रदेश सरकार का आदेश मिलते ही मण्डल के तीनों जनपदों में मीरजापुर को वैक्सीन 18 वर्ष के उपर वाले उम्र के लोगों का टीकाकरण करने के लिए मिला है जो बनारस से जनपद को शनिवार दोपहर तक प्राप्त हो चुका है।

काबीना मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भगवतपुर असरावल में किया टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

निरीक्षण करते कैबिनेट मंत्री

कोविड महामारी से बचाव के लिए जीवन को बचाने में सहायक वैक्सीन टीकाकरण ही कारगर है। यह बातें कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शनिवार को असरावल और भगवतपुर में वैक्सीन टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण के दौरान वैक्सीन टीकाकरण लगवाने आये युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से कहीं।उन्होंने कहा कि भगवतपुर असरावल में युवाओं के अंदर वैक्सीन लगवाने का काफी उत्साह देखने को मिला। डॉक्टर लैब टेक्नीशियन तथा नर्सों से मिलकर टीकाकरण की जानकारी मंत्री ने ली। इसके बाद वैक्सीन लगवाने के लिए प्रतीक्षारत नागरिकों महिलाओं एवं युवाओं से संवाद किया। कहा प्रदेश में पर्याप्त टीकाकरण वैक्सीन उपलब्ध है। सभी लोगों से अपील किया कि कोरोना दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रदेश में तीसरी लहर न आने पाए। यह तभी हो सकता है जब हम सब सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर मास्क पहनकर घर से जरूरी कार्य हो तभी निकलें। साथ ही किसी को सर्दी जुखाम बुखार आदि आ रहा है तो तुरंत कोविड जांच अवश्य कराएं। शुरुआत में कोविड जानकारी मिलने पर समय से डॉक्टरों की सलाह पर दवाइयां लेकर ठीक हो जाएंगे। युवाओं को टीकाकरण के लिए तेजी से आगे बढ़कर टीका लगवाने का संकल्प लेना होगा।

मंत्री ने वितरित की राशन की किट

प्रयागराज। विधानसभा शहर पश्चिमी में निर्बल असहाय परिवार जो कोरोना संक्रमित होने के बाद ठीक होकर घरों में लौटे उन परिवार को मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह की ओर से राशन का किट गठित समिति एवं मंडल अध्यक्ष के माध्यम से आज से वितरण प्रारंभ हुआ।

बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो न करें नजरंदाजः डॉ. पियाली

● बाल गृहों के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने पर मंथन

मीरजापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश में संचालित 180 बाल गृहों में रह रहे शून्य से 18 साल के बच्चों को कोरोना से सुरक्षित बनाने को लेकर शनिवार को विभागीय कोविड वर्चुअल ग्रुप के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने गहनता से विचार.विमर्श किया । बच्चों में कोरोना के लक्षणों और बचाव के तरीकों पर विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी । बाल गृहों के कर्मचारियों के क्षमतावर्धन के लिए कोविड वर्चुअल ग्रुप द्वारा आयोजित वेबिनार में बाल गृहों की व्यवस्था को चुस्त.दुरुस्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया । सभी का यही कहना था कि बाल गृहों में साफ़सफाईए बच्चों के खानपान और उनकी खास देखभाल की इस वक्त अधिक जरूरत है। वेबिनार में उपस्थित एसजीपीजीआईए लखनऊ की वरिष्ठ कंसलटेंट पीडियाट्रिशियन डॉण् पियाली भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय बच्चों में कोई भी नए लक्षण नजर आएं तो उनको नजरंदाज करने की कतई जरूरत नहीं है । बच्चों में डायरियाए उल्टी.दशतए सर्दीए जुकामए बुखारए खांसीए आँखें लाल होना या सिर व शरीर में दर्द होनाए साँसों का तेज चलना आदि कोरोना के लक्षण हो सकते हैं । इसलिए यदि ऐसे लक्षण नजर आते हैं तो उसे नजरंदाज कतई न करें और लक्षण सामान्य हैं तो बच्चे को होम आइसोलेशन में रखें किन्तु बच्चा यदि पहले से किन्हीं बीमारियों की चपेट में रहा है और कोरोना के भी लक्षण नजर आते हैं तो उसे चिकित्सक के संपर्क में रखें । बाल गृह में रह रहे बच्चों का हेल्थ चार्ट बनाने पर जोर दिया और कहा कि यह चार्ट हर बाल गृह अपने पास रखें और उसको नियमित रूप से भरते रहेंए उसमें बुखारए पल्स रेट, आदि का जिक्र हैए जिससे पता चलता रहेगा कि बच्चे को कब आइसोलेट करने की जरूरत है या कब अस्पताल ले जाना है।

विषम परिस्थितियों में नहीं मानना चाहिए हारः रवि

● प्रमुख उप समादेष्टा के स्थानांतरण पर दी गयी भावभीनी विदाई

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

एनटीपीसी रिहंद स्टेशन की सुरक्षा में तैनात केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के इकाई प्रमुख उप समादेष्टा रवि कुमार शर्मा का समादेष्टा कमांडेंट के पद पर पदोन्नति के साथ उड़ीसा प्रान्त में स्थानांतरण होने पर शुक्रवार की सायं उप समादेष्टा कार्यालय परिसर में बल के अधिकारियों व जवानों द्वारा उन्हें कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित उप समादेष्टा व कमांडेंट के पद पर पदोन्नति पाने वाले श्री शर्मा ने अपने संबोधन में बल के जवानों को सीख देते हुए कहा कि उन्हें कभी भी विषम से विषम परिस्थितियों में हार नहीं मानना चाहिए क्योंकि असफलता ही सफलता का द्वार खोलती है। उन्होंने रिहंद इकाई में बिताए हुए अपने तीन साल के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि रिहंद स्टेशन के समीपवर्ती ग्रामों के ग्रामीण निश्चित तौर पर बड़े ही भोले भाले हैं उन्हें हम और आप जैसे जवानों के मदद की अति आवश्यक है। उन्होंने जवानों व अधिकारियों से आग्रह किया कि वे समय समय पर ग्रामीणों की आवश्यकतानुसार मदद अवश्य करते रहें। आगे उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से किए गए कार्य से काफी पुण्य व सुख की अनुभूति होती है। श्री शर्मा ने जवानों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के संदर्भ अन्य कई विशेष ट्रिप्स भी दिए। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुरूआती दौर में बल के सहायक समादेष्टा देवचंद ने श्री शर्मा को पुष्पगुच्छ व माला पहनाकर उनका स्वागत किया। स्वागत के अगली कड़ी में बल के अधिकारियों जवानों व मीडिया कर्मियों ने उन्हें माल्यार्पण करके उसका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सहायक समादेष्टा देवचंद ने अपने संबोधन के दौरान श्री शर्मा के द्वारा रिहंद इकाई में किये गए कार्यो की भूरि भूरि प्रशसा की। उन्होंने लोगों के समक्ष श्री शर्मा द्वारा प्राप्त अनेक उपलब्धियों का भी बखान किया। इस दौरान बल के अधिकारियों, जवानों व पत्रकार डी एस त्रिपाठी आदि ने अपने अपने वक्तव्य के जरिए कमांडेंट के पद पर पदोन्नति पाने वाले श्री शर्मा के ईमानदारी कार्यनिष्ठा लगन अनुशासन प्रियता एवं जवानों के प्रति अगाध प्रेम आदि का बखान किया।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 16 मई 2021

अम्बेडकरनगर मेडिकल कॉलेज के 58 कर्मी संक्रमित

● 17 डॉक्टर, 41 अन्य कर्मचारियों की रिपोर्ट आई पॉजिटिव

●लगातार दूसरे दिन भी कोरोना संक्रमितों की संख्या हुई सौ के पार

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जिले में कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है, लगातार दूसरे दिन जिले में कोरोना मरीजों की संख्या 100 से पर रही है। दूसरी लहर कितना तेज है इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। कोरोना ने महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज को भी अपनी जद में ले लिया है। पिछले तीन दिनों में यहाँ पर कुल 58 लोगो कोरोना ग्रसित हुए है।

सरकार ने उपलब्ध कराए 92 डॉक्टर

अम्बेडकरनगर। मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डॉ सन्दीप कौशिक ने बताया कि तीन दिनों के अंदर 58 कर्मचारी संक्रमित हुए हैं जो यह दर्शा रहा है कि वायरस तेजी से फैल रहा है , मरीजों के इलाज में अभी कोई असुविधा नही हो रही है। डॉ कौशिक ने बताया कि सरकार की तरफ से एमबीबीएस फाइनल ईयर के रिजल्ट घोषित कर दिए गए जिसमें मेडिकल कॉलेज अम्बेडकरनगर को 92 डॉक्टर्स मिले हैं जिसकी वजह से मरीजों की देखरेख करने में अभी कोई समस्या नहीं उत्पन्न हो रही है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज अम्बेडकरनगर में एक ही दिन में 17 डॉक्टरों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से प्रशासन में हड़कम्प मचा है ,तीन दिनों के अंदर मेडिकल कालेज के 58 डॉक्टर व कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो चुके है जिसका असर मरीजों के इलाज पर भी पड़ रहा है। जिले में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है ,ग्रामीण इलाकों से लेकर स्वास्थ विभाग इससे अछूता नही है ,जिले के महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज में तीन दिन के अंदर 58 डॉक्टर व कर्मचारी संक्रमित हो चुके हैं जिसमे से 33 को हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों और कर्मचारियों के संक्रमित होने के पीछे कालेज प्रशासन की लापरवाही भी सामने आ रही है,आरोप यह भी है कि ड्यूटी करने के बाद अधिकांश कर्मचारियों के रहने और खाने की समुचित व्यवस्था न होने से उनको घर जाना पड़ता है,जबकि ड्यूटी करने वालो को मेडिकल कालेज की तरफ से ही हर व्यवस्था मुहैया करानी चाहिए।

तेजी से बढ़ रहे हैं कोविड के मरीज

अम्बेडकरनगर। जिले में कोरोना की रफ्तार रुकने का नाम नही ले रही है। कल आई कोरोना रिपोर्ट में कुल 251 मरीजों के रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। जिले में कुल 770 कोरोना मरीज एक्टिव है। कोरोना की वजह से अभी तक 102 लोगो ने अपना दम तोड़ा है।

बिलारी में 42 लोगों के पॉजिटिव पाये जाने पर गांव किया गया सील

अम्बेडकरनगर। कोरोना की दूसरी लहर जहां कुछ स्थानों पर फीकी पड़ रही है वहीं इसके बढ़ते संक्रमण से गांव में दहशत फैलती जा रही है। ताजा मामला भियांव विकासखंड के दो गांव में सामने आया। जहां पूरे 42 लोगों के कोरोना पोजटिव पाए जाने के बाद हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमले ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए पूरे गांव को सील कर दिया है। बताया गया कि भियांव विकासखंड के बिलारी ग्राम पंचायत के बस्ती में पूरे 32 लोग पॉजिटिव पाए गए। इसी क्रम में मधुपुर गांव में 10 लोगों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रशासन के कान खड़े हो गए हैं। इसके अलावा दो अन्य गांवों में भी पॉजिटिव पाए गए हैं। एसडीएम अभय कुमार पांडेय, तहसीलदार बृजेश वर्मा ने दल बल के साथ पहुंचकर गांव को सील कर दिया। साथ ही स्वास्थ्य महकमे ने बाकायदा जांच और अन्य कार्य में तेजी ला दी है। उधर डॉक्टरों का कहना है कि मिले संक्रमितों में कोरोना के लक्षण तो नहीं मिले लेकिन आरटीपीसीआर रिपोर्ट पॉजीटिव आई है।

डीएम ने कोरोना से रोकथाम अभियान की गहन समीक्षा की

संवाददाता। अयोध्या

जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि के साथ इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में जनपद में कोविड.19 पर प्रभावी रोकथाम, बचाव एवं उपचार हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसी भी व्यक्ति के पॉजिटिव आने पर 24 घंटे के भीतर उसके सीधे संपर्क में आने वाले समस्त व्यक्तियों की ट्रेसिंग एवं टेस्टिंग व आवश्यकतानुसार मेडिसिन किट प्रदान कराना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि टेस्टिंग कार्य को 24 घंटे में पूर्ण करने हेतु रोजाना प्रत्येक ब्लॉक में पॉजिटिव आये व्यक्तियों को रैपिड रिस्पांस टीमों में बांट दिया जाए और प्रत्येक रैपिड रिस्पांस टीम अपने से संबंधित पॉजिटिव व्यक्तियों के सभी संपर्कियों का 24 घंटे के अंदर टेस्टिंग व आवश्यकतानुसार मेडिसिन किट उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने टेस्टिंग कार्य कार्य को ससमय पूर्ण करने हेतु नगर क्षेत्र में कार्य कर रही रैपिड रिस्पांस टीमों को भी नगर निगम से लगे हुए विकासखंडों यथा मसौधा एवं पूरा बाजार के गांव में भेज कर ससमय टेस्टिंग का कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को रोजाना प्रत्येक विकासखंड की दस.दस आशाओंए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से उनके पास मेडिसिन किट की उपलब्धता की प्रतिपुष्टि लेने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक निगरानी समितिए आशा व टेस्टिंग टीम के पास पर्याप्त संख्या में मेडिसिन किट उपलब्ध रहे। जिससे किसी भी लक्षण युक्त व्यक्ति के पाए जाने पर उसे तत्काल मेडिसिन किट उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जांच में पॉजिटिव आए व्यक्तियों को मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जाएं।

सिद्धपीठ श्यामासदन के महंत संत गोपाल दास का हुआ साकेत वास

●अयोध्या के संतों में शोक की लहर, संत परम्परानुसार हुआ अंतिम संस्कार

संवाददाता। अयोध्या

प्रतिष्ठित पीठ श्यामासदन मंदिरए रामघाट के वयोवृद्ध महंत संतगोपाल दास महाराज का शनिवार को साकेतवास हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। उन्होंने आश्रम पर सुबह लगभग साढ़े आठ बजे अंतिम सांस ली। महंत के निधन से संत.महंतों व उनके शिष्य.अनुयायियों में शोक की लहर है। दोपहार में साकेतवासी महंत की अंतिम शोभायात्रा निकाली गई। जो रामनगरी के मुख्य मार्गों से होते हुए सरयू तट स्थित शमशान घाट पहुंची। जहां उनके उत्तराधिकारी शिष्य महंत श्रीधर दास ने उनका अंतिम संस्कार किया। इस अवसर पर महंत श्रीधर दास ने बताया कि मंदिर की परम्परानुसार उनके द्वारा गुरूदेव का दाह संस्कार किया गया। हमारे यहां दाह.संस्कार करने की परम्परा है। जो पूर्वाचार्यों के समय से होती हुई चली आ रही है।

महंत के निधन पर शोक प्रगट करने वालों में दशरथ राज महल बड़ा स्थान के विंदुगाद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य मणिरामदास छावनी उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दासजगतगुरू रामानन्दाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य अधिकारी राजकुमार दास दिगंबर अखाड़ा महंत सुरेश दास रामकथा कुंज महंत डॉण् रामानंद दासए रसिकपीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरणए बड़ाभक्तमाल महंत अवधेश दासए मौनी माझा महंत रामप्रिया दासए महंत रामभजन दासए महंत कमलादास रामायणीए महंत राममिलन दासए स्वामी छविराम दासए आचार्य रमोज वत्स आदि रहे।

पुलिस ने गोली कांड के छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता। जगदीशपुर।

अमेठी । रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मारपीट व गोली काण्ड में वांछित चल रहे छः अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा । जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत सिधियांवा में 12 मई को चुनावी रंजिश को लेकर मारपीट व फायरिंग हो गई थी जिसमें पाँच लोग घायल हो गए थे भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अपराधियों के विरुद्ध धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत 14 मई को प्रभारी निरीक्षक अरूण कुमार द्विवेदी उपनिरीक्षक सन्तोष त्रिपाठी अखिलेश प्रजापति हमराही सूर्य प्रताप सिंह विजय भान सिंह अमृत लाल व विजय यादव के साथ क्षेत्र में मौजूद थे कि मुखबिर की सूचना पर फार्च्यूनर वाहन संख्या यूपी 44 एएच 0650 पर सवार मु0अ0सं0 167ध्21 धारा 147ए 148ए 149ए 323ए 504ए 506ए 307 भादवि व 07 सीएलए एक्ट में वांछित चल रहे अभियुक्त अयूब खान उर्फ राजा पुत्र सोहेल खान को एक रिवाल्वर व दो जिन्दा कारतूस 32 बोर तथा आलम खान पुत्र अफसैन को एक पिस्टल 30 जिन्दा कारतूस 30 बोर व अरमान पुत्र अल्लन को एक पिस्टल व 22 जिन्दा कारतूस 30 बोरए सद्दाम पुत्र इसरार अहमद को एक तमंचा 315 बोरए इरफान पुत्र छोट्टन को एक दो नाली बन्दूक व चार जिन्दा व दो अदद खोखा कारतूस 12 बोर व छोट्टन पुत्र अहम उल्ला निवासी सिधियावां कोतवाली जगदीशपुर जनपद अमेठी को बड़ागांव रेलवे क्रासिंग के पास से समय करीब 03रू40 बजे रात्रि में गिरफ्तार किया गया । पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि हम लोगों ने शानू हसीन व शादाब को गोली मारकर घायल कर दिया था ।

जिलाधिकारी व एसपी ने ईद के मौके पर किया क्षेत्र भ्रमण, दी लोगों को बधाई

●पर्व को सभी लोग उल्लास और हर्ष के साथ मनाएं, साथ ही कोविड-19 की गाइडलाइन का करें पालनः डीएम

संवाददाता। अमेठी

जिले में ईद.उल.फित्र के पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाए जाने के साथ.साथ लॉकडाउन व कोविड.19 गाइडलाइंस का पालन कराने को लेकर प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस प्रशासन ईदगाहों व अन्य क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहेए जिलाधिकारी अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने संयुक्त रूप से जायस व जगदीशपुर क्षेत्र का

भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लियाए एवं लोगों से कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से ईद के पर्व को मनाने की अपील किया तथा लोगों को ईद के पर्व की बधाई दीए इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि ईद के पर्व को सभी लोग अपने घरों में मनाएए कोई भी व्यक्ति बाहर ना निकले। इसके साथ ही समस्त उपजिलाधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष भी अपने.अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे एवं लोगों से कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए शांतिपूर्वक तरीके से ईद मनाने की अपील किया।

कोविड मरीजों के लिए मिले दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि जनपद में कोविड मरीजों की चिकित्सीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सांसद के स्तर से दिए गए निर्देश के क्रम में औद्योगिक इकाइयों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सीएसआर के अन्तर्गत लगातार सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि आज एसीसी टिकरिया सीमेंट वर्क्स द्वारा जनपद के कोविड मरीजों की चिकित्सीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 24 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमेठी को सौंपते हुए कोविड मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे ने बताया कि यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एक तरह से मिनी ऑक्सीजन प्लांट हैए इस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से एक साथ दो मरीजों को ऑक्सीजन दी जा सकती हैए यह एक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर है। इस दौरान एसीसी टिकरिया सीमेंट वर्क्स के डायरेक्टर प्लांट अतुल दत्ताए हेड एचआर अनिल दुबे मौजूद रहे।

कोरोना संक्रमण का दुकानदारों पर नहीं हो रहा है कोई असर

संवाददाता। मिल्कीपुर अयोध्या।

तहसील क्षेत्र के तरौली बाजार में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते देखा जा रहा है ।सरकार या प्रशासन द्वाराकितना भी प्रयास कर कोरोना संक्रमण को देखते हुए लॉकडाउन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है लेकिन स्थानीय लोग व प्रशासन इसका अनुपालन कराने में नाकामयाब दिख रहा है जबकि सरकार द्वारा 24 मई तक लाक डाउन की घोषणा की गई है लोगों को मास्क तथा सोशल डिस्टेंसिंग में रहने की नसीहत दी जा रही है ऐसे में लोग स्वयं लाकडाउन होते हुए भी सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन कर काल के गाल में जानबूझकर समाने जा रहे हैं पुलिस प्रशासन के लोग तथा 112 पीआरबी की गाड़ियां भी दौड़ रही हैं पीआरबी सिपाही भी मां क्षेत्र में दौड़ कर लकड़ कट्टों से अवैध वसूली कर रहे हैं आम जनता से उन्हें क्या लेना देना है लाक डाउन होते हुए भी बुधवार व शनिवार को क्षेत्र के तरौली बाजार में लगने वाली साप्ताहिक बाजार में शनिवार को भी धड़ल्ले से सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते हुए मीट शॉप की दुकानों पर

खुलेआम सड़कों पर बिक्री की जा रही है तथा सब्जी दुकानदार भी सोशल डिस्टेंसिंग को तार.तार करते हुए बिना मास्क के दुकानदार बिक्री व जनता खरीददारी कर रहे हैं। प्रशासन मौन है। दुकानदार भी जनता से मनमाने दुगने दाम पर सामानों की बिक्री कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन भी कोरोना काल में लगने वाली साप्ताहिक बाजारों की दुकानों व बाजार मालिक पर अंकुश लगाने में नाकाम दिख रहा है भीड़.भाड़ से संक्रामक बीमारी का खतरा मंडराता नजर आ रहा है।

बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जनपदस्तरीय टास्क फोर्स की गई गठित

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में आज कैंप कार्यालय में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण हेतु जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड.19 के संक्रमण के प्रभाव से प्रभावितध्अनाथ हुये ऐसे बच्चों को जिनके माता.पिता की इस महामारी से मृत्यु हो गई एवं जिन्हें आर्थिक रूप से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैए जिनमें परित्यक्तए अनाथए परिवार विहीन अथवा देखरेख व संरक्षण की स्थिति में आने वाले ऐसे समस्त बच्चों के पुनर्वास एवं उनकी सहायता हेतु विशेष प्रयास प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। ऐसे बच्चों को चाइल्ड लाइनए महिला सहायता प्रकोष्ठए विशेष किशोर

पुलिस इकाई बाल कल्याण पुलिस अधिकारी स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में शामिल समस्त बाल व महिला देखरेख गृहों का नियमित निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की निगरानी व इन गृहों में नियमित कोविड.19 परीक्षणए कोविड टीकाकरणए स्वास्थ्य उपकरण व दवाओं की उपलब्धता तथा चिकित्सा व देखभाल आदि किया जाना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इस महामारी से प्रभावित परित्यक्त अनाथ परिवार विहीन अथवा देखरेख व संरक्षण की स्थिति में आने वाले बच्चों के बारे में मीडिया स्रोतों आदि में प्रसारित होने वाले ऐसे सभी समाचारों का स्वत संज्ञान लेते हुए जिला प्रोवेशन अधिकारी को अवगत कराएं।

जमानत पर घर लौट रहे व्यक्ति को दबंगों ने पीटा

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। उपजिलाधिकारी टाण्डा न्यायालय से शांति भंग की आशंका मे जमानत कराकर घर लौट रहे व्यक्ति की गांव के पास पहुंचने पर चार लोंगो ने लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर गाली गलौज व धमकी दी। मामले में इब्राहिमपुर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामला थाना इब्राहिमपुर क्षेत्र के ग्राम जगुई का है। घटना क्रम के अनुसार बीते शुक्रवार की रात्रि में आठ बजे लगभग ओम प्रकाश विश्वकर्मा पुत्र राम पियारे जो कि उपजिलाधिकारी न्यायालय से जमानत कराकर घर लौट रहे थे कि गांव के पास पहुंचने पर विपक्षी राजेन्द्र प्रसाद,अरविंद सिंह,रिंकू सिंह,अजित सिंह निवासी ग्राम उपरोक्त ने गाली गलौज व धमकी देते हुए जमकर मारे पीटे जिससे ओमप्रकाश को काफी चोटें आई हैं। हल्ला गोहार पर गांव के लोगों के पहुंचने पर विपक्षी वहाँ से भाग गये।

कांग्रेस नेता मोहम्मद अनीस के निधन से शोक की लहर

संवाददाता। अयोध्या

हसनु कटरा निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अनीस अहमद खान के आकस्मिक निधन से अयोध्या कांग्रेसजनों में शोक की लहर। प्रवक्ता मोहम्मद शरीफने बताया कांग्रेस पार्टी में पूरी ताक़त व निष्ठा के साथ खड़े रहने वाले अनीस अहमद खान जी का निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है उन्हें हसनु कटरा कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने अनीस अहमद खान के निधन पर गहरा दुख जताते हुए कहा पार्टी ने आज एक निष्ठावान सिपाही खो दिया है जो सदैव पार्टी के लिए संघर्ष करते रहते थे उन्होंने ईश्वर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल स्वजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव महानगर

अध्यक्ष अकबर अली मेजर एआईसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह उग्रसेन मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा प्रदेश सचिव सुनील पाठक पीसीसी सदस्य मोहम्मद शरीफ लईक अहमद खां अतीक अहमद खां एडवोकेट असगर अली सिद्धू मोहम्मद उमर बन्नी नाजिम हुसैन शीतला पाठक कवींद्र साहनी वेद सिंह कमल शरद शुक्ला अजमल खलील मोहम्मद नौशाद खान मोहम्मद दानिश जिया फिरोज अंसारी आदि मौजूद रहे।

सादगी से मनाया गया ईद का त्यौहार

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। कोरोना महामारी को देखते हुए ईद का त्यौहार सादगी पूर्ण ढंग से मनाया गया। ईदुल फित्र की नमाज भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों में कोविड 19 का अनुपालन करते कई कई बार मे अदा किया। पिछले बर्ष की अपेछा इस वर्ष लोगों में महामारी का भय काफी व्याप्त रहा। पवित्र माह रमजान के 30 रोजे रखने के बाद ईद का त्यौहार आता है लेकिन पिछले वर्ष से यह त्योहार कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गया है। ईद के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोग अपना व अपने बच्चों तथा पूरे परिवार का नया कपड़ा बनवाते थे लेकिन इस वर्ष अधिकांश लोगों ने पुराने कपड़ों में ही ईद का त्योहार मनाया। इस बार दुकानों की बंदी व लॉक डाउन के चलते कपड़े रेडीमेड व सेवइयों की विक्री नही हो सकी दुकानदारों द्वारा ईद के अकमाह पूर्व रमजान शुरू होने के पूर्व ही माल का स्टॉक आ जाता था।

नहीं थम रहा प्रतिबंधित मांस मिलने का सिलसिला

संवाददाता। जगदीशपुर अमेठी

जहाँ सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ गौवध को लेकर काफी सख्त नजर आ रहे हैं बावजूद इसके स्थानीय पुलिस की मिली भगत के चलते प्रतिबंधित जानवर का कटा हुआ अवशेष दो दिन से लगातार मिलने का सिलसिला चल रहा है जिम्मेदार अधिकारी मौन ।

कमरौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूरे महंगू में गाँव के किनारे बाग में स्थानीय लोगों ने प्रतिबंधित जानवर के कटे हुए अवशेष देख कर के दंग रह गए और यह खबर आग की तरह फैलने लगी तो आसपास के लोग एकत्र होने लगे वहीं स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी लेकिन जानकारी होने के बाद भी मौके पर नहीं पहुंची काफी समय बाद पहुंची पुलिस ने मांस का सेम्पल लेकर जांच के लिए भेजा और बचे हुए अवशेष को जमीन में दफना दिया गया ।जिसको लेकर स्थानीय पुलिस की भूमिका संदिग्ध लग रही है और वहीं दो दिन पूर्व भी प्रतिबंधित जानवर का कटा हुआ अवशेष मिला था जब कि सूबे के मुखिया गौवध को लेकर काफी सख्त नजर आ रहे हैं बावजूद इसके भी स्थानीय पुलिस पैसा कमाने के चक्कर में शासन के आदेश की धज्जियां उड़ाने में लगी हुई है ।कप्तान साहब क्यों नहीं थम रहा है मांस मिलने का सिलसिला कहीं ऐसा तो नहीं स्थानीय पुलिस की मिलीभगत के चलते बड़े पैमाने पर गोमांस की तस्करी की जा रही हो । इस सम्बंध में थानाध्यक्ष शिवा कांत ने बताया कि मिले मांस की जांच के लिए भेज कर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन जारी है ।

एसडीएम ने सब्जी मंडियों का किया औचक निरीक्षण

अम्बेडकरनगर। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए आज सुबह अकबरपुर उप जिलाधिकारी मोइनुल इस्लाम और टांडा के उप जिलाधिकारी अभिषेक पाठक ने सब्जी मंडियों का किया औचक निरीक्षण निरीक्षण के दौरान मंडी में व्यापारियों से कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का अवश्य पालन करें और व्यापारी अपनी सब्जियों की दुकान दूरी बनाकर लगाएं और उचित रेट पर ग्राहकों को दिया जाए उसके साथ साथ उनको यह भी हिदायत दी कि व्यापारी खुद मास्क लगाकर अपने सब्जी की दुकान बैठे और सब्जी खरीदने वालों को भी मास्क लगाकर आना आवश्यक है जिससे वैश्विक कोविड-19 महामारी जैसे जानलेवा संक्रमण से बचाया जा सके। इस मौके पर दोनों तहसील के क्षेत्राधिकारी तहसीलदार और थाना अध्यक्ष मौजूद रहे।

मेडिकल किट में नहीं मिला पैरासिटामाल

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

अम्बेडकरनगर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटेहरी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटेहरी में वैक्सीनेशन रूम, स्टोर रूम का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्टोर रूम में दवा की किट में पैरासिटामोल टेबलेट नही था। जिस पर डीएम ने काफी नाराजगी व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान वैक्सीनेशन रूम में एएनएम मूर्ति वर्मा अनुपस्थित पाई गई, जिनके स्थान पर सुषमा रानी काम कर रही थी। वैक्सीनेशन रजिस्टर में तिथि वार डाटा उपलब्ध न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। वहां पर उपस्थित डॉक्टर द्वारा बताया गया कि आज कुल 140 लोगों का वैक्सीनेशन कराया गया है। इसके उपरांत स्टोर रूम का भी जायजा लिया गया जिसमें जिंक, विटामिन सी का टेबलेट उपलब्ध था। साथ ही मेडिसिन किट का भी जांच किया गया मेडिसिन किट में पेरासिटामोल की दवा नहीं पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मेडिसिन किट में पेरासिटामोल टेबलेट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी प्रकार की उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने उपस्थिति रजिस्टर का भी अवलोकन किया पर्यवेक्षक भरत सिंह , स्टाफ नर्स संध्या सिंह तथा नीता उपस्थित पाए गए। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि डॉ शशि राम मेडिकल पर है तथा डॉ.सुमन सिंह, अजय पटेल तथा रवि पटेल अनुपस्थित पाए गए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

पिता ने पुत्री व उसके प्रेमी को कुल्हाड़ी से काट डाला

- घाटमपुर कोतवाली के बिरहिनपुर गांव की है घटना
- हत्यारे को आला कत्ल के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। घाटमपुर

बिलखते परिजन पायनियर

सपना (फाइल फोटो)

कल्लू उर्फ शालू (फाइल फोटो)

कोतवाली की पुलिस चौकी पतारा क्षेत्र के गांव बिरहिनपुर मजरा बलाहापारा में अवैध संबंधों को लेकर पिता ने पुत्री व उसके प्रेमी को कुल्हाड़ी से काट डाला, सरे आम इस लोमहर्षक वारदात के समय मुहल्ले के तमाम लोग मौजूद थे लेकिन हत्यारे का रौद्र रुप देख किसी की रोकने की हिम्मत नही पड़ी, सूचना पर पंहुची कोतवाली पुलिस हत्यारे को मय कुल्हाड़ी के हिरासत में लेकर कोतवाली ले आयी। बताया जाता है कि गांव निवासी रामआसरे बीते शुक्रवार को पत्नी के साथ हमीरपुर जनपद स्थित रिस्तेदारी में शादी में गया था, घर में पुत्री सपना (18) व छोटा भाई घर में थे, तभी रात में मौका लगा कर पड़ोसी बैजनाथ का पुत्र कल्लू उर्फशालू घर में धुस गया, चर्चा है कि तभी मुहल्ले वालों ने बाहर से कुन्डी बन्द कर घटना की जानकारी मोबाइल से रामआसरे को दी। सुबह करीब 6 बजे रामआसरे गांव पंहुचा और सीधे घर में घुस कर अन्दर से कुन्डी बन्द कर ली तथा पुत्री सपना व प्रेमी कल्लू को कुल्हाडी से काट डाला। इसी बीच कल्लू के परिजन भी मौके पर पंहुचे और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी धनेश प्रसाद तथा सीओ पवन कुमार मौके पर पंहुचे तथा दोनों के शवों को कब्जे में लेकर लोगों से घटना के बावत जानकारी की, अपर पुलिस अधीक्षक आदित्य शुक्ला और एसपी आउटर अष्ट भुजा प्रसाद सिंह भी मौके पर पंहुचे। उधर कल्लू उर्फ शालू के पिता बैजनाथ ने राम आसरे को नामजद करते हुए घटना की रिपोर्ट दर्ज करायी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दोनो पक्ष एक ही बिरादरी के हैं, शवों को पोस्ट मार्टम के लिये भेज कर हत्या आरोपी को मय आला कत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

गांव में बदनामी से परेशान था हत्यारा

घाटमपुर। पुत्री और उसके कथित प्रेमी कल्लू की निर्मम हत्या के समय धर के बाहर दोनों पक्षों के परिवारी जन तथा पड़ोसी लोग मौजूद रहे थे और लोग उन्हे न मारने की अपील भी राम आसरे से करते रहे लेकिन हत्यारे ने किसी की बात नही मानी और पहले प्रेमी कल्लू व बाद में पुत्री सपना को ताबड़तोड़ कुल्हाडी से वार कर मौत के घाट उतार दिया।

गांव में पुलिस बल की तैनाती

घाटमपुर। दोहरे हत्या कांण्ड से जहॉं पुलिस के आला अधिकारी पल-पल की खबर लेते दिखे वहीं गांव में कोई अप्रिय घटना न घटे इसको लेकर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। यदपि सीओ पवन कुमार गांव में तनाव जैसी कोई बात से इनकार करते हुए बताया कि सुरक्षा के तौर पर पुलिस बल लगाया गया है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आकर लाइनमैन की मौत

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

मृतक संविदा लाइनमैन मनीष उर्फमुकेश के भाई ज्ञान सिंह ने बताया कि उसका भाई संविदा कर्मचारी लाइनमैन के तौर पर अडरेयुरवा बनीपारा के विद्युत स्टेशन पर तैनात है बीते दिनों आयी तेज हवा आँधी के चलते कई जगह तार टूटने से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गयी थी। शुक्रवार की दोपहर को आँधी से क्षतिग्रस्त हुयी करिंगापुर भरवा बगिया के पास हाईटेंशन लाइन का निरीक्षण कर रहा था। 11 हजार वोल्टेज की लाइन के खम्भे पर चढने से पहले उसने शटडाउन लेने को कहा था जिस पर मेरा भाई खम्भे पर चढ गया जैसे ही मेरे भाई ने केबिल पर प्लास लगाया अचानक तेज आवाज के साथ वह करीब 20 फुट लम्बे खम्भे से आकर नीचे आ गिरा। गम्भीर व चिन्ताजनक स्थित में उसके जिला असपताल ले जाया गया जहॉ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा जा रहा है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेकटेऊट सभागार कक्ष में जनपद स्तर पर कोविड-19 से प्रभावित बच्चों तथा महिलाओं के प्रकरणों में निगरानी व आवश्यक कार्यवाही हेतु एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में यह बताया गया कि महामारी के दौरान परित्यक्त, अनाथ, परिवार से बिछड़े या किसी भी प्रकार से परिवार विहीन अथवा देखरेख व संरक्षण की स्थिति में आने वाले बच्चों के बारे में सूचना एकत्र करने हेतु एक रणनीति बनायी जायेगी, ताकि इन बच्चों का भविष्य सुधर सके और वह अपने आप को बेसहारा महसूस न कर सके, साथ ही इन बच्चों को अवैध रूप से कोई गोद ले न सके, न ही इनके साथ कोई जादती हो सके, साथ ही बेसहारा महिलाओं को भी इसके अन्तर्गत संरक्षित किया जायेगा, इसके लिए जनपद स्तर पर एक टास्क फोर्स का गठन किया जायेगा, जिसमें जिलाधिकारी अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी सदस्य, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति सदस्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी/जिला बाल संरक्षण अधिकारी सदस्य, सचिव, जिला कार्यक्रम अधिकारी आई0सी0डी0एस0 सदस्य, केन्द्र प्रशासक, वन स्टाप सेन्टर सदस्य आदि सामिल है, यदि महामारी के दौरान परित्यक्त अनाथ, परिवार से बिछड़े या किसी प्रकार से परिवार विहीन अथवा देख रेख की स्थिति में आने वाले बच्चों की सूचना प्राप्त हुयी है तो बाल संरक्षण समिति को सूचित किया जा सकता है, जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जल्द ही चाइल्ड हेल्प लाइन को सक्रिय किया जाये, शासन द्वारा निर्देशित बच्चों को पृथक रूप से क्वारंटीन किये जाने की व्यवस्थाओं की स्थिति व समीक्षा लगातार होती रहे, इस प्रकार से इस समीक्षा में बेसहारा बच्चों और महिलाओं को इस महामारी के दौरान संरक्षण प्रदान करते हुए उनकी समुचित देखभाव व मदद की जाये ताकि उनके साथ किसी प्रकार की कोई जादती न होने पाये। निश्चित रूप से प्रशासन की एक महत्वपूर्ण पहल है जो मानवीय भावनाओं से परिपूर्ण है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक पाण्डेय आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

सपा नेत्री के निधन पर दी गयी श्रृद्धांजलि

उन्नाव। विधान सभा उन्नाव प्रभारी सपा नेत्री मनीषा लोधी के दुखद निधन से पूरे जिले में सोक की लहर फैल गई जिनके पार्थिव शरीर का कल कानपूर गोला घाट पर अन्तिम संस्कार संपन्न हुआ और आज उनके निज निवास वाजिद पुर कानपूर में सुबह से शाम तक सानत्वना देने वालों का तांता लगा रहा जबकि उन्नाव स्थित उनके हवा महल आवास पर सपाईयों और उनके अनुयाइयों ने श्रृद्धांजलि सभा आयोजित कर भाव पूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की तथा मनीषा दीपक के निधन को अपूर्णीय क्षति बताया गया। ज्ञात हो कि विधायक स्व दीपक कुमार के निधन के बाद श्रीमती मनीषा दीपक ने उनकी राजनीतिक वरासत को संभाला और एक उपचुनाव व एक आम चुनाव उन्नाव विधान सभा से सपा प्रत्यासी के रुप में चुनाव लडी यह बात दीगर वह दोनों चुनाव हार गयी इसके बावजूद अपने परिवार की राजनीतिक वरासत को बाखूबी संभाला। श्रीमती मनीषा दीपक के निधन पर हवामहल में आयोजित श्रृद्धांजलि समारोह जानकारी के अभाव में दो बजे से शुरु होकर देर शाम तक चलता रहा जिसका प्रारम्भ मनीषा जी के छोटे पुत्र अनुभव ने मनीषा के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारम्भ किया जहां जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र यादवए मंजीत यादवए बीरेन्द्र शुक्लाए आदि दर्जनों सपाईयों ने माल्यार्पणकर श्रृद्धांजलि अर्पित किया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने महिला को मारी टक्कर, मौत

बांगरमऊ उन्नाव । बेहटा मुजावर थाना अंतर्गत ग्राम रूरी सादिकपुर के मजरा दीनाखेड़ा में तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने राम खेलावन की पत्नी रामदेवी उर्फसुशीला 45 जो पड़ोस में स्थित अहाते में जानवरों को चारा पानी देने गयी थीए को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से महिला की मौके पर मौत हो गई ।सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

घर वापसी के इरादे में नहीं हैं निष्कासित भाजपाई

फतेहपुर। जिला पंचायत के चुनाव दौरान पार्टी समर्थित प्रत्याशियो के खिलाफचुनाव लड़ने व लड़ाने वाले निष्कासित बागी फ्लिहाल घर वापसी के इरादे में नहीं हैं। तकरीबन तीन दशक तक पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहने के साथ-साथ विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों में रहने वाले राजा सिंह कछवाह का कहना है कि बगैर नोटिस के निष्कासन का निर्णय सही नही था। उनका कहना है कि प्रत्याशियो को समर्थन देने में जिला संगठन निर्विवाद नही रहा। अब इस मामले का पटाक्षेप हाईकमान स्तर की दखल और संतोष जनक कार्यवाही के बाद ही हो सकता है। वहीं कई और बागियों के तेवर राजा सिंह के सुर में सुर मिलाते दिखे। इनका कहना था कि प्रत्याशी चयन में घोर लापरवाही हुई है, जिसका खामियाजा चुनाव परिणाम के रुप में सामने है। कहा कि जवाब देही तो तय होनी ही चाहिए। ज्ञातव्य रहे कि जिला संगठन ने चुनाव बीच 20 वरिष्ठ भाजपाइयों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इस चुनाव में पार्टी की हुई खस्ताहालत के बाद निष्कासित बागियों के हौसले बुलंद हैं और वह इस मामले में अपनी बात और मुखर हो कर कहने लगे हैं।

खबर वायरल होने के बाद एक और भाजपाई का निष्कासन

फतेहपुर। दो दिन पूर्व शहर के पक्का तालाब इलाके में पकड़ी गई जुए की बड़ी फड़ में गिरफ्तार अभियुक्तों में एक और भाजपाई की पुष्टि हुई है। खबर है कि 23 जुआडियों से सम्बन्धित एफ्आईआर में दूसरे नंबर पर जो प्रदीप कुमार उर्फलालजी यादव (निवासी अहमदगंज) का नाम है, वह भाजपा की नगर कमेटी में उपाध्यक्ष है, लाल जी के फेसबुक आईडी से पता चलता है कि उसका पार्टी के स्थानीय व प्रांतीय नेताओं तक अच्छी खासी पहुंच रही है। अब सवाल यह उठता है कि भाजपा का जिला संगठन पार्टी की छवि खराब करने वाले इस पदाधिकारी को भी बाहर का रास्ता दिखाता है या फ्रि उसे माफी मिल जाती है। इस संदर्भ में एक खबर सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद जिला संगठन ने आनन-फानन में एक दिन पहले का पत्र वायरल करके लालजी यादव को भी पार्टी से निष्कासित कर दिया। वैसे मौजूदा समय में सत्तारूढ़ दल (भाजपा) का जिला संगठन दबाव में है, एक तरफलूट के मामले में वांछित वरिष्ठ भाजपा नेत्री के पुत्र और उनकी बोलेरो को लेकर तगड़ी फ्जीहत मची है और कार्यवाही का दबाव बढ़ता जा रहा है, दूसरी तरफअभिषेक शुक्ला पर कार्यवाही के बाद यह रहस्य गहराने लगा था कि प्रदीप कुमार उर्फलालजी यादव पर कार्यवाही कब। यह खबर आज वायरल होने के बाद जिला संगठन ने आनन-फानन में बैक डेट में बनाकर एक पत्र जारी कर दिया, जिसमें लालजी यादव को पार्टी से निस्कासित किए जाने का उल्लेख किया गया है। बड़ी बात यह है कि अभिषेक शुक्ला के निष्कासन का पत्र जहां 13 मई को जारी हुआ था वही आज वायरल हुआ लालजी यादव के निष्कासन का पत्र 14 मई को जारी किया गया है।

दीवार गिरने से वृद्ध की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

फर्रुखाबाद। दीवार गिरने एक वृद्ध की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरौर निवासी रामभरोसे के ऊपर दीवार गिरने से मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। विवरण के अनुसार रामभरोसे अपने घर में गेट के पास चारपाई डालकर सो रहा था। तभी अचानक उसके ऊपर भराभराकर दीबार गिर गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लिया।

कोरोना वायरस! बीते 24 घंटे में मिले 76 मरीज, एक्टिव 1214

फर्रुखाबाद। जिले में दिनों दिन कोरोना मरीजों की तादात बढ़ती जा रही है तब ऐसे में कोविड19 की दूसरी लहर के चलते बीते 24 घंटे के अनुसार जिले में 76 मरीज निकले है। जिससे जिले में कोरोना से कुल संक्रमितों की संख्या 9559 पर पहुंच गई है। इसमें कुल एक्टिव मरीज 1214 है।

विधायक ने कोरोना सहायता केंद्र का किया उद्घाटन

बांगरमऊ उन्नाव। नगर के हरदोई उन्नाव रोड पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने विधायक श्रीकांत कटियार ने फीता काटकर कोरोना सहायता केंद्र का उद्घाटन किया । विधायक श्री कटियार के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक राजेश व भाजपा नगर अध्यक्ष गोविंद कुशवाहा भी मौजूद रहे । इस अवसर पर विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि इस सहायता केंद्र के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत में घरों में आइसोलेट कोरोना मरीजों को दवाए सैनिटाइजर व ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक इस सहायता केंद्र पर आकर कोरोना वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है।

सीडीओ की सख्ती से डीपीआरओ एक्टिव मोड में

संवाददाता। कानपुर देहात

- सफाई व्यवस्था को लेकर लापरवाह कर्मचारियों पर गाज

महामारी के इस दौर में ग्रामीण क्षेत्रों में फैली गन्दगी की जानकारी पर सीडीओ सौम्या पाण्डेय के नोटिस पर जिला पॅचायत राज अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के वेतन रोकने के साथ ही सम्बन्धित सेक्रेटरी से स्पष्टीकरण मॉगा है। स्वच्छता के वातावरण में ही व्यक्ति नकारात्मकता व संक्रामक बीमारियों से दूर रह सकता है। सीडीओ सौम्या पाण्डेय ने सूत्र वाक्य के माध्यम से बताया कि जनपद स्वच्छ बने, जनपद के निवासी स्वच्छ वातावरण में रहे, ताकि इस महामारी के दौर में अन्य बीमारियॉ लोगों को नुकसान न पहुँचा सके। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान की जमीनी हकीकत से रूबरू करने के लिये जिला पॅचायत राज अधिकारी के गॉवों के भ्रमण का निर्देश दिया था। सीडीओ ने स्वच्छता अभियान में लापरवाही मिलने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश भी दिये थे। सीडीओ के निर्देश पर डीपीआरओ अनिल कुमार सिंह ने शनिवार को बिल्टी, गोगूमऊ, दुआरी गॉव का निरीख्क्षण किया। बिल्टी गॉव में सफ्ई कर्मचारी अनुपस्थित मिला अनुपस्थित पर उसके मई महीने का तेवन रोकने का आदेश जारी किया गया। एडीओ व ग्राम पॅचायत सचिव को कर्मचारियों को सफ्ई उपकरण उपलब्ध न करवाने पर सपष्टीकरण मॉगा गया। इसी गॉव मे सेनेटाइजेशन के साथ क्षतिग्रस्त पुलिया के चलते अवरूद्ध पानी के प्रवाह को दोबारा चालू किया गया।

वाइकों की भिड़ंत में एक की मौत दो घायल

घाटमपुर। थाना सजेती क्षेत्र के कोरियॉ मोढ़ पर 2 वाइके की आमने सामने टक्कर हो गयी जिसमें हमीरपुर जनपद के गांव मेरापुर निवासी दीपू निषाद (19) पुत्र राजेंन्द्र की मौके पर मौत हो गयी जबकि दूसरी वाइक सवार कोतवाली के गांव कुमेडिया निवासी दीपेंन्द्र पुत्र लक्ष्मी कान्त व अवधेश (27) पुत्र छोटे निवासी हरबसपुर थाना सजेती घायल हो गये जिन्हे इलाज के लिये सीएचसी भेजा गया जहॉं हालत गंम्भीर होने के चलते कानपुर रिफ्र कर दिया गया है।

खेतों में जलाए जा रहे फसल के अवशेष, प्रशासन बना मूकदर्शक

- सुमेरपुर ब्लॉक के कल्याणपुर में किसानों ने खेतों में जलाए फसल के अवशेष

संवाददाता। पाटन

बीघापुर तहसील क्षेत्र में शासन के दिशा निर्देश बेअसर हैं। तमाम कवायदों के बावजूद यहां खेतों में फ्सल के अवशेष जलाने का सिलसिला बेरोक टोक जारी है। प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम न उठाए जाने से किसान बड़े पैमाने पर खेतों में पड़ी पराली को आग के हवाले कर रहे हैं।

पिछले कुछ समय में बढ़ी मंहगाई एवं तकनीकी सुगमता के चलते क्षेत्र के ज्यादातर काश्तकार फ्सलों की मड़ाई हार्वेस्टिंग मशीन से करने लगे हैं। काश्तकार अनाज संग्रहित करने के बाद फ्सल के बचे हुए इन अवशेषों को खेतों में ही छोड़ देते हैं। जिसे समय व खर्च से बचने के लिए खाद में तब्दील करने के बजाय सीधे आग के हवाले कर देते हैं। फ्सल के अवशेषों को जलाने से मुक्त होने वाले भारी मात्रा में जहरीली गैसों के हवा में मिलने से वायु प्रदूषण का खतरा मंडरा रहा है। यही नहीं विशेषज्ञों के मुताबिक आग के संपर्क में आने से मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व जल जाते हैं। साथ ही मृदा की उर्वरा शक्ति भी क्षीण हो जा रही है। जिसका फ्सलों की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। प्रदूषण के बढ़ते खतरे को भांपकर शासन.प्रशासन ने अवशेष जलाने पर कानूनी कार्रवाई व जुर्माना का भी प्रावधान किया है। किंतु इन तमाम दिशा निर्देशों की बीघापुर तहसील क्षेत्र में धज्जियां उड़ रही हैं। क्षेत्र के गंगा किनारे कटरी क्षेत्र सहित देवाराए मलौनाए लंगडाखेडाएभदिहा आदि दर्जनों गांवों में किसानों द्वारा फ्सल के अवशेष जलाने का सिलसिला जारी है। शनिवार को बिहार बक्सर मार्ग किनारे स्थित कल्यानपुर गांव में कुछ दर्जनों एकड़ फ्सल के अवशेष जला दिए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने की। इस संबंध में एसडीएम बीघापुर दयाशंकर का कहना था कि खेतों में अवशेष जलाने वालों को चिन्हित कर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

अर्धनिर्मित मकान से मिला लापता बच्चे का क्षत-विक्षत शव

- ईंट से कुचल कर की गई हत्या का पुलिस ने कुछ ही घंटों में कर दिया खुलासा

संवाददाता। उन्नाव

पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सलेथू गांव से शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना प्रकाश में आयी। यहां पुलिस की लापरवाही से सात वर्षीय बालक को ईंटों से कुचल कुचल कर मार डाला गया। मृतक घटना के एक दिन पूर्व घर से गायब हुआ था। परिजनों ने कोतवाली में गुमसुदगी दर्ज कराई थी मगर पुलिस ने घटना को गम्भीरता से नहीं लियाए नतीजा यह हुआ 24 घण्टे बाद ही बालक का क्षत विक्षप्त शव बरामद हुआ।

बाद घटना मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि समझाने के बाद ग्रामीण माने और फ्रि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। खास बात यह रही कि घटना के कुछ ही घण्टे बाद पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। घटनाक्रम के मुताबिक सलेथू निवासी सतीश वर्मा उर्फ लाला का सात वर्षीय पुत्र शिवा 14 मई को अचानक गायब हो गया था। खोजबीन में सफ्लता न मिलने पर सतीश ने कोतवाली में गुमसुदगी दर्ज कराई। पुलिस किसी तरह की कार्यवाही करती उससे पहले शनिवार सुबह पड़ोस में अर्धनिर्मित मकान में शिवा का शव पड़े होने की सूचना मिली। शिवा को ईंटों से कुचल कुचल कर मार डाला गया था। हत्या की खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई कोई और अनहोनी न हो आसपास के थानों की पुलिस के अलावा डॉग स्कवायड सहित पुलिस अधीक्षक आनन्द कुलकर्णीए अपर पुलिस अधीक्षक शशिशेखर सिंहए क्षेत्राधिकारी रघुबीर सिंह मौके पर पहुंच गये। मौका ए वारदात का बारीकी से निरीक्षण करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इस बीच स्थानीय पुलिस को ग्रामीणों का विरोध भी झेलना पड़ा। घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने अपर पुलिस अधीक्षक शशिशेखर सिंह के निर्देश पर जांच शुरू करी। जांच शुरू होते ही कुछ घंटों में ही सफ्लता भी हांथ लग गई और पूरे मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। खुलासे में एएसपी शशिशेखर सिंह ने बताया कि जांच में किसी परिवारी जन का ही हांथ है। उसके बाद जांच आगे बढी तो पता चला पड़ोस में बरात के दौरान देर रात मृतक अपने चचेरे भाई बउवा उर्फ अनीश पुत्र रवी के साथ देखा गया था। जब उससे पूंछतांछ की गई तो वह टूट गया उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया आरोपी की निशान देही पर मृतक के कपड़ेए आला कत्ल ईट जिस पर बाल लगे हुए हैं बरामद कर लिया गया है। घटना के कारणों को लेकर किये गये सवाल के जबाब में उन्होंने आशंका अप्राकृतिक सम्बन्ध की जताई थी। साथ ही कहा था पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सभी चीजें स्पष्ट हो जायेंगी। हालांकि हत्याकांड का खुलाशा करने के कुछ मिनटों में ही अफ्सर अपने बयानों से पलट गये। अप्राकृतिक सम्बन्ध के बयान के बाद घटना को परिवारिक रंजिश में हत्या होना बता दिया। मजेदार बात यह रही कि पत्रकारो के सामने आरोपी को पेश नहीं किया गया। इससे साफहै कि पुलिस ने जैसे तैसे खुलाशा कर अपनी पीठ स्वंय थपथपा ली है। सूत्रों की मानें तो असल राज कुछ और ही है जो पुलिस छिपा रही है।

सुरक्षित नहीं है देवीगंज स्थित चर्च और उसकी 13 बीघे जमीन!

प्रमोद श्रीवास्तव। फतेहपुर

- काफी कुछ निर्भर है तत्कालीन डीएम की अति गोपनीय रिपोर्ट पर
- सत्ता के गलियारे से तार जोड़ कर भू-माफिया करना चाहते हैं कब्जा
- समय रहते प्रशासन न चेता तो इतिहास बन जायेगी एक और धार्मिक धरोहर

आजादी के वक्त मिशनरीज और सरकार के बीच हुए एक समझौते से इतना तो तय है कि चर्च या ईसाई समुदाय के धर्म से जुड़ी किसी भी अचल सम्पत्ति की बिक्री नहीं हो सकती, बावजूद इसके फ्तेहपुर में एक दो नहीं अनगिनत ऐसे उदाहरण हैं, जिसमे बाकायदे बैनामे भी हुए। तत्कालीन जिलाधिकारी संजीव सिंह ने इस सन्दर्भ में शासन को एक रिपोर्ट भेजकर दस्तावेजी हकीकत बयां करते हुए एक बड़े भूखण्ड पर नजर गड़ाने वालों पर बड़ी कार्यवाही की अपेक्षा की थी। फ्लिहाल तत्कालीन डीएम की रिपोर्ट के बाबत मौजूदा प्रशासन चुप्पी साधे हुये है। शुक्रवार को देवीगंज स्थित चर्च से जुड़ी लगभग 13 बीघे जमीन पर भू-माफ्यिाओं ने नजर गड़ाई और जेसीबी आदि से लैस होकर कब्जा करने पहुंचे, किन्तु समय रहते मय फोर्स के प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंच जानें से फ्लिहाल रोक लग गई, किन्तु इस बार चर्चित भू-माफ्यिा द्वारा सत्ता के गलियारे से तार जोड़ लेने के फ्लस्वरूप इन संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता कि अब वह समय दूर नहीं जब इस बड़े भू-खण्ड पर कब्जा हो जायेगा। इतना ही नहीं चर्च भी बच पायेगी यह भरोसे से कहना मुश्किल हैं।

उल्लेखनीय है कि देवीगंज स्थित चर्च जिसके आजादी के दशकों पहले से यहां काबिज होने का हवाला मिलता है, उस चर्च और उससे जुड़े बड़े भूखण्ड का बैनामा कुछ वर्ष पहले शहर के एक चर्चित भू-माफ्यिा ने तथाकथित लोगों से करवा लिया था और उसके बाद उस पर कब्जा लेने के लिए समय समय पर जोर आजमाइस की जाती रही किन्तु काफी हद तक उसमे सफ्लता नहीं मिली तो अब सत्ता के गलियारे का संरक्षण प्राप्त कर पूरे मामले को निपटाने का ताना-बाना बुना गया है। उपरोक्त भू खण्ड के बाबत विगत 31 जनवरी 2005 को सिविल जज जूनियर डिवीजन ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया कि 499 ग2 प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाता है। अदालत ने अपने आदेश में माना कि निगरानी न्यायालय द्वारा यह निश्चित कर दिया गया है कि उपरोक्त वाद आगे अग्रसारित नहीं किया जा सकता है। अत: ऐसी स्थिति में इस पत्रावली को लंबित रखे जानें का कोई न्यायोचित एवं न्याय संगत आधार नहीं है। इसी के साथ अदालत ने पत्रावली को दाखिल दफ्तर करने का आदेश दिया। क्योंकि कोर्ट का कहना था कि निगरानी न्यायालय द्वारा यह प्रतिपादित कर दिया गया है कि 05 जुलाई 2001 के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है, इसलिए 17 अक्तूबर 2003 का आदेश जब तक निरस्त नहीं हो जाता, तब तक 05 जुलाई 2001 के आदेश को निरस्त करने का उसे अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इसी आधार पर प्रार्थना पत्र को निरस्त किया था।

उपरोक्त सन्दर्भ में अब सवाल यह उठता है कि जब कोर्ट ने कोई नया आदेश नहीं किया और शासन की नियमावली में परिवर्तन नहीं हुआ। चर्च के मुख्य कर्ताधर्ता चिरागदीन की मौत हो चुकी है, और बकौल खतौनी उनके वारिसान ने कोई बिक्री नहीं की तो फ्रि बिक्री करने वाले तथाकथित लोगों को कार्यवाही की जद में क्यों नहीं लाया गया। एक संदर्भ आपसी समझौते का लिया जा रहा है, जिसका भी स्पष्ट हवाला नहीं मिलता। वैसे भी मिशनरीज की जमीनों का अपना बाईलाज है, जो पूरी दुनिया में एक है, जिसके तहत् मिशनरीज का अमुख संचालक (सर्वराकार) खरीद तो कर सकता है, किन्तु किसी भी परिस्थिति में उसे बेचने का अधिकार नहीं होगा। विषम परिस्थितियों में अत्यधिक विवाद की स्थिति में गृह मंत्रालय मिशनरीज के मुख्यालय इटली को अवगत कराते हुए कोई निर्णय ले सकता है। वैसे ऐसे उदाहरण अब तक कम से कम उत्तर भारत में तो देखने को नहीं मिले हैं। यहां पर एक और तथ्य खासा महत्वपूर्ण हो जाता है कि देवीगंज स्थित चर्च के मामले में तत्कालीन डीएम संजीव सिंह की शासन को भेजी गई उस रिपोर्ट पर शासन का क्या रुख रहा जो उन्होंने यहां अपने कार्यकाल के लगभग अंत में तमाम प्रयासों के बाद शासन को भेजकर त्वरित निर्णय और कार्यवाही का निर्णय लेने के बाबत अपनी टिप्पणी के साथ अग्रसारित की थीं। फ्लिहाल इस अति गोपनीय रिपोर्ट के बाबत मौजूदा प्रशासन को कोई जानकारी न होने की बात कही जा रही है।

पूर्व राज्यमंत्री की भाभी सहित कोरोना से दो लोगों की जान गई, 90 संक्रमित

फर्रुखाबाद। सपा के पूर्व राज्यमंत्री की भाभी सहित दो महिलाओं की कोरोना से मौत हो गई। जनपद में शुक्रवार को आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 91 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसमें जिला जेल के 10 बंदी भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। अब तक संक्रमित हुए लोगों को आंकड़ा बढ़कर 9483 पहुंच गया है। जिले में कोरोना संक्रमण का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर जहां संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वहीं मौत का सिलसिला भी जारी है। सपा के पूर्व राज्य मंत्री नरेंद्र सिंह यादव की भाभी शहर के मोहल्ला सुनहरी मस्जिद नई बस्ती निवासी बसंती देवी ;80वर्ष की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी गुरुवार को हुई जांच में कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई थी। इलाज के दौरान शाम को मौत हो गई। कमालगंज क्षेत्र के गांव कुशलपुर निवासी महिला;65वर्ष सीएचसी पर 10 मई को हुई जांच में संक्रमित मिली थी।

अब बच्चों पर वक्र-दृष्टि!

जबकि कोविड-19 की दूसरी लहर का कहर जारी है, डॉक्टर और विशेषज्ञ तीसरी लहर की शुरुआत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक है। 'मुश्बा हाशमी' बताती हैं कि बाल चिकित्सा टीके के अभाव में बच्चों की सुरक्षा कैसे की जा सकती है। लेकिन उसके लिए एक मजबूत बाल चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली का होना महत्वपूर्ण है।

हम ठीक उसी के बीच में फंस गए हैं जो कोविड-19 की एक बहुत ही घातक दूसरी लहर प्रतीत होती है। प्रति दिन 3.5 लाख से कम मामलों के साथ, वक्र जल्द ही किसी भी समय समतल होता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, खौफ यहीं खत्म नहीं होता है। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कोविड-19 की तीसरी लहर की भविष्यवाणी करना शुरू कर दी है जिसके और अधिक कहर बरपाने की आशंका है। इससे भी ज्यादा, क्योंकि यह बच्चों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह चिंता का एक प्रमुख कारण है, लेकिन यहां सवाल यह है कि हम आगामी तीसरी लहर से निपटने के लिए कितने तैयार हैं? इसका उत्तर शायद वह नहीं है जो हम सुनना चाहते हैं।

''वायरस अतिसंवेदनशील आबादी का शिकार करते हैं। वर्तमान में स्कूल बंद होने के कारण, शैक्षणिक संस्थान फिर से खुलने के बाद बच्चे वह समूह होंगे। यह तीसरी लहर लाएगा जो बच्चों को बड़े समय तक प्रभावित करेगी'', यह कहना है एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), अमेरिकन बोर्ड ऑफ द पीडियाट्रिक्स के डिप्लोमेट, फेलोशिप- संक्रामक रोग और मुख्य सलाहकार-वरिष्ठ सलाहकार, बाल रोग, इंद्रधनुष बच्चों के अस्पताल, डॉ अरविंद तनेजा का।

बच्चों के लिए एक प्रभावी टीके के अभाव में, वे सबसे अतिसंवेदनशील समूह बन जाते हैं और मास्क लगाना और साफ-सफाई रखना ही एकमात्र रास्ता है।

वो आगे बताते हैं, ''जब 70 से 85 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण किया जाता है, तो लोगों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए 'झुंड प्रतिरक्षा' शुरू हो जाती है। तब तक मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग बच्चों के लिए भी आदर्श है''। उनका कहना है कि जरूरत बच्चों में टीके के परीक्षण में तेजी लाने की है। यदि टीकाकरण वाले वयस्क सुरक्षित हैं तो बच्चों को भी होना चाहिए। हमने पोलियो, खसरा, कण्ठमाला, रूबेला लाइव वायरल टीकों के साथ 60 साल तक और वायरल इन्फ्लूएंजा के साथ 40 साल तक कुछ महीनों के शिशुओं में इसका अनुभव किया है। तनेजा कहते हैं और आपको बताते हैं कि टीकों का बाल चिकित्सा परीक्षण अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

उनका कहना है कि तीसरी लहर कब आएगी यह कहना मुश्किल है।

निराशाजनक तथ्य यह है कि हमने बाल चिकित्सा देखभाल पर पर्याप्त जोर नहीं दिया और परिणामस्वरूप हम इसमें पिछड़े हुए हैं।

वो बताते हैं, ''कोविड-19 बाल चिकित्सा के लिए भारत की तैयारी बहुत ही अपर्याप्त है। हमारे पास देश में बहुत कम बाल चिकित्सा अस्पताल हैं, बहुत कम बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ और बाल चिकित्सा प्रशिक्षित नर्स हैं। तीसरी लहर के लिए तैयार रहने के लिए, भारत के प्रत्येक बड़े और मध्यम आकार के शहर में इस नाजुक आबादी की देखभाल के लिए कम से कम एक समर्पित बच्चों का अस्पताल होना चाहिए ताकि हम कोविड-19 जैसी आपदा आने पर तैयार रहें। यह तीसरी लहर में होने की उम्मीद है।''

हालांकि, उम्मीद की बात यह है कि डॉक्टरों के अनुसार मई के अंत तक हम मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं।

''एक अध्ययन के अनुसार, हम ज्यादातर राज्यों में मई के अंत तक मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं। कोरोनावायरस के मामलों की एक या दो और चोटियां हो सकती हैं लेकिन वे मौजूदा लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती हैं। अलग-अलग राज्य अलग-अलग समय पर चोटियों को देख सकते हैं। भविष्यवाणी है कि भारत में इस सप्ताह के अंत तक हम सभी को एक साथ गिरावट का रुझान देखने को मिल सकता है। लेकिन अगर हमें एक राष्ट्र के रूप में जांचना है, तो सभी संचयी आंकड़ों के साथ, हम या तो अपने चरम पर हैं या इसके बहुत करीब हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्षेपवक्र होंगे।'' यह कहना है क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और इमरजेंसी मेडिसिन, रीजेंसी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, डॉ यश जावेरी का।

उनका कहना है कि तीसरी लहर अगले दो-तीन महीनों में कुछ राज्यों में दस्तक दे सकती है।

डॉ आर्य बताते हैं, ''अगर हम सख्त उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं।''

वह कहते हैं कि अगर लोग आने वाले महीनों में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हैं जिसमें डबल मास्किंग, हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना और अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचना शामिल है, तो हम शायद संकट को चरम तक पहुंचने से रोक सकते हैं।

''अगर हम बहुसंख्यक आबादी का टीकाकरण करने में सक्षम हैं तो तीसरी लहर की भयावहता कम हो जाएगी।''

हालांकि, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ अनिमेष आर्य का मानना है कि गिरावट की प्रवृत्ति का अनुमान लगाना मुश्किल है।

> अगर हम सत उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं

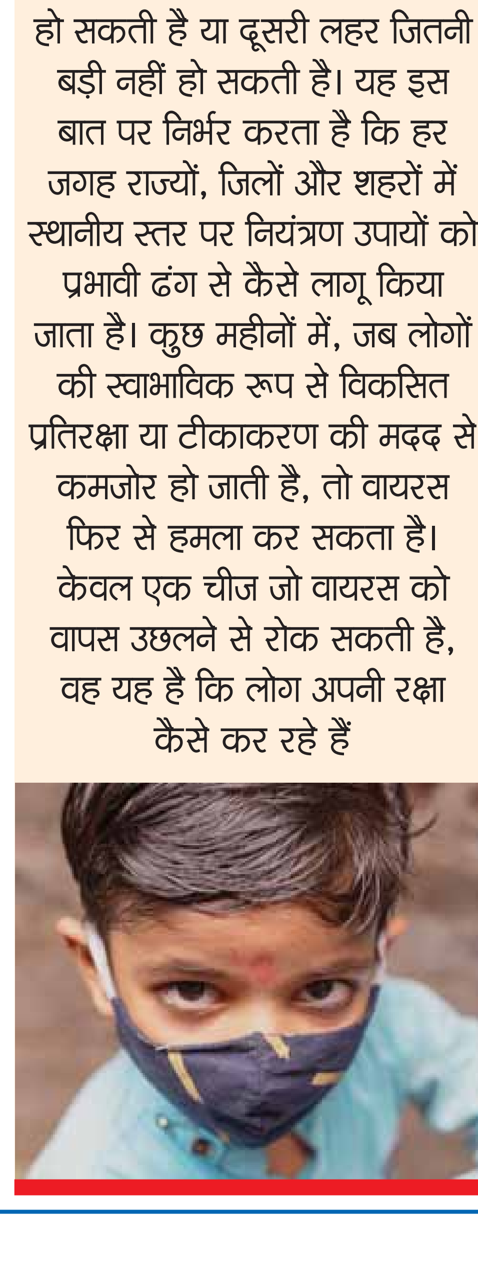

उनका कहना है कि, ''इस बात का कोई निश्चित जवाब नहीं है कि हम कब मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन महामारी विज्ञानियों को लगता है कि सभी चोटियों के साथ दो से तीन महीने के बाद गिरावट आएगी, इसलिए जून में गिरावट की उम्मीद है। लेकिन हम पहले की तरह अपनी भविष्यवाणियों से दूर हो सकते हैं।''कई वैज्ञानिक, संक्रामक रोग विशेषज्ञ और अर्थशास्त्र और मॉडलिंग पृष्ठभूमि के लोग तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जो गंभीर महामारी विशेष रूप से स्पेनिश फ्लू के पिछले प्रकोप पर आधारित है, प्रेस में सभी उम्मीदें हैं और सितंबर-अक्टूबर में हो सकता है।

आर्य बताते हैं कि, ''यह भी माना जा रहा है कि 12-15 आयु वर्ग के बच्चे तीसरी लहर में बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि वे अनुभवहीन हैं और नया उत्परिवर्ती तनाव बहुत शक्तिशाली है और यह उन लोगों की प्रतिरक्षा को चुनौती देता है जो टीकाकरण द्वारा, प्राकृतिक रूप से संरक्षित या आंशिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बीमार रोगियों के इलाज और मृत्यु दर को रोकने के लिए तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का निर्माण आवश्यक है, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रारंभिक पहचान, सभी स्तरों के संपर्कों का व्यापक परीक्षण, उन्हें अलग करना और उनका इलाज करना प्राथमिक उद्देश्य है। समय से पहले गंभीर जटिलताओं से बचाना और उपचार करके मृत्यु से रक्षा करना ही कारगर उपाय है।

कहा जा रहा है कि, ऐसे कई डॉक्टर हैं जो मानते हैं कि बच्चों पर उतना बुरा असर नहीं पड़ेगा जितना कि अनुमान लगाया जा रहा है, क्योंकि ये सभी भविष्यवाणियां आंकड़ों पर आधारित हैं। इसलिए माता-पिता को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम आवश्यक सावधानियां कम कर दें। वैक्सीन की उपस्थिति या अनुपस्थिति दोनों में सभी सावधानियां बरतनी होंगी।

चाइल्ड एक्सपर्ट अनिल बाजवा बताते हैं, ''इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तीसरी लहर बच्चों पर चोट करेगी, ऐसा हो सकता है, लेकिन ये केवल भविष्यवाणियां हैं। हालाँकि, बच्चों में लक्षण आमतौर पर आज तक हल्के होते हैं, लेकिन यह उनके लिए टीकाकरण के महत्व को प्रभावित नहीं करता है। हम अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि तीसरी लहर में लक्षण गंभीर होंगे या नहीं। हालांकि, बाल चिकित्सा टीके की अनुपस्थिति में सावधानी बरतने का एकमात्र तरीका है। प्रतिरक्षा एक और महत्वपूर्ण चीज है। बच्चों को उनके आहार में ढेर सारी हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों सहित पौष्टिक आहार देना चाहिए। उन्हें हाइड्रेट रखें। नारियल पानी दिन में दो बार काम कर सकता है। जंक से हर कीमत पर बचें, और अंत में, यह भी कि उनको विटामिन सी सेवन बढ़ाएं।''

हालांकि महाराष्ट्र जैसी कई राज्य सरकारों ने बाल चिकित्सा केंद्र स्थापित करके तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन आवश्यकता कम मृत्यु और अधिक वसूली के साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए बाल चिकित्सा अस्पतालों, आईसीयू बेड और देखभाल केंद्रों की संख्या बढ़ाने की है।

बाजवा कहते हैं, ''तीसरी लहर के प्रभाव को रोकने के लिए, बच्चों के लिए आईसीयू बेड और अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करना, बोर्ड पर अधिक बाल चिकित्सा नर्सों को लाना और यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चों की देखभाल के लिए पर्याप्त डॉक्टर हों। हमारे स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में मूल रूप से सुधार की जरूरत है, जो निश्चित रूप से इस समय संभव नहीं है। इसलिए, अब एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो उचित कर्मचारियों से सुसज्जित हो ताकि डॉक्टरों और नर्सों को थकान से जूझना न पड़े।''

बच्चों को संक्रमित होने के जोखिम से बचाने के कई तरीकों में से एक है माता-पिता को जल्दी से टीका लगवाना।

''यह बच्चे नहीं हैं जो वायरस ले जाते हैं, यह उनके माता-पिता या परिवार हैं जो वायरस से गुजरते हैं। इस तथ्य का समर्थन करने के लिए कोई रिपोर्ट नहीं है, लेकिन यह एक अवलोकन है जो पहली और दूसरी लहर के दौरान किया जाता है। इसलिए, बच्चों को संक्रमण की चपेट में आने से रोकने के लिए, बड़ों को दोनों खुराकों के साथ जल्दी से टीका लगवाने की जरूरत है। टीके की कमी के साथ, यह एक कठिन कार्य लग सकता है, हालांकि संभावित तीसरी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए यह एकमात्र संभव विकल्प है।''

और बाकी उपायों के अलावा, हमें व्यस्त अस्पतालों का समर्थन करने के लिए, कोविड लहर के आधार पर एक शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए स्टैंडबाय पर युवा नर्सों और डॉक्टरों की एक सेना तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें उन्हें बड़े पैमाने पर प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अकेले पैसा, युवाओं को कोविड आईसीयू वार्डों में अपनी जान जोखिम में डालने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

और अंत में, हल्के लक्षण वाले रोगियों को तुरंत अलग किया जाना चाहिए, ताकि उनमें संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सके।

आर्य बताते हैं, ''वक्र को समतल करने के लिए और झुंड प्रतिरक्षा या निष्क्रिय प्रतिरक्षा की कमी के कारण उच्च जोखिम वाले बच्चों की कमजोर आबादी के जोखिम को कम करने के लिए, हल्के रोगसूचक रोगियों को संक्रमण मुक्त होने तक अलगाव की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि संक्रमण दर इस समय अधिक है।''

वैक्सीन पासपोर्ट

अब जब ज्यादा से ज्यादा लोग टीकाकरण करवा रहे हैं तो कुछ सरकारें समाज को लॉकडाउन से बाहर लाने के लिए वैक्सीन पासपोर्ट पर भरोसा कर रही हैं। ये पासपोर्ट एक ऐसा आवश्यक प्रमाणपत्र है जो यह दर्शाता है कि धारक कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा कवच हासिल कर चुका हैं। ब्रिटिश सरकार ने भी वैक्सीन पासपोर्ट योजना लागू करने का प्रयास किया था लेकिन कुछ जगहों पर इन प्रस्तावों के खिलाफ भारी विरोध का सामना करने के बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। संभवतः इसमें कोई चौंकाने वाली बात नहीं है- वैक्सीन पासपोर्ट योजनाएं विवादास्पद हैं क्योंकि कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि इससे असमानता पैदा होगी। समाज के सदस्य होने के नाते, यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम अपने समुदाय में हर किसी की सुरक्षा के लिए अपना टीकाकरण कराएं। टीकाकरण पासपोर्ट से इतने सारे लाभों के साथ ही जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ेगी और जब हम सामान्य जीवन में लौटेंगे तो हम एक बेहतर समय का आनंद उठा सकेंगे।

DOC टॉक

डॉ. आशु रस्तोगी
सहायक प्रोफेसर, एंडोक्रायनोलाजी
पीजीआई चंडीगढ़

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

कई अध्ययनों में अब विटामिन डी के स्तर और कोविड-19 की गंभीरता और मृत्यु दर के बीच उच्च संबंध पाया गया है। इस तरह के अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 वाले रोगियों में विटामिन डी का स्तर काफी कम था। इसके अलावा, उन रोगियों में बुखार काफी अधिक था जिनके पास पर्याप्त स्तर वाले रोगियों की तुलना में विटामिन डी का स्तर कम था। इसके अतिरिक्त, यह पाया गया है कि विटामिन डी की कमी और कोविड-19 के साथ पुराने वयस्कों में उन लोगों की तुलना में बदतर रुग्णता के परिणाम थे जिनकी कमी नहीं थी।

विटामिन डी एक वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर में कई महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोषक तत्व विशेष रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। चूंकि, यह वसा में घुलनशील यौगिकों का एक समूह है जो कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण के लिए जिम्मेदार है, और अतिरिक्त जैविक प्रभावों की एक किस्म के लिए; विटामिन डी का निम्न स्तर कई तीव्र और पुरानी बीमारियों के विकास की संभावना को बढ़ा सकता है। एक कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली का अर्थ है संक्रमण और बीमारी के खिलाफ शरीर की कमजोर रक्षा।

एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है।

एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है। आजकल बाजार में विटामिन डी सप्लीमेंट के कई ब्रांड उपलब्ध हैं जैसे डी-3 मास्ट, कैल्डीकाइंड, कैल्शिन, आदि।

यह देखा गया है कि विटामिन डी सप्लीमेंट लेने वालों को श्वसन तंत्र में संक्रमण कम होता है।

बीएमजे द्वारा प्रकाशित और डॉ रस्तोगी और उनकी टीम के नेतृत्व में किए गए शेड अध्ययन के अनुसार, सार्स सीओवी-2 संक्रमण वाले विटामिन डी की कमी वाले व्यक्तियों का अधिक अनुपात सार्स सीओवी-2 आरएनए नकारात्मक हो गया और कोसीफेरोल सप्लीमेंट की उच्च खुराक से फाइब्रिनोजेन में उल्लेखनीय कमी आई।

हमने देखा है कि विटामिन डी3 (60000 आईयू) सप्लीमेंट की सात दिनों की उच्च खुराक कोरोनावायरस निकासी में मदद करती है।

प्रतिरक्षा कार्य को संशोधित करने में विटामिन डी की भूमिका का समर्थन करने वाले सबूतों को देखते हुए, और विटामिन डी की कमी वाले रोगियों पर कोविड-19 के साथ विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को देखते हुए, व्यावहारिक सिफारिशों को निम्नानुसार संश्लेषित किया जाना चाहिए :

– विटामिन डी की स्थिति को इष्टतम करने के लिए वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का हमेशा पालन किया जाना चाहिए

कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों में बेसलाइन सीरम 25 ओएच-डी सांद्रता मापी जानी चाहिए और एक स्तर 30एनजी/एमएल (40-60एनजी/एमएल) तक पूरक होनी चाहिए, खासकर जब बेसलाइन स्तर 10एनजी/एमएल से कम हो।

25 (ओएच) डी से कम सीरम सांद्रता वाले कोविड-19 रोगियों में कमी को ठीक करने के लिए अनुशंसित खुराक 6-8 सप्ताह के लिए 6000-7000 आईयू प्रतिदिन है। रखरखाव के लिए, खुराक 2000 से 3000 मौखिक आईयू प्रतिदिन दिन के बीच भिन्न होता है जो व्यक्ति की उम्र और नैदानिक स्थिति के आधार पर इष्टतम सांद्रता तक पहुंचता है।

जब यह कोविड-19 रोगियों में बेसलाइन 25 (ओएच)डी सांद्रता को मापने के लिए संभव नहीं है, तो यह सुझाव दिया जाता है कि प्रति दिन 2000-3000 आईयू के साथ प्रतिदिन सुझाए गए इष्टतम सीरम सांद्रता (40-60एनजी/ एमएल) का पूरक हो।

हालांकि भारत एक उपोष्णकटिबंधीय देश है जहां पर्याप्त धूप है, विटामिन डी की कमी प्रचलित है। सूरज की रोशनी सतहों पर सार्स सीओवी-2 को तेजी से निष्क्रिय कर देती है, यह सुझाव देती है कि सूर्य के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप विटामिन डी से जुड़ा एक पर्यावरणीय लाभ हो सकता है। लोगों को विटामिन डी के महत्व को समझना आवश्यक है ताकि वे प्रासंगिक दवाएं ले सकें।

म्यूकोरमाइकोसिस

एक खतरनाक फंगल इन्फेक्शन

कोविड 19 संक्रमित मरीजों में नजर आने वाले विचित्र किंतु घातक फंगल इन्फेशन के बारे में डॉ. राहुल भार्गव से जानकारी ली मुस्बा हाशमी ने :

जैसे कि कोविड-19 की दूसरी लहर आपको डर से कांपने के लिए पर्याप्त नहीं थी, देश एक फंगल संक्रमण से जुड़े मामलों दो-चार हो रहा है। म्यूकोरमाइकोसिस (कभी-कभी जाइगोमाइकोसिस कहा जाता है) एक गंभीर लेकिन दुर्लभ फंगल संक्रमण है जो म्यूकोर्मिसेट्स नामक मोल्डों के समूह के कारण होता है। ये मोल्ड्स पूरे वातावरण में रहते हैं। जब कोई इन बीजाणुओं में सांस लेता है, तो साइनस या फेफड़ों में संक्रमण हो सकता है।

एक कट, खरोंच या अन्य प्रकार के त्वचा आघात के माध्यम से त्वचा में प्रवेश करने के बाद त्वचा पर म्यूकोरमाइकोसिस भी विकसित हो सकता है। म्यूकोरमाइकोसिस मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करता है जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं या वे दवाएं लेते हैं जो जीवाणुओं और बीमारी से लड़ने की शरीर की क्षमता को कम करती हैं।

डॉ राहुल भार्गव बताते हैं कि, ''बीमारी से जुड़े लक्षणों में एकतरफा चेहरे की सूजन, सिरदर्द, नाक या साइनस में कंजेशन, आंखों में दृष्टि या दर्द, गाल और आंखों में सूजन, बुखार और नाक में काली पपड़ी शामिल हैं। यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का अनुमान है कि 54 प्रतिशत की समग्र मृत्यु दर के साथ यह बीमारी चिंताजनक है।''

स्टेरॉयड के लंबे समय तक लिए जाने और बाद में प्रतिरक्षात्मक स्थिति कमजोर हो जाने के कारण म्यूकोरमाइकोसिस कोविड रोगियों को अधिक प्रभावित कर रहा है।

''कोविड-19 से प्रभावित होने पर मधुमेह के रोगियों को म्यूकोरमाइकोसिस का बहुत अधिक खतरा होता है क्योंकि कोविड -19 उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को और खराब कर देता है और दूसरा, उन्हें उनके इलाज के लिए कॉर्टिकोस्टेरॉइड दिया जाता है। इससे उनके रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि होती है जिससे म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मधुमेह और कोविड-19 का यह संयोजन प्रबंधन के लिए एक खतरनाक और घातक चुनौती बन जाता है। डॉ भार्गव बताते हैं, 'म्यूकोरमाइकोसिस के कुछ मामले स्पर्शोन्मुख कोविड -19 संक्रमण वाले रोगियों में भी देखे गए हैं, जो अपने निदान के बारे में भी नहीं जानते थे, जो पिछले एक सप्ताह में अनके रोगियों में आए हैं जो कोविड-19 से उबरने के बाद इस संक्रमण की चपेट में आए हैं।'

चिंता का एक कारण यह है कि वर्तमान में, म्यूकोरमाइकोसिस को रोकने के लिए कोई व्यवहार्य उपाय नहीं हैं, हालांकि, शुरुआती पहचान अभी के लिए सबसे अच्छा समाधान है।

कुछ चीजें जो इसे रोकने के लिए की जा सकती हैं, वे हैं नाक की सफाई और बीटाडीन समाधान के साथ गरारे करना, मधुमेह का उचित नियंत्रण और केवल एक चिकित्सक द्वारा नुस्खे पर स्टेरॉयड का उपयोग करना। हल्दी में कर्क्यूमिन होता है जो फंगल-संक्रमण के लिए भी अच्छा होता है।

भार्गव आपको बताते हैं कि यह एक गंभीर संक्रमण है और इसका इलाज डॉक्टर के पर्चे की एंटीफंगल दवा, आमतौर पर पॉसकोनाजोल, एम्फोटेरिसिन बी या इसावुकोनजोल से किया जाना चाहिए।

''ये दवाएं एक नस (एम्फोटेरिसिन बी, पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनज़ोल) या मुंह से (पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनाज़ोल) के माध्यम से दी जाती हैं। वोरिकोनाज़ोल, फ्लुकोनाज़ोल और इचिनोकाडिन सहित अन्य दवाएं, कवक के खिलाफ काम नहीं करती हैं जो श्लेष्मकला का कारण बनती हैं। अक्सर, श्लेष्मा रोग के लिए संक्रमित ऊतक को काटने के लिए सर्जरी की आवश्यकता होती है।''

a

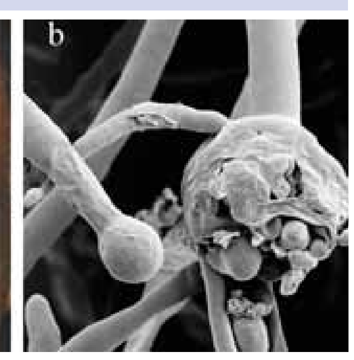

b

कोविड-19 और म्यूकोरमाइकोसिस के बीच संबंध के बारे में, भार्गव कहते हैं, कि बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं है।''चूंकि म्यूकोर्मिकोसिस के लिए प्रमुख जोखिम कारक अनियंत्रित मधुमेह मेलिटस है जो कोविड-19 के लिए एक उच्च जोखिम वाला कारक भी है। दूसरे, स्टेरॉयड - जो प्रतिरक्षा को दबाने के लिए जाने जाते हैं - केवल उपचार के समान हैं, जैसे कि मैंने पहले उल्लेख किया है, जिसने कोविड-19 मृत्यु दर को कम करने के लिए दिखाया है। इसलिए, यह कोविड-19 का संयोजन है, जिसमें प्रतिरक्षा कम हो गई है और स्टेरॉयड जो शायद एक मरीज को म्यूकोरमाइकोसिस के लिए प्रेरित करते हैं।

चूंकि घातक वायरस और म्यूकोर्मिकोसिस के बीच संबंध रोगियों में कमजोर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की स्थिति है, यह रोगी से रोगी पर निर्भर करता है कि कोई इस संक्रमण को कब विकसित कर सकता है। कोविड संक्रमण से ठीक होने के बाद फंगस से संक्रमित होने में कई दिन अथवा सप्ताह भी लग सकते हैं।

कोविडकेयर

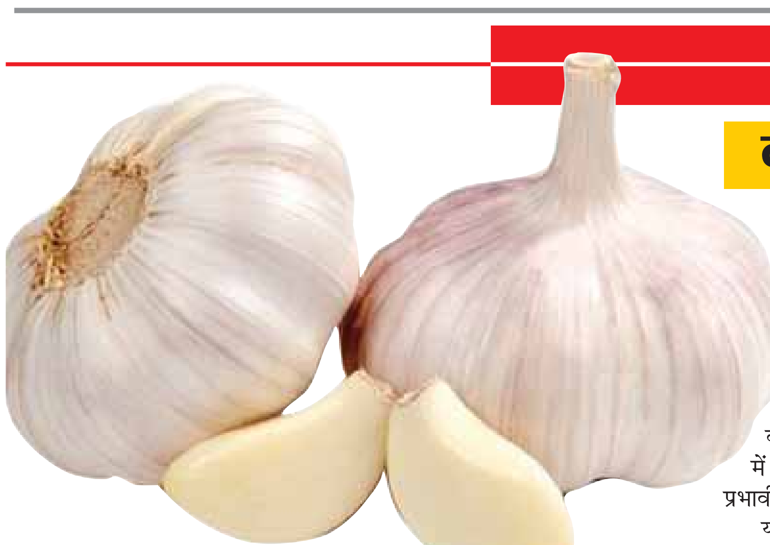

लहसुन

क्योंकि हम में से कई लोग लहसुन की गंध पसंद नहीं करते हैं, और इसलिए इसे खाने से परहेज करते हैं, लेकिन यह जड़ी बूटी अत्यधिक पौष्टिक है। यह कैलोरी में कम और विटामिन सी, विटामिन बी 6 और मैंगनीज में समृद्ध है। इसमें विभिन्न अन्य पोषक तत्वों की मात्रा भी होती है। इसलिए, यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद कर सकता है जो निस्संदेह समय की आवश्यकता है।

लहसुन की खुराक फ्लू और आम सर्दी जैसी सामान्य बीमारियों की गंभीरता को रोकने और कम करने में मदद करती है। उल्लेख नहीं करने के लिए, लहसुन की उच्च खुराक उन लोगों के लिए उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) के साथ रक्तचाप में सुधार करती दिखाई देती है। कुछ मामलों में, पूरक नियमित दवाओं की तरह प्रभावी हो सकते हैं।

यह कुल और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता है, खासकर उन लोगों में जिनके शरीर में उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या है।

दादी का कहना

लंबे और रेशमी बाल कई लोगों का सपना होता है। लेकिन, हम में से कई लोग इसके बाद बालों के झड़ने के कारण इसे छोटा कर देते हैं। रोशनी देवी बता रही हैं ऐसे कुछ उपचार जो मददगार साबित हो सकते हैं।

हम नियमित रूप से लंबे बालों में तेल लगाने के महत्व पर पर्याप्त जोर नहीं दे सकते। कोई नारियल, बादाम, सरसों या जैतून का तेल भी इस्तेमाल कर सकता है। इससे स्कैल्प पर मसाज करें और रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह किसी माइल्ड शैम्पू से धो लें। लेकिन अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो बालों में तेल लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। तेल के बेहतर अवशोषण में मदद करने के लिए सिर के चारों ओर एक गर्म तौलिया 10 मिनट के लिए लपेटा जा सकता है।

यदि एक कारण है कि आप लंबे बालों को स्पोर्ट नहीं करना चाहते हैं क्योंकि वे गिरते हैं, तो एलोवेरा का उपयोग करें। यह यह बालों की कंडीशनिंग करता है। यह रूसी को कम करता है और बालों के रोम छिद्रों को खोलता है जो अतिरिक्त तेल से अवरुद्ध हो सकते हैं। आप सप्ताह में कुछ बार शुद्ध एलोवेरा जेल को अपने स्कैल्प और बालों पर लगा सकते हैं।

अंडे से बना मुखौटा लागू करें; यह प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है, जो आपके बालों को लंबा करने में मदद करता है। बस दो अंडों को फोड़ें, जर्दों को मलें और अपने बालों पर अंडे के सफेद भाग का उपयोग करें। इसे 20 मिनट तक रहने दें और धो लें।

स्वास्थ्य ही संपदा है!

एक स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत हैं इस संबंध में बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव दीपक कुमार सिंह के कुछ सुझाव।

मृत्यु से कोई नहीं बच सकता है, लेकिन निश्चित रूप से बुढ़ापे को रोक सकता है। एक स्वस्थ, तनावमुक्त, सुखी और तनाव मुक्त जीवन का मूल सिद्धांत यह है कि व्यक्ति को एक स्व-निर्धारित दिनचर्या का पालन करना चाहिए - दैनिक दिनचर्या में आत्म-अनुशासन। मेरे सीखने के आधार पर यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं :

एक, सुबह उठने के पल को दिन का सबसे खुशी का पल बनाने की कोशिश करें। जब आप अपनी आंखें खोलते हैं या यहां तक?? कि जोर से हंसते हैं तो दुनिया में मुस्कुराएं। यह पूरे दिन के लिए आपकी भावनाओं का आधार बनता है।

दो, पानी का शासन। हर दिन कम से कम चार लीटर पानी पिएं। इसके अलावा, सुबह कम से कम तीन गिलास गर्म पानी पिएं। ठंडा पानी पीने से बचें। यह कम से कम कमरे के तापमान पर होना चाहिए।

तीन, एक अच्छे खाद्य शासन का पालन करें। तीन भोजन लें और बीच में कुछ भी नहीं, जब तक कि आपको चिकित्सकीय रूप से पांच भोजन या अधिक लेने की सलाह न दी गई हो। नाश्ता आदर्श रूप से जागने के चार घंटे के भीतर होना चाहिए और सबसे भारी होना चाहिए। दिन के पहले पहर में ही फलों का सेवन करना चाहिए। दोपहर के बाद फलों से परहेज करें। दही को नाश्ते के साथ लेना चाहिए, जब तक कि डॉक्टर द्वारा मना न किया जाए। दोपहर के भोजन के साथ मथा। और रात के खाने में कोई दही वाली चीज नहीं। भोजन की मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर जोर देना चाहिए। उन खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जो कम मात्रा में अधिक ऊर्जा और पोषक तत्व देते हैं।

चार, कार्य स्थान शासन। यदि आपके पास लंबे समय तक बैठने का काम है- सीधी पीठ की कुर्सी का उपयोग करें, अपनी पीठ को सीधा रखें, कुर्सी के साथ पीछे हटें, हर 45 मिनट के बाद उठें और पांच मिनट के लिए टहलें और अपनी गर्दन को पीछे की ओर खींचे जब भी आपको याद हो।

सावधानी : जब भी आप अपनी गर्दन को पीछे की ओर फैलाएं तो अपनी आंखें बंद रखें।

पांच, रात के खाने के बाद शासन। रात 8 बजे से पहले डिनर आदर्श रूप से लिया जाना चाहिए। रात के खाने और सोने के बीच लगभग चार घंटे का अंतर होना चाहिए। भोजन करने के बाद अपने दांतों को ब्रश करें। कम से कम 20 मिनट तक टहलें। गर्म पानी में नमक और हल्दी मिलाकर भाप लें और गार्निश करें। बिस्तर पर जाने से कम से कम आधे घंटे पहले अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दें, जब तक कि आपका पेशा इसे 24 घंटे चालू रखने की मांग न करे।

छह, रात को सोने के बाद दो बूंद सरसों के तेल की नाभि में डालें और अपनी उंगलियों से इसे 40 बार दक्षिणावर्त और 40 बार वामावर्त रगड़ें। प्रत्येक नथुने में दो बूंद सरसों का तेल डालें। एक बार बिस्तर पर, अपनी आंखें बंद करें और सुबह से हुई हर घटना को याद करें। उस दिन जो किसी भी तरह से आपको नुकसान पहुंचा है, उन्हें क्षमा करें। उन लोगों से माफी मांगें, जिन्हें आपने किसी भी तरह से चोट पहुंचाई है। इससे आपके दिमाग को आराम मिलेगा और आपको सकारात्मक सोच के साथ अच्छी नींद आएगी और अगली सुबह आप मुस्कुराते हुए उठेंगे। रात में कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। बिस्तर पर जल्दी उठने के लिए और जल्दी उठने के लिए उम्र के पुराने फासले का पालन करने की कोशिश करें।

और अंतिम लेकिन कम से कम नहीं, शासन के बाहर एक अच्छे काम का पालन करें। सुबह में कम से कम एक घंटा और शाम को आधा घंटा अपनी व्यक्तिगत व्यायाम व्यवस्था पर बिताएं। याद रखें कि पैदल चलना, टहलना और सांस लेने के व्यायाम आपके व्यायाम का एक हिस्सा होना चाहिए।

जेल में खूनी संघर्ष : हाई सिक्योरिटी में बड़ी साजिश की आशंका

संवाददाता। चित्रकूट

जेल में हुए खूनी संघर्ष पर सवाल उठ रहे हैं। हाई सिक्योरिटी बैरक में होने के बावजूद अंशुल का मेराज की बैरक में पहुंच जाना और अंशुल तक पिस्टल और कारतूस का पहुंचना बड़ा सवाल है। सूत्रों के मुताबिक सवेरे नास्ते के समय उसे पिस्टल पहुंचाई गई थी। ज्ञात है कि शुक्रवार को सवेरे साढ़े नौ बजे जिला जेल रगौली में नास्ते में चने बंटते समय जेल में बन्द सीतापुर जिले के अंशुल दीक्षित पुत्र जगदीश दीक्षित ने मेराजुद्दीन व मुकीम उर्फ काला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस मुठभेड़ में अंशुल दीक्षित भी ढेर हो गया था। इस मामले में बड़े सवाल उठ रहे हैं। मेराज और मुकीम के जेल में शिफ्ट होने के कुछ दिन बाद खूनी संघर्ष होना ये संयोग कम साजिश ज्यादा लग रहा है। जांच में ही इन सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। अंशुल के मारे जाने से तमाम सवालों के जवाब मिलने मुश्किल हो गये हैं। मुन्ना बजरंगी को जिस तरह से बागपत जेल में मारा गया था, ठीक उसी तरह यहां भी खूनी संघर्ष हुआ है। मुन्ना बजरंगी पार्ट 2 गैंगवार लग रहा है। हालांकि यहां पर अंशुल मारा गया। वहां मुन्ना को मारने वाला सुनील राठी बच गया था। दरअसल मेराज मुख्तार अंसारी के गैंग का गुर्गा था। मुकीम काला खुद अपना गैंग चलाता था और अंशुल भी खुद अपने गैंग का सरगना था। इन तीनों का आपस में कोई कनेक्शन नहीं है। इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि जब इनका आपस में कोई कनेक्शन नहीं है और न ही कोई पुरानी रंजिश तो अचानक से अंशुल ने दोनों को क्यों मार दिया। यहीं से खूनी संघर्ष में साजिश की आशंका पनप रही है। वहीं मेराज और अंशुल दोनों अलग-अलग हाई सिक्योरिटी बैरक में रहते थे। सुरक्षा को धता बताते हुए अंशुल आखिर मेराज की बैरक तक कैसे पहुंच गया। इसके पीछे भी साजिश लग रही है। आशंका है कि उसको मेराज की बैरक तक जाने दिया गया। ये बेहद अहम और बड़ा इत्तफाक था कि अंशुल डेढ साल से चित्रकूट की जेल में था। मेराज अली बीस मार्च 2021 को बनारस जेल से चित्रकूट जेल लाया गया था। मुकीम काला को सात मई 2021 को सहारनपुर जेल से चित्रकूट जेल भेजा गया था।

जेल शूटआउटः अंशुल ने मेराज पर तीन फायर झोके, मुकीम पर दागीं 13 गोलियां

चित्रकूट। जेल में खूनी संघर्ष में मारे गये पश्चिमी यूपी के गैंगेस्टर मुकीम उर्फकाला को अंशुल दीक्षित ने 9एमएम की पिस्टल से 13 गोलियां मारी थीं। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। अंशुल ने मेराज अली को तीन गोली मारने के बाद मुकीम पर अंधाधुन्ध फायरिंग की थी। आशंका है कि अंशुल के पास सिर्फपिस्टल ही नहीं पहुंचाई गई थी, बल्कि उसे डबल मैग्जीन भी मुहैया कराई गई थी। पुलिस ने शुक्रवार की रात ही मेराज के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया था। शनिवार को मुकीम और अंशुल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई। वह जेल में करीब डेढ़ घंटे चले खूनी खेल की तस्वीर पेश करने वाली है। मुकीम का बदन गोलियों से छलनी था। उसके शरीर में 13 फायर आर्म इंजरी और करीब पांच बुलेट धंसे मिले। अंशुल के शरीर में करीब 20 फायर आर्म इंजरी मिली, वह पुलिस की गोलियों से मारा गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सभी बुलेट 9एमएम पिस्टल से दागे गये हैं। इससे साफहै कि जेल में वारदात को अंजाम देने को अंशुल के पास 9एमएम बोर की पिस्टल के साथ दो अतिरिक्त मैग्जीन पहुंचाई गई थीं। अहाते में दौड़-दौड़ कर 40 मिनट तक अंशुल गोलियां बरसाता रहा। मुकीम चिल्ला-चिल्लाकर आसपास नजर आ रहे जेल सुरक्षा कर्मियों से जान बचाने की गुहार लगाता रहा। अंशुल मुकीम को दौड़ा-दौड़ाकर उस पर गोलियां बरसाता रहा। जेल में मौजूद सूत्रों ने बताया कि अंशू 45 मिनट तक मैग्जीन बदल-बदल कर फायर करता रहा और पुलिस बेबस रही।

जिलाधिकारी ने किया मंडल कारागार का आकस्मिक निरीक्षण

बांदा। जिलाधिकारी बांदा आनन्द कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक बांदा सिद्धार्थ शंकर मीणा, बांदा के साथ अपरान्ह मण्डल कारागार बांदा का किया आकस्मिक निरीक्षण। निरीक्षण के समय अपर जिला मजिस्ट्रेट विंध्रा, अपर जिला मजिस्ट्रेट नमामि गंगे , एमपीसिंह, संतोष बहादुर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र प्रताप चैहान, नगर मजिस्ट्रेट केशवनाथ गुप्त, उपजिलाधिकारी सदर सुधीर कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर व अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कारागार बांदा में कुल 1025 बन्दी निरूद्ध विचाराधीन बन्दी 648, दोष सिद्ध 319, अल्प व्यस्क बन्दी 16, महिला बन्दी 45 निरूद्ध है।

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

मौदहा (हमीरपुर)। मौदहा कस्वे में ट्रैक्टर से खेतों में जुताई करते समय ट्रैक्टर पलट जाने से दबकर युवक की मृत्यु हो गयी। पुलिस के मुताबिक मौदहा निवासी 22 वर्षीय शत्रुघन पुत्र बरदानी सुबह ट्रैक्टर लेकर अपने खेत में जुताई के लिए गया था, जुताई करते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत के बगल से खाई में पलट गया जिससे युवक की ट्रैक्टर में दबकर दर्दनाक मौत हो गई। परिवारीजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर जाकर शव को अपने कब्जे मे लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

दबंग ने मारपीट कर घायल किया,दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कुरारा (हमीरपुर)। कुरारा थाना क्षेत्र के सिकरोढ़ी गाँव में दबंग ने एक युवक को ईट पत्थर मारकर घायल कर दिया। गाँव के रमेश पुत्र लल्लू भगत ने पुलिस को बताया कि आज सुबह अपने पशुओ को पानी पिलाने यमुना नदी लेकर जा रहा था तभी पुरानी रंजिश को लेकर गाँव के निवासी पुत्तन ,रामसजीवन, मंशा देवी, रामलाल ने गाली गलौज किया मना कर ने पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया जिससे मेरे सिर में चोट आई है।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। वही थाना क्षेत्र के झलोखर गांव में पुलिस ने हार जीत की बाजी लगा रहे तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर मुकंदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के झलोखर गाँव में बीती शाम गांवके रावेंद्र शर्मा, सुरेश, रामकुमार यादव ताश के पत्ते में हार जीत की बाजी लगा रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने दविश देकर तीनो को पकड़ लिया।

बस पलटने से आधा दर्जन लोग घायल

राठ (हमीरपुर)। जरिया थाना क्षेत्र के अमून्द गाँव के पास रात में बरात लेकर जा रही एक प्राइवेट बस सामने से आ रहे ट्रैक्टर को बचाने के प्रयास में सड़क के किनारे खाई में पलट गई। जिससे आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिन्हें राठ सीएचसी में भर्ती कराया गया। क्षेत्र के अमूंद गांव के उमेश पुत्र प्रजापत राजपूत की शादी जनपद महोबा के सूपा गांव में रहने वाली लड़की के साथ तय हुई थी। शुक्रवार की रात ढोल बाजे के साथ हंसी खुशी से दूल्हा निकासी के बाद बरात निजी बस से रवाना हुई। बस अभी गांव से निकली हुई थी। तभी सामने से आ रहे बेकाबू ट्रैक्टर को बचाने के प्रयास में चालक का बस से संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे खाई में घुस गई। बस में सवार बारातियों की चीख-पुकार मच गई।

चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात व नकदी पार की

गुरसहायगंज (कन्नौज)। दीवार से चढ़कर घर से अज्ञात चोर ने लाखों रुपए के जेवरात व नगदी सहित दो मोबाइल चोरी कर लिए। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जिस पर हरकत में आई पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला आजाद नगर निवासी निजामुद्दीन पुत्र शहाबुद्दीन द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 10 मई की रात वह अपने छत पर सो रहा था।

चाचा भतीजे सहित महिला को पीटकर किया घायल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। चुनाव की रंजिश के चलते चाचा भतीजे सहित महिला को दबंगों ने घर में घुसकर न सिर्फमारपीट की। बल्कि लाठी-डंडे सरिया से हमला करते हुए घायल कर दिया तथा धमकी दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम मझपुर्वा निवासी विनोद जोशी पुत्र प्रभु दयाल द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि बीती शाम अपने घर में था। उसी समय गांव के ही बृजेंद्र, सौरभ, संजीव, गौरव, सत्येंद्र सहित सात अज्ञात लोगों ने चुनावी रंजिश के चलते घर में घुसकर उससे व उसके भतीजे एवं भाभी उर्मिला के साथ गाली गलौज करते लाठी, डंडा, सरिया से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

दंपति को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रास्ते पर शौचालय टैंक का निर्माण करने से मना करना एक दंपति को उस समय महंगा पड़ गया। जब दबंगों ने दंपति को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम झूसी नागर निवासी राजेश कुमार पुत्र मुनेश्वर सिंह द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि बीती शाम अपने दरवाजे पर बैठा था। उसी समय गांव के ही साधु, रोहित, आकाश, सचिन उसके घर के सामने सड़क पर शौचालय का गड्ढा बनाने लगे।

पुलिस ने देसी शराब सहित युवक को दबोचा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। हमराह सिपाहियों के साथ शांति व्यवस्था में गश्त कर रहे अनौगी चौकी प्रभारी प्रताप सिंह ने मुखबिर की सूचना पर गुप्ता खाद भंडार दुकान के सामने 13 देसी शराब के क्वार्टर सहित हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपी युवक ने अपना नाम आशीष पुत्र योगेंद्र निवासी खेड़ा अनौगी बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

महिला से मारपीट करने वाला युवक गिरफ्तार

जालौन (उरई)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिहारी दाऊदपुर में रंगबाजी को लेकर युवक ने ग्रामीण के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। सिहारी दाऊदपुर निवासी हेमा पत्नी विनय कुमार कुशवाहा ने बताया कि गांव के विपिन कुमार ने शनिवार की सुबह रंगबाजी को लेकर गाली-गलौज करने लगे जब मना किया तो उन्होंने मारपीट कर दी जिससे वह घायल हो गए हैं।

युवक से 15 देसी पौव्वे बरामद

जालौन (उरई)। उपनिरीक्षक बलराम शर्मा ने लौना मार्ग पर छानी तिराहे पर खड़े संदिग्ध श्याम सुन्दर निवासी नारायणपुरा को पकड़ लिया तथा जामा तलाशी ली तो उसके पास से 15 क्वार्टर देशी शराब के बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सैकड़ों की हुई कोरोना जांच

सात दर्जन सें अधिक लोगों का हुआ वैक्सीननेशन

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए स्थानीय सीएचसी में तेरह दर्जन से अधिक लोगों की कोरोना जांच की गई। वही 90 लोगों का कोरोना वैक्सीनेशन किया गया। जिससे दिनभर सीएचसी पर लोगों का आवागमन लगा रहा।

शनिवार को नगर के तिर्वा रोड स्थित सीएचसी में आयोजित कोरोना जांच कैंप में 84 लोगों की आरटी पीसीआर और 50 लोगों की एंटीजन कोरोला जांच की गई जिसमें कोई भी कोरोना पॉजिटिव नहीं निकला। इस अवसर पर पर योगेंद्र साहू, फार्मासिस्ट सीमा सिंह और अरूण कुमार मौजूद रहे। उधर स्वास्थ्य विभाग की दो अन्य टीमों ने क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों में कैंप लगाकर कोरोना जांच की। वही सीएचसी परिसर में महिला मेटरनिटी विंग में डॉ. शशांक श्रीवास्तव के नेतृत्व में 90 लोगों का कोरोना वैक्सीननेशन किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन करवाने वाले व्यक्ति मास्क का प्रयोग करें एवं हाथों को बार-बार धुले। इस अवसर पर पूनम सिंह, काजल, संगीता देवी, अंजू शर्मा, ममत ज्ञानेन्द्र सिंह राठौर आदि मौजूद रहे।

सती माता मंदिर को दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत दिनों कोरोना संक्रमण से मचे हाहाकार के बीच ऑक्सीजन की कमी के चलते नगर में हुइ सिलसिलेवार मौतों को रोकने के उद्देश्य से वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता के निर्देशन में उनके पुत्र सहकारी समिति के अध्यक्ष मयंक गुप्ता की टीम के पदाधिकारियों द्वारा सभी धर्म के जरूरतमंद लोगों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराए जाने के सराहनीय कार्य के चलते मुस्लिम व्यापारी ने सती माता मंदिर में दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान कर समाजसेवा एवं सामाजिक एकता की मिसाल पेश की है। ज्ञात हो कि विगत कई दिनों पूर्व से टीम मयंक गुप्ता के पदाधिकारियों द्वारा नगर व क्षेत्र के सभी धर्म के जरूरतमंद लोगों को समय से ऑक्सीजन उपलब्ध करा कर जनसेवा के कार्य की सोशल मीडिया सहित सभी धर्म के लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। इसी जनसेवा से प्रेरित होकर नगर के मोहल्ला सीमांत नगर निवासी स्वर्गीय हाजी यासीन सेठ के पुत्र शकील अहमद ने बीते दिन मुस्लिम धर्म के प्रमुख त्यौहार ईद पर नगर के सर्विस रोड स्थित सती माता देवी मंदिर में दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए हैं और धर्म जाति से ऊपर उठकर जनसेवा की मिसाल पेश की। जिसकी नगर में चारों ओर सराहना की जा रही है। इस अवसर पर पंडित दीनबंधु पाठक, रचित गुप्ता, गगन मनीष गुप्ता, तरुण गुप्ता, अमन कठेरिया, कुलदीप बाथम मौजूद रहे।

ईंदगाह और मस्जिदों व घरों में अदा की गई ईंद की नमाज

संवाददाता। मऊ

जिले भर में शुक्रवार को कोविड नियमों के साथ धूमधाम से ईद का पर्व मनाया गया। अल सुबह ही निर्धारित समयानुसार कोविड नियमों का पालन करते हुए जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों के ईंदगाहों में अकीदतमंदों ने ईद.उल.फित्र की नमाज अदा किया। कोरोना के नियमों का पालन करते हुए ईंदगाहों व मस्जिदों में सिर्फ पांच.पांच लोगों ने ही ईंद की नमाज अदा किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ईंदगाहोंए मस्जिदों व घरों में नमाज के दौरान एक साथ अल्लाह की इबादत में अकीदतमंदों ने अपना सिर झुकाया। कोरोना के कहर के बावजूद नगर समेत ग्रामीण अंचलों में ईदउलफित्र को लेकर मुस्लिम भाईयों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। इसके पहले एक दिन पूर्व गुरुवार की शाम को ईद का चांद दिखने के साथ ही ईद का एलान कर दिया गया था। ईंद मनाने की घोषणा के साथ ही रोजेदारों में खुशी की लहर दौड़ गया था। हालांकि कोरोना काल के कारण सामानों की खरीददारी से ज्यादा लोगों ने एकदूसरे की मदद पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया। सुबह छह बजे के बाद से ही निर्धारित समय पर ईंदगाहोंए मस्जिदों व घरों में ईंद की नमाज अदा किया गया। कोविड नियमों का पालन करते हुए ईंदगाहोंए मस्जिदों में सिर्फ पांच लोगों ने ही ईंद की नमाज अदा किया। जबकि अधिकतर लोगों ने कोरोना के नियमों का पालन करते हुए अपने.अपने घरों में ही ईंद की नमाज अदा किया। इस दौरान औरंगाबाद ईदगाह पर प्रशासनिक अधिकारी के साथ पुलिस फोर्स की तैनाती किया गया था। ईद पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किया गया था। बताते चले ईद का पर्व भाईचारगी का संदेश देता है, इस पर्व से लोगों को मिलजुलकर रहने की सीख मिलती है।

दबंगों ने लोहे की रॉड से सिपाही को पीट-पीटकर किया अधमरा

राठ(हमीरपुर)। सरीला कस्बे में गाली गलौज का विरोध करने पर सिपाही को आधा दर्जन से अधिक लोगों ने लोहे की रॉड से पीट-पीटकर सिपाही को अधमरा कर दिया।कस्बा निवासी धीरेंद्र यादव ने बताया कि वह गौतम बुद्ध नगर में सिपाही के पद पर तैनात है । छुट्टी लेकर घर आया था तभी आज शाम को सब्जी लेने बाजार गया था। तभी वहां बैठे आठ दबंग लोगों ने गाली गलौज करना शुरू कर दिया जिसका विरोध करने पर सभी ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया खून से लथपथ सिपाही ने थाना जरिया जाकर तहरीर दी थाना प्रभारी ने बताया कि जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी

चुनावी रंजिश से दो पक्षों में मारपीट एक घायल, गांव में दहशत व्याप्त

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र के ग्राम पिपरौंदा में चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया जिसमें एक युवक इस मारपीट में घायल हो गया। कोतवाली क्षेत्र मौदहा के ग्राम पिपरौंदा निवासी राजू प्रजापति व लल्लू अनुरागी हाल में ही हुए पंचायत चुनाव में गांव के प्रधान पद पर चुनाव लड़े थे। चुनाव के दौरान दोनों प्रत्याशियों में कुछ कहासुनी हो गयी थी जिसके चलते राजू प्रजापति ने तीन दिन पूर्व लल्लू अनुरागी के साथ गाली गलौज कर उसे मारा पीटा था। यह बात लल्लू व उसके पुत्रों को नागवार गुजरी थी जिसके चलते वह राजू से बदला लेने के फिराक में थे। शुक्रवार की शाम गांव में एक विवाह समारोह था जिसमें राजू के शामिल होने की आशंका को लेकर लल्लू के पुत्र गण अपने साथियों सहित वहां पहुंचे जहां उन्हें राजू तो नहीं मिला लेकिन उसका साला सलमान मिल गया तो उसे लल्लू के पुत्रों ने गाली गलौज कर मारा पीटा जब वहां मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपी गण सलमान को पकड़ मारपीट करते गांव के बाहर ले गये।

शहरों में थमी तो अब गांवों में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार

संवाददाता। बांदा

कोरोना संक्रमण का आंकड़ा शहर के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों को गौर करें तो शहरी क्षेत्र में जहां 35 फीसद संक्रमित हैं वहीं ग्रामीण इलाकों में संक्रमण दर बढ़कर 65 फीसद पहुंच गयी है। मंडल व जिला स्तर अधिकारियों के निर्देशों पर निगरानी समितियों की सक्रियता व जांच का दायरा बढ़ने से गांवों में संक्रमण पकड़ में आया है। जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए अधिकारियों द्वारा लगातार सक्रियता बरती जा रही है। अब गांव उच्चाधिकारियों के राडार पर है। लगातार सर्विलांस का काम चल रहा है। चित्रकूटधाम मंडल के आयुक्त दिनेश कुमार सिंह व जिलाधिकारी आनंद कुमार सिंह के निर्देश पर पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों द्वारा गांवों की निगरानी समितियों को सक्रिय किया गया है। उपनिदेशक पंचायत दिनेश सिंह व जिला पंचायतराज अधिकारी सर्वेश कुमार पांडेय गांवों में निगरानी समितियों की बैठक कर कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता सैनिटाइजेशन सामाजिक दूरी मास्क का प्रयोग व घरों में रहने की सलाह दी जा रही है। प्रधानों व ग्राम स्तरीय कर्मचारियों की टीम घर-घर जाकर जांच करने प्रवासियों का पूरा लेखा-जोखा रखने सहित सैनिटाइजेशन के काम में लगा दिया गया है।

तीर्थयात्रियों की बस को ट्रक ने मारी ठोकर, दो की मौत

संवाददाता। चित्रकूट

रैपुरा थाना क्षेत्र के लालापुर बाल्मीकि आश्रम नदी के पास खडी बस में पीछे से ट्रक ने जोरदार ठोकर मार दी। इससे दो यात्रियों की मृत्यु होने पर रैपुरा थानाध्यक्ष सुशीलचन्द्र शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ये हादसा शनिवार को सवेरे हुआ। बताया गया कि सूरत से बस बनारस जा रही थी। रास्ते में नित्य क्रिया के लिए नदी के पास बस खडी हो गई थी। सभी यात्री बस से उतरकर नित्य क्रिया कर रहे थे। बस में जगदीश (45) पुत्र लालमन निवासी बंभनी थाना विंध्याचल जिला मिर्जापुर व गणेश (36) पुत्र सुग्रीव निवासी परसिया थाना बेल्हा जिला संतकबीरनगर सो रहे थे। इसी बीच कर्वी की ओर से आ रहे ट्रक ने बस में जोरदार ठोकर मार दी। इससे बस में सवार दोनों यात्रियों की मृत्यु हो गई। सभी तीर्थयात्री अपने घरों को जा रहे थे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। ट्रक ड्राइवर फरार है।

आटो चालक को पीटकर घायल कर दिया, अस्पताल में भर्ती

मौदहा (हमीरपुर)। अज्ञात लोगों द्वारा आटो बुक कर ले जा रहे आटो चालक को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, और आटो को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है, एम्बुलेंस की सहायता से घायल को कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां पर घायल आटो चालक का इलाज किया जा रहा है। कस्बे के बडे चौराहे के निकट निवासी रंजीत की आटो को अज्ञात युवकों द्वारा बुक कर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खण्डेह लिए जा रहे थे तभी रास्ते में करहिया गांव के निकट युवाओं ने आटो चालक को पीटकर सडक किनारे फेंक दिया और आटो को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया।राहगीरों की सूचना पर एम्बुलेंस की सहायता से घायल आटो चालक को कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां पर आटो चालक का इलाज किया जा रहा है।

दबंगों ने पेट्रोल पंप पर की मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

राठ(हमीरपुर)। कस्बे में ममना रोड पर बने पत्रकार के पेट्रोल पंप पर दबंगों ने जमकर कहर बरपाया है। विरोध करने पर पत्रकार के साथ मारपीट की बचाने आए उनके वृद्ध माता-पिता को भी नहीं बख्शा। ममना रोड पर पत्रकार सुभेंन्द्र सिंह का निजी पेट्रोल पंप है। शुक्रवार को वह पम्प पर थे। तभी दो बाइकों में सवार सात लोग आए और आपस में गाली गलौज करने लगे। तो सुभेन्द्र सिंह ने उन्हें वहां से जाने को कहा तो वह उन पर ही हमलावर हो गए और पंप का नोजल निकालकर पत्रकार के साथ मारपीट करने लगे। सुभेन्द्र सिंह का आरोप है कि पंप पर मौजूद उनके वृद्ध माता-पिता उन्हें बचाने आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी छीना झपटी की तथा जाति सूचक शब्दों से गाली गलौज किया। बाद में जानमाल की धमकी धमकी देकर भाग गये।

बिना टीकाकरण कोरोना से जंग लड़ना असंभवः डीएम

पत्रकारों से बातचीत करते जिलाधिकारी व एसपी,सीएमओ

संवाददाता। हमीरपुर

जिलाधिकारी ने आज पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विना टीकाकरण के कोरोना से जंग लड़ पाना संभव नही है, हमीरपुर व राठ विधायक से बजट लेकर क्षेत्र में दो आक्सीजन प्लांट स्थापित किये जायेगे ताकि लोगो को किसी प्रकार की समस्या न आने पाये।

जानकारी के मुताबिक कोरोना काल में पहली मर्तवा जिलाधिकारी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में 11 लाख की आवादी में अभी तक सिर्फतीन हजार लोगों ने टीकाकरण कराया है। कोविड अस्पतालों कीबेड क्षमता बढ़ायी जा रही है। कुरारा का एल दो कोविड अस्पताल 75 बेड वाला आक्सीजन युक्त बना दिया गया है। जिले में 115छोटे वाले आक्सीजन वाले सिलेंडर है अब बीस से 45 जंबो सिलेंडर हो गये है।

सुमेरपुर कोविड अस्पताल में 40 बेड आक्सीजन युक्त हो गये है। इसी प्रकार यदि जिले में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती है तो गोहांड व छानी को एल वन अस्पताल बनाने की तैयारी पूरी कर ली गयी है। राठ में एमसीएच विंग का सौ बेड का अस्पताल तैयार किया जाना है। मौदहा व राठ में आक्सीजन प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है दोनो विधायकों से वातचीत हो रही है। गांव में निगरानी समितियों को सभी को आक्सीमीटर दे दिये गये है ताकि लोग संबंधित मरीज का आक्सीमीटर नाप सके और उसे सही समय पर दवा प्राप्त हो सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक एनके सिंह ने कहा कि लोगो को अनावश्यक घरो से बाहर नही निकलना चाहिये यदि कोई मजबूरी है तो मास्क सेनेटाइजर लगा लेना चाहिये। जिन मरीजों को कोविड की दवा व आक्सीजन न मिल रही हो तो वे 112 नं पर काल कर सकते है पुलिस तुरंत उसकी मदद करेगी।

राठ,मौदहा में विधायक निधि से तैयार कराये जायेंगे आक्सीजन प्लांट

व्यापारियों का उत्पीड़न अब बर्दाश्त नहीं होगाः शानू

संवाददाता। चित्रकूट

राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने डीएम शुभ्रांत शुक्ल व पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल से वार्ताकर जिला समेत प्रदेश के कई जिलों में लॉकडाउन पालन के नाम पर व्यापारियों के उत्पीडन की चर्चा की है। राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने डीएम-एसपी को लिखे पत्र में कहा कि छोटे व मंझोले व्यापारियों को दुकानों से उठाकर अपराधी जैसा बर्ताव किया जा रहा है। ये व्यापारियों के मान-सम्मान के खिलाफहै। सरकार ने विवाह की अनुमति दी है तो वैवाहिक कार्यक्रम में उपयोग होने वाली वस्तुओं को मजबूरी में व्यापारी जरूरतमन्दों को देते हैं। वहीं पुलिस व्यापारियों को उठाकर कोतवाली ले आती है।

पका-पकाया भोजन पाकर गरीब हुए गदगद

चित्रकूट। चित्रकूटधाम भगवान राम की तपोभूमि में अति गरीबों व जरूरतमन्दों को श्रीराम अन्नपूर्णा रसोई से निःशुल्क भोजन तीसरे दिन भी जारी रहा। शनिवार को श्रीराम अन्नपूर्णा रसोई संचालक शानू गुप्ता ने चौथे दिन अपने टीम के साथ जरूरतमन्दों को गल्लामंडी, हरिजन बस्ती, छोटा खटिकाना आदि बस्तियों में भोजन बांटा। गरीब तबके के लोग पका-पकाया भोजन पाकर गदगद हो गये। ये रसोई 12 मई से शंकर बाजार ब्रम्हचर्य स्कूल के पास चल रही है। रसोई का संचालन व्यापारी नेता शानू गुप्ता व शेषू जायसवाल, रुकमणी सेवा संस्थान के संस्थापक अतुल कुमार की पूरी टीम लोगों की भूख मिटाने के प्रयास में लगी है।

गरीबों को भोजन बांटते शानू गुप्ता

नशेड़ियों ने युवक को किया मरणासन्न

राठ(हमीरपुर)। गांव में आयोजित शादी समारोह से भोजन करने के बाद अपने घर वापिस जा रहे एक व्यक्ति को गांव के तीन भाईयों ने अपने चाचा के साथ मिलकर लाठियों से बुरी तरह पीटा और मरणासन्न कर दिया। एम्बुलेंस ने अचेतावस्था में घायल को सीएचसी राठ पहुंचाया जहां से उसे मेडीकल कालेज झांसी रेफर कर दिया गया। थाने के स्यावरी गांव निवासी भारत अहिरवार गांव में आयोजित एक शादी के समारोह से भोजन करने के बाद बीती रात अपने घर लौट रहा था। रास्ते में बाल्मीकी समाज के मकान के पास कुछ लोग भंगड़ा बजा रहे थे। वहां से गुजरते समय नशे में धुत भांगड़ा बजा रहे आकाश, पवन, विकास पुत्रगण अमरजू एवं उनके चाचा बच्ची बाल्मीक ने भारत को रोक लिया और उनके बीच कहा सुनी हो गई।

18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की दें सूचनाः डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने मातहत अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में कोरोना महामारी से प्रभावित परिवारों के अनाथ बच्चों की देखरेख को कोविड केयर सेन्टर तथा चिकित्सालयों में पंजीकृत करायें। जिलाधिकारी ने मातहतों से कहा कि चिकित्सालयों में आने वाले सभी लोगों का पंजीकरण फार्म में भरोसेमन्द व्यक्तियों, रिश्तेदारों का सम्पर्क नम्बर, ईमेल आदि कॉलम में अनिवार्य रुप से भरे जायें। इलाज दौरान कोई अप्रिय घटना होने पर 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पंजीकरण फार्म में दर्शाये व्यक्ति को कानूनी प्रावधानों के तहत सौंपे जाने की अपेक्षा की गई है। ऐसे मामलों की सूचना अस्पताल से जिले के बाल कल्याण समिति को उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित अधिकारी अपने मातहत अधिकारी-कर्मचारी को इस बारे में निर्देशित करें कि यदि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे उनके माता-पिता की कोरोना या अन्य कारणों से मृत्यु हुई है।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 16 मई 2021

गैंगेस्टर के कृत्यों से सीतापुर हुआ कलंकित

मुठभेड़ में मारा गया अंशू दीक्षित

● चित्रकूट जेल में मुख्तार के दो गुर्गे मेराज व मुकीम काला को किया ढेर

संवाददाता। सीतापुर

पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी के खास गुर्गों मेराज और मुकीम काला को चित्रकूट जेल में दिनदहाडे गोलियों से छलनी करने वाला गैंगेस्टर अंशू दीक्षित शुक्रवार को आखिरकार पुलिस की गोलियों का शिकार बन गया। देश के कई प्रांतों में आतंक का पर्याय बने अंशू के आतंक का अंत होने पर सीतापुर बदनाम हो गया। खूंखार अंशू दीक्षित किसी की भी जान ले लेता था और एसटीएफ हो या पुलिस उससे भी मुकाबला करने में जरा भी नहीं हिचकता था, बचपन से ही मारपीट और अपराध करने वाला अंशू के आतंक का अंत यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश तक गूंजने लगा था, उसकी बेखौफी और अपराधों की सल्तनत का आलम देखिए, कि रायबरेली जेल में बंद रहते असलहों के साथ शराब पार्टी और फिरौती मांगने का वीडियो वायरल होने के बाद चित्रकूट जेल में भी उसके पास असलहा, कारतूस मौजूद रहे और उसने माफिया मुख्तार अंसारी के खास गुर्गों मेराज और मुकीम काला को गोलियों से छलनी कर डाला, हालांकि पुलिस से जब उसकी मुठभेड हुई तो वह भी ढेर हो गया। अंशू दीक्षित की गोलियों का निशाना बनने वाले काफी संख्या में लोग हैं और कईयों को उसने निशान पर ले रखा था, जिन सभी ने राहत की सांस ली। अंशू दीक्षित वैसे तो सीतापुर जिले के मानकपुर कुडरा बनी का मूल निवासी था, लेकिन कुछ दिनों तक शहर के आरएमपी मोड पर आंख अस्पताल के आवास में रहता था, इसी बीच सपा के पूर्व एमएलसी व उनके बेटे को खत्म करने की योजना बना डाली। पुलिस ने जब सख्ती की तो अंशू दीक्षित और उसका परिवार ग्वालमंडी में जाकर रहने लगा। अंशू दीक्षित के दो भाई और दो बहनें थीं। चित्रकूट कांड की जैसे ही खबर सीतापुर पहुंची, जो लोग अंशू दीक्षित के निशाने पर थे, उन्होंने राहत की सांस ली और सीतापुर ने बदनामी का लबादा ओढ लिया।

घरों में रहकर पढ़ी नमाज, मनाई ईद की खुशियां

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में शुक्रवार को कोविड नियमों का पालन करते हुए घरों पर ही ईद की नमाज पढ़ी गई। इसके बाद ईद की बधाई देने का दौर चल निकला। हांलाकि गुरुवार को ईद का चांद दिखते ही लोगों ने एक-दूसरे को ईद की बधाई देना शुरू कर दिया था, लेकिन शुक्रवार को दिन भर बधाई व दावतों का दौर चलता रहा। हांलाकि कोविड महामारी की वजह से पिछले दो साल से ईद पर वह रौनक नहीं दिखी जो पहले दिखती थी, लेकिन फिर भी लोग इसको लेकर खासे उत्साहित दिखाई दिए। उधर ईदगाह मस्जिद लहरपुर में शुक्रवार को ईद की नमाज हुई। कोविड को ध्यान में रखते हुए पांच लोगों ने नमाज अदा की। इस समय ईदगाह मस्जिद के सामने पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही। उधर नगर में शान्ति पूर्वक ढंग से लोगों ने अपने घरों में ईद की खुशियां मनाई। तो कहीं अपनों के गम में डूबे लोग शोक में नजर आए जिन्होंने कोरोना काल मे अपनों को खो दिया है, पुलिस प्रशासन सुबह से ही शहर से लेकर गांव तक व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए अलर्ट दिखाई दिया।

167 मोटर मालिकों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

● डीएम के निर्देश पर परिवहन विभाग ने की कार्रवाई

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव में गाड़ियां न भेजने वाले मोटरमालिको की मुश्किलें बढ़ गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम विशाल भारद्वाज के निर्देश पर ऐसे 167 मोटरमालिकों के विरूद्ध एफआईओर दर्ज कराई गई है। परिवहन विभाग के लेखाकार अनूप पांडेय की ओर से दी गई तहरीर के बाद लहरपुर व हरगांव में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि वाहनस्वामियों को 27 अप्रैल प्रातः 8 बजे वाहन उपलब्ध कराने का अधिग्रहण आदेश भेजा गया था, बावजूद इसके 28 अप्रैल दोपहर तक वाहन नहीं भेजा गया। जिससे चुनाव कार्य बाधित हुआ। हरगांव थाने में 114 वाहन स्वामियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिनमें शादाब अली, शकील अहमद, विश्वनाथ पांडेय, विनोद कुमार, इजहार खां, राकेश जायसवाल, अरविन्द जायसवाल, अतुल बाजपेयी, मो. आरिफ, रामगोपाल, मो. रेहान, अनीस, अल्ताफ सलमान, अंकुर वर्मा, रेनू, जयपाल वर्मा आदि शामिल है वहीं लहरपुर 53 मोटर मालिकों के विरूद्ध दर्ज कराई गई एफआईआर में फैसल खां, अकरम, रिजवान, रामगोपाल, अनीस अहमद, रामनरेश वर्मा, खुर्शीद खां, आदर्श पांडेय, जियाउल हक, फैसल सिद्दीकी आदि शामिल है। एआरटीओ प्रशासन प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर कारवाई की गई है।

क्विक न्यूज

आतिशबाजी की चिंगारी सें स्वाहा हो गई टेलर की दुकान

सीतापुर। शादी की खुशी में एक बारात में हुई आतिशबाजी की चिंगारी से एक टेलर की दुकान स्वाहा हो गई। आग लगने से दुकान न सिर्फजलकर राख हो गई, बल्कि हजारों का नुकसान भी हो गया। यह मामला लहरपुर कोतवाली इलाके के पतवारा गांव का है। आपको बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के पतवारा में विश्वनाथ विश्वकर्मा के घर शुक्रवार रात लखीमपुर से बारात आई थी। द्वारचार से पहले गाजे-बाजे की धुन पर बाराती जमकर थिरक रहे थे, इस दौरान खुशी में आतिशबाजी भी छुडाई जा रही थी, इस दौरान आतिशबाजी की एक चिंगारी पास ही में विमल टेलर की दुकान पर जा गिरी, जिसके चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जब तक बारात आगे निकल चुकी थी। स्थानीय लोगों द्वारा दमकल विभाग से संपर्क किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। इस घटना में सिलाई मशीन, कपड़े, काउंटर सहित हजारों का नुकसान हो गया। बताते हैं कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस समय विमल टेलर भी परिवार सहित दारानगर बारात में गए हुए थे। घटना के बाद आतिशबाजी करने वाला मौके से फरार हो गया। उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि रात्रि में सूचना मिलते ही मौके पर गया था। मामले की जानकारी करते हुए दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया, लेकिन अब तक दोनों पक्षों की तरफसे कोई भी नहीं आया और न ही किसी प्रकार की तहरीर मिली है। तहरीर मिलते ही पीड़ित विमल टेलर को न्याय दिलाया जाएगा।

युवती को ले गया बाइक सवार

मोहम्मदी खीरी। कोतवाली मोहम्मदी से एक युवती रानी ;कालपनिक नामद्ध उम्र 19 वर्ष को गांव से एक मोटर साइकिल सवार लेकर फरार हो गया। युवती फूल लेने खेत पर गयी थी। क्राइम इस्पेक्टर राजवीर सिंह ने बताया कि अज्ञात के विरुद्ध अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस टीम लगातार संदिग्धों की तलाश कर रही है। लगातार युवती की तलाश के लिऐ टीम गठित कर तलाश जारी है। पुलिस उपाधीक्षक इसकी मानिटरिंग कर रहे हैं तथा सर्विलांस टीम की भी मदद ली जा रही है।

उच्च स्तरीय समिति के खीरी सांसद भी शामिल

निघासन खीरी। लोक निर्माण मंत्री उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसमें खीरी सांसद अजय मिश्र ष्टेनीष् को नामित किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क निधि प्रबंध समिति प्रदेश में मार्गोए पुलियों के अनुरक्षणए मरम्मतए विशेष मरम्मतए नवीनीकरणए निर्माण पुनर्निर्माणए चौड़ीकरणए के लिए 202कृ22 के राज्य बजट को तय करके पूरे उत्तर प्रदेश में निर्माण कार्य करेगी। उक्त समिति की बैठक उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री की अध्यक्षता में 17 मई को बैठक होगी। सांसद ने कहा कि लखीमपुर जनपद सहित उत्तर प्रदेश के किसी भी जनपद में उक्त निर्माण के लिए कोई भी सुझाव या प्रस्ताव देना चाहता है। तो वह संसदीय कार्यालय की ईमेल पर 16 मई तक भेज सकता है।

एसडीएम ने कोविड नियंत्रण के संबंध में की बैठक

संडीला(हरदोई)। एसडीएम ने कोविड के प्रभावी नियंत्रण के लिए चिकित्साधीक्षक एवं अन्य स्वास्थ्य विभागकर्मियों के साथ बैठक की। तहसील सभागार में एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव ने चिकित्साधीक्ष डॉ0 मसूद आलम तथा अन्य स्वास्थ्य विभागकर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में बोलते हुए एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक गांव में जाकर कोविड नियंत्रण के लिए गंभीरता एवं प्रभावशीलता के साथ रैपिड रिस्पॉन्स टीम को कार्य करना है। टीम में ग्राम सभा के नव नियुक्त ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव तथा निगरानी समिति का भी सहयोग लिया जाएगा। चिकित्साकर्मी प्रत्येक ग्रामवासी की थर्मल स्क्रीनिंग करेंगे। जिस व्यक्ति में कोविड के लक्षण नजर आएं उनकी सैंपलिंग की जाएगी तथा मेडिसिन किट निःशुल्क वितरण किया जाएगा। रैपिड रिस्पॉन्स टीम कम से कम दो गांवों का दैनिक भ्रमण करेगी।

मामा को धारदार मठई से मार कर मौत के घाट उतारा

गोला गोकर्णनाथ.खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत लन्दनपुर के मजरा तूलमेलगंज निवासी छोटेलाल पुत्र खेमकरण 24 वर्षीय को मंगलदीप पुत्र गया प्रसाद ने पैसों के लेनदेन को लेकर धारदार मठई से मार कर हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिजनों के मुताबिक मृतक छोटेलाल अपने भांजे मंगलदीप पुत्र गया प्रसाद के घर अपना बकाया पैसा मांगने गया था। भांजा मंगलदीप शराब के नशे में था उसने अपने घर पर मामा छोटेलाल को बहुत मारा पीटा। किसी तरह मामा जान बचाकर वहां से अपने घर जान बचाकर आ गया तभी पीछा करते आए भांजे ने मामा के घर से धारदार मठई उठाकर मामा छोटेलाल को मौके पर ही मार डाला। फिलहाल इस घटना से मृतक के परिजन काफी डरे सहमे नजर आए और परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची हैदराबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

नदियों की पेट्रोलिंग कराएगी सरकार

संवाददाता। सीतापुर

नदियों में बड़ी संख्या में शव मिलने के बाद योगी सरकार एक्शन मोड में आ गई है। अब सरकार ने यूपी में गंगा और गोमती नदियों में शव प्रवाहित करने पर रोक लगा दी है, साथ ही नदियों की पेट्रोलिंग भी कराएगी। इस कार्य की जिम्मेदारी एसडीआरएफऔर पीएसी की जल पलिस को दी है। ये टीमें चौबीस घंटे लगातार मॉनिटरिंग तो करेंगी ही, साथ ही घाटों के किनारे और नदियों में नाव के जरिए गष्त भी करेंगी। आपको बता दें कि देश और राज्यों में कोरोना की दूसरी लहर कहर बरपाए हुए है। इस लहर में शहरी और ग्रामीण इलाकों में बहुतायत की संख्या में खांसी, जुकाम और बुखार की चपेट में है। कोरोना की जांच में जो लोग संक्रमित मिल रहे हैं, उन्हें न तो सरकारी और निजी अस्पतालों में बेड मिल रहे हैं और न ही दवाएं। ऑक्सीजन तो दूर की कमी बात है। समय पर दवाएं और आक्सीजन न मिलने की वजह से संक्रमित मरीजों की सांसें उखड रही है। पॉजिटिव मरीजों की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए शवदाह स्थल पर लकडियां भी कम पड गई है। शहर के बाद अब गांवों में कोरोना संक्रमण तेजी से पांव पसारे हुए है। इलाज के अभाव में ग्रामीण दम तोड रहे है। अंतिम संस्कार के पैसे न होने की वजह से परिवारीजन इनके शवों को नदियों में प्रवाहित कर रहे है। सैकडों में तादाद में नदियों में शवों के मिलने से लोगों के रोंगटे खडे हो गए हैं। बहुतायत की संख्या में नदियों में शवों के उतराते देख योगी सरकार हरकत में आई आनन फानन आदेश जारी कर नदियों में शव के प्रवाहित करने पर रोक लगा दी है। आदेश के जरिए कहा कि नदियों में शवों को प्रवाहित नहीं किया जाएगा। साथ ही नदियों की पेट्रोलिंग कराई जाएगी। एसडीआरएफ और पीएसी जल पुलिस को इस कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। यह टीमें नदियों के किनारे गश्त करेंगी।

सीतापुर पहुंचीं नोडल अफसर, परखी कोविड की व्यवस्थाएं

संवाददाता। सीतापुर

● 17 मार्च को सीतापुर आई थीं नोडल अधिकारी, दो महीने नहीं हुए दर्शन

कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए शनिवार की शाम को सीतापुर पहुंची वाणिज्य कर विभाग की आयुक्त, जिला नोडल अफसर मिनिस्टी एस, नोडल अफसर ने जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज व सीएमओ डॉ मधू गैरोला समेत अन्य अफसरों संग बैठक में की कोविड की समीक्षा, उन्होंने समीक्षा में एल-वन, टू में भर्ती मरीजों की जानकारी ली, साथ ही उनके उपचार समेत भोजन समेत अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जाना, समीक्षा में उन्होंने संबंधित अफसरों को बेहतर सुविधाएं देने के दिए निर्देश, बाद में नोडल अधिकारी ने कोविड सेंटर का भी किया मुआयना, कंट्रोल रूम में उन्होंने अधिकारी-कर्मचारी से अपने वाली शिकायतों की भी जानकारी ली। आपको बता दें कि जिला नोडल अधिकारी मिनिस्टी एस पिछले 17 मार्च को सीतापुर दौरे पर आई थीं। तब से आज वह सीतापुर जिले के दौरे पर आई। ऐसे में करीब दो महीने उनके दर्शन नहीं हुए। जबकि यहां के जनता की कोविड की दुश्वारियों से जूझ रही थीं, लेकिन उनका कोई पुरसाहाल नहीं लिया। जिलों में कोविड की हकीकत जानने के लिए शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने नोडल अफसरों को जिलों को भेजा है, तब जाकर वह दोबारा यहां आई है।

जनपद में मिले कोरोना के 150 मरीज

सीतापुर में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में एक दिन गिरावट के बाद शनिवार को फिर उछाल दर्ज की गई है। शुक्रवार के मुकाबले अगले ही दिन दोगुने नए केस मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को 150 कोरोना के नए मरीज मिले हैं। जबकि शुक्रवार को यह संख्या 69 थी। विभागीय रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को पाए गए पॉजिटिव केसों में नगरीय क्षेत्रों में 58 जबकि ग्रामीण में 92 मामले मिले हैं। इनमें 106 पुरुष और 44 महिलाएं शामिल हैं। शनिवार को किस उम्र के कितने नए मरीज पाए गए हैं, इन आंकड़ों पर निगाह डालें तो 0 से 10 साल तक के 5 बच्चे संक्रमित मिले हैं। जबकि 10 से 20 साल तक के बारह, 20 से 55 साल तक के 99 तथा 55 साल से अधिक के 34 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। हांलाकि स्वास्थ विभाग के अनुसार 1746 लोगों की रिपोर्टे आनी अभी बाकी हैं।

ऑक्सीजन के लिए अब नहीं पड़ेगा भटकना: एसडीएम

संवाददाता। मोहम्मदी.खीरी

● उपजिलाधिकारी ने उठाया जनहित का कदम

● पांच सदस्यीय डाक्टरों की टीम गठित

● ऑक्सीजन के लिए एक डॉक्टर की स्वीकृति जरूरी

लगातार ऑक्सीजन की कमी और जनहित की भावना को देखते हुए उप जिलाधिकारी ने तहसील मोहम्मदी निवासियों के लिए एक नई पहल की है। जिसमें ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे मरीजों को आसानी से गैस सलेनडर उपलब्ध होगा। उप जिलाधिकारी स्वाति शुक्ला ने बताया कि लगातार ऑक्सीजन की कमी प्रकाश में आ रही थी। लोगों की पीड़ा को देखते हुए जिलाधिकारी के सहयोग से गोला निवासी पंकज कोहली को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए अधिकृत किया गया है। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों को 24 घंटे में किसी भी समय जरूरत होने पर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। जिसमें पांच सदस्यी डॉक्टरों की टीम बनाई गई है। ऑक्सीजन लेने वाले मरीज को मोहम्मदी अधीक्षक डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह पसगवा अधीक्षक डॉक्टर अश्वनी वर्माए लाइफ लाइन डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार सिंह रूपालिका डॉक्टर आशीष मेहरोत्रा डा अवधेश कुमार गुप्ता तथा डा बलराम मिश्रा में से किसी एक डॉक्टर की स्वीकृत आवश्यक है। स्वीकृत पत्र दिखाने पर पंकज कोहली गोला निवासी उसके उपरांत तत्काल प्रभाव से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराऐगे। उन्होंने बताया किसी भी समय इन डॉक्टरों से आप संपर्क कर सकते हैं। किसी को भी अगर कोई इमरजेंसी है तो मेरे 9454416568 पर भी संपर्क कर सकते हैं। यह सेवा जब तक ऑक्सीजन की कमी है लगातार जारी रहेगी। इसके अतरिक्त उप जिलाधिकारी ने बताया कि रात 8 बजे से प्रातः काल 9 बजे तक इमरजेंसी फोन सुविधा भी दी गई है। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कंट्रोल रूम नंबर 7839741530 तथा तहसील में सहदेव चौधरी 9557976213 पर किसी भी समय रात में संपर्क कर सकते हैं। वही उप जिलाधिकारी ने बताया कि इस ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए स्वयं मेरे द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाएगी। 2 सदस्यी गोपनीय टीम भी टीम बनाई गई है जो कालाबाजारी को रोकने के लिए इस पर नजर रखेगी। वही उप जिलाधिकारी के माध्यम से इस ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों की टीम ने कहा की ऑक्सीजन फोगिया से अब आम जनता को छुटकारा मिलेगा। इस संबंध में डिस्ट्रीब्यूटर पंकज कोहली गोला ने बताया कि संपर्क करने के लिए पंजाबी कॉलोनी तथा दूसरा लखीमपुर रोड कृषक इंटर कॉलेज रहेगा। 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी। इस बैठक पर प्रमुख रूप से अधीक्षक डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह लाइफ लाइन डॉक्टर सुरेंद्र कुमार सिंह रूपालिका आशीष मेहरोत्रा डॉक्टर अवधेश गुप्ताए डॉक्टर बलराम मिश्रा डॉक्टर बी के मिश्रा चीफ फार्मासिस्ट सुशील शुक्ला व ऑक्सीजन के डिस्ट्रीब्यूटर पंकज कोहली गोला प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डीएम-सीडीओ की संयुक्त पहल पर ग्राम आधाचाट में शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

● परिषदीय विद्यालय.ग्राम सचिवालय को बना वैक्सीनेशन व टेस्टिंग सेंटर , 88 लोगों का हुआ टीकाकरण, एंटीजन टेस्टिंग में नहीं मिला कोई पॉजिटिव

शनिवार को डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह व सीडीओ अरविंद सिंह के कुशल मार्गदर्शन व डीपीआरओ सौम्यशील सिंह के संयोजकत्व में तहसील व ब्लाक लखीमपुर के ग्राम आधाचाट में पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुआ ।डीएम ने बताया कि ग्राम आधाचाट में निगरानी समितियों के साथ एक पायलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा। जिसके प्रथम चरण में इस गांव 09.10 मई को डोर टू डोर सर्वे कराया। जिसमें चिन्हित सभी सिंटोमैटिक व्यक्तियों को मेडिकल किट मुहैया कराई। उनकी टेस्टिंग कराई। द्वितीय चरण में 14.15 मई को पुनः डोर टू डोर सर्वे कराया। जिसमें सौभाग्य से कोई भी व्यक्ति पॉजिटिव नहीं मिला। वही पहले सिंप्टोमेटिक मिले व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट से निगरानी समितियों को सशक्त व क्रियाशील बनाया जा रहा। डोर टू डोर सर्वे से सिंप्टोमेटिक व्यक्तियों का चिन्हित कर उन्हें मेडिकल किट देकर टेस्टिंग कराई जा रही। सीडीओ अरविंद सिंह ने ग्राम आधाचाट में चल रहे पायलट प्रोजेक्ट को देखा। प्रोजेक्ट को क्रियान्वित कर रही टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत गांव का कोई भी सिंप्टोमेटिक व्यक्ति मेडिकल किट से वंचित न रह जाए या प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए। वही 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति का अनिवार्य रूप से वैक्सीनेशन भी हो जाए। इस दौरान वैक्सीनेशन व टेस्टिंग टीमों को निर्देश दिए कि सतर्कता और सावधानी से अपने कार्य दायित्वों का निष्पादन किया जाए। बताते चले कि ग्राम आधाचाट में पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्वास्थ्य व पंचायती राज विभाग की संयुक्त टीमों ने 45 व उससे अधिक आयु वर्ग के 130 लोगों का चयन वैक्सीनेशन हेतु किया। वही 01 व्यक्ति सेकंड डोज हेतु चिन्हित हुआ। वही गांव के 5 व्यक्तियों का पूर्व में ही वैक्सीनेशन किया जा चुका है। अधीक्षकए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान के नेतृत्व में चिकित्सीय टीमों ने समाचार लिखे जाने तक चिन्हित 88 व्यक्तियों का निर्धारित प्रोटोकॉल के साथ वैक्सीनेशन किया। वही 01 व्यक्ति को सेकंड डोज लगाई गई। वही 56 लोगों का एंटीजन टेस्ट हुआ। जिसमें एक भी व्यक्ति पॉजिटिव नहीं मिला।

फोर्ड गाड़ी नहर में गिरी पुलिस ने निकलवाए शव

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

थाना फूलबेहड़ के क्षेत्र ग्राम रमवापुर सिकटिया से संतोष की लड़की का तिलक लेकर शाहपुर अमेठी के पास थाना धौराहरा गए थे। जहां से वापस रात लगभग 3 बजे अपने घर आ रहे थे। रास्ते में रोली नहर पुल की रेलिंग तोड़कर फोर्ड फिगो गाड़ी नहर में गिर गई। जिसमें 7 लोग सवार थे। 4 लोग डूब गए और एक लापता है। दो लोग बच गए। मौके पर चौकी शारदा नगर के इंचार्ज अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। दो लोग सुरक्षित हैं। उसके बाद गाड़ी को बाहर निकलवाया। फिर थाना फूलबेहड़ को सूचना दी गई। मौके पर थाना फूलबेहड़ पुलिस ने आकर के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवा दिया। डूबने वालों के नाम अजय कुमारए ललित कुमारए सुमित कुमार तथा अजय कुमार का लड़का डूब गए। तरुण गुप्ता और संगम गुप्ता सुरक्षित बच गए थे। दानपुर मुड़िया थाना फूलबेहड़ अज्ञात नाम का पता नहीं चला।

तेज रफ्तार का कहर, बेकाबू ट्रक घर में घुसा, मची अफरा-तफरी

बरेली । नगर में रात एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक घर में जा घुसा । गनीमत रही कि जिस कमरे में ट्रक घुसा उसमें कोई मौजूद नहीं था, वरना कई जान जोखिम में पड़ सकती थीं । वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में ट्रक से बाहर निकाला और उसको अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार बीती रात उत्तरखंड दिशा से तेज रफ्तार ट्रक बरेली को जा रहा था। जैसे ही ट्रक कस्वा स्थित बाईपास पर पहुँचा तभी ट्रक अनियंत्रित होकर एक मकान में जा घुसा । स्थानीय लोगों की मानें तो तेज रफ्तार ट्रक ने दूसरी गाड़ी को टेकओवर किया था, इसके बाद ट्रक चालक संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे बने एक मकान में जा घुसा। जिस वक्त ट्रक मकान की ओर जा रहा था उस वक्त घर के बाहर कुछ लोग भी खड़े थे। जैसे ही उन्होंने ट्रक को खुद की ओर आते देखा तो सभी लोग वहां से तितर-बितर हो गए और ट्रक तेज रफ्तार से घर में जा घुसा। वहीं गनीमत यह भी रही कि ट्रक जिस वक्त घर में जा घुसा, उस कमरे में कोई भी मौजूद नहीं था । जैसे ही उन्होंने आवाज सुनी तो सभी लोग बाहर आए और देखा कि उनके घर में ट्रक घुस गया है । इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई तो मौके पर पहुंची । पुलिस ने आनन-फानन में गंभीर हालत में ट्रक चालक को अस्पताल भेजा और क्रेन से ट्रक को बाहर निकलवाया।

दो मोटरसाइकिलें टकराई, युवक की मौत

बरेली। दो मोटरसाइकिल के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में गंभीर रूप से घायल एक युवक को घर वालों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और टक्कर मारने वाली मोटरसाइकिल चला रहे युवक को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।सिरौली थाने के गांव केसरपुर पलथा निवासी 28 वर्षीय चंद्रसेन पुत्र हरप्रसाद कि बीती रात इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि चंद्रसेन कल शाम को अपने किसी काम से मोटरसाइकिल से गुलरिया गांव गया था।

कोविड नियमों के साथ मनाई गई ईद

संवाददाता। संडीला(हरदोई)

ईद उल फित्र कोविड के साय में बेहद सादगी के साथ मनाई गयी। ईद उल फित्र की नमाज़ ईदगाह में हाफिज़ अब्दुल रहीन ने पढाई। यहां पांच नमाज़ियों ने नमाज़ अदा की। इस अवसर पर मुल्क की तरक्की, अमन, भाईचारा और कोरोना की बीमारी से जल्द नजात की दुआ की गयी। ईदगाह के बाहर एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव, सीओ महावीर सिंह, प्रभारीनिरीक्षक एसके शुक्ला आदि मौजूद रहे। ईद उल फित्र के मौके पर नगर की तमाम मस्जिदों में भी इसी प्रकार पांच-पांच लोगों ने नमाज़ पढ़ी। नमाज़ के बाद कुछ लोगों ने शिकायती अंदाज़ में कहा कि अगर विवाह समारोह में पचास व्यक्तियों को अनुमति दी जा सकती है तो मस्जिदों में पचास व्यक्तियों को क्यों नहीं ? जबकि मस्जिदों में तो काफी जगह है। पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान समेत तमाम स्थानाय नेताओं ने लोगों को ईद उल फित्र की मुबारकबाद दी।

पुलिस ने बैंकों में सोशल डिस्टेंसिंग का लिया जायज़ा

संडीला(हरदोई)। पुलिस ने सोशल डिस्टेंसिंग का बैंकों में जाकर जायज़ा लिया। प्रभारीनिरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने अन्य पुलिसकर्मियों के साथ नगर के विभिन्न बैंकों में जाकर सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क का जायज़ा लिया और जो एक आध लोग मास्क सही ढंग से नहीं लगाए थे उनको मास्क सही ढंग से लगाने का तरीका भी बताया। इसके अलावा पुलिस ने नगर में वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया।

घर से निकले युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

संडीला(हरदोई)। घर से निकले एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ पाया गया। परिजन ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए तहरीर की है। मिली जानकारी के अनुसार कछौना के मोहल्ला अंबेडकर नगर निवासी 20 वर्षीय आकाश कुमार अपने मित्र संतोष निवासी ग्राम तेरवा के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला। शाम लगभग 6 बजे उसका शव रेलवे फाटक सुठेना के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ पाया गया। शव से मिले कागज़ों के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान कर घरवालों को सूचित किया। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मृतक के पिता जगन्नाथ ने बताया कि आकाश दिल्ली में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था और 28 अप्रैल को वह घर आया था। मृतक के पिता ने उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है जिसमें मोहल्ले के ही पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया है।

'माननीयों' की पहली पंसद बने 'संजय चौधरी', लगी नाम पर मोहर

संवाददाता। बस्ती

- सांसद हरीश द्विवेदी के प्रस्ताव का रवि सोनकर ने किया समर्थन, अन्य ने भी जताई अपनी सहमति
- यह सहमति वीडियो वायरल होने के पहले का हैं
- फिर भी माननीयों ने संजय पर ही जताया भरोसा कहा- किसी की मेहनत बेकार नही जाएगी
- ब्रहमदेव यादव उर्फ'देवा' ने भी किया चुनाव लड़ने और जीतने का दावा

जिले की सबसे बड़ी कुर्सी जिला पंचायत अध्यक्ष पर बैठने के लिए जिले भर के माननीयों ने एकजुटता दिखाते हुए 'संजय चौधरी' के नाम का समर्थन करते हुए उन पर अपनी मोहर लगा दी है। अंदरखाने की खबर है कि सांसद हरीश द्विवेदी ने संजय के नाम का प्रस्ताव किया, जिसका समर्थन विधायक रवि सोनकर ने किया, उसके बाद अन्य विधायकों ने अपनी सहमति जताई। बताया जाता है कि पार्टी मुख्यालय को संजय चौधरी का नाम भी चला गया है। अगर अंदरखाने की रिपोर्ट पर विश्वास किया जाए तो पार्टी कभी भी संजय के नाम का एलान कर सकती है। हांलाकि यह प्रस्ताव वीडियो वायरल होने के पहले का हैं, फिर भी कई माननीयों ने कहा कि किसी कार्यकर्ता के 30 सालों की मेहनत को यूंही बेकार जाने नहीं दिया जाएगा, और अगर पार्टी ने संजय के नाम पर अपनी मोहर लगा दी तो सारे माननीय मिलकर संजय को जिताने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे येन-केन प्रकरेण, जैसा कि इससे पहले होता आया हैं। वहीं पर सपा के बागी उम्मीदवार ब्रहमदेव यादव उर्फ'देवा' का कहना है कि भले ही उनकी माताजी को पार्टी का समर्थन न मिले फिर भी वह बागी के रुप में अध्यक्ष पद का चुनाव दमदारी से लड़ेगे, और इसके लिए उनकी और उनकी पूरी टीम तैयार भी है। दावा किया कि 16 निर्दल समेत अन्य बागी लगभग दो दर्जन जीते हुए जिला पंचायत सदस्य उनके संपर्क में हैं, और अन्य का समर्थन मिलने की अभी संभावना है। कहा कि अगर निष्पक्ष चुनाव हुआ तो वह इस बार पुरानी परम्परा को तोड़ने में अवष्य कामयाब होंगे, मगर यह सब कुछ निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर निर्भर होगा, जिसकी संभावना कम नजर आ रही है।

अब तो लगभग यह साबित हो गया और इसकी चर्चा भी हो रही है कि संजय को दावेदारी से अलग करने के लिए एक सुनिश्चित तरीके से चार साल पहले का वीडियो वायरल किया गया। कहा जा रहा है कि भाजपा प्रदेष अध्यक्ष के मोबाइल पर वीडियो भेजने वाला और कोई नहीं बल्कि दावेदारों में ही कोई एक है। हालांकि यह भी चर्चा हैं कि संजय पुरानी गलतियों की माफी भी मांग चुके हैं। अगर पार्टी संजय को माफ कर देती है तो यह साबित हो जाएगा कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं हैं, ऐसे में किसी भी पार्टी का सिद्धांत धरा का धरा रह जाता हैं, इसी लिए आज कोई व्यक्ति न तो किसी पार्टी और न किसी नेता के ऊपर पूरा भरोसा करने को तैयार है। इस पूरे घटना से दावेदारों में प्रमुख रुप से षामिल गिल्लम चौधरी और आरसी वर्मा को तगड़ा झटका लग सकता है। संजय के नाम पर मोहर लगने के पीछे कुछ रोचक बातें सामने आ रही है। एक तो इनके विधायकी की टिकट का संकट समाप्त हो गया दूसरे लोगों की ठेका पट्टी दुकाने चलती रहे। इन्हें सभी के हितों का ध्यान रखने और सबका साथ सबका विकास पर चलने वाला नेता बताया जाता है। देखा जाए तो अध्यक्षी का संचालन अप्रत्यक्ष रुप से एक नहीं बल्कि लगभग आधा दर्जन से अधिक लोगों के करने की अभी से आशंका जताई जा रही है। ऐसे में समझा जा सकता है कि अध्यक्ष पद के साथ कितना इंसाफहो सकेगा, और कैसे पांच सौ करोड़ के बजट की रक्षा और उसका सही उपयोग हो सकेगा। यह सवाल अभी से ही जिले वासियों के मन में उठ रहा है। माननीयों का समर्थन मिलने के पीछे उक्त कारण बताए जा रहे है। वहीं गिल्लम चौधरी और आरसी वर्मा के बारे में कहा जाता है, वह इस वातावरण में लोगों के लिए फिट नहीं बैठ पा रहे थे, भले ही चाहें संजय को 30 साल के मेहनत का फल मिलना बताया जा रहा हैं, मगर यह सही हैं, कि संजय सभी के लिए आसान साबित होगें, इनमें कुछ ठेकेदारों का नाम भी षामिल हैं, जिनकी मदद से अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाने की तैयारी हो रही है। वहीं 'देवा' के बारे में कहा जाता हैं कि इन्हें इससे पहले पांच साल के जिला पंचायत सदस्य और पांच साल के प्रमुखी का अनुभव हैं, यह वही 'देवा' हैं, जिन्होंने विधायक दूधराम की पत्नी और जिला पंचायत अध्यक्ष लता देवी के खिलाफ अविष्वास प्रस्ताव लाया था, अब यह अलग बात हैं, प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। यह खुद और इनकी टीम के साथ इनके 'गुरुजी' आर्थिक रुप से कितने मजबूत हैं, यह किसी से छिपी हुई नहीं हैं। अगर जरुरत पड़ी तो इसका भी इस्तेमाल करने से टीम पीछे नहीं हटेगी। ऐसा उनके समर्थकों के द्वारा अभी से कहा जा रहा है। राजनीति के पुराने खिलाड़ी होने और पुराने साथियों का लाभ मिलने की संभावना भी जताई जा रही है।

अब सांसदों और विधायकों की खंगाली जा रही है कुंडली

संवाददाता। बस्ती

भाजपा अब उन लापरवाह सांसदों और विधायकों की कुंडली खंगालने में लगी हुई। जिनके चलते प्रदेष में पंचायत चुनाव में अपेक्षित जीत नहीं मिल पाई, और जिसके चलते पार्टी की बदनामी हो रही है। भाजपा उन लोगों के चेहरे को तलाषने में लगी हुई, जिन्होंने पंचायत चुनाव में किसने किसकी मदद की है। चेहरे तलाषने की जिम्मेदारी पार्टी ने क्षेत्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष को सौंपी है। पंचायत चुनाव में पार्टी को अपेक्षित जीत न मिलने और इसका कारण माननीयों के असहयोग करने की षिकायतों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सूत्रों का दावा है कि यही कारण है कि पार्टी ने सभी प्रस्तावित नामों की सूची को वापस कर दिया है। माना जा रहा हैं इस रिपोर्ट का प्रभाव आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान मिलने वाले टिकट पर पड़ सकता है। जिले में भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ने की आषंका जताई जा रही है।

आईजी रेंज बस्ती ने लाइन के कोविड अस्पताल व कन्टेनमेंट जोन को देखा

- हर गतिविधियों पर नज़र बनाये रखने के दिए निर्देश

संवाददाता। संतकबीरनगर

बढ़ते कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत शुक्रवार की देर शाम पुलिस महानिरीक्षक बस्ती, परिक्षेत्र बस्ती अनिल कुमार राय ने पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ की उपस्थिति में थाना कोतवाली खलीलाबाद अन्तर्गत बरदहिया बाजार व गोला चौकी अन्तर्गत बंजरिया मोहल्ला में एक्टिव कंटेंटमेंट जोन का भ्रमण किया गया । उन्होंने ड्युटी पर लगे कर्मियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए एक्टिव कन्टेनमेण्ट जोन में किसी भी प्रकार की आवाजाही प्रतिबन्धित करने तथा प्रतिबन्धों को कड़ाई से लागू करने का निर्देश दिए उन्होंने जनमानस से सामाजिक दूरी का पालन करनेए मास्कए ग्लब्सए सैनिटाइजर का प्रयोग करने तथा साबुन से लगातार हाथ धोने के लिए कहे। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने पुलिस द्वारा वैश्विक महामारी कोविड.19 से बचाव हेतु लगातार अभियान चलाकर लोगों को बिना मास्क घर से बाहर ना निकलनेए सामाजिक दूरी का पालन करने की अपील किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंहए क्षेत्राधिकारी अम्बरीश भदौरियाए क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्राए क्षेत्राधिकारी मेंहदावल रामप्रकाशए इंस्पेक्ट कोतवाली मनोज पांडेय। आईजी रेंज बस्ती अनिल कुमार राय ने एसपी डॉ कौस्तुभ की उपस्थिति में कोविड.19 के बढ़ते प्रभाव व राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए लाकडाउन का कडाई से अनुपालन कराये जाने के दृष्टिगत नवनिर्मित पुलिस लाइन सभागार में पुलिस के अधिकारियों के साथ गोष्ठी की गयी । आईजी रेंज बस्ती ने जनपद की कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के साथ ही अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने का निर्देश दिए।बैठक में राजपत्रित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने डलमऊ गंगा घाट का किया निरीक्षण अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी

संवाददाता। डलमऊ रायबरेली

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने डलमऊ गंगा घाट में जाकर गंगा नदी का जायजा लिया। शव मिलने की खबरों के बारे में वहां के लोगों नाविकों आदि से जानकारी की उन्होंने पूछा कि यहां पर कोई शव दफ्नाने व गंगा नदी में बहाने एवं नदी में शव मिलने की कोई जानकारी हो तो बताये इस पर उप जिलाधिकारी विजय कुमार सहित स्थानीय लोगों व नाविकों द्वारा बताया गया कि इस प्रकार की कोई भी घटना व शव आदि बहाने व मिलने की कोई बात नही है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिये कि सर्तक रहकर हलातो पर पूरी तरह से निगरानी रखे तथा इस प्रकार की कोई अफ्वाह फैलाता है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करे। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि नरेन्द्रपुर गांव, मुराईबाग व गंगा के किनारे समस्त गांवों में कोविड-19 संक्रमण से बचाव व रोकथाम हेतु लोगों को जागरूक करते तथा समस्त ग्रामवासियों का एंटीजेन व आर0टी0पी0सी0आर0 कोरोना जांच भी करवा लें। लोगों को घबराये और डरने नही जरूरत नही है बल्कि कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम हेतु अधिक से अधिक लोगों घरो से बाहर आकर जांच कराये। गांव के सभी लोगों कोरोना का टेस्ट बढ़-चढ़ कर कराये यदि किसी भी व्यक्ति को खासी, जुखाम, बुखार आदि समस्या हो तो घरों में रहकर इलाज कराये जाने की व्यवस्था की गई है। 18 से अधिक आयु के लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए कोविड-19 टीकाकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। रोगों को छुपाया न जाये बल्कि बीमारी है तो उसका उपचार आवश्यक है एक-एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है उसे हर हालत में बचाया जाना है इसलिए कोरोना की जांच घर-घर जाकर करवाई जाए। लक्षण युक्त संदिग्ध को तत्काल टेसिंग कराते हुए रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे मेडिकल किट तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी। इस कार्य का प्रबंधन टीम भावना से किया जाए तथा मानवीय संवेदनाओं का ध्यान रखा जाए। उन्होंने घाटों की साफ्-सफाई आदि निगरानी समिति को निर्देश दिये कि सतर्क व सावधानी रखते हुए कार्य करे।इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष, एसडीएम विजय कुमार, उपनिदेशक सूचना प्रमोद कुमार, मो0 राशिद आदि नगर पंचायत अध्यक्ष आदि घाट के देखरेख करने वाले लोग उपस्थित थे।

क्विक न्यूज

खेत में बकरी चराने के विवाद में युवक की पीट- पीट कर हत्या

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के बेलहिया गांव में खेत में बकरी चराने को लेकर हुए विवाद में 26 वर्षीय एक युवक की पीट -पीट कर हत्या कर दी गई। सूचना बाद मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसपी आषीष श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे। हत्या के षिकार युवक के परिजनों और ग्रामीणों से मिलकर घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार खेत में बकरी चराने को लेकर नूर अली और सोमई के परिवार वालों के बीच बकरी चराने की बात को लेकर विवाद हुआ। बच्चों के बीच शुरू हुआ विवाद बड़ो तक पहुंच गया। विवाद कहासुनी से होते हुए मारपीट तक पहुंच गया, जमकर लाठी डण्डे चले। इस बीच दूसरे पक्ष ने नूर अली को लाठी डण्डो से इस कदर मारा पीटा कि उसकी मौत हो गई। हत्या की सूचना बाद मौके पर पुलिस पहुंची। मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्रवाई की। एसपी आषीष श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चों के बीच बकरी चराने को लेकर विवाद हुआ। इस बीच सोमई का बेटा मुकेष आ गया और विवाद बढ़ गया। नूर अली की लाठी डण्डो से पिटाई के चलते मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज की गई है। जो भी इस हत्या मामले में दोषी हैं उन्हे गिरफ्तार कर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं के वैक्सीनेशन में बस्ती का नाम जुड़ने से सीएम का जताया आभार

बस्ती। भाजपा नेता अनूप खरे ने कहा कि आवश्यक सेवाओं को बहाल रखते हुए घोषित किए गए लाकडाउन, सरकार के बेहतर प्रबंधन और तेज गति से कराए जा रहे वैक्सीनेशन का नतीजा है कि प्रदेश में कोरोना मरीजों के मिलने की रफ्तार कम हुई है। 18 से 44 वर्ष की उम्र के लोगों का टीकाकरण कराये जाने वाले अभियान में बस्ती जनपद का नाम जोड़े जाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रबंधन में जुटी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया है। कहा कि युवाओं के टीकाकरण में जनपद का नाम न होने से अजीब सी कुंठा महसूस हो रही थी, जबकि यूपी में कोरोना से पहली मौत बस्ती के युवा की हुई थी। प्रस्ताव बनाकर तमाम लोगों के समर्थन से बस्ती का नाम जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री के पास भेजा गया, इसे संज्ञान में लेते हुए युवाओं के टीकाकरण अभियान में 5 और जिलों को जोड़ने के आदेश में बस्ती का शामिल होना यहां के युवाओं के लिए गर्व की बात है, मुख्यमंत्री ने उनके प्रस्ताव का मान रखा।

घर से बाजार के लिए निकलीं दो युवतियां हुईं लापता

श्रावस्ती,सोनवा। थाना सोनवा अंतर्गत ग्राम सभा नेवरिया के मजरा रामगढिया़ निवासिनी दो युवतियां घर से खरीदारी के लिये लक्ष्मननगर बाजार गयी थी जिसके बाद वह घर वापस नही लौटीए जिसपर परिजनों ने सोनवा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामला सोनवा थाना के ग्राम पंचायत नेवरिया के मजरा रामगढ़िया गांव का है जहाँ दो अलग अलग परिवार की दो युवतियां जिनमे से एक विवाहित व दूसरी अविवाहित है वे दोनों 12 मई को अपने अपने घर से खरीदारी करने के लिए लक्ष्मण नगर बाजार गयी थी। लेकिन जब दोनों युवतियां वापस अपने घर नही लौटी। तो परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की लेकिन वे नही मिली। जब परिजनों ने युवतियो के फोन पर सम्पर्क किया तो उनका फोन भी नही रिसीब हुआ। तब दोनों के परिजनों ने सोनवा थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस सम्बंध में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र नाथ शर्मा बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

कोरोना से वृद्धा की मौत, गांव मे पसरा सन्नाटा

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव कंदरावां निवासिनी षिवषरण की पत्नी गिल्ला देवी का पेट व सांस संबंधित बिमारी से ग्रसित होने पर लखनऊ के अस्पताल मे भर्ती करवाया गया जहां पर जांच के दौरान कोरोना पाजटिव रिपोर्ट आई जिनका उपचार जारी था कि अस्पताल मे मौत हो गई है।जिनके मौत होने पर अस्पताल से सीधे एबुलेंस के माध्यम से तीरकापुरवा गंगा घाट पर शव ले जाकर कोविड-19 की तर्ज पर अन्तिम संस्कार किया गया है।

मस्जिद में पांच लोगों ने अदा की ईद की नमाज

शिवगढ़,रायबरेली। शासन प्रशासन के दिशा निर्देशानुसार कोविड-19 गाइडलाइन को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में मौलवी सहित 5 लोगों ने मस्जिद में ईद की नमाज अदाकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। वहीं मुस्लिम समुदाय के अन्य लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अपने- अपने घरों में ईद की नमाज अदाकर देश के अमनो- चौन एवं एक दूसरे की सलामती की दुआ मांगी। थाना क्षेत्र की बैंती मस्जिद, शिवगढ़ मस्जिद, असहन जगतपुर मस्जिद,गूढ़ा मस्जिद में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में मौलवी को मिलाकर सिर्फ5 लोगों ने ईद की नमाज अदा की।

पिकअप की टक्कर में चालक की मौत

लालगंज,रायबरेली। रोडवेज बस व पिकअप के मध्य हुई आमने सामने टक्कर में पिकअप चालक की मौत हो गई जबकि उसका भाई घायल हो गया।कस्बे के सर्राफा मंडी निवासी विजय सोनकर अपने भाई विनय सोनकर पुत्र लाला सोनकर के साथ गुरूवार की रात लगभग 11 बजे पिकअप से रायबरेली की तरफसे लालगंज आ रहा था। तभी आरेडिका के सामने कानपुर की तरफसे आ रही रोड़वेज की प्रतापगढ़ डिपो बस संख्या यूपी 72 एटी 0664 ने पिकअप में सामने से टक्कर मार दी।जिसके चलते दोनो भाई पिकअप के अंदर फंस गए।स्थानीय लोगों की मदद से दोनो लोगों को गाड़ी से बाहर निकाल कर जिला अस्पताल भेजा गया जहां पर विजय सोनकर की मौत हो गई।

इकौना नगर में संचालित सब्जी मंडी प्रशासन ने शिफ्ट करायी

- कोरोना के दौरान नगर के बीच मे चल रही थी मंडी, लोगों में पनप रहा था आक्रोश

संवाददाता। श्रावस्ती,इकौना

नगर पंचायत इकौना के बीच बाजार ने संचालित सब्जी मंडी के नाम पर उमड़ रही भीड़ को देखते हुए नगर वासियों में भय ब्याप्त था जिसको लेकर लोगो मे प्रशासन की कार्यशैली को लेकर आक्रोश पनप रहा था। आखिरकर एक पखवारे तक नजरअंदाज करने के बाद प्रशासन ने बीच बाजार में संचालित सब्जी मंडी को नगर के बाहर स्थानांतरित कर दिया। इकौना बाजार के बीचोबीच मे स्थित सब्जी मंडी के कारण मुख्य बाजार मे सड़क किनारे फुटपाथ तक मंडिया सजती है। जिससे नगर मे भारी भीड़ जमा होने से नगर में जाम की स्थिति बनी रहती है। कोरोना के दौर मे सब्जी मंडी मे कोरोना गाइड लाइन की परवाह न करके भीड़ के चलते शारीरिक दूरी का नियम टूट रहा था इससे बाजार मे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। पिछले वर्ष लाकडाउन के दौरान प्रशासन ने बाजार से सब्जी मंडी हटा दिया था। नगर के बुद्धिजीवी वर्ग कोरोना की दूसरी लहर शुरू होते ही एक बार फिर से सब्जी मंडी को हटाने की मांग कर रहे थेए लेकिन प्रशासन ने सब्जी मंडी नहीं हटवाया था जिससे इकट्ठा होती भारी भीड़ कोविड प्रोटोकॉल को आईना दिखा रही थी। आखिर कर प्रशासन की बन्द आंखे जब खुली तब जाकर शनिवार को सब्जी मंडी यहां से हटाकर जगतजीत इं कालेज के मैदान पर स्थानांतरित कर दियाए सब्जी मंडी हट जाने से लोगों ने राहत की सांस ली और एक बार फिर से प्रशासन की प्रसंशा की।

ईद की खुशियां बदली मातम में, सात वर्षीय बच्चे की नहर में डूबकर मौत

श्रावस्ती, सिरसिया। थाना सिरसिया अंतर्गत जोखवा बाजार निवासी असगर अली का सात वर्षीय बेटा इसराइल शुक्रवार दोपहर बाद बाजार के अन्य बच्चों के साथ पास में ही बह रहे सरजू नहर नाले के बगल खेल रहे थे खेल के दौरान मासूम नहर के पास पहुच गया जहाँ की मिट्टी चिकनी होने के कारण पैर फिसलने से वह नहर में गिरकर गहरे पानी मे चला गया साथ मे मौजूद अन्य बच्चों ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। जब तक परिजन नहर के पास पहुचते तब तक मासूम की डूब कर मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने माशूम के शव को किसी तरह बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी भिनगा हौसला प्रसादएप्रभारी निरीक्षक राम समुझ प्रभाकर अपने अन्य पुलिस कर्मियों के साथ घटना स्थल पर पहुच कर घटना की जानकारी ली।

अभिषेक मिश्रा ने दो आक्सीजन कन्संट्रेटर सीडीओ को सौंपा

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

जनपद में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर लड़ी जा रही लड़ाई में ऑक्सीजन की कमी की समस्या को देखते हुए विकासखण्ड गिलौला के निवासी सपा के युवा नेता व विधानसभा श्रावस्ती के संभावित उम्मीदवार अभिषेक मिश्रा उर्फमुन्ना भईया ने इस समस्या से निपटने के लिए अपने पास से 2 आक्सीजन कन्संट्रेटर की ब्यवस्था करके सपा के जिलाध्यक्ष सर्बजीत यादव की उपस्थिति में मुख्य विकास अधिकारी ईशान प्रताप सिंह को सौपाए और आगे भी आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। जिसे प्रशासन कोविड हॉस्पिटल को उपलब्ध कराएगा।

भिनगा तहसील में शुरू हुआ कम्युनिटी किचन

श्रावस्ती, भिनगा। इस आपदा काल के दौरान जिले में कोई भूखा न रहे इस उद्देश्य के लिए जिले की तीनों तहसीलों में कम्युनिटी किचन बनाया गया है। इस किचन में तैयार ताजा व शुद्ध भोजन हर जरूरतमंद तक प्रशासन की ओर से पहुँचाया जा रहा है। भिनगा तहसील परिसर स्थित कैंटीन में कम्युनिटी किचन बनाया गया है।जिसमे जरूरत मन्दो के लिए गर्म भोजन तैयार होने के बाद उन्हें पैक कर लोगों तक पहुँचाया जाता है। शनिवार को तहसीलदार भिनगा राजकुमार पांडेय ने कम्युनिटी किचन में बन रहे भोजन की गुडवत्ता जांची जिससे वह सन्तुष्ट दिखे। उन्होंने बताया कि किचन में शुद्धता व साफ सफाई के साथ भोजन बनाने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने बताया कि कम्युनिटी किचन का मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे।सभी को भोजन मिल सके।उन्होंने बताया कि कम्युनिटी किचन में तैयार भोजन को तहसील कर्मियों की मदद से जरूरत मन्दो तक पहुँचाया जाता है।साथ ही क्षेत्र भ्रमण के दौरान रास्ते मे मिलने वाले जरूरत मंद लोगों को भी भोजन का पैकेट दिया जाता है।जिले के तीनों तहसीलों में यह संचालित है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज के सहयोग से की खानपान की व्यवस्था

संवाददाता। रायबरेली

साधन की ओर न ताकतें गे काटो कि राह हमारी है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा विभाग इन पंक्तियों को सत्य सावित कर रहे संघ के स्वयंसेवक निरूस्वार्थ भाव से राणा बेनी माधव जिला चिकित्सालय एम्स मुंशीगंज मैं रोगियों के तीमारदारों को दोनों टाइम भोजन का पैकेट बाटकर वैश्विक महामारी के कारण लाड डाउन में तीमारदारों के लिए देवदूत बनकर उतरे हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सेवा प्रमुख गया प्रसाद ने बताया संघ द्वारा संचालित अवध रसोई में समाज के सहयोग से भोजन का निर्माण कराया जा रहा है आज गाडगे यूथ बिग्रेड के जिलाध्यक्ष सुशील कनौजिया अमित सिंह सोनू यादव ने आचार द्विवेदी स्थित अवध रसोई में आकर सहयोग किया एवं जिला अस्पताल जाकर मरीजों के तीमारदारों को सभी वार्डों में जाकर भोजन वितरण किया इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह अमित चौधरी से वार्ड नंबर 1 में एक वृद्ध महिला ने बताया लॉकडाउन के कारण आसपास खाने को कुछ मिल नहीं रहा है जिससे हम लोग भूखे रह जाते थे संघ की यह पहल बहुत सराहनीय है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भोजन वितरण सैनिटाइजेशन एवं औषधीय लकड़ियों द्वारा हवन करा कर वायुमंडल शुद्धीकरण के कार्यक्रम आयोजित की कर रहा है रविवार को जिला चिकित्सालय स्थित मंदिर में हवन का आयोजन किया गया है जिसका उद्देश्य अस्पताल के आसपास का वायुमंडल शुद्ध करना एवं देवांगत आत्माओं की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए हवन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इस कार्यक्रम में शिवम कुमार सौरभ पांडे अनुराग गोविंद सोनी नीलेश सचान का योगदान सराहनीय।

श्मशान घाट का अधिकारियों ने किया गहन निरीक्षण

लालगंज,रायबरेली। गेंगासो श्मशान घाट पर भारी संख्या में शव गाड़े जाने की सूचना पर एसडीएम विनय मिश्र, तहसीलदार ऋचा सिंह,सीओ अंजनी चतुर्वेदी, एसओ सरेनी अनिल कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया।वहां पर उन्होंने फैली गंदगी देख सफाई के निर्देश दिए। वहीं आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर पुलिस प्रशासन की मदद से शव का अंतिम संस्कार कराए जाने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि वर्तमान में गेंगासो श्मशान घाट पर गंगाजी की धारा लगभग एक किलोमीटर दूर असनी घाट की तरफ चली गई है।श्मशान घाट से गंगा जी की धारा तक खाली पड़ी जमीन पर पिछले कुछ महीनो में बड़ी संख्या में शव दफ्नाए गए हैं। इसी मामले की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो अधिकारियों की टीम श्मशान घाट पर पहुंच गई। जहां पर एसडीएम ने अंतिम संस्कार कराने वाले पंडा व जमादारों को बुलाकर वार्ता की। पंडा ने बताया कि कई लोग धार्मिक मान्यता के अनुसार शवों को जलाने के बजाय दफ्न करते हैं।

डोप टेस्ट चूकने के कारण ओलंपिक से बाहर अमेरिकी त्रिकूद खिलाड़ी

जिनेवा। अमेरिका के त्रिकूद खिलाड़ी उमर क्राडोक को डोप टेस्ट चूकने के कारण 20 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया जिससे वह तोक्यो ओलंपिक और 2022 विश्व चैम्पियनशिप नही खेल सकेंगे। ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने आरोप लगाया कि 2019 पैन अमेरिका खेलों के चैम्पियन क्राडोक ने नियम तोड़े है और बारह महीने मे तीन बार ठिकाने की जानकारी संबंधी नियम का उल्लंघन किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड न्यूजीलैड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे और श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट श्रृंखला में उनके सहायक जिम्मा संभालेंगे। श्रीलंका और भारत दौरे पर इंग्लैड टीम के साथ रहे सिल्वरवुड ने कहा कि वह अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा रहना चाहते है और इसीलिए ब्रेक ले रहे है।

दूसरे गेंदबाजों को भी गेंद से छेड़खानी का इल्म था : बेनक्रोफ्ट

लंदन। गेंद से छेड़खानी मामले में शामिल रहे कैमरन बेनक्रोफ्ट का कहना है कि स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और उनके अलावा आस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों को भी न्यूलैंड्स टेस्ट के दौरान की गई इस गलती की जानकारी थी। बेनक्रोफ्ट को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 मे तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद पर रेगमाल रगड़ते हुए कैमरे मे कैद कर लिया गया था। उस घटना ने आस्ट्रेलिया और विश्व क्रिकेट को झकझोर दिया था।

मिजोरम में गश्त लगा रहे हैं फुटबॉलर लालपेखलुआ

नई दिल्ली। फुटबॉल के मैदान से दूर भारतीय टीम के जेजे लालपेखलुआ अपने राज्य मिजोरम में तुइचांग नदी के आसपास गश्त लगा रहे है जिससे कि बेहद अधिक संख्या मे मछली पकड़ने से लोगो को रोका जा सके और स्थानीय मछुआरों की जीविका मे मदद हो सके। हाल में बहुत अधिक संख्या मे मछली पकड़ने के मामलों के कारण तुइचांग नदी चर्चा में आई थी जिसके बाद स्थानीय लोगो को नदी पर लगातार नजर रखने के लिए बाध्य होना पड़ा।

भारोत्तोलक जेरेमी और अचिंता 18 को ताशकंद रवाना होंगे

नई दिल्ली। युवा ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक जेरेमी लालरिनुंगा सहित दो सदस्यीय भारतीय टीम ताशकंद में 23 से 31 मई तक होने वाली विश्व जूनियर चैंपियनशिप में हिस्सा लेने मंगलवार को रवाना होगी। पुष्टि की कि उसने दो भारोत्तोलकों जेरेमी (67 किग्रा) और स्युली (73 किग्रा) की यात्रा का इंतजाम किया है।

बीसीसीआई के रवैये पर बिफरीं लिसा

● ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान ने वेदा कृष्णमूर्ति मामले में की आलोचना

भाषा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा स्टालेकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने परिवार के दो सदस्यों के निधन के बाद भी वेदा कृष्णमूर्ति से ना तो कोई संपर्क किया ना यह बताना सही समझा कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए इस शोकाकुल खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है। इस महीने की शुरूआत में मध्यक्रम की इस बल्लेबाज की बहन वत्सला शिवकुमार का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया था। इससे दो सप्ताह पहले इस खतरनाक वायरस के चपेट में आने से उनकी मां का भी निधन हो गया था। अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय महिला टीम में वेदा को जगह नहीं दी गई है। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल स्टालेकर इस मामले से निपटने के तरीके पर बीसीसीआई के रवैए से खुश नहीं है। स्टालेकर ने ट्विटर पर लिखा, आगामी श्रृंखला के लिए वेदा का चयन नहीं करना उनके दृष्टिकोण से उचित हो सकता है, मुझे सबसे ज्यादा निराशा इस बात की है कि एक अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में उन से बीसीसीआई ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। बीसीसीआई ने यह भी पता नहीं किया कि वह मौजूदा स्थिति का सामना कैसे कर रही है। एक अच्छे संघ को खिलाड़ियों का बेहतर तरीके से ध्यान रखना चाहिए। उसे सिर्फ किसी भी कीमत पर मैच करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह काफी निराशाजनक है। भारतीय अंडर-19 टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी में भी स्टालेकर की बातों का समर्थन किया। बेंगलुरु की 28 साल की वेदा ने दो सप्ताह के अंदर मां और बहन को खोने के बाद भावुक श्रद्धांजलि दी थी। भारत के लिए 48 एकदिवसीय और 76 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली वेदा सोशल मीडिया के जारिए कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद कर रही है। वनडे में 1000 रन और 100 विकेट चटकाने वाली पहली महिला खिलाड़ी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय महिला टीम के लिए भी खिलाड़ियों का एक संघ (प्लेयर्स एसोसिएशन) बने। इस 41 साल की पूर्व दिग्गज ने कहा, एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर एसीए (ऑस्ट्रेलियाई किकेटर्स संघ) के हर दिन हम से संपर्क कर हमारे बारे में पूछता है। भारत में अगर खिलाड़ियों के संघ की जरूरत है तो उसका सही समय यही है। भारत में राज्य क्रिकेट संघ खिलाड़ियों की चिंता नहीं करता है। उन्होंने ट्वीट किया, मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट संघ अपने खिलाड़ियों की परवाह करते हैं। खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके भविष्य को लेकर संवाद करने की बात उनके दिमाग में भी नहीं आती है, मैं घरेलू क्रिकेट के लिए यह कह सकता हूं।

रमन ने उनके खिलाफ अभियान चलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच पद से हटाए गए डब्ल्यू वी रमन ने आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ और गांगुली को भेजे पत्र में रमन ने लिखा कि बतौर कोच उनके नाकाबिल होने के अलावा किसी और कारणों से उनकी दावेदारी खारिज की गई है तो यह काफी चिंताजनक है। एक हैरानी भरे फैसले में क्रिकेट सलाहकार समिति ने रमन की बजाय रमेश पोवार को महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच चुना। रमन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। रमन ने पत्र में लिखा , मेरा मानना है कि मेरे काम करने के तौर तरीकों को लेकर आपको अलग अलग राय दी गई होगी। उनका मेरी दावेदारी पर कितना असर पड़ा , यह बात करना अब बेमानी है। महत्वपूर्ण यह है कि कलंकित करने वाले इस अभियान ने कुछ बीसीसीआई अधिकारियों का अवांछित ध्यान खीचा है जिस पर स्थाई रोक लगाए जाने की जरूरत है। अगर आपको या किसी पदाधिकारी को सफाई देने की जरूरत है तो मै इसके लिए तैयार हूं। अगर बतौर कोच मेरे नाकाबिल रहने के अलावा किसी और कारण से मेरी दावेदारी खारिज की गई तो उस फैसले पर कोई बहस नही हो सकती। लेकिन चिंताजनक यह है कि मेरी दावेदारी अन्य कारणों से खारिज की गई। खास तौर पर उन लोगो के आरोपो की वजह से जिनका फोकस भारतीय महिला टीम के कल्याण और देश के गौरव की बजाय अपने निजी लक्ष्य हासिल करने पर था। रमन ने अपने पत्र में किसी का नाम नही लिखा लेकिन समझा जा रहा है कि वह टीम में स्टार संस्कृति के बारे मे लिख रहे थे।उनका मानना हैकि इससे भलाई की बजाय बुरा अधिक हुआ है। अपने 20 साल के कोचिंग कैरियर मे मैने हमेशा ऐसी टीम संस्कृति तैयार की है जिसमे टीम पहले आती है और कोई खिलाड़ी टीम या खेल से बड़ा नही है। अब समय आ गया है कि आप जैसे दो लीजैंड महिला क्रिकेट को बचाएं क्योंकि ऐसा नही करने पर चीजे गलत दिशा मे चली जाएंगी।

विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए 19 मई को कतर रवाना होगी फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम 19 मई को कतर के लिए रवाना होगी क्योंकि इस देश ने भारतीय टीम को राहत देते हुए अगले महीने होने वाले 2022 विश्व कप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों की वहां ट्रेनिंग का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इतना ही नहीं कतर ने भारतीय दल के वहां पहुंचने के लिए 10 दिन के अनिवार्य पृथकवास से छूट देने का एआईएफएफ का आग्रह भी मान लिया है। भारतीय टीम तीन जून को पहले मुकाबले पूर्व जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लगभग दो हफ्ते के तैयारी शिविर में हिस्सा लेगी। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, हम 19 मई की शाम को टीम को भेजने की योजना बना रहे हैं। पृथकवास से नहीं गुजरना होगा और वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। दास ने कहा कि खिलाड़ी नई दिल्ली में जुटेंगे और कतर के लिए रवाना होने से पहले उनका कोविड-19 परीक्षण होगा। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन इन संयुक्त क्वालीफायर में अब भी 2023 एशियाई कप में जगह बनाने की दौड़ में है। एशियाई कप क्वालीफिकेशन में भारत को अभी कतर (तीन जून), बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ तीन मुकाबले खेलने हैं।

ओलंपिक जाने वाले पहलवानों का शिविर रद्द, अभ्यास व प्रतिस्पर्धा के लिए जाएंगे यूरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके आठ भारतीय पहलवानों के लिए सोनीपत में प्रस्तावित शिविर को कड़े पृथकवास नियमों के कारण रद्द कर दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय महासंघ ने खिलाड़ियों के लिए यूरोप के शहरों में प्रशिक्षण का इंतजाम किया है जहां वे अपने पंसद के जोड़ीदार के साथ अभ्यास करेंगे। पुरूष और महिला पहलवानों को मंगलवार को बहलगढ़ स्थिल साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में इकट्ठा होना था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा तैयार की गई नई योजना के मुताबिक ए सभी मई के आखिरी सप्ताह में वारसॉ (पोलैंड) रवाना होंगे। पोलैंड की राजधानी में आठ से 13 जून तक तोक्यो खेलों से पहले रैंकिंग श्रृंखला की आखिरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पहलवानों के पास कुछ अहम रैंकिंग अंक अर्जित करने का मौका होगा, जिससे उन्हें ओलंपिक में बेहतर ड्रा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, हमने बहलगढ़ में एक शिविर की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें पृथकवास के दौरान 14 दिनों तक प्रशिक्षण की अनुमति नहीं थी। इसलिए हमने सोचा कि बेहतर होगा कि वे अपने-अपने अखाड़ों में अभ्यास करे और फिर पोलैंड की यात्रा करें। हम सभी पहलवानों को अभ्यास के लिए उनकी पसंद के एक साथी के साथ यात्रा करने की अनुमति भी दे रहे हैं। विनेश फोगट, बजरंग पुनिया, रवि दहिया और दीपक पुनिया जैसे कुछ लोगों के साथ उनके निजी कोच भी होंगे।

ओलंपिक के आयोजन से दमदार संदेश जाएगा कि हम कोविड से आगे निकल चुके हैं : बत्रा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक के आयोजन का विरोध होगा लेकिन तोक्यो में खेलों के आयोजन से मजबूत संदेश जाएगा कि हम इस भयावह हालात से आगे निकल चुके हैं। तोक्यो ओलंपिक पिछले साल कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए थे। आईओए अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बत्रा ने उम्मीद जताई कि खेल 23 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगे।

तोक्यो में इतिहास रच सकती है महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारत की पूर्व गोलकीपर हेलन मेरी का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करके तोक्यो ओलंपिक में शीर्ष तीन में स्थान हासिल कर सकती है। पिछले तीन से चार साल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। हेलन ने हॉकी इंडिया के पॉडकास्ट हॉकी ते चर्चा में कहा , अर्जेंटीना और जर्मनी में प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि हमारी टीम 90 प्रतिशत तैयार है और आने वाले कुछ समय में अपने खेल को और बेहतर कर सकते है। मुझे यकीन है कि वे तोक्यो में इतिहास रच सकते हैं। तोक्यो में तिरंगे का परचम लहराएगा। अर्जेंटीना में जिस तरह से भारतीय टीम खेली, हालांकि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम को नहीं हरा सकी लेकिन आत्मविश्वास देखने लायक था। मैने भारतीय टीम को किसी टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर ऐसे खेलते नहीं देखा।

इंग्लैंड के आईपीएल खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम में जगह मिलना मुश्किल : रिपोर्ट

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के आईपीएल क्रिकेटरों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि बोर्ड अभ्यास के बिना उन्हें पृथकवास से सीधे टेस्ट खेलने नहीं उतारना चाहता। इसके मायने हैं कि जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स , सैम कुरेन और मोईन अली जैसे खिलाड़ी दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। उनका पृथकवास इस सप्ताह के आखिर में खत्म होगा जबकि लाडर्स पर पहला टेस्ट शुरू होने में दो सप्ताह ही बचे हैं। बीबीसी स्पोटर्स की रिपोर्ट के अनुसार , आईपीएल खिलाड़ियों के लिए समय बहुत कम बचा है। इसके मायने हैं कि ओली रॉबिनसन, क्रेग ओवरटन और जेम्स ब्रासे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार , टेस्ट क्रिकेट का अभ्यास नहीं मिल पाना चिंता का सबब है। वहीं दूसरे खिलाड़ी कई सप्ताह से काउंटी चैम्पियनशिप खेल रहे हैं। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड मंगलवार को चयन समिति की बैठक बुलाएंगे।

भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी डालकर अभ्यास कर रहे हैं कोंवे

आक्लैंड। न्यूजीलैड के बल्लेबाज डेवोन कोंवे अगले महीने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी (किटी लिटर) डालकर अभ्यास कर रहे है। 29 वर्ष के कोंवे को दो जून से इंग्लैड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए न्यूजीलैड की 20 सदस्यीय टीम में रखा गया है। साउथम्पटन मे 18 जून से होने वाले फाइनल से पहले 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जाएगा। वह गेंदबाज के पैरो के निशान से कठोर हो जाने वाली पिच पर पड़ने वाली स्पिन गेंदबाजी के अभ्यास के लिए विकेटों पर दानेदार मिट्टी डाल रहे है। यह कठोर होता है लेकिन अच्छा अभ्यास मिल रहा है। स्पिनरों का सामना करने के लिए रणनीति बनाना जरूरी था और उसी तरीके से अभ्यास भी।

रोम में नडाल ने ज्वेरेव को हराया

●इटालियन ओपन

भाषा। रोम

रफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ते हुए उसे इटालियन ओपन टेनिस क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6 -4 से हराया। ज्वेरेव ने एक सप्ताह पहले ही नडाल को मैड्रिड ओपन में सीधे सेटों में हराया था। नडाल ने जीत के बाद कहा , मैं मैड्रिड ओपन की तुलना में बेहतर खेला। हालात भी अलग थे। अब उनका सामना अमेरिका के रीली ओपेलका से होगा जिसने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडरिको डेलबोनिस को 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार मास्टर्स सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोवाक जोकोविच और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण स्थगित करना पड़ा उस समय सिटसिपास 6-4, 2-1 से आगे थे। एक अन्य क्वार्टर फाइनल आंद्रेइ रूबलेव और लोरेंजो सोनेगो के बीच होगा। महिला वर्गमें शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी को कोको गॉ के खिलाफ मैच में 6-4, 2-1 से आगे रहने के बावजूद दाहिने हाथ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ना पड़ा। गॉ का सामना सेमीफाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन इगा स्वियातेक या दो बार की रोम चैम्पियन एलिना स्वितोलिना से होगा। 2019 की चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा ने 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको को 4-6, 7-5, 7- 6 से हराया।अब उनका सामना पेट्रा मार्टिच से होगा।

सितसिपास को हराकर जोकोविच सेमीफाइनल में

रोम। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बारिश के कारण स्थगित किए गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे शनिवार को स्टेफानोस सितसिपास को हराया। अंतिम दोनों सेटों मे अपनी सर्विस गंवाकर वापसी करने वाले जोकोविच ने 4-6, 7-5, 7-5 की जीत के साथ लगातार आठवी बार इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल मे जगह बनाई। गत चैंपियन जोकोविच यहां पांच बार खिताब जीत चुके है। जोकोविच को आराम का अधिक समय नही मिलेगा और फाइनल मे जगह बनाने के लिए वह शनिवार को ही स्थानीय दावेदार लॉरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे। सोनेगो ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जोकोविच और सोनेगो दोनों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुक्रवार को नही हो पाए थे। महिला टूर्नामेंट में फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने रोम में दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना को 6-2, 7-5 से हराया। वह सेमीफाइनल में 17 साल की अमेरिकी कोको गॉफ से भिड़ेंगी। दूसरे सेमीफाइनल मे कैरोलिन प्लिसकोवा का सामना पेत्रा मार्टिच से होगा।

मोदी के 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य के मद्देनजर अमेरिका ने की भारत के साथ साझेदारी : केरी

वाशिंगटन। जलवायु परिवर्तन संबंधी मामलों पर अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी ने कहा कि अमेरिका ने 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करने के लिए जलवायु परिवर्तन पर उसके साथ साझेदारी की है। केरी ने अमेरिकी सांसदों से कहा, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी ने 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। हमने इसी प्रतिबद्धता के कारण भारत के साथ साझेदारी की है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त निधि और प्रौद्योगिकी नहीं है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन संबंधी मामलों पर इस सप्ताह सुनवाई के दौरान प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों से कहा, इसलिए, हम उनकी मदद कर रहे हैं।

चीन में दो बवंडरों से 12 लोगों की मौत, करीब 300 से अधिक घायल

बीजिंग। चीन के वुहान और सुझोउ शहरों के शुक्रवार रात को उठे शक्तिशाली बवंडरों की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 300 लोग घायल हुए हैं। इन बवंडरों की वजह से कई घरों और कारखानों को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ के मुताबिक वुहान के कैडियन जिले में शुक्रवार रात को 23.9 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से उठे बवंडर की चपेट में आने से आठ लोगों की मौत हो गई और करीब 230 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान कई निर्माण स्थलों पर बने शेड उड़ गए और बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए। शिन्हुआ ने बताया कि बवंडर की वजह से 27 घर ध्वस्त हो गए जबकि 130 मकानों को नुकसान हुआ है।

चीन का अंतरिक्ष यान पहला रोवर लेकर मंगल ग्रह पर उतरा

बीजिंग। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने शनिवार सुबह पुष्टि की कि मंगल ग्रह के लिए देश का पहला रोवर लेकर एक अंतरिक्ष यान लाल ग्रह पर उतर गया है। उसने बताया कि एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गए अंतरिक्ष यान तिआनवेन-। का प्रक्षेपण 23 जुलाई 2020 को किया गया था। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि सौर मंडल में और अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। इस अंतरिक्ष यान ने करीब सात महीने की यात्रा के बाद फरवरी में मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था और ग्रह पर उतरने के लिए संभावित स्थानों की पहचान करने में दो महीने से ज्यादा का वक्त बिताया। मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है, उसमें छह पहिए और चार सौर पैनल हैं तथा वह प्रति घंटे 200 मीटर तक घूम सकता है।

इजराइल के हवाई हमले में 10 लोगों की मौत

●गाजा के एक मकान पर हमला

भाषा। गाजा सिटी

गाजा सिटी में शनिवार तड़के इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे। गाजा के उग्रवादी हमास शासकों के साथ लड़ाई शुरू होने के बाद से इजराइल के एक हमले में मरने वाले लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है। पिछले महीने यरुशलम में तनाव से शुरू हुआ यह संघर्ष व्यापक पैमाने पर फैल गया है। अरब और यहूदियों की मिश्रित आबादी वाले इजराइली शहरों में रोज हिंसा देखी जा रही है। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में भी फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। इस दौरान इजराइली सेना की कार्वाई में कम से कम 11 लोग मारे गए। यह हिंसा ऐसे वक्त में हो रही है जब फलस्तीन शनिवार को नकबा दिवस मना रहे हैं जब वे 1948 के युद्ध में इजराइल द्वारा मारे गए हजारों फलस्तीनियों को याद करता है। इससे संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल-फलस्तीन मामलों के लिए अमेरिका के उप सहायक विदेश मंत्री हादी आम्र संघर्ष को कम करने की कोशिश के तौर पर शुक्रवार को इजराइल पहुंचे।

इजराइली सेना पर मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को जाल में फंसाने का आरोप

यरुशलम। इजराइली पत्रकारों ने कहा कि इजराइल की सेना ने मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को अपने जाल मे बिछाया, जिसके कारण संभवतः दर्जनो लड़ाके मारे गए। दरअसल इजराइली सेना ने मीडिया के लिए बयान जारी किया कि इजराइली वायु एवं थल सेना गाजा पट्टी पर हमला कर रहे है। इस संक्षिप्त बयान ने इन अटकलों को हवा दी कि इजराइल ने गाजा पर जमीनी हमला कर दिया है। कुछ संवाददाताओ ने यह तक कह दिया कि हमला शुरू हो गया है। इसके कुछ ही घंटो बाद सेना ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि गाजा के भीतर कोई इजराइली सेना नही है, लेकिन तब तक कई बड़े मीडिया संस्थान यह जानकारी दे चुके थे कि जमीनी हमला शुरू हो गया है।

मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन

दुबई। सऊदी अरब ने रविवार को इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक मे फलस्तीन के खिलाफ इजराइल के आक्रामक अभियान के विषय पर चर्चा होगी। सऊदी अरब 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन का डिजिटल तरीके से आयोजन करेगा। इस बैठक मे फलस्तीनियो के खिलाफ इजराइल की हिसक कार्वाई और खासकर यरुशलम मे अल-अक्सा मस्जिद मे प्रदर्शनकारियो के खिलाफ इजराइल पुलिस के बल प्रयोग के विषय पर चर्चा होगी।

इजराइल और हमास में लड़ाई बढ़ने के बीच वेस्ट बैंक में हुए प्रदर्शन

गाजा सिटी। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। ऐसा लग रहा है कि संघर्ष विराम के अंतरराष्ट्रीय प्रयास तेज होने से पहले ही इजराइल गाजा के हमास शासकों को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाना चाहता है। इस बीच, सोमवार की रात से लेकर अब तक हमास ने इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे। अलघूल नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि ताजा हवाई हमलों में एक शरणार्थी शिविर के पास बनी तीन मंजिला इमारत को निशाना बनाया गया। उसने बताया कि इजराइली युद्धक विमानों ने इमारत में रह रहे निवासियों को चेतावनी दिए बिना कम से कम तीन बम गिराए।

गाजा स्थित कई मीडिया संस्थानों के कार्यालय क्षतिग्रस्त

गाजा सिटी। इजराइली सेना के हवाई हमले में शनिवार को गाजा सिटी स्थित एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई, जिसमे स्थित एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइली सेना के इस हालिया कदम को चरमपंथी संगठन हमास के साथ जारी उसकी लड़ाई के संबंध मे गाजा की जमीनी स्तर की सूचनाओं को सामने लाने से रोकने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन व्हाइट हाउस की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त

वॉशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है। टंडन ने इससे दो महीने पहले ही रिपब्लिकन सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के निदेशक के पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। टंडन (50) सोमवार से व्हाइट हाउस में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगी। टंडन इस समय सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस (कैप) की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी है।

पाकिस्तान में नहर में वाहन के गिरने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक वाहन के नहर मे गिर जाने से सात बच्चो समेत एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों के मुताबिक यह घटना लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले में उस वक्त हुई जब किला दीदार सिंह से आ रहा वाहन सड़क से फिसलकर नहर मे गिर गया। यह वाहन खानकाह डोगरान की ओर जा रहा था। पुलिस और बचाव कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और नहर से शव निकाले गए।

वायरस के बी 1.617.2 स्वरूप के खिलाफ टीके निश्चित रूप से कम प्रभावी : ब्रिटिश विशेषज्ञ

लंदन। ब्रिटेन में टीकाकरण कार्यक्रम के लिए सलाह देने वाले एक अग्रणी वैज्ञानिक ने कहा है कि कोविड-19 रोधी टीके वायरस के बी 1.617.2 स्वरूप के प्रसार की रोकथाम में निश्चित रूप से कम प्रभावी हैं। वायरस के इस स्वरूप की पहचान सबसे पहले भारत में हुई थी। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और टीकाकरण पर संयुक्त कमेटी (जेसीवीआई) के उपाध्यक्ष एंथनी हार्नडेन ने कहा कि इंग्लैंड में लॉकडाउन में ढील देते हुए बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि वायरस का वह स्वरूप कितना संक्रामक है जिसकी पहचान भारत में हुई है। हालांकि, हार्नडेन ने कहा कि अभी तक ऐसे प्रमाण नहीं मिले हैं कि यह स्वरूप ज्यादा जानलेवा या संक्रामक है। यह भी नहीं पता कि क्या वायरस का कोई खास स्वरूप टीका से बच सकता है। हार्नडेन ने बीबीसी से कहा, हल्की बीमारी में टीके कम प्रभावी हो सकते हैं लेकिन हमें नहीं लगता है कि गंभीर बीमारी में वे कम प्रभावी होंगे। लेकिन, कुल मिलाकर हल्की बीमारी की स्थिति में संक्रमण को रोकने में निश्चित तौर पर ए कम प्रभावी हैं।

अधिकारियों ने अमेरिकी सांसदों को भारत को दी जा रही मदद की जानकारी दी

वाशिंगटन। अमेरिका में अधिकारियों के एक दल ने अमेरिकी सांसदों को कोविड-19 से निपटने में अमेरिका की ओर से भारत को दी गई मदद संबंधी जानकारी दी, जिसके बाद सांसदों ने बाइडन प्रशासन से अपील की कि वह भारत को तत्काल अतिरिक्त चिकित्सीय आपूर्ति पहुंचाने के लिए सेना की भी मदद ले। सांसद ब्रैड शरमन ने भारत को दी गई मदद के बारे में अधिकारियों द्वारा जानकारी मुहैया कराने के एक दिन बाद कहा, मैंभारत में कोविड संबंधी हालात की जानकारी मुहैया कराने के लिए इतनी अधिक संख्या में लोगों को भेजने पर बाइडन प्रशासन की सराहना करता हूं।

यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर भारत से लौटा पहला विमान

भाषा। मेलबर्न

भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण लगाया गया दो सप्ताह का यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद पहला विमान भारत में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचा। प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दीं। क्वांटास विमान स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से थोड़ा पहले रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के एयरबेस पर पहुंचा। इसके जरिए 150 यात्रियों को लाया जाना था, लेकिन अंततः केवल 80 नागरिक स्वदेश लौटे। एबीसी न्यूज ने भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल के हवाले से कहा, शुक्रवार को पहली उड़ान में कई यात्रियों को सवार होने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने का पता चला।

जातिसूचक टिप्पणी को लेकर मुनमुन दत्ता के विरुद्ध प्राथमिकी

हिसार। हरियाणा पुलिस ने एक वीडियो में अनुसूचित जाति के लोगों के विरूद्ध कथित रूप से जातिवादी टिप्पणी करने को लेकर टी वी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री मुनमुन दत्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वैसे इस मामला के दर्ज होने से पहले ही अभिनेत्री ने माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वह हर उस व्यक्ति से माफी मांगती हैं जो गलत शब्द के इस्तेमाल की वजह अनजाने में उनसे आहत हुए हैं। दत्ता ने दावा किया कि भाषा संबंधी अड़चन के कारण उन्होंने गलत शब्द का इस्तेमाल किया और वाकई उन्हें उसके अर्थ की गलत जानकारी दी गई थी। हरियाणा के हांसी शहर में नेशनल एलायंस फॉर दलित ह्यमून राइट्स के संयोजक रजत कालसन की शिकायत पर दत्ता के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। हांसी पुलिस ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

मैंने अपने करियर में अधिक हास्य किरदार नहीं निभाए: जैकी श्रॉफ

नई दिल्ली। जानेमाने अभिनेता जैकी श्रॉफ का कहना है कि वह अब फिल्मों में अधिक हास्य भूमिकाएं कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि उन्होंने अभी तक पर्दे पर अपने व्यक्तित्व के इस हिस्से को अच्छी तरह से पेश नहीं किया है। यही कारण है कि जब उनके करीबी मित्र एवं बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई में अभयंकर का किरदार निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो 64 वर्षीय अभिनेता इसके लिए सहज ही तैयार हो गए। श्रॉफ ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, जैसा हमेशा होता है, सलमान ने मुझे फोन किया और कहा कि उनके परिवार द्वारा एक फिल्म बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह एक हास्य किरदार है और मुझे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभानी है। तो मैंने कहा ठीक है। मैं इस फिल्म में जो कर रहा है वह हास्य है, और किसी को इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि काफी लंबे समय के बाद उन्हें हास्य फिल्मों के लिए अधिक प्रस्ताव मिलने शुरू हुए हैं।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मैंने अपने करियर में अधिक हास्य अभिनय नहीं किया है। हास्य फिल्म करना आसान नहीं है ... काफी समय बाद मुझे हास्य भूमिकाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने हाल में हैलो चार्ली में काम किया और राधे के बाद, मुझे फोन भूत में काम करना है, जो एक बार फिर एक अच्छी पटकथा है।

शेमारू टीवी पर जगाने आस्था और विश्वास आ रहे हैं

सिया के राम

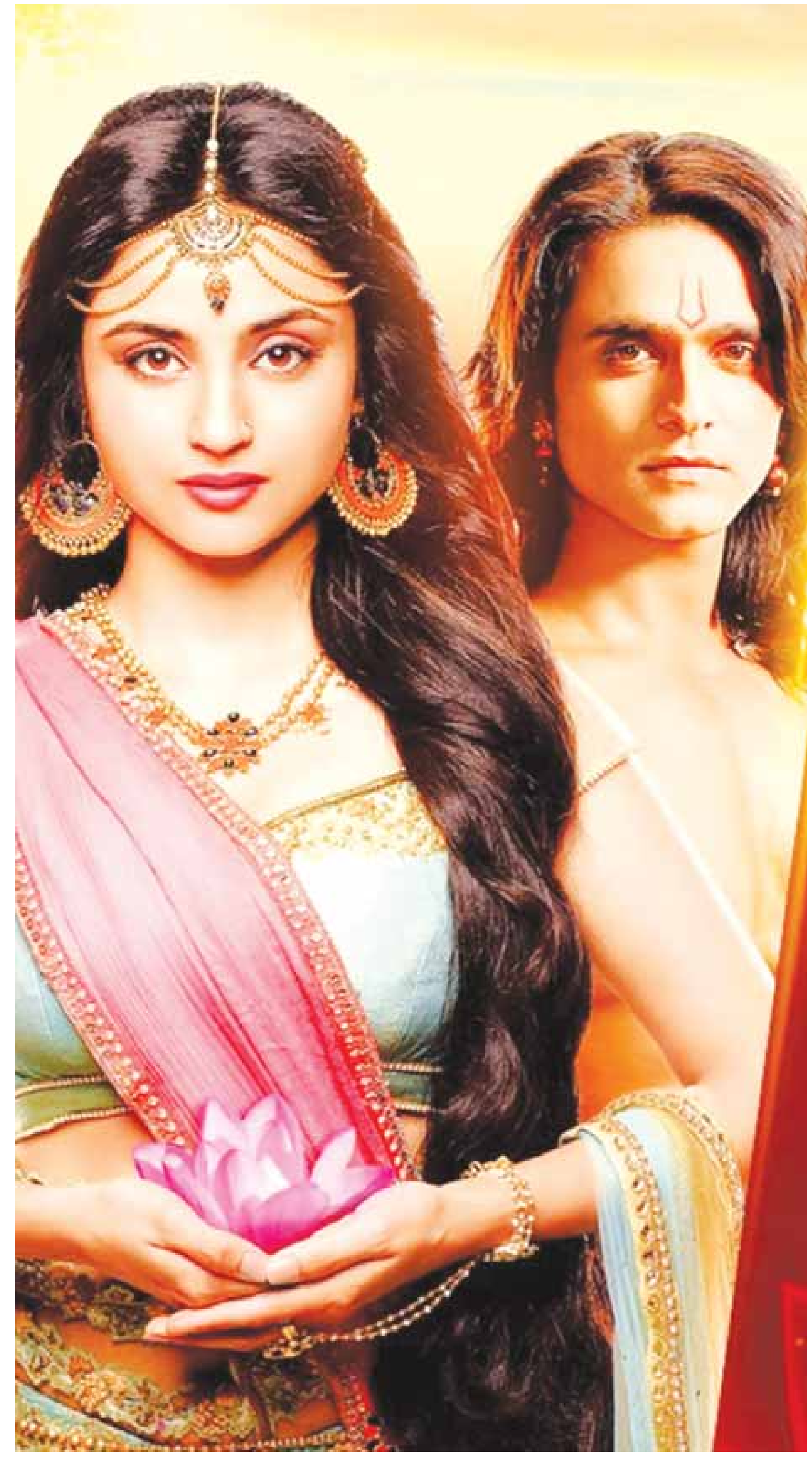

मनोरंजन जगत में चमचमाते सितारे की तरह उभरनेवाले शेमारू टीवी ने हाल ही में सफलतापूर्वक एक साल पूरा किया है। इस एक साल में करोड़ों दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बनकर शेमारू टीवी ने शोज़ और उपहारों के ज़रिए कइयों के सपनों को पंख दिए हैं, तो बहुतों की मनचाही मुराद पूरी की है। ऐसे में एक बार फिर अपने प्रिय दर्शकों के लिए शेमारू टीवी लेकर आ रहे हैं भक्ति रस से भरपूर एक नया और बेहद अनूठा शो सिया के राम इस शो में पहली बार आप देखेंगे कि कैसे रामायण को सीता जी के नज़रिए से दिखाया गया है। देश का बच्चा-बच्चा रामायण की जिस कहानी से रूबरू है, उसी रामायण को बिल्कुल नए नज़रिए से देखना और कुछ नए तथ्यों का उजागर होना यक़ीनन दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और अनूठा होगा। कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन से देश में हर तरफ़ डर, संशय और निराशा का अंधकार पसरा है, ऐसे में शेमारू टीवी का शो सिया के राम लोगों के मन में आस्था और विश्वास की लौ जगाने में यक़ीनन कामयाब होगा।

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है, जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है। शो के सभी दृश्यों को बेहद आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है, जिन्हें देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। शो में सिया और राम के किरदार मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा ने निभाए हैं। देवी सीता के सशक्त किरदार को मदिराक्षी ने अपने बेहतरीन अभिनय से एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। रामायण के दूसरों शोज़ में सीता को ज़्यादातर शांत दिखाया गया है, जबकि सिया के राम की सीता कर्तव्य पालन के साथ-साथ विचारों की स्वतंत्रता को भी प्राथमिकता देती हैं और समय-समय पर अपने पिता और पति के समक्ष अपने विचार खुलकर रखती हैं। आपको बता दें कि जहां प्रभु श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, वहीं माता सीता को सर्वोत्तम आदर्श माना गया है। एक आदर्श पुत्री, आदर्श पत्नी, आदर्श मां के साथ ही वो एक आदर्श स्त्री हैं, जो आज की आधुनिक नारी के लिए प्रेरणाश्रोत हैं।

रामायण की महत्वपूर्ण पात्र होने के बावजूद रामायण के अन्य शोज़ में माता सीता के किरदार, उनके चरित्र और बलिदान को उतनी प्रधानता नहीं दी गई है, जिसकी वो हक़दार हैं, जबकि सिया के राम में त्याग की मूर्ति देवी सीता के चरित्र और बलिदान को बेहद ख़ूबसूरत ढंग से दर्शाया गया है। लक्ष्मण की भूमिका निभानेवाले करण सूचक ने अपनी ख़ुशी बयां करते हुए

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है।

कहा, मैं बेहद खुश हूं की मेरे दर्शक मुझे एक बार फिर से लक्ष्मण के रूप में देख पाएंगे। सिया के राम मेरे दिल के बहुत करीब रहा है और में शेमारू टीवी का तहे दिल से सुक्रिया अदा करना चाहता हु की उन्होंने ना सिर्फमेरे दर्शको को पर मुझे भी सिया के राम देखने का दोबारा मौका दिया और उन लम्हो को वापिस से जीने का अवसर दिया । मेरा विश्वास है की कोविद के दर के सौरन हमारा यह शो सब के मन में आस्था की एक किरण जरूर जगायेगा और हम जल्द ही पुराने दिनों के तरह ज़िन्दगी जी पाएंगे।

सिया के राम शो में मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा के अलावा लक्ष्मण और उर्मिला का किरदार निभानेवाले करण सूचक और युक्ति कपूर मुख्य भूमिका में हैं। यह शो शेमारू टीवी पर 14 मई से हर रात 7.30 बजे प्रसारित हो रहा है।

पाकिस्तान: सर गंगाराम का समाधि स्थल 10 साल बाद फिर जनता के लिए खुलेगा

लाहौर। प्रख्यात हिंदू समाजसेवी और शीर्ष वास्तुकार सर गंगाराम के लाहौर स्थित समाधि स्थल को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। 10 साल पहले कुछ लोगों ने इस स्थल पर अवैध कब्जा कर लिया था। प्रशासन ने इस स्थल को कब्जा मुक्त कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पंजाब प्रांत के लाहौर में टक्साली गेट के पास सर गंगाराम की समाधि है। लोगों के एक समूह द्वारा इस पर अवैध कब्जा कर लेने की वजह से पिछले एक दशक से इस स्थल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया था। इवैक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के उपनिदेशक फराज अब्बास ने कहा, हमने कुछ लोगों के समूह के कब्जे से इस जमीन को वापस ले लिया है और सर गंगाराम समाधि के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया है। जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के बाद समाधि को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महान वास्तुकार के कार्यों को प्रदर्शित करते हुए यहां एक कलावीथिका (आर्ट गैलरी) भी खोली जाएगी। उन्होंने कहा, जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन समारोह में स्थानीय हिंदुओं को आमंत्रित किया जाएगा। लाहौर से करीब 65 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के पास मंगतवाला में 1851 में जन्मे राय बहादुर गंगाराम पेशे से एक सिविल इंजीनियर और वास्तुकार थे। उन्होंने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर की शहरी संरचना में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लाहौर उच्च न्यायालय, एटचिसन कॉलेज, हेली कॉलेज ऑफ कॉमर्स, लाहौर म्यूजियम, मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स आदि के भवनों का डिजायन तैयार किया था। सर गंगाराम ने लाहौर में अस्पताल के निर्माण के लिएजमीन दान में दी। लाहौर के मौजांग क्षेत्र में 1921 में सर गंगाराम अस्पताल की स्थापना हुई। लंदन में वर्ष 1927 में 76 वर्ष की उम्र में सर गंगाराम का निधन हुआ।

डांस दीवाने में माधुरी दीक्षित के प्यारे अंदाज ने दिलायी सरोज खान की याद

माधुरी दीक्षित ने हमेशा ही अपने नृत्य कौशल से सबको मंत्र.मुग्ध किया है और ऐसा होना तो लाजिमी है क्योंकि वह इस क्षेत्र की बेहतरीन, महान डांसर सरोज खान को अपना आदर्श मानती हैं। इन दोनों ने बॉलीवुड के अब तक के सबसे यादगार और पसंद किये गये डांस परफार्मेंस दिये हैं।

इस बार कलर्स के डांस दीवाने में सिज़ा और पल्लवी की डांस परफार्मेंस को देखकर माधुरी को अपनी मास्टरजी सरोज खान की याद आ गयी। उनकी यह परफॉर्मेंस माधुरी के लिये थी। तबाह हो गए् पर उनकी ज़बर्दस्त परफार्मेंस को देखकर माधुरी और बाकी सारे जज हैरान रह गये।

उनकी परफार्मेंस देखकर माधुरी दीक्षित भावुक हो गयीं और उन्होंने कहा पल्लवी और सिज़ा अपने डांस मूव्स में इतनी कमाल की थीं कि उन्हें सरोज खान की याद आ गयी। माधुरी दीक्षित कहती हैं शानदार परफार्मेंस। आपका डांस देखकर ऐसा लगा कि साक्षात सरोज जी मेरे सामने खड़ी हैं। ष्तबाह हो गएष् सरोज जी के साथ मेरा आखिरी गाना था। वो यादें जब उन्होंने मुझे डांस सिखाया था आज फिर से ताज़ा हो गयीं। मुझे आज भी याद है अच्छी परफार्मेंस के लिए वो 101 रूपये का ईनाम देती थीं। आज उनकी ओर से मैं आप दोनों को 101 रुपये का पुरस्कार देना चाहती हूं। माधुरी दीक्षित इतनी भावुक हो गईं कि उनकी आंखों में आंसू आ गये थे। खैर, इसे कहते हैं डांस की ताकत!

करण वोहरा ने कलर्स के शो पिंजरा खूबसूरती का में एक दबंग एसीपी राघव शास्त्री के रूप में की एंट्री

कलर्स के लोकप्रिय शो पिंजरा खूबसूरती का ने अपनी जबर्दस्त कहानी से दर्शकों को सम्मोहित कर रखा है। कहानी को और दिलचस्प बनाने के लिए कुछ मज़ेदार किरदार को पहली बार शो में शामिल किया जायेगा। इस शो की प्रमुख किरदार मयूरा रिया शर्मा अभिनीत ने बहुत सारी चुनौतियों का सामना करते हुए जिन्दगी में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। ओमकार साहिल उप्पल अभिनीत ने भी हालातों से सबक लेते हुए अपने आप को बदल लिया है । मयूरा के प्रति उसका नजरिया बदल गया है, वह उसे एक अलग नजर से देखने लगा है। शो के मौजूदा ट्रैक में दिखाया जा रहा है कि ओमकार, विशाखा की एक पहेली सुलझाता है और तारा को बचाने के लिए हवेली की तरफ भागता है। बाद में विशाखा मयूरा को हवेली की तरफ आकर्षित करती है ताकि ओमकार और मयूरा के बीच गलतफहमी पैदा हो जाये। विशाखा के झांसे में आकर मयूरा मान लेती है कि तारा को ओमकार ने वहाँ रखा है। पूरे वक्त अंधा बने रहने का नाटक करने पर मयूरा ओमकार से काफी नाराज़ हो जाती है। वह ओमकार को बहुत फटकारती है और तारा को लेकर हॉस्पिटल की तरफ भागती है।

उपेक्षा का दंश झेल रहा प्राचीन वाणेश्वर बनीपारा महादेव मंदिर

रविकान्त दुबे, कानपुर देहात

महाभारतकालीन प्राचीन वाणेश्वर महादेव मॅदिर उपेक्षा का दॅश झेल रहा है। धार्मिक पर्यटन की अपार सॅभावनायें समेटे जिनई बनीपारा के विशाल शिवलिंग वाले मॅदिर की स्थापना दैत्यराज वाणासुर ने की थी।

आज भी सबसे पहले शिवलिंग का पूजन करती है ऊषा

कानपुर देहात। मान्यता है कि आज भी जब गृभगृह के दरवाजे खोले जाते है तो शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ बेलपत्री, धतूरा चढा मिलता है मॅदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा शिवलिंग पर प्रथम जलाभिषेक व पूजन अर्चन करती है।

जनपद के प्रमुख कस्बे रूरा से रूरा मिण्डाकुॅआ मार्ग पर 7 किमी की दूरी पर स्थित वाणेश्वर महादेव मॅदिर के विषय में विभिन्न प्रकार की मान्यतायें हैं। रूरा बनीपारा सहित क्षेत्रीय बुर्जग ग्रामीण बताते है कि दैत्यराज वाणासुर ने भगवान शिव की घोर तपस्या की थी वाणासुर ने महादेव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर अपने महल में रहने का वरदान मॉगा। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वाणासुर की पुत्री ऊषा ने भगवान शिव को अपनी तपस्या से प्रसन्न किया था जिसके फ्लस्वरूप भगवान शिव ने उसको वरदान स्वरूप अपने राज्य में स्थापित होने को बाध्य होना पडा। भगवान शिव ने अपने वरदान के परिणाम पर चिन्तन शुरू किया तो अनिष्ट की आशॅका के चलते दैत्यों द्वारा अपने स्वरूप के दुरूपयोग पर शिवलिंग को रास्ते में कहीं भी जमीन पर न रखने की शर्त रख दी। वरदान के बाद भगवान शिव के विशाल शिवलिंग को लेकर वाणासुर अपने महल की ओर चला रास्ते में उसे जोर की लघुशॅका लगी तभी उसे एक चरवाहा दिखा चरवाहा को वाणासुर शिवलिंग सौंप कर लघुशॅका का निवारण करने लगा। इसी बीच चरवाहा शिवलिंग का भारी भार बर्दाश्त नहीं कर पाया और शिवलिंग को जमीन पर रख दिया।

वाणासुर जब वापस लौटकर आया तो शिवलिंग को जमीन पर रक्खा देखकर बहुत नाराज हुआ और चरवाहा को बुला भला कहा। उसके बाद वाणासुर ने विशाल शिवलिंग को धरती से उठाने का भरसक प्रयास किया परन्तु शिवलिंग टस से मस न हुआ मजबूरी में वाणासुर को वहीं शिवलिंग की स्थापना करनी पडी। यही मॅदिर वाणेश्वर महाराज जिनई बनीपारा के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

श्रावण के सोमवार व महाशिवरात्रि का है विशेष महत्व

कनपुर देहात। सावन के सोमवारो व महाशिवरात्रि को शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से भक्तों के सभी मनवॉछित फ्ल प्राप्त हो जाते है। शिवरात्रि से होली तक जिनई बनीपारा में विशाल मेला लगता है। जिसमें हजारों की सॅख्या में क्षेत्रवासी वर्षों से आकर सिंघाडदाना, स्वादिष्ट मीठे बेर सहित अन्य खाद्य व घरेलू उपयोगी पदार्थों की खरीददारी करते है।

5 बिस्वा काशी के पुण्यफल की मान्यता है यहां

कानपुर देहात। पूर्व प्रधान बनीपारा रामहित सिंह ने बताया कि बनीपारा के देवकीपुरवा के पास काशीतालाब करीब 5 बिस्वा के क्षेत्रफ्ल के आकार का पूर्व में स्थापित था, जो आज सिमटकर अपने असतित्व की बॉट जोहता नजर आता है। इस 5 बिस्वा जमीन के विषय में अर्से से मान्यता है कि देवाधिदेव महादेव की नगर की काशी के पुण्यफ्ल का 5 बिस्वा हिस्सा यहॉ स्थित रहा है।

श्रोणितपुर (केशीपुर) पाताल मार्ग से होकर करते थे पूजा

- केशीपुर में खुले में रखा शिवलिंग का आकार वाणेश्वर के बराबर
- महाभारतकालीन सात बहनों की मूर्तियॉ भी नजदीक में हैं स्थापित

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा रूरा स्थित वाणेश्वर महादेव मॅदिर के पास स्थित अपने महल से करीब 5 किमी की दूर पर महाभारत कालीन श्रोणितपुर(अब केशीपुर) में दैत्यराज वाणासुर व उसकी पुत्री ऊषा पाताल मार्ग से भगवान शिव के विशाल शिव लिंग की अराधना करने आते थे। यहॉ महाभारतकालीन ही भगवान शिव की परमभक्त रही सातबहनों का मॅदिर भी स्थित था, आज भी यहॉ खुले आसमान के नीचे जमीन पर रक्खा विशाल शिवलिंग व सात बहनों की मूर्तिया इतिहास की सच्चाई बयान करते नजर आती है।

वाणासुर व भगवान कृष्ण के मध्य युद्ध में धवस्त हो गया था महल

कानपुर देहात। दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा को भगवान कृष्ण के पौत्र अनिरूद्ध से प्रेम हो गया। इस बात से नाराज हो वाणासुर ने अनिरूद्ध को कैद कर लिया। भगवान कृष्ण को जब अपने पौत्र की कैद के सम्बन्ध में जानकारी हुयी तो उन्हों दैत्य राज की नगरी में धावा बोल उसके महल का विध्वॅस कर अनिरूद्ध को कैद से मुक्ति दिलायी।

ऊषा बुर्ज व ऐतिहासिक रानी तालाब का असतित्व सॅकट में

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा के वाणेश्वर महादेव मॅदिर के पास स्थित रानी तालाब देख रेख के अभाव में अपने असतित्व के सॅकट से जूझता नजर आ रहा है। ऊषा बुर्ज के सम्बन्ध में कई किदवॅतियॉ प्रचलित है अलग-अलग लोग ऊषा बुर्ज के स्थान पर भिन्न राय रखते नजर आ रहे है।